आपकी वित्तीय क्रांति

विश्राम की सामर्थ

गैरी कीसी

R E V

आपकी वित्तीय क्रांति

विश्राम की सामर्थ

O L U

गैरी कीसी

T I O N

Your Financial Revolution, Power of Rest, Hindi
Copyright © 2022 by Gary Keesee

Originally published in English
Copyright © 2018 by Gary Keesee
ISBN: 978-1-945930-03-4

Gary Keesee Ministries,
P.O. Box 779, New Albany,
OH 43054, USA

GaryKeesee.com

This book is a FREE GIFT from Gary Keesee Ministries and is NOT FOR SALE

आपकी वित्तीय क्रांति: विश्राम की सामर्थ, हिंदी
Copyright © 2022 द्वारा गैरी किसी

मूलतः अंग्रेज़ी भाषा में प्रकाशित
Copyright © 2018 द्वारा गैरी किसी
ISBN: 978-1-945930-03-4

गैरी किसी मिनिस्ट्रीज़
P.O. Box 779, न्यू अल्बेनी
OH 43054, USA

GaryKeesee.com

यह पुस्तक गैरी कीसी सेवकाई की ओर से मुफ़्त उपहार है और बिक्री के लिए नहीं है

मैं इस पुस्तक को अपनी पत्नी, ड्रेंडा को समर्पित करना चाहता हूं, क्योंकि यह उनका प्रोत्साहन है, परमेश्वर की बातों के लिए उनका प्यार है, और अपने परिवार और मेरे लिए उनका प्यार है जिसने मुझे इन सभी वर्षों में प्रेरित किया है। हमने साथ मिलकर साबित कर दिया है कि सपने सच होते हैं!

गैरी किसी

विषय सूची

परिचय. 7

अध्याय 1: विश्राम - मूलभूत बातें 11

अध्याय 2: क़ानूनी अधिकार 25

अध्याय 3: राज्य आपका उत्तर है 45

अध्याय 4: मुझे राज्य की एक प्रमुख कुंजी मिली! 65

अध्याय 5: उड़ान भरना चलने से बेहतर है 79

अध्याय 6: जीवन में बिल भरने के सिवाय और भी बहुत कुछ है! 99

अध्याय 7: ऐसा हो ही नहीं सकता! 111

अध्याय 8: दोहरा भाग 123

अध्याय 9: पर्याप्त से अधिक! 137

अध्याय 10: दोहरे हिस्से का रहस्य 161

परिचय

जिस दिन हमने फार्महाउस छोड़ा वह कड़वे-मीठे मिश्रित भावों से भरा था। हम उस पुराने, छोटे, जीर्ण-शीर्ण फार्महाउस में लगभग नौ साल तक रहे, और अब मैं अपनी वैन में आखिरी सामान उठाकर रख रहा था। हम अपने नए घर की ओर जा रहे थे, जिसे हमने खुद बनाया था, एक 7,700 वर्ग फुट, जॉर्जियाई घर 55 एकड़ के खूबसूरत ओहियो फार्मलैंड पर बना था और 20 एकड़ जंगल और दलदल से घिरा हुआ था। यह एक सपने के सच होने जैसा था लेकिन कुछ साल पहले ऐसे घर की कल्पना करना भी मुश्किल था।

भले ही हम यह फार्महाउस छोड़ रहे थे, लेकिन मुझे यह पुराना घर पसंद था। हाँ, खिड़कियों टूटे हुए शीशे, धूल भरा तहखाना और लगातार मधुमक्खी के हमलों के बावजूद, हम वहाँ रहते थे। ऐसी कई यादें दिमाग में आईं। मेरे पांच में से दो बच्चे वास्तव में यहीं घर में पैदा हुए थे।

हमने वहां कई अच्छे समय का अनुभव किया लेकिन कई बार आर्थिक तनाव और निराशा हुई। सीखने के लिए बहुत कुछ था। हालांकि अब कल्पना करना मुश्किल है, लेकिन जब हम नौ साल पहले उस पुराने फार्महाउस में चले गए, तो हमें प्रति माह 300 डॉलर का किराया देना भी कठिन हो जाता था। हमारी दोनों कारें बहुत पुरानी थीं, वे सैकड़ों हजारों मील चल चुकी थी, और फिर भी उन पर कर्ज खत्म नहीं हुआ था। उस समय, ऐसा लग रहा था कि हमपर सभी का पैसा बकाया हैं। हमने दस क्रेडिट कार्ड पूरी तरह से इस्तेमाल किए थे और भुगतान न करने के कारण उन्हें रद्द कर दिया गया था; हमारे ऊपर दो फाइनेंस कंपनियों का कर्ज था; अर्थात, हमारी दो कारों का भुगतान; आईआरएस ग्रहणाधिकार; हम पर हज़ारों रिश्तेदारों का क़र्ज़ था; और यह सूची बढ़ती ही चली जा सकती है। हम केवल गुजारा करने की कोशिश कर रहे थे, कभी-कभी सिर्फ किराने का सामान खरीदने के लिए घरेलू सामान बेच देते थे। हमारे घर का फर्नीचर और अन्य सामान बहुत पुराना और टुटा फूटा था क्योंकि हमने पुरानी अपनी गृहस्थी के लिए पुरानी ही चीजें खरीदी थीं।

उस समय हमारी कठिन आर्थिक स्थिति के कारण उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद कम ही थी। वास्तव में, मुझे स्थिति बदलने की उम्मीद ही नहीं थी। मै अपने परिवार से प्यार करता

था, मेरी एक खूबसूरत पत्नी थी, लेकिन मैंने उन्हें आर्थिक नर्क में डाल दिया था, और मैं उन्हें इसमें और भी अधिक घसीट रहा था!

मैं एंटीडिप्रेसेंट ले रहा था, हर दिन पैनिक अटैक का सामना कर रहा था और मेरा दैनिक जीवन डर के साथ खत्म हो गया था। संक्षेप में, मै ऐसा खुशमिजाज़ व्यक्ति नहीं था जो लोग मुझे अपने आसपास रखना पसंद करें। मैं एक जीवन बीमा एजेंट था, और इससे मिलने वाले कमीशन पर जी रहा था, और मै वित्तीय बर्बादी के अलावा और कहीं नहीं जा रहा था। धीरे-धीरे हम कर्ज में इतने उलझ गए कि हमारे पास और अधिक कर्ज लेने का कोई रास्ता ही नहीं बचा था। इस बार मैं भावनात्मक रूप से टूट गया था। मैं भय और दहशत से अभिभूत था। मैं घर से बाहर निकलने से डरता था, और कमीशन पर जीवनयापन करने वाले व्यक्ति के लिए ऐसा व्यवहार अच्छा नहीं है।

मेरी पत्नी ने सोचा कि वह अब अपने पति को खोने वाली है, और उस समय उसे इस बात की चिंता थी कि वाह अपने चार बच्चों का पालनपोषण अकेले कैसे करेगी। लेकिन वह प्रार्थना की शक्ति में दृढ़ विश्वास रखती है, और उसने मेरे विषय मी हार नाही मानी। हमने एक साथ मिलकर प्रार्थना की और फिर परमेश्वर के राज्य के सिद्धांतों की खोज शुरू की। जब हमने उत्तर और सिद्धांतों को खोजने के लिए परमेश्वर की खोज की, तो हमारे हृदयों में आशा उत्पन्न होने लगी, और जब हमने परमेश्वर द्वारा हमें दिखाई गई बातों को लागू किया, तो हमने एक के बाद एक चमत्कार देखना आरम्भ किया।

एक रात एक निर्णायक क्षण आया जब परमेश्वर ने मुझे दिखाया कि मुझे वित्तीय क्षेत्र में अपनी खुद की कंपनी शुरू करनी है जिससे लोगों को कर्ज से बाहर निकलने में मदद मिल सके और उन्हें वे सिद्धांत सिखाए जा सकें जो वह मुझे दिखा रहा था। उस समय, लोगों को कर्ज से बाहर निकलने का तरीका दिखाने के लिए एक कंपनी शुरू करना अजीब लग रहा था क्योंकि हम खुद ही अभी भी बहुत कर्ज के नीचे थे। हमने इस बारे में प्रार्थना की, लेकिन प्रभु ने हमें बताया कि जैसे-जैसे हम इसके लिए कदम बढ़ाएंगे और उसके सिद्धांतों को लोगों को सिखाना शुरू करेंगे, हमें अपनी भी स्वतंत्रता मिलेगी। कंपनी शुरू करना विश्वास का एक पड़ाव था क्योंकि हमें नहीं पता था कि यह कैसे करना है, लेकिन हम इस पर डटे रहे। कंपनी का विकास हुआ, और इसके द्वारा हमे जो आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ उससे हमारा परिवार ढाई

साल में पूरी तरह से कर्ज से मुक्त हो गया। मैं अगले अध्याय में हमारी कंपनी के बारे में कुछ और बात करूंगा, लेकिन अभी के लिए, बस इतना जान लीजिए कि हमारा जीवन पूरी तरह से बदल गया! मै आपको नहीं समझा सकता कि स्वतंत्र महसूस करना कैसा लगता है, कार डीलरशिप में जाकर नई कार के लिए नकद भुगतान करना कैसा लगता है। हमारे नए घर के लिए डिज़ाइन बनाने, और निर्माण के कार्य के लिए भुगतान करना कैसा लगा। हम जो आनंद ले रहे थे वह उन सभी बातों से परे था जिसकी हम कल्पना कर सकते है।

जी हां, फार्महाउस से जुडी हमारी कुछ बेहतरीन यादें थी। जब मैं घर से सामान का आखिरी डिब्बा उठाने के लिए गया, और देखा कि मेरी पत्नी डायनिंग रूम में खड़ी थी। उसने मेरी तरफ़ देखा, उसकी आंखों में आंसू थे। वे उदासी के आँसू नहीं थे; वे खुशी के आंसू थे और भावनाओं के आवेग के आंसू थे, क्योंकि उसे वह सब याद आ रहा था जो परमेश्वर ने हमें वहां सिखाया था। मैं भी जब उन कमरों को आखरी बार देख रहा था तो भावनाविवश हो गया, और अपने आँसुओं को रोका, और मिश्रित भावनाओं के साथ उन सभी बातों को याद किया जो वहां हमारे साथ हुई थी। हम अपने जीवन का एक अध्याय बंद कर रहे थे और नए क्षेत्र में जा रहे थे। अब हमारे सामने क्या था? यह यात्रा हमें आशाहीनता और निराशा से, आशा से भरे भविष्य की ओर ले गई थी। जैसे ही मैं आखिरी डिब्बा लेकर बाहर गया, मैं रुक गया और मुस्कुराते हुए घर की ओर देखा। "नहीं, मैं तुम्हें याद नहीं करूंगा। मेरे पास अब एक बेहतर जगह है।"

जब हमने उत्तर और सिद्धांतों को खोजने के लिए परमेश्वर की खोज की, तो हमारे हृदयों में आशा उत्पन्न होने लगी, और जब हमने परमेश्वर द्वारा हमें दिखाई गई बातों को लागू किया, तो हमने एक के बाद एक चमत्कार देखना आरम्भ किया।

निश्चित रूप से हमारे नए घर में जाना रोमांचकारी था। लेकिन हमारी यात्रा की सबसे अच्छी बात यह थी कि अंत में आराम था! अब मैं केवल बिलों का भुगतान करने के बारे में नहीं परन्तु मेरे भविष्य के बारे में सोच सकता था। वर्षों से, परमेश्वर के विश्राम में रहना एक परम सपना रहा है! हमारी कारों का पूरा पैसा चुकाया जा चुका है यह सुकून की बात है। कर्ज मुक्त

होना तसल्ली है। 55 एकड़ में अपने सपनों का घर होना शांतिभरा अनुभव है। मेरी पत्नी जब खरीदारी करने जाती है और उसे पैसे की चिंता नहीं होती है तब उसके चेहरे पर मुस्कान देखकर तो आराम महसूस होता है। हमें जो कुछ भी चाहिए, उसके अलावा, दूसरों को सैकड़ों-हजारों डॉलर देने और सुसमाचार प्रचार के कार्य के लिए पर्याप्त धन होना आरामदायक अनुभव है। लेकिन शायद मेरे जीवन में सबसे बड़ा परिवर्तन उन सभी शुरुआती वर्षों में मेरे जीवन को घेरने वाले दबाव और भय के साथ हर दिन जागना नहीं था। केवल एक और सप्ताह जीवित रहने के सपने देखने के बजाय अच्छी चीजों के सपने फिर से देखने में सक्षम होना आराम और विश्राम है।

ड्रेंडा और मैंने खोज करके जो पाया वह आपके लिए उतना ही उपलब्ध है जितना हमारे लिए था।

मै जानता हूँ कि आप क्या सोच रहे हैं। यही कि काश मेरे पास भी यह सब होता। काश मेरे पास वह अनुभव होता और मै भी हँस पाता, सपने देख पाता, और बिलों का भुगतान करने की चिंता के अलावा किसी और बातों पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हो पाता। इस पुस्तक में लिखी गई इन बातों पर विश्वास करना आपके लिए मुश्किल हो सकता है, लेकिन, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि ड्रेंडा और मैंने जो खोजा वह आपके लिए भी उतना ही उपलब्ध है जितना कि हमारे लिए उपलब्ध था। मेरी प्रार्थना है कि जब हम अपनी कहानी आपको बताते हैं, तब आप भी परमेश्वर के नियमों और सिद्धांतों को अपने जीवन में भी लागू करने के लिए प्रोत्साहित हो जाएंगे।

यह वास्तव में इतना कठिन नहीं है; आपको बस विश्राम की सामर्थ की खोज करने की आवश्यकता है!

> *"हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा। मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो, और मुझ से सीखो; क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूँ : और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे। क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हल्का है।"*
>
> — मत्ती 11:28-30

1

विश्राम - मूलभूत बातें

विश्राम - एक विशिष्ट स्थिति में रहने के लिए स्थापित या समर्थित होना, आराम करने की स्थिति या समय या फिर किसी भी प्रकार की तनावपूर्ण या परिश्रम के कार्य करने से रुक जाना। (गूगल।)

क्या अप थक गए है? क्या आपको अधिकतर समय परिश्रम करना पड़ता है और आपका काम पूरा ही नहीं होता है? क्या आप पैसों की ज़रूरत के अनुसार अपने निर्णय लेते है कि आपको कहाँ काम करना हैं या कैसे काम करना हैं या आपको कितने समय तक काम करना हैं? क्या आप को ऐसा लगता है कि आप कभी कर्ज से बाहर नहीं निकलेंगे? क्या आपको ऐसा लगता है कि आप भी भीड़ के चूहा दौड़ में दौड़ने का जीवन जी रहे हैं? अगर ऐसा आपको अपने विषय में महसूस होता हैं, तो आप अकेले नहीं हैं।

क्या आपने कभी हैम्सटर व्हील देखा है? मुझे यकीन है कि आपने इसे अवश्य देखा है, लेकिन अगर आपने इसे नहीं देखा है, तो यह एक पहिया होता है जिसे हम्सटर अर्थात एक प्रकार के चूहे के पिंजरे में रखा जाता है। हम्सटर अर्थात यह चूहा उस पहिये पर चढ़ जाता है और दौड़ता है और दौड़ता है और तब तक दौड़ता है जब तक कि वह थककर बेहाल ना हो जाए। लेकिन उस पहिये में केवल एक ही समस्या है। हैम्सटर कितनी भी तेजी से या कितनी भी देर तक उस पहिए पर दौड़ता रहे, जब उसका दौड़ना बंद हो जाता है, या थककर दौड़ना बंद कर देता है और उस पहिए पर से उतर जाता है, तो वह उसी स्थान पर होता है जहां से उसने शुरुआत की थी। कुछ नहीं बदला होता है। वह संतुष्ट भाव से अपने प्यारे नन्हे चेहरे से पसीना पोंछ देता है। लेकिन जीवन में उनकी स्थिति को बदलने या उसे लाभ प्राप्त होने के लिए कुछ भी नहीं हुआ है; वह आज़ाद नहीं हुआ है, अभी भी पिंजरे में बंद है। यही बात सभी के लिए

शायद सच ना हो लेकिन अनेक लोगों के जीवन और उनकी आर्थिक स्थिति के बारे में सच है। वे पूरे हफ्तेभर कड़ी मेहनत करते हैं और सप्ताह के अंत में एक स्थान में आकर थक जाते हैं, लेकिन जब सोमवार की सुबह होती है, तो वे खुद को ठीक उसी स्थान पर पाते हैं जहाँ वे एक सप्ताह पहले थे। उन्होंने जो कुछ किया, जो परिश्रम किया उसके कारण वे एक सप्ताह के लिए बच गए इससे अधिक कुछ भी नहीं।

यह नौ वर्षों के मेरे जीवन की तस्वीर थी। मैं दिन में 15 से 18 घंटे परिश्रम करने में लगा रहता था, मैं मेहनती था, और मैंने कड़ी मेहनत की, लेकिन मुझे जो पैसे मिलते थे उसमे से अपना दशमांश देने, बिलों और करों का भुगतान करने के बाद, हमारे पास कोई पैसा नहीं बचता था। हमारी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए मेरे पास कुछ भी पैसा नहीं बचता था और इसलिए जीवित रहने के लिए धीरे धीरे मेरी उधार लेने की आदत होने लगी। जब जब आर्थिक दबाव बढ़ जाता था, तब तब मैं और भी कठिन दौड़ लगाया करता था, लेकिन कोई फायदा नहीं होता था। जब मैं रुककर और अपनी प्रगति का आकलन करता था, तब देखता था कि मैं और भी पीछे की ओर बढ़ रहा हूँ।

निश्चित रूप से, इन सबके कारण मुझे कुछ भावनात्मक परिणामों का सामना करना पड़ा। मैं प्रतिदिन अत्यंत निराशा और भय से जूझता था, उसने धीरे-धीरे मेरे मन और शरीर को प्रभावित किया। पैनिक अटैक, तीव्र भय और लकवा धीरे-धीरे मेरे शरीर पर हावी होने लगा। डॉक्टरों को पता नहीं चल सका कि मेरे साथ क्या हो रहा है। डर ने मेरे विचारों को इतना भस्म कर दिया था कि मुझे नहीं पता था कि मैं जीवित रहूंगा या मरूंगा। क़रीब नौ साल तक सामान गिरवी रखकर पैसा लेना और रिश्तेदारों से पैसे उधार लेना चलता रहा! अब तो मेरे पास गिरवी रखने के लिए भी और कुछ नहीं था, और मेरा आत्मसम्मान भी टूटता जा रहा था। अब मै हार चुका था। मेरी स्थिति इतनी दयनीय हो गई थी कि आप मेरे आत्मसम्मान और जीवन के आनंद को कूड़ेदान में से ढूंढकर निकाल सकते थे।

लेनदार मेरे खिलाफ केस दर्ज करने के लिए लाइन लगाएं हुए थे, और उसी समय यह हुआ। मै निराशा में था, और हर एक साँस लेते हुए सोचता था की शायद यह मेरी आखरी साँस है, और तभी एक फोनकॉल आया। हर सुबह जैसी कॉल्स आती है उसी की तरह यह भी कॉल थी: “मि. कीसी, जैसा कि आप जानते हैं, आप पर हमारे ग्राहक X की राशि बकाया

है। आप कब तक इस राशी का भुगतान कर सकते है? मिस्टर कीसी, पिछली तीन बार जब भी मैंने आपको फोन किया आपने यही बात मुझसे कही है। यदि अगले तीन दिनों में आप मेरे मुवक्किल के पैसे लौटाते नहीं है, तो मेरा मुवक्किल आपके खिलाफ इस कर्ज के लिए मुकदमा दायर करेगा। क्या आप इस बात को समझ रहे हैं, मिस्टर कीसी? तीन दिन। गुड़ बाय।"

वह फोनकॉल ऐसी थी मानो मुझे एक टन ईंटों की मार पड़ी हो। ऐसा नहीं है कि मुझे पहले से ही पता नहीं था कि हमारी आर्थिक स्थिति कितनी कठिन है। मेरे पास पैसे नहीं थे। मेरे पास जो कुछ भी था वह टूटा फूटा था। मेरा फ्रिज खाली था। मेरे सुंदर परिवार को अपने आप को गर्म रखने के लिए फायरप्लेस के पास सोना पड़ रहा था, क्योंकि उसे गर्म रखने के लिए तेल के लिए पैसे नहीं थे। मेरे पास सहायता के लिए जाने का कोई स्थान नहीं था। मेरे दोस्त और परिवार मेरे लिए भुगतान करते-करते थक गए थे। मै उलझन मे था, मैं धीरे-धीरे सीढियाँ चढ़ते हुए अपने बैडरूम में गया और किसी तरह बिस्तर पर लेट गया। मैं सिसक सिसक कर रोने लगा और सहायता के लिए परमेश्वर को पुकारा।

मुझे तो यह देखकर आश्चर्य हुआ कि प्रभु ने मुझसे कितनी जल्दी बात की। यह कोई सुनाई देने वाली आवाज नहीं थी बल्कि एक आवाज थी जो अचानक मेरी आत्मा से धमाके से निकलकर मेरे दिमाग में आई। पहली बात जो प्रभु ने मुझसे कही, वह यह थी कि जिन झंझटों में मैं था उसका उससे कोई लेना-देना नहीं था। मुझे लगता है कि उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि मैं अपने दृष्टिकोण से यह सोच रहा था कि, उसने अबतक हमारी मदद क्यों नहीं की। हम एक अच्छे और बड़े चर्च में जाते थे, जब हम सम्भव हो हम उदारता से दान देते थे, और जब जब संभव होता था तब हम अपना दशमांश भी दिया करते थे। लेकिन, उसने कहा कि मेरे इस झंझट में पड़ने का कारण यह था कि मैंने कभी नहीं सीखा था कि उसका राज्य कैसे संचालित होता है। उसने मुझे बताया कि उसका राज्य उस तरह काम नहीं करता है जैसे पृथ्वी का क्षेत्र पैसे के संबंध में संचालित होता है, और अगर मैं स्वतंत्र होना चाहता हूं तो मुझे आर्थिक बातों को संभालने की उसकी राज्य प्रणाली सीखनी होगी।

मुझे याद है कि मैं अपने बेडरूम से नीचे दौडता हुआ गया और ड्रेंडा को पकड़ कर उसे बताया कि प्रभु ने अभी-अभी मुझसे बात की और हमारी सारी समस्याओं के लिए उसका उत्तर है उसके राज्य को समझना। हम इस बात के बारे में थोड़े भ्रम में थे इसमें कोई शंका नही है,

क्योंकि हमें लगता था कि हम जानते हैं कि उसका राज्य क्या है। आखिरकार, जैसा कि मैंने कहा, हम एक बहुत अच्छे और बड़े चर्च में जाते थे, हम दोनों परमेश्वर से प्यार करते थे, और जानते थे कि हम स्वर्ग के मार्ग पर हैं। लेकिन अब हमें पता चलने वाला था कि, हम वास्तव में उसके राज्य और वह कैसे संचालित होता के इस के बारे में बहुत कम जानते है।

मैं उत्साहित था कि परमेश्वर ने मुझसे बात की थी और उसने उत्तर प्रकट किया था—उसका राज्य। इसका मतलब समझना अभी बाकी था, लेकिन इस बात से मै बहुत प्रोत्साहित हो गया था। वास्तविकता यह थी कि मुझे पता नहीं था कि परमेश्वर का "राज्य" इस शब्द से क्या मतलब है। मुझे यह पता लगाना था कि उस एक शब्द में वास्तव में वह उत्तर था जिसे ड्रेंडा और मैं समझना चाहते थे और खोज रहे थे।

उस दिन ड्रेंडा और मैंने एक दुसरे के हाथ पकडकर आपसी सहमती से प्रार्थना की। सबसे पहले, हमने उसके वचन को वास्तव में सीखने के लिए और वित्त के संबंध में उसका राज्य कैसे संचालित होता है यह सिखने और समझने के लिए समय नहीं निकाला, इसके लिए पश्चाताप किया और परमेश्वर से क्षमा मांगी। दूसरी बात, मै परिवार का मुखिया होते हुए अपनी पत्नी और परिवार को इस झंझट और समस्याओं में डालने के लिए ड्रेन्डा से माफ़ी मांगी। फिर हम दोनों ने आपसी सहमती के साथ प्रार्थना की कि हम दृढ़ता से यह जानने का प्रयत्न करेंगे कि परमेश्वर का राज्य कैसे संचालित होता है और पिछले नौ वर्षों से हम जिस जीवन को जी रहे थे, उससे अलग जीवन जियेंगे।

आगे जो हुआ उसका वर्णन करने का सबसे अच्छा तरीका एक लाइट स्विच को देखना है। एक ऐसे कमरे में जाएँ जहाँ बिलकुल अंधेरा हो और अंदर जाने के बाद आप लाइट के स्विच को ऑन करें। रोशनी! एकदम रौशनी हो जाएगी, और अब आप देख सकते हैं। जब परमेश्वर ने हमें अपने राज्य की कार्यप्रणाली के विषय में सिखाना शुरू किया तब मेरा अनुभव भी ऐसा ही था। यह ऐसा था जैसे किसी ने लाइट का स्विच ऑन कर दिया हो, और तब उस रौशनी में हम ऐसी चीजें देख सकते हैं जो हमने पहले कभी नहीं देखीं। हम समझने लगे कि परमेश्वर का राज्य एक ऐसी सरकार है जिसके कानून नहीं बदलते। हमने महसूस किया कि हम उन कानूनों को सीख सकते हैं और हम आवश्यक धन प्राप्त करने के लिए परमेश्वर की सामर्थ और ज्ञान का उपयोग कर सकते हैं।

हम बहुत उत्साहित थे लेकिन फिर भी बहुत उलझन में थे। जब परमेश्वर ने हमें यह सिखाना शुरू किया कि उसका राज्य कैसे संचालित होता है तब कुछ बहुत ही आश्चर्यजनक घटनाएं होने लगी। मैं उन शुरुआती घटनाओं में से बहुतसी घटनाओं को यहां शामिल नहीं करूँगा क्योंकि वे इस श्रृंखला की पहली पुस्तक, *आपकी वित्तिय क्रांति, अधीनता की सामर्थ* में शामिल हैं। आप garykeesee.com या Amazon.com पर इस की एक प्रति प्राप्त कर सकते हैं। आपको मेरी पुस्तक, फेथ हंट भी प्राप्त करने की आवश्यकता है, जो आपको उन शुरुआती बातों की ओर ले जाती है जहाँ परमेश्वर ने मुझे यह सिखाना शुरू किया था कि हिरणों के शिकार के माध्यम से कैसे फसल काटना है। लेकिन एक लंबी कहानी को छोटा करने के लिए, मैं आपको यहां एक उदाहरण देता हूं।

जैसा कि मैंने आपको बताया है, हम कर्ज में डूबे हुए थे और उसमे बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था। आईआरएस ग्रहणाधिकार, सामान जहाँ गिरवी रखा था वो दुकानदार, 10 क्रेडिट कार्ड जिनकी लिमिट ख़त्म हो चुकी थी और वे रद्द किए जा चुके थे, और क़र्ज़ देनेवाली तीन तीन कंपनियों का 28% ब्याज दर का क़र्ज़। इसके अलावा हमें अपने दाँत के डॉक्टर, ड्राई क्लीनर, अपने माता-पिता और अपने अनेक दोस्तों का पैसा देना बाकी था। आप जिसका भी नाम लो, हम उन के देनदार थे। स्वाभाविक रूप से देखा जाएँ तो, हमें कोई आशा दिखाई नहीं दे रही थी। मेरा फाइनेंसियल सेल्स बिज़नेस ठीक नहीं चल रहा था, हालाँकि मैंने कड़ी मेहनत की थी।लेकिन अब परमेश्वर के राज्य के क्षेत्र में कुछ बहुत ही अविश्वसनीय चीजें होते हुए देखने के बाद (ऊपर वर्णित दो पुस्तकों में कहानियों को पढ़ें), हम इस बात से प्रोत्साहित हो गएँ कि परमेश्वर का राज्य हमारा उत्तर था। हमें नहीं पता था कि कैसे, लेकिन हमें विश्वास था कि हम सही रास्ते पर हैं।

फिर एक रात परमेश्वर ने मुझे एक सपना दिखाया और उसने मुझे उस सपने में दिखाया कि मुझे अपनी वर्तमान कंपनी जिसमें मै पिछले नौ वर्षों से काम कर रहा था उसे छोड़कर अपनी कंपनी शुरू करनी है-अब इसे समझिए- मुझे यह कंपनी लोगों को कर्ज से बाहर निकालने में मदद करने के लिए शुरू करनी थी! मैं जानता हूँ; यह बिलकुल पागलपन सा लगता है ना? मेरा मतलब है, अगर मै खुद कर्ज से बाहर निकलने का तरीका जानता होता, तो मै उसका उपयोग खुद क़र्ज़ से बाहर निकलने के लिए सालों पहले कर चुका होता। लेकिन परमेश्वर ने ठीक वैसा

ही करने के लिए मुझसे कहा। मैं वास्तव में थोड़ा चौंक गया था। मुझे तो यह भी पता नही था कि मैं अपनी खुद की कंपनी कैसे शुरू करूं या उसे शुरू करने के लिए क्या किया जाता है। और यहाँ लोगों को कर्ज से बाहर निकलने में मदद करने के लिए कंपनी शुरू करनी थी? अरे, मुझे तो खुद किसी की जरूरत थी जो मुझे बताए कि यह सब कैसे करना है!

जब मैंने इस बारे में प्रार्थना करना शुरू किया, तब मुझे यह कैसे हो सकता है इसके विषय में पवित्र आत्मा के द्वारा जीवन बदलने वाला अनुभव प्राप्त हुआ। यह तब हुआ जब मेरे एक ग्राहक ने मुझे अपना बीमा करवाने के लिए कॉल किया। ओह, मैं आपको यह बताना भूल गया कि मैं वित्तीय सेवा क्षेत्र में बीमा और सिक्युरिटी का काम कर रहा था तभी यह सब हुआ। मुझे पता है, यह उस प्लंबर की तरह है जो हर किसी की समस्या का ख्याल रखता है, लेकिन अपनी खुद की समस्या की ओर ध्यान नहीं देता है। हालाँकि मैं अपनी वित्तीय सेवाओं की स्थिति में धीरे-धीरे विफल हो रहा था, पिछले नौ वर्षों में उस क्षेत्र में सामान्य ज्ञान के आधार पर जो अनुभव मैंने प्राप्त किया था, वह अब मेरे लिए वह करने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण था जो परमेश्वर मुझे करने के लिए कह रहा था।

जब मैं अपने मुवक्किल और उसकी पत्नी के साथ उनकी रसोई की मेज पर बैठा था, तो मैंने उन्हें हमेशा की तरह योजना के बारे में बताया, जिसमें मैंने उनसे विभिन्न प्रश्न पूछे और जिसे हम डेटा शीट कहते हैं, उसे यह देखने के लिए भर दिया कि वे आर्थिक रूप से कहां हैं। इस डेटा का उपयोग मुख्य रूप से यह निर्धारित करने के लिए किया जाता था कि उनका जीवन बीमा कितना होना चाहिए। उन पर कितना कर्ज है यह देखने के लिए हमने उनके कर्जदारों की सूची को देखना शुरू किया, इस समय पर वे दोनों परेशान हो गए और यह बताते हुए कि वे दोनों इस स्थिति के बारे में कितने हताश और निराश हैं, पत्नी रोने लगी। भले ही वे दोनों नियमित रूप से काम कर रहे थे, लेकिन हर महीने के खर्चे के लिए उनका पैसा कम पड़ रहा था।

मैं खुद नौ साल तक ऐसी स्थिति में था, और फिर परमेश्वर ने ड्रेंडा और मुझे अपने राज्य के बारे में सिखाना शुरू किया, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि मुझे उन दोनों के बारे में कैसा महसूस हो रहा होगा। ड्रेन्डा और मेरी तरह, वे भी मसीही थे, लेकिन वे नहीं जानते थे कि परमेश्वर का राज्य कैसे काम करता है। उस समय, परमेश्वर ने हमें अपने राज्य के बारे में जो

प्रारंभिक बातें सिखाई थीं, उसके अलावा मैं उन्हें ज्यादा कुछ नहीं समझा पा रहा था, लेकिन, मैंने हमारे जीवन में जो अद्भुत घटनाएं हुई थी उनके बारे में उन्हें अवश्य बताया।

मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि जीवन बीमा लेना उनकी मुख्य समस्या नहीं थी। मैंने उनके साथ यह समझाने में कुछ समय बिताया कि परमेश्वर मुझे अपने राज्य के बारे में क्या सिखा रहा हैं, लेकिन मैं कुछ ऐसा करना चाहता था जिससे उन्हें योजना बनाने या उत्तर देने में मदद मिले, ताकि उन्हें अपनी वित्तीय स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता मिल सकें।

उस रात कार्यालय में, मैं अपने दिन का काम खत्म करने के बाद कुछ महत्वपूर्ण फाइलों को देख रहा था, जिनका तुरंत जवाब देना जरूरी था, तभी मेरे दिमाग में अचानक विचार आया। क्या होगा अगर मैं उनके जीवन बीमा मुद्दे को छोड़कर उनकी पूरी वित्तीय स्थिति पर एक नज़र डालूं? क्या मैं इसके बारे में कुछ कर सकता हूँ? क्या होगा अगर मैं यह देखना शुरू कर दूं कि उनके लिए पैसे का कोई प्रावधान हो सकता है या नहीं? मेरा मतलब यह है कि अगर मुझे इस संबंध में जो कुछ वो पहले से करने की कोशिश कर रहे हैं उसे करने का एक आसान और कम खर्चीला तरीका मिल जाए? मेरा उद्देश्य सरल था, जो वे पहले से कर रहे थे उसे करने का एक आसान और कम खर्चीला तरीका खोजना और फिर इससे मिले पैसे का उपयोग उनके दैनिक उपयोग के लिए और कर्ज चुकाने के लिए करना। यह एक बहुत ही सीधा और सरल प्रस्ताव लग रहा था, लेकिन वास्तव में मुझे जीवन बीमा के अलावा किसी भी वित्तीय क्षेत्र के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं थी। और विशेष रूप से ध्यान दें कि यह इंटरनेट से पहले के समय की बात है। मुझे जो खोजबीन करनी थी, वह पुराने ढंग से किया जाना था - फोन द्वारा और जो एक पीले पन्नों की टेलीफोन डायरी हुआ करती थी उसकी सहायता से।

मैं इस क्लाइंट से अगले हफ्ते फिर मिलने वाला था इसलिए मैंने पूरे हफ्ते इस मामले पर काम किया। मैंने उनके प्रत्येक वित्तीय क्षेत्र का अध्ययन किया और नतीजा निकला, मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि मैं हर महीने कितना पैसा अलग रख सकता हूं। जब मैंने पूरी तरह से घटा जमा और गुणा भाग किया, तो यह पता चला कि यह राशि एक महीने में सैकड़ों डॉलर तक जुड़ गई। अपने वित्तीय कैलकुलेटर पर, मैंने उनके सभी ऋणों को जोड़ दिया और फिर शेष राशि को उनके मासिक भुगतानों में लागू कर दिया। जब मैंने योग का बटन दबाया, तो मैंने स्क्रीन पर उत्तर को देखा- 6.2 साल। 6.2 वर्षों के उत्तर का मतलब यह था कि मेरे

मुवक्किल को अपनी आय में बदलाव किए बिना अपने गृह ऋण सहित अपने सभी अन्य ऋणों का भुगतान करने में कुल इतना समय लगेगा। जी हाँ, आपने सही पढ़ा, उनकी मासिक आय में बदलाव किए बिना। मैं चौंक गया और सोचा कि मैंने कुछ गलत किया होगा, इसलिए मैं बार-बार योग जोड़ता रहा जब तक कि मुझे यकीन नहीं हो गया कि मेरा उत्तर सही था। क्या यह वाकई संभव है? दूसरों को इसका एहसास क्यों नहीं हुआ?

मैं यह देखने के लिए उत्सुक था कि जब मैं उन्हें अपने शोध के बारे में बताऊँ तो मेरे ग्राहक की क्या प्रतिक्रिया होगी। उनसे दोबारा मिलने जाने से पहले मैने किया हुआ हिसाब एक सादे कागज़ पर लिखकर साथ ले जाने का फैसला किया। मेरा उद्देश्य केवल उन्हें यह दिखाना था कि इस स्थिति से बाहर निकलने की उम्मीद है। इससे मुझे किसी प्रकार का लाभ नहीं होने वाला था, क्योंकि मैं जानता था कि उनके लिए जीवन बीमा लेना संभव नहीं है जिससे मुझे कुछ आर्थिक लाभ हो सकता था। लेकिन मुझे यह भी पता था कि वे मेरे द्वारा किए गए शोध को सुनना चाहते हैं। अगले हफ्ते मैंने फिर से अपने हिसाब की समीक्षा की और आश्वस्त हो गया कि मैं सही था।

जैसे ही मैंने दरवाजे की घंटी बजाई, मैं थोड़ा चिंतित हो गया कि अब आगे क्या होगा। मैं उनके साथ उनकी रसोई की मेज पर बैठा और उन्हें बताया कि मैंने सप्ताह के दौरान उनके वित्त के बारे में क्या हिसाब 'किताब किया था। मै जो सारी जानकारी एक कागज़ पर टाइप करके अपने साथ ले आया था उसे उनको दिखाते हुए धीरे-धीरे समझाना शुरू किया और बताया कि वे कैसे कर्ज मुक्त हो सकते है, जो बातें मैं उन्हें समझा रहा था उसे कैसे लागू किया जाए और कंपनी का नाम और उसके लिए जरूरी नंबर भी बताया। जैसा कि मैंने उन्हें समझाया, वे उत्साहित हो रहे थे क्योंकि वे धीरे-धीरे यह देखने लगे थे कि उनकी ऋण-मुक्त राशि कैसे बढ़ रही है, लेकिन जब मैंने उनसे कहा कि वे इसे अपनी वर्तमान आय के द्वारा ही केवल 6.2 वर्षों में चुका सकते हैं और अपना घर और अन्य सभी क़र्ज़ से मुक्त हो सकते है तब, वे दोनों खुशी से रोने लगे। उनके चेहरों पर खुशी के आंसू लगातार बह रहे थे और वे बार-बार कह रहे थे कि वे कितने खुश हैं। वह सचमुच उछल पड़े और मुझे गले लगा लिया और हमने उस रात बहुत जश्न मनाया।

आइए इमानदारी से सोचें: क्या आईआरएस आपको कभी बताएगा कि आप कर का भुगतान कम से कम कैसे कर सकते हैं? क्या बैंकर आपको बताएंगे कि ब्याज से कैसे बचें?

नहीं, पूरा सिस्टम आपके पैसे लेने के लिए बनाया गया है, आपके पैसे को सुरक्षित करने के लिए नहीं। मुझे पता है कि अमेरिका में हर परिवार को वह सिखाया जाना चाहिए जिसका मैंने अध्ययन किया और खोजा है! उस रात मैंने जो खोजा उससे मैं इतना प्रभावित हुआ कि मैंने फैसला किया कि मैं अपने हर क्लाइंट के लिए इसका उपयोग करना चाहता हूं।

इसलिए, अध्ययन के द्वारा मुझे जो जानकारी प्राप्त हुई और उस सपने की पुष्टि के साथ जो परमेश्वर ने मुझे दिया था, ड्रेंडा और मैंने जीवन बीमा कंपनी छोड़ दी जिसके लिए मैं काम कर रहा था और अपनी खुद की कंपनी शुरू की, और मैंने अपने पहले ग्राहक के लिए जो किया था ठीक वो ही मैंने अन्य ग्राहकों के लिए करना शुरू किया। उन शुरुआती वर्षों में, हमने अपनी कंपनी का नाम "फेथ-फुल फ़ैमिली फ़ाइनेंस" रखा। नाम के द्वारा स्पष्ट समझ आता था कि हम कौन हैं और किस प्रकार कार्य करते हैं - यदि आप जानते हैं कि परमेश्वर का राज्य और विश्वास क्या है, तो आपका वित्त भरपूरी के स्तर पर आ जाएगा। मुझे एहसास हुआ कि कंपनी के लिए यह नाम बहुत अच्छा नहीं था - उस नाम को लगातार दस बार कहने का प्रयास करें - लेकिन ठीक है, इस नाम को बोला जा सकता था। लेकिन हमने बाद में नाम बदलकर "फॉरवर्ड फाइनेंशियल ग्रुप" कर दिया, जो आज तक हमारी कंपनी का नाम है और कंपनी अभी भी मजबूत है।

सच कहूं, तो व्यक्तिगत रूप से, हमारी आर्थिक स्थिति अभी भरपूरी के स्तर पर नहीं आई थी। हमारे ऊपर अभी भी क़र्ज़ था, लेकिन हम जानते थे कि हमें अब उपाय मिल गया है। जैसे ही हमने अपनी नई कंपनी के काम की शुरुआत की, हम उत्साहित थे और साथ ही साथ थोड़ा नर्वस भी। हमें कंपनी स्थापित करने और चलाने के बारे में बहुत कुछ सीखना था, लेकिन हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह था कि इस काम को करते हुए पैसा कैसे बनाया जाए। हमारी चुनौती यह थी कि हमें लगता था कि हम इसे नहीं कर सकते, और हम लोगों को कर्ज से बाहर निकलने में मदद करने के लिए उनसे कोई फीस नहीं लेना चाहते थे। यह एक बड़ा प्रश्न था जिसके बारे में प्रार्थना करने और विकल्पों को देखने में हमने काफी समय बिताया। मै बहुत विस्तार से नहीं बताऊंगा, लेकिन प्रभु ने हमें कंपनी स्थापित करने और ग्राहक से शुल्क लिए बिना कम्पनी स्थापित करने और पैसे कमाने के लिए एक अद्भुत रणनीति दिखाई।

लेकिन अब, कागज पर मैन्युअल रूप से प्रत्येक ग्राहक कि आर्थिक बातों की जमा घटा करना कठिन और समय लेने वाला होता जा रहा था, इसलिए हमें इसे जल्द से जल्द करने

का एक तरीका खोजने की आवश्यकता थी। मुझे पता था कि हम जो कर रहे थे उसे करने के लिए मुझे एक कंप्यूटर प्रोग्राम लिखना होगा, लेकिन मुझे कंप्यूटर के बारे में जानकारी रखने वाले या इस प्रकार के प्रोग्राम को लिखने की क्षमता रखने वाले किसी व्यक्ति को कैसे खोजना है, इसके बारे में कुछ भी नहीं पता था। एक बार फिर, परमेश्वर ने अद्भुत काम किया। मुझे हमारे घर से काफ़ी दूर रहनेवाले एक व्यक्ति का फोन आया जिसने हमारे बारे में सुना था। वह एक ग्राहक बनकर देखना चाहता था कि हम वास्तव में क्या करते हैं। हम जो कर रहे थे वह उसे बहुत पसंद आया और जब हम बात कर रहे थे तो मुझे पता चला कि वह एक कंप्यूटर प्रोग्रामर है और इस काम के अलावा वह अपनी खुद की एक कंपनी भी चलाता था। मैंने उसे बताया कि हमें अभी एक प्रोग्राम लिखने की आवश्यकता है, और उसने बहुत उत्साह से कहा कि जो कार्य हम कर रहे है उसमे वह हमारी मदद करना चाहता है। मैंने उससे कहा कि भले ही आप मुझे इस काम के लिए भारी छूट दे रहे हैं, लेकिन हम अभी एक नई कंपनी शुरू कर रहे हैं, इसलिए आप हमारे लिए जो काम करेंगे, उसका भुगतान करने के लिए अभी हमारे पास पैसे नहीं है। फिर भी वह हमारा काम करने के लिए तैयार था क्योंकि वह हमारी मदद करना चाहता था। उसने कहा आपके पास जब भी पैसे आ जाएँ आप मुझे दे देना, लेकिन अभी मै आपका काम शुरू कर देता हूँ, और हमने काम शुरू कर दिया।

लोगों को हमारा काम पसंद आया। और पसंद क्यों नहीं आएगा? उन्हें मुफ्त सेवाएं मिल रही थीं और हर कोई चाहता है कि कोई उन्हें कर्ज़ से बाहर निकालने का रास्ता बताएँ। हमारे कारोबार में काफी तेज़ी आई और ढाई साल के भीतर हम स्वयं भी कर्ज़मुक्त हो गए। अब हमारे पास 300 से अधिक प्रतिनिधि थे जो देश भर में लोगों को हमारी योजनाओं और कार्यों के बारे में बता रहे थे। जल्द ही हम पूरे नकद के साथ एक कार खरीदने में सक्षम हो गएँ, इतना ही नहीं, बल्कि हम अपने सपनों का घर बनाने और इसे बनाने के लिए पैसे जुटाने में सक्षम हो गएँ। हमारी कंपनी काफी बढ़ गई है और पिछले कुछ वर्षों में हम सुसमाचार प्रचार और लोगों की मदद करने के लिए सैकड़ों डॉलर दान कर पाएं है।

जिसे हम "लोन स्कीम" कहते हैं, यह सेवा 30 साल बाद आज भी मुफ्त दी जा रही है। जैसे-जैसे साल बीतते गए, कंपनी अपने मिशन में आगे बढ़ती गई। 2001 और फिर 2008 के वित्तीय संकट में लाखों लोगों ने अपनी सेवानिवृत्ति बचत का 50% से 80% खो दिया, तब

हमने सेवानिवृत्ति में निवेश पर ध्यान देना शुरू किया। हमने सुरक्षित निवेश विकल्पों पर शोध किया और 2001 में अपने व्यवसाय के इस पहलू को शुरू किया। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हम अपने ग्राहकों के लिए करोड़ों डॉलर के निवेश का प्रबंधन कर रहे हैं और उनमें से किसी ने भी हमारे देश और दुनिया में वित्तीय अराजकता के बावजूद पिछले 16 वर्षों में अपने निवेश का एक पैसा भी नहीं गंवाया है। और हमारी योजना इन सभी योजनाओं में, हमारे निवेश करने वाले ग्राहकों से शुरू में या वार्षिक रूप से कोई शुल्क, प्रशासन शुल्क या दलाल शुल्क नहीं लिया जाता है। यदि आप अपने सेवानिवृत्ति के पैसे का निवेश करने की कोशिश करते-करते थक गए हैं, तो अधिक जानकारी के लिए आप हमसे 1-(800)-815-0818 या Forwardfinancialgroup.com पर संपर्क कर सकते हैं।

कमाल है ना? पवित्र आत्मा के एक सरल विचार ने हमारे जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया! हाँ, हमें उस विचार को साकार करने के लिए काम करना था, लेकिन परमेश्वर ने हमें दिखाया कि वास्तव में क्या करना है और कैसे करना है। "गैरी, क़र्ज़ मुक्त होना कैसा लगता है?" शांति! सुखद विश्राम! इसकी कल्पना करें। हम गंभीर वित्तीय संकट से, पूरी तरह से कर्ज मुक्त होने और अपनी सभी कारों, अपने घर और अपनी जरूरत की सभी चीज़ों की खरीदारी के लिए नकद भुगतान कर पाने के स्तर तक पहुँच गएँ। पिछले नौ वर्षों से, मैं हर दिन हर मिनट अत्यधिक दबाव में था। मुझे आराम नहीं था। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि सप्ताह का कौनसा दिन है या छुट्टी का दिन है। मुझे शांति नहीं थी। मैं जहां भी जाता था, मेरी आर्थिक समस्याएं मेरे पीछे चली आती थी। हमारी बिकट आर्थिक स्थिति के कारण, मुझे लगातार शर्मिंदगी और अपमान सहना पड़ता था। मैं निराशा के चरम पर पहुंच गया था और डर मेरा निरंतर साथी था, पैनिक अटैक और एंटीडिप्रेसेंट जीवन का एक तरीका बन गए थे।

हमारे जीवन में सभी वित्तीय परिवर्तनों को देखने के बाद, और पहली बार जब हमें जीवन में आवश्यक चीजें ठीक से मिलती हैं, तो हम यह सोचने के लिए ललचा सकते हैं कि हमारे जीवन में व्यक्तिगत आर्थिक स्थिती की जीत हुई है। हाँ, हमारे जीवन के लिये आवश्यक चीज़ें मिलना यह वास्तव में एक महान विजय है, लेकिन वास्तविक आनंद और विजय परमेश्वर के राज्य को कार्य करते हुए देखना है। ड्रेंडा और मैं परमेश्वर के राज्य के कार्य को बार-बार देख रहे थे, इसलिए हम अक्सर कहते थे, "क्या आपने देखा है कि हमारे जीवन में क्या हुआ?" जैसे

ही लाइट का स्विच ऑन होता है, सब तरफ रौशनी हो जाती है और उस रौशनी में सब कुछ साफ हो जाता है; हम सब कुछ स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। जब आप अंधे हो जाते हैं और आपके पास किसी बात का कोई जवाब नहीं होता है, और आपको अचानक दिखाई देने लगता हैं और सब कुछ स्पष्ट हो जाता है तो यह एक अद्भुत अनुभव होता है। हमारे लिए वास्तविक खज़ाना, अर्थात परमेश्वर का राज्य मिलना, वास्तव में एक अद्भुत आश्चर्य था। यह वर्णन करना आसान नहीं है कि इस अनुभव के बाद मैंने कैसा महसूस किया— मैंने अपने जीवन में पहली बार आराम और विश्राम महसूस किया!

पवित्र आत्मा के एक सरल विचार ने हमारे जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया! हाँ, हमें उस विचार को साकार करने के लिए काम करना था, लेकिन परमेश्वर ने हमें दिखाया कि वास्तव में क्या करना है और कैसे करना है।

नाटक खत्म हो गया! पहले अगर हमारी कार का टायर फट जाता तो यह हमारे लिए एक बहुत बड़ा भावनात्मक संकट होता था। "अब इन टायरों को ठीक करने के लिए पैसे कहाँ से लाएँ? क्या क्रेडिट कार्ड में कोई पैसा बचा है?" लेकिन अगर आज किसी कारण से कार खराब हो जाती है, तो मैं अपनी पत्नी से पूछ सकता हूं, "इस बार आपको कौन सी रंग की कार चाहिए?" कोई हड़बड़ी नहीं, कोई घबराहट नहीं, कोई क़र्ज़ नहीं, बस विश्राम। अब, ऐसा कुछ होने के बाद भी हम अपने काम और उद्देश्य पर केंद्रित रह सकते हैं।जीवन अब केवल जीने के लिए नहीं बल्कि जीवन का आनंद लेने के लिए है!

> *इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि अपने प्राण के लिये यह चिन्ता न करना कि हम क्या खाएँगे और क्या पीएँगे; और न अपने शरीर के लिये कि क्या पहिनेंगे। क्या प्राण भोजन से, और शरीर वस्त्र से बढ़कर नहीं? आकाश के पक्षियों को देखो! वे न बोते हैं, न काटते हैं, और न खत्तों में बटोरते हैं; फिर भी तुम्हारा स्वर्गीय पिता उनको खिलाता है। क्या तुम उनसे अधिक मूल्य नहीं रखते?*
>
> — मत्ती 6:25-26

इन पिछले 36 वर्षों में, मैंने हजारों लोगों से उनके घरों में मुलाकात की है, उनके साथ बैठकर उनकी वित्तीय स्थिति पर बहुत व्यक्तिगत स्तर पर चर्चा की है। मैंने इस संबंध में दुनिया भर में हजारों लोगों से बात की है, और इन सभी जगहों में मुझे केवल एक ही चीज़ दिखाई दी है कि हर कोई विश्राम की तलाश में है !!!!! हर कोई सप्ताह का आखरी दिन, छुट्टी या सेवानिवृत्ति का इंतज़ार कर रहा है - हररोज़ की दौड़धूप से रुकने और आराम करने के लिए।

कुछ समय पहले किए गए एक अध्ययन में मैंने जो पढ़ा था, उसमें पाया गया था कि लगभग 70% अमेरिकियों को उनकी नौकरी पसंद नहीं है, और उन 70% में से 20% अपने काम में रुचि नहीं रखते हैं और अपनी नौकरी से नफरत करते हैं। वे वह काम या नौकरी क्यों करते हैं जिससे वे नफरत करते हैं? वे हर दिन एक ही भावनात्मक दर्द को सहते हुए कितने तनाव में रहते हैं? सीधे और स्पष्ट शब्दों में कहें तो वे गुलाम हैं। (हम सभी गुलाम थे। हम एक ऐसी दुनिया में पले-बढ़े हैं, जहां फलने-फूलने के कई विकल्प पाने का पैसा ही केवल एक मार्ग है। लेकिन ज़्यादातर लोगों के साथ ऐसा नहीं होता है।) समृद्धि के उनके सपने फीके पड़ जाते हैं। यहां तक कि जब वे उम्र के 30, 40 और यहां तक कि 50 के दशक तक पहुंच जाते हैं, तब भी वे जीवित रहने के लिए अनचाही नौकरी करने के चक्र में घूमते रहते हैं।

आर्थिक तनाव का जीवन जीना... यह आरंभ ही से परमेश्वर की योजना नहीं थी और आज भी आपके लिए यह परमेश्वर की योजना नहीं है।

हाल के आंकड़े बताते हैं कि 69% अमेरिकियों के पास बचत में एक हजार डॉलर भी नहीं है। अधिकांश लोग जिस तनाव और भावनात्मक आघात के अधीन रहते हैं, वह उनके व्यक्तित्व और आत्म-मूल्य को कम कर देता है। अचानक उत्पन्न होनेवाली आवश्यकताओं के कारण उन्हें अपने सपनों को भूल जाना पड़ता हैं, और एक उबाऊ जीवन उन पर हावी हो जाता है। जीवन से खुशियां नष्ट हो जाती हैं।

एक दिन, मैं एक पादरी के साथ आर्थिक बातों के बारे में बात कर रहा था। उन्होंने कहा कि वह सेवा करना पसंद करते हैं और उन लोगों से प्यार करते हैं जिनके बीच वह सेवा करते है, लेकिन उन्होंने कहा कि हर दिन सुबह मैं नींद से बहुत उत्साह के साथ जागता हूं और जब तक मैं अपनी आर्थिक समस्याओं के बारे में नहीं सोचता, तब तक सब कुछ ठीक होता है।

उन्होंने कहा कि उनकी आर्थिक समस्या बहुत भयानक है और जब उनके मन में निराशा के विचार आने लगते हैं तो वे एक बड़े काले बादल के समान होते हैं और जिस तरह बादल सूरज की रोशनी को पूरी तरह से ढक लेता है, उसी तरह उनके मन में उठने वाले निराशा के विचार सब कुछ अंधेरा कर देते हैं, यह विचार उनके मन में यह मानसिकता उत्पन्न कर देते है कि मुझे जीवन मिला है तो बस इसे जीना है, और वह आर्थिक निराशा और उद्देश्यहीन गुलामी में बंदिस्त हो जाते है।

दूसरों को जीतते हुए देखना ही अब जीवन बन गया है। हॉलीवुड ने लाखों लोगों को लोग कैसे जीतते हैं यह बड़े पर्दे पर दिखाकर अरबों कमाए हैं। जो लोग वास्तविक जीवन में खुद जीत नहीं सकते हैं, उन्हे अपने उबाऊ और कठिन जीवन से छुटकारे के कुछ क्षण मिल जाते हैं। उस बड़े पर्दे पर परिपूर्ण जीवन जीने वाले परिपूर्ण लोगों को देखकर वे उतने समय में अपने सपनों का जीवन जी लेते है।

वर्तमान में स्पोर्ट्स दुनिया भर के दर्शकों से अरबों डॉलर प्रति वर्ष कमाते हैं। 2017 में, NFL ने $7.8 बिलियन से अधिक का राजस्व अर्जित किया; सुपर बाउल राजस्व,अनुमानित 15.5 बिलियन रहा है; और यह सिर्फ एक खेल की आय है! लोग अपनी पसंदीदा टीम को चीयर करना, उन्हें प्रोत्साहित करना पसंद करते हैं।

हमें यह समझना आवश्यक है कि परमेश्वर ने हमें जीतने के लिए बनाया है - संघर्ष करते हुए, परिस्थिति का सामना करते हुए अंत में जीतने के लिए। आर्थिक निराशा अनेक लोगों के लिए अपवाद नहीं है, परन्तु सामान्य बात है, - इसलिए उन्हें लगता है कि इस प्रकार के जीवन छुटकारा पाने का एकमात्र तरीका है कि अपने सपनों को दूसरों के जीवन में पूरा होते हुए देखना। लॉटरी जीतने का लालच क्या है? टीवी शो "हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर" इतना लोकप्रिय क्यों हो गया? अमीर बनने की योजनाएँ अभी भी लोगों को क्यों आकर्षित करती हैं? उत्तर? विश्राम! हर कोई दौड़-भाग कर के थक गया है, हर कोई सुबह उठते ही, मेरे सपने कैसे सच होंगे इस विचार और भावना की सोच के बोझ तले दबकर थक गए है। लेकिन आर्थिक तंगी का जीवन जीना कोई नई बात नहीं है; वास्तव में, जब से मनुष्य पृथ्वी पर आया, तब से ऐसा ही है। लेकिन ध्यान दें कि आरंभ में यह परमेश्वर की योजना नहीं थी, और यह आज भी हमारे लिए परमेश्वर की योजना नहीं है।

अध्याय 2

क़ानूनी अधिकार

आशाहीनता - आराम या विश्राम कैसे किया जाता है यह समझ में आने से पहले हमारा जीवन किस प्रकार का होता है इसका वर्णन मै इस तरह से करूंगा। आर्थिक अनिश्चितता और तनाव में नौ साल का जीवन एक लंबा समय होता है। मुझे याद है कि हमने 85 एकड़ के फार्म हाउस को 300 डॉलर प्रति माह पर किराए पर लिया था, जो वास्तव में सस्ता था, लेकिन हम इतना कम किराया भी नहीं दे पा रहें थे, और मैं हमेशा सोचता था कि क्या मै किसी दिन एक फार्म हाउस खरीद पाऊँगा?

उस फार्महाउस के मालिक की अपने फार्महाउस की साइट पर एक गोल्फ कोर्स बनाने की योजना थी, और यह काम उन्हें अगले तीन से पांच वर्ष में शुरू करना था, इसलिए वे चाहते थे कि तब तक कोई वहां पर रहकर उस जगह की देखभाल करें। यह फार्महाउस किराए पर लेते समय "जैसा है वैसे" स्थिति में किराए पर दिया जाएगा, और जब तक आप वहां पर रहते है उस दौरान किसी भी मरम्मत का भुगतान नहीं किया जाएगा यह समझौता किया गया था। हमने इसे किराए पर लिया, उसमे कुछ पेंटिंग की और फिर साफ-सफाई करने के बाद यह पुराना घर बहुत आकर्षक लग रहा था। जब हमने वह मकान किराए पर लिया तो हमने सोचा था कि हम वहां केवल तीन साल रहेंगे और फिर आगे बढ़ेंगे, लेकिन आठ साल बाद भी अपना घर खरीदने या कोई और मकान किराए पर लेने की हमारी स्थिति नहीं थी।

जब परमेश्वर ने मुझसे राज्य के बारे में बात की और हमने राज्य के सिद्धांतों और कानूनों का अध्ययन करना शुरू किया और उन्हें अपने जीवन में लागू किया, तो चीजें बदलने लगीं। सबसे पहले, जब हमारी आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगा, तब हमें जो छोटी-छोटी जीत मिलने लगी, तब हम बहुत उत्साहित होने लगे। मुझे याद है कि जब हमने पुराने फार्महाउस

में डिशवॉशर खरीदा तब ड्रेंडा और मैं बहुत खुश थे, खासकर ड्रेन्डा बहुत खुश थी! क्योंकि कभी-कभी तो मैं उसे बर्तन धोने में मदद करता था लेकिन यह हमेशा संभव नहीं था क्योंकि मैं अपने काम में बहुत व्यस्त था। चूंकि हमारे चार बच्चे थे, इसलिए उसे लगातार बर्तन धोते रहना पड़ता था। जब हमने डिशवॉशर खरीदा, तो मुझे याद है मैंने कहा था, "क्या आप विश्वास कर सकते हैं कि हमने वास्तव में एक नया डिशवॉशर नकद भुगतान करके ख़रीदा है?" मुझे पता है, आप कह रहे हैं, "वाह, डिशवॉशर खरीदने में क्या मुश्किल है?" यदि आप इस प्रकार सोच रहे है, तो आपको हमारे फार्महाउस की रसोई में अन्य सामान कैसा था यह देखना चाहिए। हमारा स्टोव और रेफ्रिजरेटर एवोकैडो के रंग के हो चुके थे और दोनों उपकरण 25 साल पुराने थे। इसलिए नया डिशवॉशर खरीदना उसकी तुलना में हमारे लिए एक बड़ी जीत थी।

पिछले अध्याय में, मैंने उल्लेख किया था कि परमेश्वर ने मुझे एक सपना दिया और व्यवसाय शुरू करने के लिए एक योजना दी, जो हमारी आर्थिक अराजकता से बाहर निकलने के लिए जवाब था। आप शायद कह रहे होंगे, "काश परमेश्वर मुझे भी ऐसी ही कुछ बात कहता।" आपके लिए अच्छी खबर यह है कि परमेश्वर वास्तव में ऐसा करना चाहता है, लेकिन इससे पहले कि परमेश्वर आपकी इस तरह से मदद कर सके,आपको यह जानना आवश्यक है कि राज्य कैसे काम करता है। उस दिन मैंने अपने सपने में जो दिशा और मार्गदर्शन प्राप्त किया, वह केवल परमेश्वर ने हमें अपने राज्य के बारे में जो सिखाया उस शिक्षा को हमने ग्रहण किया, और उस शिक्षा को अपने जीवन में लागू करने का यह प्रत्यक्ष परिणाम था। हालाँकि मैंने अपनी पिछली पुस्तक में परमेश्वर के राज्य और वह कैसे काम करता है, इसके बारे में विस्तार से बताया है, लेकिन इसे और अधिक गहराई से समझने और संचालित करने के लिए मुझे इसकी फिर से समीक्षा करने की आवश्यकता है।

जब मैं "परमेश्वर का राज्य" कहता हूं तो लोग मुझसे पूछते हैं कि वास्तव में मेरा यह कहने से क्या मतलब है। हालाँकि मैं एक मसीही था, लेकिन मैं परमेश्वर के राज्य के बारे में नहीं जानता था। मुझे पता था कि जब मैं मर जाऊँगा तो मैं निश्चित स्वर्ग में जाऊँगा, लेकिन मैं यह नहीं जानता था या मुझे इसकी समझ नहीं थी कि परमेश्वर का राज्य क्या है और यह वास्तव में कैसे काम करता है। इस अवधारणा को समझने के लिए, आपको यह समझने की ज़रूरत है कि राज्य इस शब्द का क्या अर्थ है। इसका शाब्दिक अर्थ है राजा का प्रभुत्व। राजा का

राज्य राजा के वचन या शब्द से संचालित होता है। उसके शब्द उसकी गतिविधि के क्षेत्र और उसके नागरिकों के जीवन को नियंत्रित करने वाला कानून बन जाते हैं। राज्य से जुड़ी एक और वास्तविकता यह है कि लाखों लोग मिलकर राज्य नहीं बनता हैं। एक राज्य एक सरकार है जो अपने सभी कानूनी नागरिकों पर राजा के कानूनों को लागू करती है। यह अवधारणा कि ईश्वर का राज्य स्थापित कानूनों वाला एक राज्य है, और यह कि वे उसके राज्य के प्रत्येक कानूनी नागरिक के लिए उपलब्ध हैं, यह बात मसीही समाज में अधिकांश लोगों को बेतुकी लगती है। अधिकांश मसीही लोग मानते हैं कि परमेश्वर यह निश्चित करता हैं कि कौन सी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया जाना है या किसके विषय में पक्षपाती होना है। उनका मानना है कि यदि वे लंबे समय तक उपवास करते हैं या परमेश्वर के लिए अधिक आध्यात्मिक कार्य करते हैं, तो उन पर उसका अनुग्रह होगा और वह उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर देगा। मेरे दोस्तों, इस बात को जान लीजिए कि पहले ही से उसका अनुग्रह आप पर है।

> *इसलिये तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।*
>
> — इफिसियों 2:19

आप न केवल उसके राज्य के नागरिक हैं, बल्कि आप उसके अपने घर के सदस्य, राजा के पुत्र या पुत्री भी हैं। गलातियों अध्याय 4 यह बहुत स्पष्ट करता है कि आपके और मेरे लिए इसका क्या अर्थ है।

> *मैं यह कहता हूँ कि वारिस जब तक बालक है, यद्यपि सब वस्तुओं का स्वामी है, तौभी उसमें और दास में कोई भेद नहीं। परन्तु पिता के ठहराए हुए समय तक संरक्षकों और प्रबन्धकों के वश में रहता है। वैसे ही हम भी, जब बालक थे, तो संसार की आदि शिक्षा के वश में होकर दास बने हुए थे। परन्तु जब समय पूरा हुआ, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा जो स्त्री से जन्मा, और व्यवस्था के अधीन उत्पन्न हुआ, ताकि व्यवस्था के अधीनों को मोल लेकर छुड़ा ले, और हम को लेपालक होने का पद मिले। और तुम जो पुत्र हो, इसलिये परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो 'हे अब्बा, हे*

पिता' कहकर पुकारता है, हमारे हृदयों में भेजा है। इसलिये तू अब दास नहीं, परन्तु पुत्र है; और जब पुत्र हुआ, तो परमेश्वर के द्वारा वारिस भी हुआ।

— गलातियों 4:1-7

आप पुत्र और कन्या के रूप में पूरी संपत्ति के वारिस हैं और उसके राज्य के नागरिक के रूप में आपके पास इस पर कानूनी अधिकार हैं! इसे आप बहुत ही अच्छी तरह से समझ लें - आपको पहले ही सब कुछ दिया जा चुका है। ऐसा कुछ भी नहीं है जिसकी आपको आवश्यकता है और वह आपके पास पहले से नहीं है। इसलिए भीख मांगना और रोना बंद करें। जो हमारे पास पहले से है उसके लिए हम भीख नहीं मांगते। किसकी मदद करनी है और किसकी नहीं इसका निर्णय परमेश्वर हर एक व्यक्ति की स्थिति के अनुसार नहीं लेता है। जो कोई भी परमेश्वर का पुत्र या कन्या है, उसे पहले ही परमेश्वर की सहायता मोहैया कराई जा चुकी है।

भावनाएँ उत्तम हैं, और मुझे परमेश्वर की उपस्थिति को महसूस करना अच्छा लगता है, लेकिन जब कानूनी मामलों की बात आती है, तो मुझे उद्धार प्राप्त करने के लिए उस भावना की आवश्यकता नहीं है। यह एक कानूनी मुद्दा है।

मैं इसकी तुलना अमेरिकी नागरिक से करने की कोशिश करता हूं। यदि आप एक नागरिक हैं, तो आपको कानून का पालन करने के लिए पहले से ही यूनाइटेड स्टेट्स की सरकार का समर्थन प्राप्त है। यह लाभ आपकी नागरिकता में शामिल है। इसलिए, आपको इस मामले में सहायता प्राप्त करने के लिए उपवास और प्रार्थना करने की आवश्यकता नहीं है; यीशु ने हमारे लिए जो किया है, उसके द्वारा परमेश्वर ने स्वतंत्र रूप से आपको यह प्रदान किया है। तो इसका आनंद लो। यह आपका अधिकार है!

और मसीह यीशु में उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया कि वह अपनी उस कृपा से जो मसीह यीशु में हम पर है, आनेवाले समयों में अपने अनुग्रह का असीम धन दिखाए।

— इफिसियों 2:6-7

"हमें उसके साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठाया" यह वाक्य परमेश्वर के राज्य में आपके सही स्थान की बात करता है। यीशु पिता के दाहिनी ओर विराजमान हैं, और क्योंकि आप मसीह की देह हैं, आप भी उस स्थान पर हैं। इस प्रकार आप यीशु के साथ उस सब के वारिस हैं जो परमेश्वर के पास है। मुझे पता है कि यह सोचना अविश्वसनीय है, लेकिन यह सच है। आपके पास वह सब है; आप परिवार हैं और यह परिवार के बारे में है! लेकिन क्योंकि शैतान ने आप से आप की वास्तविकता और आपके पास जो कुछ भी है, उसे आपसे छुपाने की कोशिश की इसलिए ज़्यादातर लोग, यहां तक कि मसीही लोग भी, पृथ्वी शाप प्रणाली के बंधन में अपना जीवन जीते हैं!

जब मुझे पता चला कि यह कानून से चलने वाली सरकार है और एक नागरिक होने के नाते, मुझे उस राज्य में कानूनी अधिकार हैं और मैं उन कानूनों के द्वारा लाभ प्राप्त कर सकता हूँ, तब मेरा जीवन पूर्णरूप से बदल गया। भावनाएँ उत्तम हैं, और मुझे परमेश्वर की उपस्थिति को महसूस करना अच्छा लगता है, लेकिन जब कानूनी मामलों की बात आती है, तो मुझे उद्धार प्राप्त करने के लिए उस भावना की आवश्यकता नहीं है। यह एक कानूनी मुद्दा है। मै यूनाइटेड स्टेट्स का नागरिक हूँ यह मुझे भावनाओं से ज्ञात नहीं होता है। मैं जानता हूं कि मैं कानूनी तौर पर यहां का नागरिक हूं क्योंकि मैं यहां पैदा हुआ हूं। जब आपका परमेश्वर के साथ सही संबंध होता है और आपका जीवन आप जो सोचते हैं उस बात पर नहीं परन्तु कानून पर आधारित होता है, तो सम्पूर्ण परिस्थिति बदल जाती है!

> *और हमें उसके सामने जो हियाव होता है, वह यह है; कि यदि हम उसकी इच्छा के अनुसार कुछ माँगते हैं, तो वह हमारी सुनता है। जब हम जानते हैं कि जो कुछ हम माँगते हैं वह हमारी सुनता है, तो यह भी जानते हैं कि जो कुछ हम ने उससे मांगा, वह पाया है।*
>
> — 1 यूहन्ना 5:14-15

एक मिनट के लिए इस शास्त्रभाग पर विचार करें; यह मेरे पसंदीदा शस्त्रभागों में से एक है। मैं जानता हूँ कि यदि मैं उसकी इच्छा के अनुसार कुछ माँगता हूँ, तो वह सुनता है! मैं जो कह रहा हूं वह कान पर पड़ने वाली आवाजों को सुनने के बारे में नहीं है। यह एक कानूनी बात है।

न्यायाधीश और उसके न्यायालय कक्ष के बारे में सोचें। जब कोई न्यायाधीश किसी मामले की सुनवाई करने का निर्णय लेता है, तो वह मामले के बारे में कानून क्या कहता है, उसके आधार पर मामले का न्याय करने के लिए सहमत होता है। हमारे मामले में, चूंकि हमने राजा के कानून के अनुसार मांगा है, हम जानते हैं कि वह इस मामले में अपना कानून लागू करेगा। इसलिए वह जो न्याय करेगा उस न्याय पर हम भरोसा कर सकते हैं ; वह कोई भी न्याय अनुमान के आधार पर नहीं करता है।

उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका एक राज्य नहीं है क्योंकि इसका कोई राजा नहीं है, लेकिन यह उन कानूनों द्वारा शासित है जो प्रत्येक नागरिक के लिए समान हैं और उपलब्ध हैं। उसी तरह, परमेश्वर का राज्य भी कानूनों द्वारा शासित होता है, जो बिना किसी पक्षपात के प्रत्येक नागरिक के लिए उपलब्ध हैं। बाइबल में हम जिन दृष्टान्तों और घटनाओं के बारे में पढ़ते हैं, वे केवल हमारे मनोरंजन के लिए नहीं हैं, परंतु नियम क्या है यह हमारे लिए स्पष्ट करने के लिए हैं ताकि हम राज्य के नियमों और कानूनों के बारे में जान सकें और उन्हें लागू कर सकें। जब यीशु लोगों को समझा रहा था कि राज्य कैसे काम करता है, तो उसने हमेशा कहा, "परमेश्वर का राज्य ऐसा ही है।" जब यीशु दृष्टांतों के द्वारा बात करता था, तो वह हमारे सामने एक दृश्य चित्र रख रहा था कि राज्य के नियम क्या हैं, कानून कैसे काम करते हैं, या कोई घटना क्यों हो रही है, यह समझाने की कोशिश कर रहा था। फिर से, मैं कहना चाहता हूं कि बहुत से लोगों को पता नहीं है कि ऐसे नियम हैं जो परमेश्वर के राज्य के कार्य को नियंत्रित करते हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि परमेश्वर जो चाहे, और जब चाहे कर सकता है क्योंकि वह परमेश्वर है। मैं इस बात को निश्चित रूप से स्वीकार करता हूं कि परमेश्वर के पास जो वह चाहता है और जब वह चाहता है वह करने की सामर्थ्य है; लेकिन, यह समझना भी आवश्यक है कि वह अपने नियमों के अनुसार, और उन नियमों की सीमा के दायरे में काम करता है। मुझे पता है कि यह सब आपको विचित्र लगता है, लेकिन मेरी इस बात को स्पष्ट करने के लिए, आइए एक क्षण के लिए मरकुस 6 अध्ययन करेंगे।

यीशु ने उनसे कहा, "भविष्यद्वक्ता का अपने देश, और अपने कुटुम्ब, और अपने घर को छोड़ और कहीं भी निरादर नहीं होता।" वह वहाँ कोई सामर्थ्य का काम न

कर सका, केवल थोड़े–से बीमारों पर हाथ रखकर उन्हें चंगा किया।और उसे उनके अविश्वास पर आश्चर्य हुआ, और वह चारों ओर के गाँवों में उपदेश करता फिरा।

— मरकुस 6:4-6

जब आप इस शस्त्रभाग को पढ़ते हैं, तो आपको कुछ बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए जो आपको परमेश्वर के राज्य के कार्य के विषय में अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।

वह कोई चमत्कार या सामर्थी काम नहीं कर सका...

सबसे पहले तो मैं आपको यह बता दूँ कि अनेक मसीहियों ने कभी इस शास्त्रभाग को देखा ही नहीं है, और जब आप उन्हें बताते हैं कि बाइबिल में ऐसी भी स्थिति का उल्लेख है जहां यीशु लोगों को चंगा नहीं कर सका, तो वे आपसे बहस करेंगे और यही साबित करने का प्रयत्न करेंगे कि आप गलत हैं। लेकिन जैसा कि आप देख सकते हैं, वह वास्तव में इस जगह के अनेक लोगों को बीमारी से ठीक नहीं कर सका। एक बार जब आप समझ जाते हैं कि परमेश्वर का राज्य कानून द्वारा शासित है, तो आप इस घटना को अधिक बारीकी से और गहराई से देख पाएंगे। अधिकांश मसीही कहेंगे या मान लेंगे कि यीशु खुद ही उन्हें चंगा ना करने का निर्णय लिया था। यदि आपको परमेश्वर के राज्य की वैधता और वह कैसे क़ानूनी तरीके से काम करता है इसकी कोई समझ नहीं है तो यह विचार या समझ तार्किक हो सकती है। लेकिन आप जानते हैं कि यीशु के पास चंगा करने की सामर्थ है, लेकिन आप नहीं जानते कि कानूनी अधिकार क्षेत्र क्या है, तो आप स्वाभाविक रूप से यह निष्कर्ष निकालेंगे कि उसने लोगों को चंगा ना करने का निर्णय लिया। आपकी दृष्टी में इसके अलावा और क्या कारण हो सकता हैं?

आपने किसी को यह कहते सुना होगा, “परमेश्वर ने ऐसा होने दिया,” या “परमेश्वर जानता है कि हमारे लिए सबसे उत्तम क्या है,” या “ सब कुछ उसके नियंत्रण में है,” या जब कोई व्यक्ति या उनका कोई करीबी किसी कठिन परिस्थिति से गुजर रहा हो, तो वह इस प्रकार के विचार व्यक्त करते है। साधारण मसीही भी इन्ही विचारों पर आकर रुक जाते हैं। क्योंकि वे परमेश्वर के राज्य के नियमों को नहीं जानते हैं और यह भी ठीक से नहीं जानते हैं कि यीशु को अपना कार्य करने से किसने रोका, वे इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि परमेश्वर उन्हें चंगा नहीं करना चाहता

था। मेरे मित्र, पवित्र शास्त्र में यह नहीं लिखा कि उसने उन्हें चंगा ना करने का निर्णय लिया। लेकिन यहाँ पर लिखा है कि वह उनके विश्वास की कमी के कारण उन्हें चंगा नहीं कर सका। इस घटना में उनकी चंगाई में परमेश्वर की इच्छा बाधा नहीं थी, लेकिन वास्तव में, अधिकार क्षेत्र के आत्मिक नियम है जो चमत्कार करने के लिए उसकी सामर्थ को रोक रहे थे।

अब आप समझ जाएंगे कि अन्य घटनाओं में, परमेश्वर की इच्छा उसके सामर्थ को कार्य करने से रोकने का कारण थी, या, जैसा कि इस घटना में, परमेश्वर के राज्य के नियम उसकी इच्छा को कार्य करने से रोकने का कारण थे। इसलिए, यह समझना अत्यावश्यक है कि परमेश्वर के राज्य के ये नियम और क़ानून किस प्रकार काम करते हैं। किसी दिन जब आपको स्वर्ग से एक विशेष स्पर्श और अद्भुत कार्य की आवश्यकता हो, तो आपको स्वर्गीय सामर्थ की कमी नहीं होनी चाहिए, परन्तु अपने जीवन में परमेश्वर की इच्छा को प्रगट किए जाने और पूरा करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। और मैंने यह पुस्तक इसलिए लिखी है ताकि आप इसे अच्छी तरह समझ सकें।

इस संबंध में अपनी यात्रा को सही मायने में शुरू करने के लिए, मैं आपको सलाह देता हूं कि परमेश्वर जो करता है वह क्यों करता है या क्यों नहीं करता है इसके बारे में आपके दिमाग में जो धार्मिक उत्तर आरम्भ से दृढ़ता से बने हुए है, उन्हें निकालकर फेंक दें, और अपने दिमाग को एक साफ स्लेट की तरह होने दें। मुझे आशा है कि अब आप समझ गए होंगे कि इतनी कम उम्र में नन्हे जॉनी की मृत्यु क्यों हुई, इसके लिए दिए जाने वाले सामान्य स्पष्टीकरण- अर्थात "परमेश्वर जानता है कि उसके लिए सबसे अच्छा क्या है, यह घटना परमेश्वर के नियंत्रण में है" का विरोध करना, और उन्हें अस्वीकार करना आवश्यक है। जी हाँ, आपके लिए यह **जानना** अत्यंत ज़रूरी है कि यीशु उसे चंगा क्यों नहीं कर सका और वे कौन से नियम और कानून हैं जो सांसारिक क्षेत्र में परमेश्वर की सामर्थ के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं। "यीशु चंगा क्यों नहीं कर सका?" आपको इस सवाल का जवाब पता होना चाहिए। जब मैं कहता हूँ कि इस प्रश्न का उत्तर है, तो यह बहुत से लोगों के लिए नाराज़ होने का कारण बन जाता है, वे इसे सही

उसके अभिवचनों में हमें केवल कठिनाई या आपदा को सहने की क्षमता का ही नहीं परन्तु चंगाई, बहाली, आर्थिक विकास, और बहुत कुछ का वादा किया गया हैं।

मायने में नहीं समझ पाते है, लेकिन मैं आपको केवल वही बता रहा हूँ जो बाइबल कहती है, और मैं इसे फिर से कहूँगा, आपके लिए इसका उत्तर **निश्चित रूप** से जानना आवश्यक है।

उस घटना में यीशु लोगों को चंगा क्यों नहीं कर सका इसका सरल और संक्षिप्त उत्तर यह है कि स्वर्ग के पास ऐसा करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं था। कोई भी व्यक्ति स्वर्ग की इच्छा को पूरी तरह से जानकर, विश्वास से पृथ्वी के राज्य में यह कानूनी अधिकार दे सकता है। यद्यपि आप और मै, हम दोनों इस बात पर सहमत हैं कि यीशु के पास लोगों को चंगा करने की सामर्थ और इच्छा थी, फिर भी वह लोगों को चंगा नहीं कर सका। यीशु ने स्वयं कहा है कि लोग चंगे नहीं हुए इसके लिए उसकी शक्तिहीनता यह कारण नहीं था, बल्कि वे चंगे इसलिए नहीं हुए कि उनमे विश्वास नहीं था। इसे कहीं नोट कर के रख लें! यहाँ एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात है! विश्वास!

अपनी पिछली पुस्तक में, मैंने यह स्पष्ट करने और समझाने में बहुत समय बिताया कि विश्वास क्या है, यह कैसे कार्य करता है, हमें विश्वास की आवश्यकता क्यों है, परमेश्वर विश्वास की माँग क्यों करता है, हमें विश्वास कैसे प्राप्त होता है, और हम यह कैसे बता सकते हैं कि हम विश्वास में हैं या नहीं। यह कहना कि परमेश्वर के राज्य के इस सबसे बुनियादी कानून के बारे में आपकी समझ महत्वपूर्ण है, काफ़ी नाही है। इसे समझना आपके लिए जीवन और मृत्यु है!

मुझे हाल ही में एक प्रसिद्ध मसीही सेवकाई से एक समाचार पत्र मिला है। दुर्भाग्य से, इसकी सामग्री अधिकांश मसीही लोगों के विश्वास के अनुसार थी। उसमें से कुछ को मैं यहां साझा कर रहा हूं।

यह **व्यवस्थाविवरण 31:6** के महान शब्दों के साथ शुरू होता है:

> *तू हियाव बाँध और दृढ़ हो, उनसे न डर और न भयभीत हो; क्योंकि तेरे संग चलनेवाला तेरा परमेश्वर यहोवा है; वह तुझ को धोखा न देगा और न छोड़ेगा।*

फिर आगे वे कहते हैं...

"परमेश्वर आतंकवाद और पीड़ा को क्यों नहीं रोकता है? वह लोगों को मरने क्यों देता है? सवाल कई हैं लेकिन सच्चाई यह है कि हम उन सभी के जवाब नहीं जानते हैं। हम नहीं जानते

कि परमेश्वर चीजों को क्यों होने देता है। हम जानते हैं कि परमेश्वर का प्रेम सिद्ध है। उसके मार्ग हमारे मार्गों से ऊंचे हैं। उसका वादा हमें यह नहीं बताता है कि ऐसा नहीं है कि हम जितना संभाल सकते है उससे अधिक वह हमें नहीं देगा, परन्तु यह कि वह जो कुछ भी देता है उसमें कदम दर कदम हमारे साथ रहेगा, इस बात पर हमें विश्वास करना चाहिए।"

ग़लत, ग़लत, ग़लत! वास्तविक रूप से पवित्र शास्त्र हमें इसके बिलकुल विपरीत बताता है।

> *तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने से बाहर है। परमेश्वर सच्चा है और वह तुम्हें सामर्थ्य से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, वरन् परीक्षा के साथ निकास भी करेगा कि तुम सह सको।*
>
> — 1 कुरिन्थियों 10:13 (NKJV)

उसके अभिवचनों में हमें केवल कठिनाई या आपदा को सहने की क्षमता का ही नहीं परन्तु चंगाई, बहाली, आर्थिक विकास, और बहुत कुछ का वादा किया गया हैं । सिद्ध प्रेम कठिन प्रसंग से बाहर निकलने का समाधान देता है। मैं और भी बहुत कुछ का उल्लेख कर सकता था, लेकिन दुर्भाग्य से, अधिकांश लोग परमेश्वर के बारे में इसी तरह से विश्वास करते हैं। हम यह भी कैसे सोच सकते हैं कि ईश्वर, जिसका प्रेम पूर्ण है, किसी को कैंसर देगा या उसे चंगा करने से इंकार कर देगा, जबकि उसके पास ऐसा करने की सामर्थ है। और जब उनसे इसके बारे में पूछा जाता है, तो उनका सामान्य उत्तर यह होता है कि उसके मार्ग हमारे मार्ग से भिन्न हैं। यह क्या मज़ाक चल रहा है? हमारा प्रेम पूर्ण प्रेम नहीं है, फिर भी हम अपने बच्चों के साथ ऐसा नहीं करेंगे! इसके विपरीत, वास्तव में परमेश्वर अपने वचन में अपने मार्ग को बहुत स्पष्ट और सीधा बनाता है।

उस न्यूज़लेटर में कहा गया था कि जब वह हमें कुछ देता हैं, तो उसे सहने के लिए और उस परिस्थिति में से होकर जाने के लिए वह हमेशा हमारे साथ होता हैं। क्या परमेश्वर हमें कुछ बुरा दे सकता हैं? नहीं। जब बाइबल हमें बताती है कि वह हमारे साथ है और हमें कभी नहीं छोड़ेगा, इसका मतलब है कि परमेश्वर अपने वादों का समर्थन करने के लिए हमारे साथ है! मेरे दोस्तों, यह शिक्षा कि परमेश्वर हमारा शत्रु है, परमेश्वर की ओर से नहीं है। यह सिद्धांत उस

परमेश्वर को नहीं दर्शाता या प्रकट करता है, जिसकी मैं सेवा करता हूँ, और मुझे आशा है कि आप भी इसका समर्थन नहीं करेंगे। अगर आपका चर्च इस तरह की शिक्षा देता है, तो वहां से तुरंत निकल जाएं!

परमेश्वर प्रेम है और परमेश्वर का वचन कहता है कि प्रेम कभी कम नहीं होता। इसलिए, कार्य परमेश्वर के अधिकार क्षेत्र में विफल हो जाता है, वह यह है कि पृथ्वी के क्षेत्र में हस्तक्षेप करने की उसकी क्षमता, जो हमारे विश्वास द्वारा उत्पन्न होती है। फिर, यह नियमों और कानूनों का मुद्दा है, भावना या किसी और चीज का मुद्दा नहीं है। यह सिर्फ एक नियम और कानून का मुद्दा है जिसे आपको जानना आवश्यक है। जैसा कि मैंने पहले भी समझाने की कोशिश की है, परमेश्वर जैसा वह चाहता है वैसा नहीं कर सकता क्योंकि मनुष्य का पृथ्वी के राज्य पर अधिकार है। स्वर्ग के साथ आपकी वाचा, आपका विश्वास, परमेश्वर की शक्ति को उस स्थिति में लाने और धार्मिकता उत्पन्न करने के लिए आपको स्वर्गीय अधिकार देने के लिए आवश्यक है। दोस्तों, आपको पता होना चाहिए कि विश्वास क्या है और परमेश्वर हमें जो कुछ देना चाहता है उसे प्राप्त करने के लिए यह क्यों **आवश्यक** है।

यदि आपने मेरी पिछली पुस्तक (*आपकी वित्तीय क्रांति, आधीनता की सामर्थ*) नहीं पढ़ी है, तो मैं संक्षेप में समीक्षा करना चाहूंगा कि विश्वास क्या है। यहां तक कि अगर आपको लगता है कि विश्वास शब्द का प्रयोग करने वाला हरएक मसीही व्यक्ति जानता है कि विश्वास क्या है, तो आप अपनी सोच में गलत हो सकते हैं। राज्य के कानूनी अधिकार क्षेत्र की बहुत महत्वपूर्ण संकल्पना को समझने के लिए, हमें इतिहास का थोड़ा अध्ययन करने की आवश्यकता है।

आइए हम **रोमियों की पत्री 4:18-21** को देखें :

> *उसने निराशा में भी आशा रखकर विश्वास किया, इसलिये कि उस वचन के अनुसार कि "तेरा वंश ऐसा होगा," वह बहुत सी जातियों का पिता हो। वह जो एक सौ वर्ष का था, अपने मरे हुए से शरीर और सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा जानकर भी विश्वास में निर्बल न हुआ, और न अविश्वासी होकर परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर संदेह किया, पर विश्वास में दृढ़ होकर परमेश्वर की महिमा की; और निश्चय जाना कि जिस बात की उसने प्रतिज्ञा की है, वह उसे पूरा करने में भी समर्थ है।*

अब्राहाम को हमारे विश्वास के पिता के रूप में जाना जाता है। उसे इस बात का पूरा विश्वास था कि परमेश्वर ने उसे जो अभिवचन दिया है उसे पूरा करने की सामर्थ परमेश्वर में है। परमेश्वर से सहमत होना और अपने पूरे मन और विचारों को उसकी ओर मोड़ना यही विश्वास है। उस वाचा के बिना, परमेश्वर पृथ्वी के राज्यक्षेत्र में कार्य नहीं कर सकता। आप कह सकते हैं, "परमेश्वर को अपना कार्य करने के लिए, उसे करने की सहमति देनेवाले, या उसमें बाधा डालनेवाले किसी व्यक्ति की आवश्यकता क्यों है? वह तो परमेश्वर है।" इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए हमें आदम के उस शुरुआती समय में जाना होगा।

> *तू ने उसे स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया; तू ने उस पर महिमा और आदर का मुकुट रखा,और उसे अपने हाथों के कामों पर अधिकार दिया। तू ने सब कुछ उसके पाँवों के नीचे कर दिया। इसलिये जब कि उसने सब कुछ उसके अधीन कर दिया, तो उसने कुछ भी रख न छोड़ा जो उसके अधीन न हो। पर हम अब तक सब कुछ उसके अधीन नहीं देखते।*
>
> — इब्रानियों 2:7-8

इस पद में सृष्टि के समय आदम और हव्वा का सन्दर्भ दिया गया है। कृपया ध्यान दें कि पृथ्वी पर सब कुछ पूरी तरह से उनके कानूनी अधिकार क्षेत्र में था। आदम को परमेश्वर के राज्य की ओर से पृथ्वी पर शासन करने के लिए नियुक्त किया गया था। वह सम्पूर्ण पृथ्वी पर शासन करता था।

> *फिर परमेश्वर ने कहा, "हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएँ; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगनेवाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखें।"*
>
> — उत्पत्ति 1:26

यहाँ, हम देखते हैं कि आदम ने उसे दिए गए अधिकार के द्वारा पृथ्वी पर शासन किया और उसे महिमा (अभिषेक या सामर्थ) और सम्मान (अधिकार का पद) का ताज पहनाया गया। ऐसा

कुछ भी नहीं था जो उसके अधिकार के अधीन नहीं था। वास्तव में, यदि आप सृष्टि की उत्पत्ति के वर्णन को ध्यान से देखें तो आप देख सकते हैं, आदम ने सभी जानवरों को नाम दिए, क्योंकि वह पूरे पृथ्वी ग्रह पर अधिकारी था। हम सभी जानते हैं कि शैतान जिसने हव्वा को धोखा दिया और आदम को परमेश्वर के राज्य के खिलाफ विद्रोही बना दिया, और आदमने वास्तव में विद्रोह किया, उस शैतान पर उसने अपना अधिकार खो दिया। पौलुस दूसरा कुरिन्थियों के अध्याय 4 पद 4 में लिखता है कि आदम के विद्रोह के कारण शैतान इस दुनिया का देवता बन गया। उसने यह नहीं कहा कि वह परमेश्वर है, लेकिन वह कहता है कि वह इस दुनिया का ईश्वर बन गया, जिसका अर्थ है कि उसका यहाँ कानूनी तौर पर आत्मिक अधिकार है। हालाँकि मनुष्य अभी भी पृथ्वी पर रहता था, लेकिन वह आत्मिक रूप से परमेश्वर के लिए मरा हुआ था। मनुष्य का आत्मा परमेश्वर के आत्मा के साथ एकरूप होकर चलने के लिए उत्पन्न किया गया था, अब वह उससे अलग हो गया था। मनुष्य अब अपने विवेक, मन, इच्छा और भावनाओं के अनुसार चलने और कार्य करने लगा।

> *तब शैतान उसे ले गया और उसको पल भर में जगत के सारे राज्य दिखाए, और उससे कहा, "मैं यह सब अधिकार, और इनका वैभव तुझे दूँगा, क्योंकि वह मुझे सौंपा गया है : और जिसे चाहता हूँ उसी को दे देता हूँ। इसलिये यदि तू मुझे प्रणाम करे, तो यह सब तेरा हो जाएगा।"*
>
> — लूकारचित सुसमाचार 4:5-7

आप देखेंगे कि शैतान कहता है कि पृथ्वी और संसार के क्षेत्र में उसका जो अधिकार है वह उसे **"प्रदान"** किया गया है। हम जानते हैं कि जिसने उसे, अर्थात शैतान को जो अधिकार और स्थान दिए है वह वास्तव में उसके अपने अधिकार और स्थान थे, और यह अधिकार शैतान को देनेवाला वह व्यक्ति आदम है। यह समझना और जान लेना महत्वपूर्ण है। वास्तव में, यदि शैतान ने पृथ्वी के क्षेत्र में अतिक्रमण करने का प्रयास किया होता, तो उसे तुरन्त और बलपूर्वक बाहर निकाल दिया जाता। आप जानते हैं कि जब एक पुलिस अधिकारी मदद के लिए अधिक पुलिस बल भेजने का अनुरोध करता है तो क्या होता है, तो आप समझ सकते

हैं कि मैं क्यों कह रहा हूं कि शैतान को जबरन वहां से हटा दिया गया होता। जब कोई पुलिस अधिकारी अपनी वर्दी और बैज (अर्थात उसका अधिकार) पहनता है, तो सरकार और पूरा पुलिस विभाग उसका समर्थन और सहायता करने के लिए होता है।

आदम को ताज पहनाया गया था (अर्थात जो पद उसने धारण किया था), उसके कारण वह परमेश्वर की सरकार की ओर से राज्य कर रहा था, और इस कार्य को करने के लिए परमेश्वर की सम्पूर्ण सहायता और सामर्थ उसके साथ थी। पृथ्वी पर आदम की स्थिति और औधे के कारण, सांसारिक क्षेत्र में शैतान का कोई अधिकार नहीं था। वास्तव में, शैतान पर आदम और हव्वा का शासन था। शैतान के लिए सांसारिक क्षेत्र में अधिकार प्राप्त करने का एकमात्र और कानूनी तरीका आदम के सिर से मुकुट को हटाना या उसे हटाने के लिए मजबूर करना था, और शैतान आदम को ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता था, उसे ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं था। शैतान जानता था कि आदम के सिर से उस मुकुट को हटाने वाला एकमात्र व्यक्ति स्वयं आदम था। इसलिए शैतान ने ऐसा करने के लिए आदम को धोखा देने की योजना का सहारा लिया। वह धोखे की योजना क्या थी? शैतान ने आदम को यह विश्वास दिलाने का सफल प्रयत्न किया कि परमेश्वर पर भरोसा नहीं किया जा सकता और वह आदम की भलाई के लिए कुछ भी नहीं कर रहा है। उसने हव्वा को आश्वस्त किया कि परमेश्वर की अवज्ञा करने में लाभ है क्योंकि परमेश्वर के नियम उसे और आदम को उन बातों से रोक रहे थे या वंचित रख रहे थे जिससे उन्हें लाभ हो।

शैतान को आदम और हव्वा को परमेश्वर के बजाय अपने उपर विश्वास करने या अपने साथ मिल जाने के लिए मजबूर करना पड़ा।

सीधे शब्दों में कहा जाएँ तो, यह विश्वास है। परमेश्वर जो कहता है उस में परमेश्वर के साथ "पूरी तरह से सहमत होना" इस प्रकार विश्वास को परिभाषित किया जा सकता है। आदम और हव्वा ने परमेश्वर के वचन को अविश्वसनीय या भरोसा करने के लिए अयोग्य मानकर अस्वीकार कर दिया और शैतान ने जो कहा उसमें उसके साथ सहमत हुए। फिर उन्होंने अपने इस नए विश्वास के अनुसार कार्य किया, और परिणामस्वरूप परमेश्वर के राज्य में उनका अधिकार रद्द

कर दिया गया और शैतान को मनुष्यों के मामलों, और कार्यों पर कानूनी अधिकार प्राप्त हो गया। इसका परिणाम क्या हुआ? आदम, जिसके पास पृथ्वी पर अधिकार था, उसने परमेश्वर को आत्मिक रूप से निष्कासित कर दिया क्योंकि वह शैतान से सहमत हो गया था! आदम ने शैतान का अनुसरण करने के लिए अपना मुकुट, अपने अधिकार का आसन त्याग दिया। ऐसा करते हुए, उसने मूल रूप से परमेश्वर को अपने जीवन से दूर कर दिया। बहुत से लोग कहेंगे, "नहीं, यह नहीं हो सकता; आदम परमेश्वर को पृथ्वी के राज्य से बाहर नहीं निकाल सकता!" लेकिन यहां मनुष्य के जीवन से सम्बंधित बातें थी, इसलिए उन्होंने निश्चित रूप से ऐसा किया। आइए मैं इस बात को आपके लिए साबित करता हूं। आइए हम फिर से **उत्पत्ति 3:17-19** को देखें। आदम के पाप करने के बाद, परमेश्वर उसके पास गया और कहा,

> *भूमि तेरे कारण शापित है। तू उसकी उपज जीवन भर दु:ख के साथ खाया करेगा; और वह तेरे लिये काँटे और ऊँटकटारे उगाएगी, और तू खेत की उपज खाएगा; और अपने माथे के पसीने की रोटी खाया करेगा, और अन्त में मिट्टी में मिल जाएगा क्योंकि तू उसी में से निकाला गया है; तू मिट्टी तो है और मिट्टी ही में फिर मिल जाएगा।"*

ध्यान दें, वो कहता है, *"भूमि (पृथ्वी) तेरे कारण शापित है"*।

शापित होने का अर्थ है हमारे जीवन में परमेश्वर की उपस्थिति और आशीर्वाद का न होना। आदम को पृथ्वी पर अधिकार प्राप्त था, लेकिन उसने परमेश्वर के पृथ्वी पर कानूनी अधिकार को अलग कर दिया। वास्तविक रूप से परमेश्वर उसे कह रहा है, "हे आदम, तेरे कारण मेरे हाथ बंधे हुए हैं। मैं तेरी मदद नहीं कर सकता।" फिर वह आदम से कहता है कि उसका जीवित रहना अब उसके अपने कार्यों पर निर्भर है, अर्थात, उसे कड़ी मेहनत और दर्दनाक परिश्रम करते हुए जीना पड़ेगा। मैं इसे जीवन जीने की "पृथ्वी अभिशाप प्रणाली" कहता हूं। जीवन जीते रहने और भय के राज्य में—हम सभी इसी प्रकार का जीवन जीते आ रहे है। हमने चिंता करना सीख लिया है और जब से हम पैदा हुए हैं तब से हमारे विचारों पर भय का प्रभुत्व है। "पृथ्वी अभिशाप प्रणाली" के बारे में और भी अधिक चर्चा करने के लिए मुझे पवित्र शास्त्र के वचनों की ओर फिर से आना है, लेकिन अभी मै इस बात को सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि शैतान ने सांसारिक क्षेत्र

में कैसे पहुंच प्राप्त की इसे आप ठीक रीती से समझ चुकें है। उसे किसी ऐसे पुरुष या महिला को खोजना पड़ा जिसके पास सांसारिक क्षेत्र में परमेश्वर द्वारा प्रदत्त कानूनी अधिकार था, जो उसके लिए सांसारिक क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए द्वार खोल सकें। आदम के पास वह कुंजी थी, और शैतान ने आदम को धोखे से गुमराह करके उससे वह द्वार खुलवा लिया। अब, आइए इब्रानियों 2:7-8 को फिर से देखें।

> *तू ने उसे स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया; तू ने उस पर महिमा और आदर का मुकुट रखा, और उसे अपने हाथों के कामों पर अधिकार दिया। तू ने सब कुछ उसके पाँवों के नीचे कर दिया। इसलिये जब कि उसने सब कुछ उसके अधीन कर दिया, तो उसने कुछ भी रख न छोड़ा जो उसके अधीन न हो। पर हम अब तक सब कुछ उसके अधीन नहीं देखते।*
>
> — इब्रानियों 2:7-8

ध्यान दें कि इन पदों में कहा गया है कि ऐसा कुछ भी नहीं था जिस पर परमेश्वर ने उसे अधिकार नहीं दिया था। यद्यपि यह शास्त्रवचन बहुत पहले या भूतकाल की घटना को दर्शाते है, लेकिन यहाँ पर क्रिया "है" का उपयोग पृथ्वी पर मनुष्य की वर्तमान स्थिति का वर्णन करने के लिए किया जाता है। यद्यपि आदम के पाप के कारण मनुष्य ने सांसारिक क्षेत्र पर अपना आत्मिक अधिकार खो दिया, लेकिन उसने पृथ्वी पर निवास करने का अपना कानूनी अधिकार नहीं खोया, और यही कारण है कि "है" शब्द का प्रयोग किया जाता है। पृथ्वी पर मनुष्य की इस कानूनी स्थिति के कारण, और मनुष्य पर शैतान के कानूनी आत्मिक प्रभुत्व के कारण, परमेश्वर अपने स्वयं के वादे के उल्लंघन में बलपूर्वक पृथ्वी के दायरे में नहीं आ सकता, ऐसा न हो कि शैतान उसका फायदा उठाए और अयोग्य दावे करे।

परमेश्वर को एक ऐसे पुरुष या महिला को खोजने की आवश्यकता थी जो पृथ्वी के राज्य में उसके साथ एक वाचा में प्रवेश कर सके, जिसके माध्यम से परमेश्वर के राज्य के लिए कानूनी अधिकार प्राप्त होने के लिए एक आत्मिक द्वार खोला जाएगा। जैसे शैतान को द्वारपाल, आदम के माध्यम से कार्य करना पड़ा, वैसे ही परमेश्वर को अब पृथ्वी के द्वारपालों, पुरुषों और

महिलाओं, के माध्यम से कार्य करना था, ताकि यहां पृथ्वी के क्षेत्र में परमेश्वर के राज्य के अधिकार को प्राप्त किया जा सके। स्वर्ग जो कुछ कहता है या प्रकट करता है उसके साथ अपने हृदय और मन से पूरी तरह से सहमत होना उसे विश्वास कहा जाता है। परमेश्वर के राज्य के लिए यहां अधिकार क्षेत्र होने के लिए विश्वास आवश्यक है। मैं यहां यह समझाने के लिए समय व्यतीत नहीं करूँगा कि विश्वास कैसे प्राप्त करें या आपके विश्वास का स्तर क्या है। इस श्रृंखला की मेरी पहली पुस्तक में यह सब शामिल है, और समझाया गया है। यहाँ पर, मैं केवल यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि आप यह समझें कि विश्वास क्या है और स्वर्ग को पृथ्वी के दायरे में प्रवेश करना क्यों आवश्यक है।

अब, मुझे आशा है कि आप बेहतर ढंग से समझ गए होंगे कि यीशु अपने गृहनगर में अनेक चमत्कार क्यों नहीं कर सका - क्योंकि वहां के लोगों में विश्वास नहीं था। और क्योंकि वहाँ विश्वास नहीं था, उस स्थान पर स्वर्ग का कोई कानूनी अधिकार नहीं था। मैं इस अध्याय में इस चर्चा को एक महान शास्त्रवचन के साथ समाप्त करूंगा जो आपको स्पष्ट रूप से समझने में मदद करेगा कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं। हम सभी ने रोमियों 10:10 को सुना और पढ़ा है:

> *क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है।*

मसीही लोग जिसे रोमन सड़क कहते हैं उसका यह शास्त्रभाग हिस्सा है, चार शास्त्रभागों का एक हिस्सा जो हमें दिखाता है कि उद्धार कैसे प्राप्त किया जाए। लेकिन क्या आपने वास्तव में रुक कर उस प्रक्रिया के बारे में सोचा है जो रोमियों 10:10 आपको दिखा रहा है? यह आप पर निर्भर करता है कि आप विश्वास करते हैं या स्वर्ग के साथ सहमत होते हैं। आपके हृदय का स्वर्ग के साथ सहमत होना स्वर्ग को पृथ्वी पर कार्य करने के लिए कानूनी बनाता है। पवित्रशास्त्र कहता है कि जब आप स्वर्ग की बातों पर विश्वास करते है, तो आप धर्मी ठहरते है। न्याय कानून की कार्यवाही करने का प्रशासन है। इसलिए अपने हृदय में विश्वास करने से आपको स्वर्ग जो कहता है वह पाने का एक कानूनी अधिकार स्वर्ग और पृथ्वी पर मिल जाता है कि क्योंकि यह स्वर्ग को पृथ्वी के दायरे में वैधता देता है। लेकिन ध्यान रहे अभी यह पूरा नहीं हो सकता है।

इस शास्त्रभाग का दूसरा भाग है: "*...और उद्धार के लिए मुँह से अंगीकार किया जाता है।*" आप देखते हैं, कि चाहे आपका हृदय स्वर्ग के साथ सहमत हो, जो स्वर्ग को पृथ्वी पर कार्य करने के लिए कानूनी बनाता है, फिर भी तब तक कुछ भी नहीं होता जब तक कि आप, जो पृथ्वी के क्षेत्र में एक पुरुष या एक महिला है, जिसके पास पृथ्वी के क्षेत्र पर अधिकार है, वह उसे जारी नहीं करता है। क्यों? क्योंकि यहां आपका अधिकार क्षेत्र है; स्वर्ग आपके बगैर कार्य नही करेगा!

> *"मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाँधोगे, वह स्वर्ग में बंधेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग में खुलेगा।*
>
> — मत्ती 18:18

मूल रूप से, यहाँ वही कहा जा रहा है जिसके बारे में मैंने अभी बात की है। जो कुछ भी आप पृथ्वी पर बांधोगे, स्वर्ग उसकी पुष्टि करेगा, और जो कुछ भी आप पृथ्वी पर खोलोगे, स्वर्ग उसकी पुष्टि करेगा। स्वर्ग आपके बिना ऐसा नहीं कर सकता। स्वर्ग आपकी प्रतीक्षा कर रहा है और तब तक आगे नहीं बढ़ सकता जब तक कि कोई पुरुष या स्त्री जो विश्वासी है या स्वर्ग के साथ सहमति में है, उस अधिकार को पृथ्वी के दायरे में जारी और मुक्त नहीं करता।

पृथ्वी के क्षेत्र में स्वर्ग के अधिकार और शक्ति को कैसे जारी किया जाए, यह समझने से ही सारा फर्क पड़ता है। यह अंतर मेरे जीवन में हुआ है और यही अंतर मुझे निम्नलिखित ईमेल लिखने वाले व्यक्ति के जीवन में हुआ है।

"नमस्ते! मेरे पति और मैं अपनी अद्भुत 'फेथ हंट' कहानी आपके साथ साझा करना चाहते हैं! 2011 में, हम अपने 'सपनों के घर' में रह रहे थे, लेकिन हम हर महीने के अंत में मिलने वाली तनख्वाह पर ही जी रहे थे और कभी-कभी हमें किराने के सामान का सामान खरीदने के लिए और अपने घर को गर्म रखने के लिए आवश्यक ईंधन खरीदने के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करना पड़ता था। हम किसी प्रकार से जीवन जी रहे थे लेकिन संपन्न नहीं हो रहे थे। मैं हमारे चर्च में आराधना चालक था, लेकिन हमारा विश्वास हमारे वित्त से जुड़ा नहीं था। मैंने डे स्टार टी वि चॅनेल पर आपका प्रोग्राम *फिक्सिंग द मनी थिंग* देखा, जिसने मेरा ध्यान आकर्षित किया, और [मैंने] *वित्तीय क्रांति* सीडी के साथ *फिक्सिंग द मनी थिंग* पुस्तक का मंगवाई। हम हर समय इन सीडीज़ को सुनते रहे और किताब पढ़कर एक दूसरे को सुनाते रहे।

"हमें नहीं पता था कि हम विश्वास में नहीं थे! हम जानते थे कि इस सपनों के घर को बनाए रखने के लिए, हमें कुछ बातों के जवाब चाहिए थे कि राज्य में पैसा कैसे संचालित होता है। हमने फेथ लाइफ मिनिस्ट्रीज में $200 का बीज बोया (जो $2,000 के बराबर था। क्योंकि तब हमारे लिए यह बहुत अधिक धनराशि थी!) और हमें व्यवसाय में कुछ ऐसा सफलता का रास्ता दिखाने के लिए मै परमेश्वर के साथ सहमत हो गया जो मै घर पर ही रहकर कर सकूँ।

"परमेश्वर ने हमें अपने घर से गोल्डन डूडल पिल्लों को पालने का एक व्यावसायिक विचार दिया। हमने बेला और ग्रेसी इन 2 गोल्डन डूडल पिल्लों को खरीदा, उन्हें गोल्डन डूडल पिल्लों के प्रजनन के लिए पाला, और हमने परमेश्वर के साथ भागीदारी की। हमें पता था कि हम पिल्ले नहीं बना सकते!! हमने अपने 2 डूडल से प्रजनन किया, और 2014 में, हमारे पास बाजार मूल्य $1200 में एक पिल्लै को बेचने के लिए 13 पिल्ले थे। इस वर्ष, 2015 में, हमारे पास 63 पिल्ले हैं, सभी स्वस्थ हैं। अपने पिल्लों को बेचने से, हम अपने घर को छोड़कर सभी ऋणों से मुक्त हो गए हैं। हमारे पास अब आपातकालीन समय में इस्तेमाल करने के लिए निधि भी थी।

"हमें यह देख कर आश्चर्य हुआ कि, मेरी माँ ने हमसे पूछा कि क्या हम उनके दो गोल्डन डूडल्स का भी प्रजनन करना चाहेंगे, क्योंकि वह अब सेवानिवृत्त हो रही थीं! परमेश्वर ने हमें दो और डूडल मुफ्त में दिए! और जुलाई में, मेरे पति को हमारे स्थानीय हाई स्कूल में हाई स्कूल अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया !! एक साल में, हमारी आय दुगुनी होकर 6 अंक पर पहुंच गई !! **फेथ हंट काम करता है !!** हमने परमेश्वर के राज्य के कानूनों का ठीक से समझ कर उनके अनुसार कार्य किया। अब हम, राज्य के हर प्रकार के कार्य में आर्थिक बीज बोते हैं और अपने स्थानीय चर्च में आराधना में संचालन करने से पहले हर रविवार सुबह आपके चर्च में ऑनलाइन उपस्थित होते हैं! हमें यह सिखाने के लिए धन्यवाद कि राज्य कैसे काम करता है!"

—कार्ला

इसी दंपत्ति ने मुझे इस सप्ताह आगे की बातें बताने के लिए एक और ईमेल भेजा।

"हैप्पी ईस्टर! यीशु जीवित हुआ है! हम अपने ऑनलाइन पास्टर गैरी के लिए एक अपडेट साझा करना चाहते है! कृपया उन्हें बताएं कि हमने इस वर्ष यरूशलेम में यीशु के जन्म का जश्न मनाया (हमारी इस ट्रिप का पूरा खर्चा नकदी में किया गया था)। हम इस बात से भी आशीषित हुए कि हमारे बेटे कार्टर ने यरदन नदी में बपतिस्मा लिया, और शाम को गलील समुद्र के तट

पर हिल सॉन्ग ऑस्ट्रेलिया के साथ आराधना की! बहुत उत्साह की बात!!! हम इस बात से आशीषित है कि हमने अपने जीवन में पैसे की बात का समाधान पा लिया! हमारे पास अब 121 पिल्ले हैं। अब हमें एक पिल्ले की कीमत बढ़ाकर $2,300 करनी पड़ी क्योंकि इन पिल्लों को खरीदने वालों की प्रतीक्षा सूची बहुत लंबी हो गई थी! परमेश्वर की स्तुति हो।"

—कार्ला

यह एक उत्तम उदाहरण है कि राज्य आपके जीवन में क्या कर सकता है। मैंने इस ईमेल को प्राप्त करने के बाद इस सप्ताह कार्ला को फोन किया, और वह **बहुत** उत्साहित थी!!! उसने कहा कि इस साल उनके घर का ऋण पूरा हो जाएगा। यदि आप उसके द्वारा भेजे गए पहले ईमेल को देखते हैं, तो उसने उस समय निम्नलिखित कहा था (उपरोक्त ईमेल से उद्धृत):

"हम हर महीने के अंत में मिलने वाली तनख्वाह पर ही जी रहे थे और कभी-कभी हमें किराने के सामान का सामान खरीदने के लिए और अपने घर को गर्म रखने के लिए आवश्यक ईंधन खरीदने के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करना पड़ता था। हम किसी प्रकार से जीवन जी रहे थे लेकिन संपन्न नहीं हो रहे थे"।

और अब दो साल के बाद उनका पूरा ऋण चुकता हो चुका होगा? यह है राज्य का कार्य!

अध्याय 3

राज्य आपका उत्तर है

अब जब आप जानते हैं कि राज्य कैसे कभी ना बदलने वाले कानूनों और सिद्धांतों से संचालित होता है, मैं उन कानूनों पर ध्यान देना चाहूँगा जो वास्तव में आपकी अर्थव्यवस्था को, और अंततः आपके विश्राम को प्रभावित करता है।

परन्तु इससे पहले कि हम उसकी चर्चा करें, मैं यह बताना चाहता हूँ कि मैंने इस पुस्तक का नाम द *पावर ऑफ रेस्ट* क्यों रखा और अर्थव्यवस्था एवं राज्य के सन्दर्भ में मेरा विश्राम शब्द से क्या अर्थ है। आश्चर्य है कि अर्थव्यवस्था का विवरण विश्राम से मैंने नहीं किया, परमेश्वर ने किया।

> *यों आकाश और पृथ्वी और उनकी सारी सेना का बनाना समाप्त हो गया। और परमेश्वर ने अपना कार्य जिसे वह करता था सातवें दिन समाप्त किया, और उसने अपने किए हुए सारे कार्य से सातवें दिन विश्राम किया। और परमेश्वर ने सातवें दिन को आशीष दी और पवित्र ठहराया; क्योंकि उसमें उसने सृष्टि की रचना के अपने सारे कार्य से विश्राम लिया।*
>
> —उत्पत्ति 2:1-3

सबसे पहले मैं यह बता दूं: परमेश्वर ने सातवें दिन इसलिए विश्राम नहीं किया था क्योंकि वह थक गया था। परमेश्वर कभी नहीं थकता। उसने विश्राम किया क्योंकि जैसा कि वचन में लिखा है, सब कुछ पूरा हो चुका था और उसने सब समाप्त कर लिया था। उसने सृष्टी की रचना के छठे दिन के अंत में मनुष्य को रचा ताकी वह सातवें दिन में जीवन जी सके। सातवें दिन

में किसी भय का विचार, जीवित रहने की चिंता, बीमारी, और प्रावधान पाने लिए कोई खून-पसीना एक करके कोई दर्द भरा परिश्रम करने की आवश्यकता नहीं थी। परन्तु अब आदम के विचार केवल परमेश्वर, अपनी पत्नी, अपने कार्य और अपने उद्देश्य पर ही केंद्रित थे। जो भी उसे अपने कार्य एवं जीवन के लिए चाहिए था वह तैयार और उपलब्ध था; परमेश्वर की परियोजना पूर्ण हो चुकी थी। जो आदम के पास था लोग आज उसके सपने देखते हैं, बिना किसी चिंता का जीवन, प्रावधान की चिंता किए बिना अपने जुनून और रिश्तों पर ध्यान देने की उपलब्धि। परन्तु दुर्भाग्य वश जब आदम ने विद्रोह किया तब उसने परमेश्वर का प्रावधान खो दिया, और तब से मनुष्य जीवन की आवश्यकताओं के लिए भागने (खून-पसीना एक करके दर्द भरा परिश्रम करने) के लिए मजबूर है।

> *क्योंकि अन्य-जातीय इन सब वस्तुओं की खोज में रहते हैं, पर तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें इन सब वस्तुओं की आवश्यकता है। इसलिये पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ भी तुम्हें मिल जाएंगी।*
> — मत्ती 6:32-33

प्रावधान ढूंढने का बोझ एक भारी बोझ है और जीवन के प्रति मनुष्य की धारणा को बिगाड़ देता है। धन का लोभ, दर्द भरा परिश्रम व संघर्षकारी जीवन से मुक्ति, ये वही हैं जिनके विषय में लोग सपने देखते हैं। करोड़पति होने का मतलब केवल तनाव और प्रावधान की खोज से मुक्ति की क्षमता है, जिससे हम अपने जुनून और कार्य पर ध्यान दे सकें। लॉटरी इसलिए अत्यधिक प्रचलित है क्योंकि यह बगैर किसी श्रम के प्रावधान देती है तथा पृथ्वी की शापित अर्थव्यवस्था की व्यवस्था से बचाती है। जल्दी-अमीर-बनने की योजनाएं हर रूप में हमारे ईमेल और फेसबुक पोस्ट पर लगातार भरी रहती हैं। तो हमारी अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, हमें एक प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है: क्या उस सातवें दिन में वापस जाने का कोई मार्ग है जहाँ सब कुछ पूर्ण और ज्यों

सारे उत्तर जो आपको अपने कार्य पर दृढ़ और डटे रहने के लिए आवश्यक हैं, जिससे आप अपने जुनून को खोज सकते हैं, राज्य में हैं।

का त्यों और उपलब्ध है? उत्तर है **हाँ!** ऐसा कैसे हो सकता है और राज्य के कानूनों को समझना जिसके कारण इस प्रकार का परिणाम आ सकता है यही इस पुस्तक का उद्देश्य है। मैं जानता हूँ कि आपके जीवन का अनुभव और यहाँ तक की कलीसिया और मसीही लोग भी विवाद कर सकते हैं की मैं सही नहीं हो सकता, क्योंकि बहुत सारे मसीही लोगों ने "दरिद्रता पवित्र है" इसी विचारधारा को अपनाया है। परन्तु मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि सारे उत्तर जो आपको अपने कार्य पर दृढ़ और डटे रहने के लिए आवश्यक हैं, जिससे आप अपने जुनून को खोज सकते हैं, परमेश्वर के राज्य में हैं।

धन्य हो तुम जो दीन हो, क्योंकि परमेश्वर का राज्य तुम्हारा है।

- लूका 6:20

दीन होने का उत्तर राज्य है! यह पहला वचन है जिसमें परमेश्वर ने मेरी अगवाई की जब उसने मुझे राज्य की अर्थव्यवस्था की वाचा को सिखाना शुरू किया था। हाँ बिलकुल इस धारणा को समझने के लिए आपको यह जानना होगा कि राज्य की अवधारणा का अर्थ क्या है, जिसके विषय में मैं पहले ही बता चूका हूँ। और मुझे लगता है कि आप अच्छे से जानते होंगे कि अदन की वाटिका में क्या हुआ था जब आदम ने पाप किया था। तो मैं आपको संक्षिप्त में बताता हूँ।

आदि में, आदम और हव्वा को किसी बात की चिंता नहीं थी; न ही कोई बीमारी और न ही प्रावधान की समस्याओं ने उनके विचारों में बाधाएं डाली थी। हर दिन, उन्हें बस अपने कार्यभार के विषय में सोचना था, जो कि परमेश्वर से प्रेम करना, एक-दूसरे से प्रेम करना, और पृथ्वी तथा उस वाटिका की देखभाल करना था जिसे परमेश्वर ने उन्हें दिया था। उनके जीवन में भय पूर्ण रूप से अनुपस्थित था। परन्तु जब आदम ने राजद्रोह किया, सब कुछ बदल गया। जैसा कि मैंने कहा, शैतान इस दुनिया का ईश्वर बन गया, मनुष्य परमेश्वर से दूर हो गया, और परमेश्वर से मनुष्य पर कानूनी अधिकार छिन गया। जीवन कैसे चलता है यह सत्य जानकर आदम, हैरान रह गया। अब ये वे शब्द हैं जो परमेश्वर ने आदम से कहे जब उसने पाप किया।

इसलिये भूमि तेरे कारण शापित है। तू उसकी उपज जीवन भर दुःख के साथ खाया करेगा; और वह तेरे लिये काँटे और ऊँटकटारे उगाएगी, और तू खेत की उपज खाएगा;

और अपने माथे के पसीने की रोटी खाया करेगा, और अन्त में मिट्टी में मिल जाएगा क्योंकि तू उसी में से निकाला गया है; तू मिट्टी तो है और मिट्टी ही में फिर मिल जाएगा।"
— उत्पत्ति 3:17-19

अब आदम और हव्वा के विचारों में बस खून-पसीना बहा कर दर्द भरा परिश्रम, भय, चिंता, और संघर्षकारी जीवन की मानसिकता ही थे। उनका उद्देश्य, जो कि उनके लिए बनाई गई परमेश्वर की योजना थी, अब जीवन जीने की भाग दौड़ व लड़ाई में खो चूका है। आदम को उम्दा कार्यभार, उसका जुनून, अब जीवन की चिन्ताओं और प्रावधान की आवश्यकता से ढक चुका है। वह भूल चुका है कि वह कौन है। उसे अब केवल एक ही उद्देश्य दिखता है जो कि जीना है जिसके लिए उसे लगातार पसीना बहा कर परिश्रम करने की आवश्यकता है। उस दिन से लेकर आज तक ज्यादा कुछ नहीं बदला है।

आज, एक पादरी के रूप में, मैंने पाया है की सबसे बड़ा सवाल जो लोग मेरे से पूछते हैं वह है, "मुझे अपने जीवन के साथ क्या करना चाहिए?" वे ऐसा इसलिए पूछते हैं क्योंकि इस पृथ्वी पर आदम के बाद से, प्रावधान की खोज ही एकमात्र लक्ष्य है जिसके बल पर बाकी सब मापा जाता है। निर्णय अब आमतौर पर धन के आधार पर किए जाते हैं, ना कि जुनून के आधार पर। धन और इसकी आवश्यकता लोगों को उस कार्य को करने पर विवश कर सकता है जिससे वे घृणा करते हैं। वास्तविकता में, लोगों को ज़रा भी अनुमान नहीं है की वे हैं कौन। इसे ध्यान में रख लें, "जब तक आप परमेश्वर को नहीं जानते, आप कभी नहीं जान पाएंगे की आपके जीवन के लिए उसकी योजनाएं क्या हैं। उस ही ने आपको सृजा है।"

लोग यह जानने को बहुत बेक़रार हैं की वे कौन हैं। दुनिया के समक्ष वे केवल एक संख्या प्रतीत होते हैं, परन्तु परमेश्वर के लिए वे एक बहुत ही खास और अनूठी रचना हैं जिनके पास वह कौशल और योग्यता है जो किसी और के पास नहीं है। परन्तु क्योंकि वे परमेश्वर को नहीं जानते हैं, अतः, वे खुद को भी नहीं जानते, वे अपना मूल्य सभी गलत जगहों पर खोजते हैं। वे समाज को अपना मूल्य निर्धारित करने की अनुमति देते हैं और जो कुछ समाज कहता है स्वीकार कर लेते हैं। परन्तु जो छवि सांसारिक लोग प्रदर्शित करते हैं तथा जो दर्पण समाज दिखाता है बदलती छाया के सामान है। जब तक आप यह सोचते है कि आप उस मार्ग पर चल रहे हैं जो स्वीकृत है, तब तक वह बदल चुका होता है और आप उस मार्ग से पीछे रह गये होते हैं।

मुझे याद है जब मैं पेरिस में ड्रेंडा के साथ सड़कों पर चलता था। पेरिस, बेशक, फैशन के लिए प्रमुख है; और उस वर्ष के फैशन सभी स्लेटी व काले रंग के कपड़े थे। प्रत्येक दुकान केवल स्लेटी व काले रंग की कपड़ों से भरी हुई थी। जब मैंने सड़क पर देखा, मैं दोनों ओर सैकड़ों लोगों को आते-जाते देख सकता था। मैं हैरान था की किसी ने भी रंगीन कपड़े नहीं पहने थे। एक-एक व्यक्ति, बिना किसी अपवाद के, स्लेटी और काले रंग के कपड़ों में था। वहाँ सैकड़ों लोग थे और सभी एक जैसे दिख रहे थे। आखिरी बार आपसे किसी ने कब कहा था की उनका प्रिय रंग स्लेटी है ? परन्तु उस दिन, लोगों का पसंदीदा रंग सही मायनों में स्लेटी अथवा काला था।

क्योंकि प्रावधान खोजने का दबाव अत्यधिक है और हमारी पहचान को बाध्य कर देता है, क्योंकि हम जो भी सोचते हैं बस प्रावधान को खोजने और स्वीकार किए जाने के विषय में ही सोचते हैं, ड्रेंडा और मैंने एक कहावत अपनाई है जिसका हम वर्षों से प्रचार कर रहे हैं: “यदि आप धन को ही अपना आधार मानते हैं, तो आप कभी भी अपनी मंजिल को नहीं खोज सकेंगे! जीवित रहने के लिए गुलामी करते रहना आपके लिए बहुत कम समय छोड़ता है की आप खोज कर सकें अथवा दूसरे विकल्प बना सकें। सत्य यह है, जैसा कि मैंने बताया है, अधिकतर समय लोग अपना निर्णय प्रावधान को खोजने या जमा करने में लगा देते हैं। वे मात्र धन और प्रावधान के प्रति उनके विचारों के लिए अपना जुनून त्याग देते हैं। तथ्य यह है कि हम खून-पसीने के दर्द भरे परिश्रम के इतने दबाव में हैं की हमने सपने देखना छोड़ दिया है। हमारे भय ने हमारे सपनों को बंधक बना लिया है, और प्रावधान की कमी ने हमारे सपनों को हमेशा के लिए कैद कर लिया है।

मुझे याद है जब मेरा एक ही सपना होता था कि मेरे पास घर जाने के लिए गैस खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा हो, तो जीवन में बदलाव लाने के लिए कुछ और करने का विचार तो बहुत दूर की बात थी। उन दिनों मेरे रडार पर या मेरे विचारों में कोई भव्य उद्देश्य नहीं थे। मैं सिर्फ इस बात पर ध्यान देता था कि घर का मासिक किराया कैसे चुकाऊं। मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि जब आपके सामने बड़ा सवाल यह है कि भोजन कैसे प्राप्त किया जाए या बहुत जरूरी वित्तीय जरूरत को कैसे पूरा किया जाए, तो आप सिर्फ जीने के विचार से परे कुछ भी नहीं देख सकते हैं।

जब आदम ने परमेश्वर का राज्य त्याग दिया, तब मृत्यु, भय, संघर्षकारी जीवन और घबराहट की एक पूरी नई दुनिया उसके जीवन में छा गई। मुझे विश्वास है कि हम सभी जानते हैं कि भय कैसा लगता है। मैं अपने घबराहट, शर्म और भय से भरे जीवन की अनगिनत कहानियों को याद कर सकता हूँ क्योंकि मैंने नौ लम्बे वर्षों की अर्थव्यवस्था की अराजकता को झेला है, इस दौरान मुझे पैनिक अटैक भी आये, और मैं अवसाद रोधक औषधि (एंटीडिप्रेसेंट्स) पर भी रहा। पृथ्वी के संघर्षकारी जीवन की शापित व्यवस्था ने हमें जीवन के प्रति एक नकारात्मक दृष्टिकोण सिखा दिया है। कुछ लोग औरों से बेहतर इस दृष्टिकोण को नियंत्रित करते हैं, परन्तु मसीह के बिना, यह नकारात्मक दृष्टिकोण हमें निरंतर बताता है कि हम इतने अच्छे नहीं हैं।

क्या आपने कभी किसी को कहते सुना है, "अपनी आशाएं बहुत ऊंची मत होने दो"? जब मैं बढ़ रहा था, तब मैं कभी किसी ऐसी वस्तु के लिए ललचा जाता था जिसे मेरे पिता मूर्खता समझते थे, तब वे कहते थे, "एक दिन तुम बड़े हो जाओगे और समझ जाओगे"। इसीलिए, जिन चीज़ों को मेरे पिता आवश्यक समझते थे उनके आलावा मै कभी किसी और चीज़ों के बारे में सपने नहीं देखता था। मै जानता हूँ कि मेरे पिता एक ऐसे परिवार में पले और बड़े हुए है जहाँ शराब का सेवन किया जाता था, और इस कारण उनको दुःख पहुँचा था, और इसीलिए उनका व्यवहार इस प्रकार का था।

सच कहूँ तो, जन्म से ही हम पेशेवर चिंता करने वाले हैं। भय पृथ्वी पर एक सामान्य भाषा है। थोडा रुक कर सोचिए, *नहीं* शब्द हमारे जन्म से ही हमारे अन्दर गढ़ा हुआ है। "नहीं, आप उसे नहीं ले सकते।" "नहीं, उसे वापस रखो।" "नहीं, तुम वहाँ नहीं जा सकते।" "नहीं, आप इसे करने के लिए समर्थ नहीं हैं।" अंत में, हम किसी भी विषय के लिए "हां" कहना बंद कर देते हैं, सिवाय उस कार्य के जो हमें हमारी वास्तविक स्थिति से दूर ले जाता है, जैसे अपने प्रिय भोजन को ज्यादा खाना।

एक अध्ययन के अनुसार, औसत बच्चों को बढ़ते समय कुछ हज़ार *हाँ* की तुलना में 148,000 बार *नहीं* अथवा *मत करो* सुनने को मिल जाता है।

मैंने हाल ही में हमारे वार्षिक प्रावधान सम्मेलन का आयोजन किया, और मंच पर एक 2017 की फरारी रखी, एक कार जो कि निश्चित रूप से सराहने के योग्य है। कार का मालिक मेरी कलीसिया में आता है और इस कार को खरीदने के लिए उसने पैसे दिए थे, जो $

400,000 के करीब थे। जैसे ही सभी उपस्थित लोग अंदर आए, वे उसे सराहने व ताकने लगे, सभी करीब से देखने की चाह में उसकी ओर देख रहे थे। यद्यपि वे सभी कार को सराह रहे थे, परन्तु मैंने वह कार उस मंच पर भौतिक लक्ष्यों की जीवन शैली को प्रेरित करने के लिए नहीं रखी थी, अपितु उन्हें एक पाठ पढ़ाने के लिए रखी थी। सारे लोग उस कार के चारों ओर इकट्ठा हो गये और उन सभी का कहना था की वे उसे चलाना चाहेंगे।

मैं जानता था की जो "ना" उन्होंने पृथ्वी के खून पसीने के दर्द भरे परिश्रम की शापित व्यवस्था से सीखा था, उनके अन्दर ही अन्दर चिल्ला रहा था, "**नहीं**, तुम्हारे पास कभी भी इस प्रकार की कार नहीं होगी! नहीं, तुम इसे कभी नहीं खरीद पाओगे; इसके विषय में सोचो भी मत।" उस **"नहीं"** के शिक्षण के कारण जो उन सब ने सीखा, हम सब ने सीखा, उनमें से अधिकतर लोगों ने अपनी एक फ़रारी होने के विषय में विचार तक नहीं किया, क्योंकि इस 'ना' वाली मानसिकता ने उनके दृष्टिकोण को बाध्य कर दिया है। लेकिन, यदि मैं हर घंटे कारों को बदलकर सस्ती कारें उस मंच पर रखता जाऊँ तो, अंततः, मेरे पास उस मंच पर एक ऐसी कार होगी जिसके बारे में वे सोचेंगे और कहेंगे, "मुझे वह कार पसंद है; मुझे एक ले लेनी चाहिए"।

यहाँ पर अंतर क्या था? अंतर उनके दृष्टिकोण में था, की उन्होंने अपने आप को, अपनी क्षमता को, तथा कार की लागत को किस नज़रिये से देखा। हाँ, हो सकता है वहाँ कुछ लोग ऐसे हो जिन्होंने स्वयं से कहा हो "एक दिन मैं उस कार का मालिक होऊंगा," या हो सकता है वहाँ कुछ लोग थे जिनके पास उस कार को खरीदने के लिए पैसा भी था पर वे कार को अलग दृष्टिकोण से देखते हो। परन्तु मुझे विश्वास है कि अधिकतर लोगों के लिए, इस प्रकार की कार का मालिक होना उनकी विचार सीमा में भी नहीं था। वो करोड़पति जिसने वो कार खरीदी थी, वास्तव में उसके पास आधा दर्जन फ़रारी हैं। उसकी मानसिकता से वह बस एक बहुत उत्तम कार है। जब उसने कार देखी, तब उसने उस कार का मालिक होने की मनोकामना की और उसे इटली से ऑर्डर करने की और फिर इसे यू. एस. में अपने घर भिजवाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। उसके लिए अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करना कठिन नहीं था क्योंकि उसके पास प्रावधान था। यहाँ पर विश्राम करने की महत्वपूर्ण कुंजी है- प्रावधान का अर्थ है उसके लिए पहले ही से दृष्टिकोण रखना।

प्रमुख कुंजी:

प्रावधान मनोकामना समर्थक है

प्रावधान के बिना कोई इच्छा नहीं की जाती है; केवल संघर्षकारी जीवन जिया जाता है। पृथ्वी की गरीबी की शापित व्यवस्था ने हमारे सपनों और हमारे भविष्य को चुरा लिया है। मैं जानता हूँ कि फरारी का इस प्रकार उदाहरण लोगों के सामने रखना थोड़ा उग्र था, परन्तु ऐसा करने से मै उन्हें जो समझाना चाहता था वो स्पष्ट हो गया। वहाँ खड़े लोग उस तरह की कार का मालिक होने का सपना देखने की हिम्मत भी नहीं कर रहे थे, या ऐसा सपना देखने से अपने आप को रोक रहे थे, क्योंकि वे कार को अपनी पहुँच से बाहर की वस्तु के नज़रिये से देख रहे थे। यदि वे एक क्षण के लिए भी उस कार के मालिक होने की कल्पना करने का प्रयत्न करते, तो उन्हें सिखाई गयी पृथ्वी की शापित व्यवस्था उन पर चिल्लाती हुई कहती, "ये बस पैसे की बरबादी है!" लेकिन मान लीजिए कि यदि आपके बैंक खाते में $25 अरब होते (मैं एक बात कह रहा हूँ)? तब वह कार आपको इतनी सस्ती लगती कि आप उसे केवल इस लिए खरीदते कि सप्ताह के अंत में केवल कार चलाने का आनंद ले सकों। यह सब हमारे दृष्टिकोण की बात है, और क्योंकि परमेश्वर का वचन कहता है कि परमेश्वर की हर प्रतिज्ञा, "हाँ" और "आमीन" (ऐसा ही हो) है, इसलिए आपका दृष्टिकोण बदलना आवश्यक है ताकि आप भी ठीक उस प्रकार सोच सकें जिस प्रकार परमेश्वर सोचता है।

> *क्योंकि परमेश्वर की जितनी प्रतिज्ञाएँ हैं, वे सब उसी में 'हाँ' के साथ हैं। इसलिये उसके द्वारा आमीन भी हुई कि हमारे द्वारा परमेश्वर की महिमा हो।*
>
> — 2 कुरिन्थियों 1:20

शब्दकोश के अनुसार, परिप्रेक्ष्य की परिभाषा है: किसी विषय के प्रति एक विशेष मनोदृष्टि या उस विषय पर ध्यान का एक तरीका; देखने का नजरिया, मनोभाव, दृष्टिकोण, या निर्वेचन। मूल रूप में, आप किसी विषय के बारे में कैसा सोचते हैं ही परिप्रेक्ष्य का अर्थ है।

मैं चाहूँगा की आप अब इस अवधारणा के विषय में सोचें। शैतान के समक्ष घुटने टेकने से पूर्व आदम एक राजकुमार था। अतः यदि आपने उसे उस पतन के बाद देखा, तो आपको एक

खराब परिवार वाला (केन, उसका बेटा, अपने ही भाई हाबिल को मार डालता है) एक दरिद्र व्यक्ति दिखाई देगा, और आप वास्तव में उसे किसी भी प्रकार से संबंधित होने का अवसर नहीं देंगे। परन्तु आपने जो नहीं देखा वह यह था कि उसकी रगो में राज-पारिवारिकता थी। यद्यपि आपने उसे उस सक्षम न जाना हो, फिर भी वह वास्तव में जीवन में शासन करने व राज करने के लिए बनाया गया था। यही सत्य आप पर भी लागू होता है। आप अपने आप को केवल इस आधार पर नहीं देख सकते कि आप कहाँ रहते हैं, आपके पास क्या है, और आपकी वर्तमान परिस्थितियाँ क्या हैं, और न ही इस आधार पर अपनी क्षमता का अवलोकन कर सकते हैं। आपको अपनी सृजित क्षमता को देखना होगा।

परमेश्वर की तरह सोचने के लिए आपको अपने दृष्टिकोण को बदलने की आवश्यकता है।

मुझे याद है जब मैं कुछ कठिन परिस्थितियों से गुज़र रहा था, और मैं कुछ बड़ी समस्याओं का सामना कर रहा था जो दिखने में मुझसे भी बड़ी थी। मैंने ऐसे निर्णयों का सामना किया हैं जिसके लिए जितना धन मेरे पास भी नहीं था उससे काफी गुना ज्यादा लगता। मैं महसूस कर सकता था कि परमेश्वर मुझसे कह रहा है कि मैं उस कार्य को करूँ, परन्तु मैं उस समस्या में कूदने से भयभीत था। प्रभु ने उस समय मुझे एक स्वप्न दिखाया। मैं एक पहाड़ी की चोटी पर घोड़े पर सवार था। मेरे हाथ में एक तलवार थी। मेरे नीचे उस पहाड़ी के नीचे सैकड़ों, नहीं हज़ारों दुश्मन के सैनिक अपने घोड़ों पर सवार मेरे खिलाफ तलवारें उठाये सवार थे। मैं उस पहाड़ी पर अकेला था और निश्चित रूप से कम आंका गया। मेरे स्वप्न में एक आवाज़ आई जिसने ये शब्द कहे, "अपने आप को कम मत समझो, गैरी!" यह सुनकर मैंने अपनी तलवार उठाई और अपने घोड़े को पहाड़ी से दुश्मन की ओर दौड़ाने लगा, जो कि अब मेरा वार देखकर, अपनी तलवारें उठाकर पहाड़ी के ऊपर मेरी ओर बढ़ रहे थे। जैसे-जैसे मैं उनकी ओर सरपट दौड़ रहा था, मैं जोर से चिल्लाया, **"थॉर!"**

जब मैं जागा, तो मैं जान गया था कि प्रभु मुझसे बात कर रहा था तथा मुझे प्रोत्साहित कर रहा था, परन्तु मुझे यह नहीं पता था कि थॉर शब्द का क्या अर्थ है। मेरी कलीसिया में एक व्यक्ति है जो 30 वर्षों तक पादरी रह चूका है और बहुत सारी भाषाओं का अध्ययन किया है। मैंने उससे पूछा कि क्या वह जानता है कि इसका क्या अर्थ है और उसने मुझे कहा कि वह

इसके विषय में देखेगा। उसने अगले दिन मुझे बुलाया और कहा कि थॉर का अर्थ तूफ़ान का बेटा है। मैंने उसे धन्यवाद दिया और प्रभु मुझे जो बता रहा था मैं उस पर आश्चर्यचकित था। दुश्मनों के लिए मैं तूफ़ान की नाई गरज रहा था! जब तक मैं शैतान को यह नहीं कहता कि मैं कितना कमजोर हूँ, तब तक जब भी मैं बोलता हूँ, उसे मैं तूफ़ान(ताक़त) के सामान गरजता सुनाई देता हूँ।

मैं 2010 में अपने पहले प्रावधान सम्मेलन में प्रचार कर रहा था और यह कहानी सुना रहा था। जब मैंने यह कहानी सुनाई, मैंने कहानी की समाप्ति प्रभु के उन शब्दों से की जो उसने मुझे सपनों में कहे, "जब दुश्मन तुमको आता हुआ देखता है, गैरी, तुम तूफ़ान के समान गरजते हो। उसी क्षण मैंने कहा, "तूफ़ान के सामान गरजते हो," और तभी एक जोरदार कड़कड़ाती हुई बिजली कड़की। उस दिन कोई बारिश नहीं हुई थी, उसके पहले कोई बिजली नहीं कड़की थी, और यह एकमात्र कड़कती बिजली थी जो उस रात सुनाई दी। उस रात जो लोग वहाँ उपस्थित थे चकित रह गए। परन्तु तब कोई भी इतना अधिक प्रसन्न नहीं होगा जितना मैं था, क्योंकि मैं जानता था कि यह प्रभु की ओर से उस वाक्यांश पर जो मैंने कहा **"आमीन"** था क्योंकि यह उसकी सभी संतानों पर लागू होता है। वैसे, टीवी के कैमरे उस रात सक्रिय थे, और यदि आप उस घटना को देखना चाहते हैं तो आप इस लिंक पर जा सकते हैं: https://youtu.be/rtx1XYJGIAg।

तो यहाँ एक अवधारणा है जिसे आपको समझने की आवश्यकता है।

गुलाम बड़े सपने नहीं देखते!

गुलाम किस विषय में सपने देखते हैं? बंद करना अथवा विराम लगाना, यही तो है। वे सपना देखते हैं 5:00 बजने का जैसे-जैसे वे दिन के दूसरे पहर के बाद से अपनी घड़ियों की ओर देखते रहते हैं, वे कार्य बंद करना चाहते हैं और कार्य छोड़कर वहाँ से जाना चाहते हैं। वे छुट्टी का सपना देखते हैं, वे सेवानिवृत्त होने का सपना देखते हैं, वे पैसे होने का सपना देखते हैं ताकि वे रुक सकें। गुलाम रुकने का सपना देखते हैं, अधिक कार्य करने का नहीं! एक गुलामी मानसिकता या परिप्रेक्ष्य कार्य का आविष्कार या निर्माण करना नहीं है; वह कार्य से बाहर निकलने का मार्ग ढूँढ़ता है। एक गुलाम पहले से ही अभिभूत होता है और जो क्षमता उसमें प्रतिदिन है उसे देख ही नहीं पाता।

पूँछ (आखिर में) ना होकर सिर (आरम्भ में) होना, आपकी मानसिकता को एक गुलाम से एक मालिक और निर्माता में बदल देगा। आपको फिर से सपने देखना शुरू करना होगा। आपको अतीत देखने की आवश्यकता है की आप क्या सोचते हैं आप कौन हैं, हालांकि अपनी आंखों में आपको आप कमजोर लग सकते हैं, परन्तु शैतान को आप एक गरजते तूफ़ान के सामान लगते हैं। आपकी रगो में राजसी लहू है, और आपको केवल उस ही प्रकार सोचने व कार्य करने की आवश्यकता है।

मेरा एक दोस्त है जो बहु करोड़पति है। उसके पास कई खूबसूरत घर हैं, सभी समुद्र पर या झीलों पर। एक दिन जब मैं उससे मिलने गया हुआ था, हम नावों के बीच बंदरगाह में चल रहे थे। जैसे-जैसे हम हर एक नाव के पास से गुज़र रहे थे, वह मुझे उनके मालिकों के विषय में बता रहा था। मैं आपको एक उदाहरण देता हूँ कि बातचीत कैसी लग रही थी, परन्तु मैं नाम खुद से बना रहा हूँ, क्योंकि मुझे वे याद नहीं हैं। तो मेरे दोस्त की बातचीत इस प्रकार लग रही थी: "यह नाव बिली स्मिथ की है, जो ओहायो मेडिकल सर्विसेज की मालिक है। यह अगली नाव जॉन रोजर्स की है, जो रोजर्स और रोजर्स, एक कानूनी फ़र्म का मालिक है। यह अगली नाव राल्फ टिडवेल की है, जो हाई स्ट्रीट पर उस अच्छे जूते की दुकान का मालिक है।

जैसे-जैसे मैं उन नावों की पंक्तियों से गुज़रता गया, और उनमें से लगभग 20 से गुजरने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि उनमें से प्रत्येक नाव किसी ऐसे व्यक्ती की थी जो एक व्यवसायी था। उनमें से एक भी नाव किसी साधारण व्यक्ति की नहीं थी जो 9 से 5 बजे तक एक आइस-क्रीम स्टैंड पर एक कर्मचारी के तौर पर कार्य करता हो। अब, इस बात को अच्छी तरह से समझ लीजिए कि, ना ही मैं आइस-क्रीम स्टैंड पर कार्य करने के खिलाफ हूँ और ना ही मैं इस बात के ख़िलाफ़ हूँ कि कोई व्यक्ति एक कर्मचारी के रूप में काम करें। मैं आपको बस एक उदाहरण दे रहा हूँ कि किस प्रकार के लोगों के पास धन-दौलत होती है।

कृपया मैं जो कह रहा हूँ उस के बरे मी अत्यंत ध्यान से सोचें। यह जो मै कह रहा हूँ वह उनके पास जो धन है उसके विषय में नहीं है; यह उनके पास जो मानसिकता है उसके विषय में है। घोड़े से पहले गाड़ी न लें। अधिकतर लोग कहेंगे, "काश मेरे पास उस प्रकार का धन होता।" लेकिन वास्तव में उन्हें यह कहना चाहिए "काश मैं उनके सामान सोचता!" उनका जीवन और स्वयं अपने विषय में एक अलग परिप्रेक्ष्य है।

अधिकांश परिवार ऐसी आय तक कभी नहीं पहुँच पाते जिसे भरपूर आय माना जाता है। एक वर्तमान अध्ययन यह कहता है कि अमेरिका के 51% कर्मचारी प्रति वर्ष $ 30,000 से कम कमाते हैं।5 हमारे देश में आधे से अधिक लोग एक वर्ष में $ 30,000 से कम कमाते हैं? यदि आप आयु के 20 के दशक में हैं और अभी आपने जीवन की शुरुआत की हैं या आप ऐसे औधे पर हैं जहाँ आप हमेशा से रहना चाहते थे, और पैसा आपके जीवन की अन्य बातों की सूची में शीर्ष पर नहीं है तो ठीक है, परन्तु मुझे पता है कि यह हमारे देश में आधे से अधिक लोगों के विषय में सच नहीं है। मैं जानता हूँ कि उन्हें और धन की आवश्यकता है। मेरा विश्वास करें, मैं 36 वर्ष से भी अधिक समय से फाइनेंसियल सर्विसेज इंडस्ट्री में हूँ, और हज़ारों घरों में जाकर लोगों से व्यक्तिगत मुलाकात की है, और मैंने इस वास्तविकता को प्रत्यक्ष देखा है।

तो उनके पास अधिक आय क्यों नहीं है? इससे पहले कि आप चिल्लाकर यह कहना शुरू कर दें कि जीवन इतना अन्याय से भरा, छली क्यों है या किस प्रकार आप पीड़ित हैं या इस प्रकार की कुछ अन्य बकवास करें, मैं आपसे कहना चाहूँगा कि यह दो कारणों से है। पहला, वे पृथ्वी की गरीबी की शापित व्यवस्था में फंस चुके हैं और परमेश्वर के राज्य और उसके प्रावधान के सिद्धांतों के विषय में नहीं जानते हैं। दूसरा, उनके पास घटिया नकारात्मक सोच है, जिसके पीछे पृथ्वी के शापित प्रशिक्षण का भी सहयोग है, और क्योंकि उन्हें बाहर जाने का कोई मार्ग दिखाई नहीं देता, भले ही कोई मार्ग ठीक उनके मुंह के सामने ही क्यों न हो। वास्तविकता में, गुलामों के पास गुलामी की मानसिकता होती है, जैसा कि मैंने पहले भी बताया है। वे आराम या विश्राम की तलाश में होते तो हैं लेकिन उन्हें कोई अवसर दिखाई नहीं देता। हमें इस वास्तविकता का सामना करना ही होगा कि; वास्तविक उत्तरों के बिना, लोग हिम्मत हार जाते हैं।

मैं आपको एक उदाहरण देता हूँ जिसका उपयोग मैं अपने सेमिनार में करता हूँ। मान लीजिए मैं आपसे कहता हूँ कि मैं आपकी सभी धन सम्बंधित समस्याओं को एक सरल वाक्य के द्वारा हल कर सकता हूँ। अपनी कलम और कागज तैयार कर लीजिये क्योंकि मैं आश्वासन देता हूँ कि यही आपका उत्तर होगा। क्या आप तैयार हैं? ठीक है, तो सुनिए: इस वर्ष $50 लाख की कुल आय कमाइए। जब मैं यह मंच से कहता हूँ तो प्रत्येक व्यक्ति हंसने लगता है। परन्तु वे हंसते क्यों हैं? क्योंकि वे खुद को उस प्रकार का धन बनाते हुए नहीं देख सकते हैं, न ही वे सोचते हैं की $50 लाख आय एक वर्ष में कमाना संभव है।

फिर मैं उनसे कहता हूँ कि जिस वस्तु की वो कल्पना नहीं कर सकते वे उस वस्तु को कभी हासिल भी नहीं कर पाएंगे। फिर मैं उसी बात को फिरसे दोहराता हूँ, परन्तु इस बार मैं लगातार संख्या को कम करता चला जाता हूँ: $ 200,000, $ 100,000, $ 70,000, या $ 40,000 प्रति वर्ष। आखिर में, मैं उन्हें कहता हूँ, "मैं अब एक संख्या पर आऊंगा जहाँ आप कहेंगे, "ठीक है, यह आसान है। मैं ऐसा कर सकता हूँ।"

फिर मैं उन्हें एक और कहानी सुनाता हूँ। मान लो कि मैं निर्यात व्यापार में एक धनवान व्यापारी हूँ। मैं गेंदों को जहाज से चीन भेजना चाहता हूँ, और उन गेंदों को जहाज से भेजने के लिए पैक करने में थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। मैं उन्हें कहता हूँ कि मैं उन्हें प्रत्येक गेंद को डब्बे में पैक करने के लिए $ 500 का भुगतान करूंगा। यदि वे एक दिन में 200 गेंद पैक करते हैं, तो एक दिन में उन्हें लगभग $ 100,000 मिलेंगे। इसी दर पर गेंदों को पैक करने के लिए मै उनके साथ एक साल का कॉन्ट्रैक्ट करना चाहता हूँ। अब, यदि मैंने उन्हें यह कहता हूँ 12 महीनों में $ 50 लाख कुल आय कमाना यह उत्तर था, तो उनकी प्रतिक्रिया क्या होगी? "यह तो आसान है, इसमें कोई समस्या नहीं है, आप इस दर पर आसानी से $ 50 लाख कमा सकते हैं"।

अंतर क्या था? एक योजना, बस इतना ही है। योजना का ही सारा अंतर है। जिस परमेश्वर ने आपको बनाया है वह योजना भी जानता है, और आपको बस उस योजना को सुनने की आवश्यकता है। यही बात परमेश्वर के राज्य के बारे में भी है। जब परमेश्वर ने मुझे स्वप्न में वह व्यवसाय आरम्भ करने के बारे में बताया और फिर मुझे दिखाया कि इसे कैसे करना है, तो मेरी आय तब तक बदली नहीं थी -परन्तु मैं अंदर से अपने मन में चिल्ला रहा था, "यह तो आसान है! अब मेरी धन सम्बंधित समस्याएं समाप्त हो गई हैं; मेरे पास योजना है!"

क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएँ मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन् कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूँगा।
- यिर्मयाह 29:11

परमेश्वर के पास आपको सफ़ल-समृद्ध करने की योजना है! एक बार जब आपको पता चलता है कि परमेश्वर के पास आपकी समृद्धि के लिए योजना है, तब आधा युद्ध वही ख़त्म

हो जाता है! सुनो, धन सम्बंधित समस्या को सुलझाना इतना जटिल नहीं है। प्रावधान मनोकामना-समर्थक है! यह वास्तव में बहुत ही सरल और आसान है। यदि आपके पास किराने का सामान नहीं है तो उसका उत्तर है किराने के सामान का प्रावधान होना। वहीं एक बड़े घर की आवश्यकता का उत्तर आपके पास एक बड़ा घर होना है। आपको भरोसेमंद कार की आवश्यकता है तो उसका उत्तर है आपके पास उस कार का होना।

मुझे पता है कि मैं दोहरी बात कर रहा हूँ, परन्तु मैंने वर्षों तक एक टूटी-फूटी कार चलाई। मै जब कार चलाता था तब कार से धुआँ निकलता था और उस धुएं को देखकर कोई भी दूर ही से समझ जाता था की मै आ रहा हूँ। मैं जानता हूँ कि जब आपको कहीं जाना होता है और उसी समय कार में कोई समस्या हो जाएँ तो वह कितनी तनावपूर्ण बात हो जाती हैं। मुझे यह भी पता है कि कार डीलरशिप में जाकर एक नई कार के लिए नकद भुगतान करना कैसा लगता है। आपको पता है? अब और कोई तनाव नहीं, न ही कोई चिंता है। क्यों? क्योंकि मेरी आवश्यकताएं पूरी हो चुकी हैं और मुझ में शान्ति है। अब मैं कार सम्बन्धी समस्याओं से निपटने के बजाय उन बातों पर ध्यान केंद्रित कर सकता हूँ जहाँ मुझे ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

परमेश्वर के राज्य के नागरिक होने के नाते, आपके पास कानूनी अधिकार हैं और हर कानून और सिद्धांत अब आपके लिए उपलब्ध है।

सच्चाई यह है कि अधिकतर लोगों को वास्तविक धन सम्बंधित समस्याओं से इस हद तक निपटना पड़ता है कि वे अपना अधिकांश जीवन तनाव में बिता देते हैं। हो सकता है वो केवल पैसों की समस्या को ही हल करने में इतना समय लगा देते है कि अब उनके पास जीवन जीने के लिए कुछ बचा ही नहीं है। मेरे मित्र, परमेश्वर की इच्छा आपके जीवन के लिए यह नहीं है।

जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, लोग अपने सपनों और अपने जुनून को केवल उन पैसों के लिए त्याग देते है जो उन्हें उन नौकरियों से प्राप्त होता जिनसे वे वास्तव में घृणा करते हैं। आमतौर पर गुलाम बहुत खुश लोग नहीं होते हैं! दुर्भाग्य वश, जीवन में लोग इसी प्रकार के स्थान में रहते है, जहाँ वे अपने ही जीवन से नाखुश हैं, निराश हैं व आशाहीन हैं। परन्तु वास्तविकता में, अपनी स्वतंत्रता पाने में वे केवल अपने दृष्टिकोण को बदलने की दूरी पर होते है, या फिर, जैसा की मैंने कहा, उनके पास एक योजना होने की आवश्यकता है।

मैं आपको एक व्यक्तिगत उदाहरण देता हूँ। आप में से बहुत से लोग जानते हैं कि मुझे शिकार करना और मछली पकड़ना, बाइक की सवारी करना और लम्बी पैदल यात्राओं पर जाना, इस प्रकार के बाहर किए जाने वाले कोई भी काम करना पसंद है। मैं ओहायो में एक छोटे से किसान समुदाय में बड़ा हुआ जिसे प्लेन टाउनशिप के नाम से जाना जाता है। उसे प्लेन टाउनशिप इसलिए कहा जाता था क्योंकि, वहाँ की भूमि सपाट थी। यह किसानों के लिए बहुत अच्छा था, परन्तु साधरणरूप से वह इतनी आकर्षक जगह नहीं थी। मैं जितनी भी शिकार और मछली पकड़ने की मासिक पत्रिका की सदस्यता ले सकता था ले ली, *आउटडोर लाइफ, स्पोर्ट्स एफील्ड, फील्ड & स्ट्रीम*, और भी कई। मैं मछली पकड़ने की और शिकार करने की और पश्चिमी सुंदर पहाड़ों की और एप्पलाचियन घाटी के हरे-भरे पहाड़ों की जो पूर्वी दिशा में मेरे स्थान से केवल 1 घंटे की दूरी पर हैं कहानिया पढ़ा करता था। फिर भी मैं कभी उन क्षेत्रों का दर्शन करने नहीं गया था। मैं 40 वर्ष का था जब मैंने जीवन में पहली बार पहाड़ देखा।

क्यों? मेरे पास यात्रा करने के लिए पैसे थे, मेरे पास अपनी कार थी, इंटर-स्टेट 1-70 मेरे शहर से होकर ही जाता है, और पश्चिम की ओर रॉकी माउंटेन क्षेत्र तक जाता है। परन्तु सच्चाई यह है कि मैंने कभी वहाँ जाने के विषय में सोचा ही नहीं या "मैं किसी दिन वहाँ जाऊँगा" इस प्रकार सोचने की मैने अपने आप को कभी अनुमति ही नहीं दी, मैंने मासिक पत्रिका में छपे वहाँ के सुंदर चित्रों को देखकर उन स्थानों को बहुत सराहा परन्तु कभी वहाँ जाने के बारे में विचार नहीं किया। मेरी दृष्टी में तो वह स्थान चाँद जितने दूर थे, इसलिए मेरे मन में वहाँ जाने की कोई संभावना नहीं थी। जब मैं 40 वर्ष का था तब आखिरकार उस पश्चिमी इलाके में गया, तब मै यह देखकर हैरान रह गया कि मुझसे अपने पूरे जीवन में क्या छूट गया था। अब, वर्ष में कम से कम एक बार तो मेरा पहाड़ों पर जाना निश्चित होता है। मित्र, मै आपको बताना चाहता हूँ कि उन क्षेत्रों के बारे में आप जितना जानते हैं उससे कई अधिक देखने के लिए होता है। आप अपने आप को जितना समझते है उससे आपकी क्षमता कई अधिक हैं! आपको जीवन को एक अलग दृष्टिकोण से देखने व अनुभव करने की आवश्यकता है।

जब आप समझना और सीखना शुरू करते हैं कि परमेश्वर का राज्य कैसे कार्य करता है और परमेश्वर का राज्य जो कहता है कि आपके पास पहले से ही है, तब आपका दृष्टिकोण बदल जाएगा!

इसलिये तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।

— इफिसियों 2:19

परमेश्वर के राज्य का एक नागरिक होने के नाते, आपके पास कानूनी अधिकार हैं, और हर कानून और सिद्धांत अब आपके लिए उपलब्ध है। यह ड्रेंडा और मेरी समस्या थी। हम मसीही विश्वासी थे और परमेश्वर से प्रेम करते थे, और हम परमेश्वर के राज्य के नागरिक थे, फिर भी परमेश्वर के नियमों और सिद्धांतों के विषय में हमें कोई ज्ञान नहीं था। हमारे उन सीमित दृष्टिकोणों के कारण जो पृथ्वी की शापित व्यवस्था ने हमें दिए, हमारे पास सपने या आकांक्षाएं नहीं थी। परन्तु ज्ञान में सामर्थ्य है।

उदाहरण के लिए, अदालत में, एक हस्ताक्षरित लीज़ एग्रीमेंट साबित करता है कि आपके पास अपने घर में रहने के लिए कानूनी अधिकार है। इस बात का ज्ञान कि यह एक हस्ताक्षरित दस्तावेज़ है जो सुनिश्चित करता है कि आपको उस घर में रहने का कानूनी अधिकार है, आपको शांति और आराम प्रदान करता है। उसी प्रकार, यह ज्ञात होना कि परमेश्वर क्या कहता है और राज्य में आपके लिए क्या है, आपको आत्मविश्वास देता है कि आप उन सभी वस्तुओं पर हक जता सकते है जो कानूनी रूप से आपकी हैं। उदाहरण के लिए, किसान की सफलता/समृद्धि क्या है? क्या पैसा उसकी समृद्धि है? नहीं। क्या वह बीज जिसे वो बोता है उसकी समृद्धि है? नहीं। यह उसका बुवाई और कटाई के नियमों का वो ज्ञान है जो उसके पास है। चाहे वह कितना भी गरीब क्यों न हो, वह जानता है अमीर कैसे बनना है। वह केवल पृथ्वी के उन नियमों पर ध्यान केन्द्रित करता है जिन्हें परमेश्वर ने स्थापित किया है। बीज उगने का समय और फसल कटने की प्रक्रिया किसान को बार-बार उत्पादन दे सकती है।

वह फसल के नियमों को समझता है और इस पर उसे पूर्ण विश्वास है। वह जमीन में हजारों डॉलर के मूल्य के बीज बोता है, फिर भी वह भयभीत नहीं होता। आपको कोई ऐसा किसान नहीं दिखेगा जो पौधा उगने के बाद अपने ट्रेक्टर के बगल में बैठ के उस धन के लिए रोए जो उसने उस ज़मीन में लगा दिया। नहीं, वह बीज की लागत पर कभी नाही रोता है। वह उन नियमों के विषय में आश्वस्त होता है जो पृथ्वी की प्रकृति को नियंत्रित करते हैं। क्या वह

आपको बता सकता है कि एक बीज कैसे उगता है? मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा करेगा, परन्तु वह आपको बता सकता है कि वह खेती करने के लिए और अधिक भूमि की खोज में है। आपके और मेरे विषय में भी ऐसा ही है। जब तक हम राज्य के नियमों को नहीं जान लेते और उन पर विश्वास नहीं करते, तब तक हम उस जीवन का आनंद नहीं ले सकते जो कि परमेश्वर ने हमारे लिए नियुक्त किया है।

उन शुरुआती दिनों में कुछ रोमांचकारी घटनाएँ होती रही, उन्ही में से यह एक कहानी है, मुझे एक व्यक्ति का फ़ोन आया जिसे मैं "डॉन" कहूँगा, डॉन कुछ गंभीर अर्थव्यवस्था की समस्याओं का सामना कर रहा था। उसने सुना था कि मैंने अनेक लोगों को उनकी अर्थव्यवस्था की समस्या से बाहर निकलने में सहायता की है।

जब मैं पहली बार डॉन से मिला, वह बहुत हतोत्साहित था और कर्ज में डूबा हुआ था, वो मेरे कार्यालय में आया। उस समय उसके जीवन में कुछ भी सही नहीं चल रहा था। जब मैंने बैठकर उससे बात की, तो मुझे पता चला कि उसने 3-4 महीनों से मकान का किराया नहीं दिया था और उसके बाकी के बिलों का भी यही हाल था। उसकी विवाह संबंधित समस्याएं थी- उसकी पत्नी उसकी आर्थिक स्थिति से तंग आ गई थी और उसके मन में डॉन के प्रति सम्मान कम होता जा रहा था क्योंकि, वह उसके लिए और उनके पाँच बच्चों के लिए कुछ भी करने में असमर्थ था। सच्चाई तो यह थी कि डॉन ने अपने आप के लिए सम्मान खो दिया था, और उसके दिमाग में बहुत सारे प्रश्न थे।

उस समय वह ओहायो राज्य में स्वास्थ्य बीमा का एजंट था, परन्तु अपने काम में वो सफल नहीं हो पा रहा था इसलिए अत्यंत तीव्रता से वह विनाशकारी अर्थव्यवस्था के पथ पर चला जा रहा था।

सब कुछ डॉन के खिलाफ हो रहा था, बावजूद इसके मैंने उसमें क्षमता देखी। वह सीखने के लिए और कार्य करने के लिए तैयार था। उसमें जो यह सामर्थ्य शाली संयोजन था उसे देखकर मै उसे अपने साथ काम पर रखने और उसके भविष्य के लिए पर्याप्त रूप से निवेश करने के लिए विवश हो गया। अंत में मैंने देखा कि, वह एक ऐसा निवेश था जो हम दोनों के लिए बहुतायत से लाभकारी था।

मेरी हाल ही में स्थापित नई कंपनी ने हमारे एक विक्रेता से हवाई तक की यात्रा का टिकट जीता था, और मैंने सोचा कि यह एक अच्छा अवसर है, इस यात्रा पर डॉन के साथ परमेश्वर के राज्य के विषय में बातचीत कर पाऊँगा। वैसे तो डॉन एक मसीही था, परन्तु परमेश्वर के राज्य के बारे में उसकी समझ मेरे जैसी नहीं थी। और मैंने कई बार पर इस विषय पर उसके साथ बात करके परमेश्वर के सिद्धांतों को समझाने का प्रयास किया, फिर भी वह कभी मेरी बातों का विश्वास ही नहीं करता था।

परमेश्वर का राज्य कैसे कार्य करता है यह समझाने के लिए मैं डॉन का ध्यान आकर्षित करने का मार्ग ढूंढता रहा ताकि इन बातों को जानकार वह समझ सके कि वह भी समृद्धि पा सकता है। लेकिन, डॉन इतना हतोत्साहित था कि उसे अपने आप पर विश्वास करने और यह विश्वास करने में कठिनाई हो रही थी कि परिवर्तन वास्तव में संभव है। मैं जानता था कि यह हवाई की यात्रा ही मेरे लिए अच्छा अवसर है।

डॉन और मैं जब हवाई के लिए निकलने की तैयारी कर रहे थे, तब हम इस बात की चर्चा करते थे कि हम वहाँ क्या देखेंगे और क्या करेंगे। अन्य किसी बात से अधिक एक विशेष बात की और डॉन का ध्यान आकर्षित हुआ। वह प्रशांत महासागर के खूबसूरत पानी में नीली मार्लिन मछली पकड़ना चाहता था। "हवाई, दुनिया में नीली मार्लिन मछली का प्रमुख केंद्र है," डॉन ने मुझे उत्साह से बताया। "मैं हमेशा से एक नीली मार्लिन मछली पकड़ना चाहता था; यह मेरा सपना रहा है"। कई हफ्तों में पहली बार, मैंने डॉन की आंखों में एक चमक देखी। कम से कम किसी बात ने तो उसे उत्साहित कर दिया था, और मैं जानता था कि उसका यही उत्साह और मन में जागृत आशा उसके लिए एक सामर्थ्य शाली पाठ सीखने के लिए द्वार खोलेगा।

"डॉन", मैंने कहा, "क्या तुमने कभी ऐसा सोचा था कि, यह पता होना संभव है, केवल उम्मीद करना नहीं, परन्तु पता होना, कि तुम परमेश्वर के राज्य में ध्यान लगाकर हवाई में एक नीली मार्लिन मछली को पकड़ लोगे"? उलझन में, लेकिन जिज्ञासा के साथ, डॉन और अधिक जानना चाहता था, और मैं राज्य के विषय में और बातें उसे बताता गया। मैंने मरकुस 11:24 को उसके लिए पढ़ा, जिसमे लिखा है, *"इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके माँगो, तो प्रतीति कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा।"* डॉन को इस बात पर विश्वास करना बहुत अच्छा लग रहा था। मैंने और अधिक समय उसके साथ व्यतीत

करके उसे राज्य के विषय में समझने और उसके विश्वास को दृढ़ बनाने में सहायता की। और इसलिए, इससे पहले कि हम अपनी यात्रा के लिए निकलते, उसने और उसकी पत्नी ने विश्वास के साथ प्रार्थना की और विश्वास किया कि उन्हें एक नीली मार्लिन मछली मिल चुकी है। उन्होंने परमेश्वर के राज्य में अपनी फसल की कटनी के लिए एक आर्थिक बीज भी बोया। जब मुझे किसी चीज़ की आवश्यकता थी तब उसे प्राप्त करने के लिए इस प्रकार अपने विश्वास को मुक्त करते हुए आर्थिक दान का बीज बोना पवित्र आत्मा ने मुझे सिखाया था।

इस बीच, डॉन ने फसल के अपने हिस्से को बनाए रखने के लिए वह सब कुछ किया जो वह जानता था। उसने कौनसी नावें उपलब्ध है और उनका किराया क्या होगा इसकी जानकारी प्राप्त की और फिर जब उसे लगा कि किसी एक कंपनी की नावं वाजिब दाम में मिल रही है तो उसने उसे बुक कर लिया। सब कुछ तय था, और हम सभी हवाई के नीले पानी में जाने के लिए बहुत उत्साहित थे।

समुद्र में जाने का दिन आ गया, और जैसे ही हम नाव पर चढ़े, हमने नावं के कप्तान बड़े ही उत्साह के साथ कहा कि आज ही हम एक नीली मार्लिन मछली को पकड़ेंगे। कप्तान ने हमें किसी अन्य मछली को पकड़ने के लिए शुभकामनाएं दी, उसने हमें अपने अनुभव के आधार पर आगाह किया कि उस दिन नीली मार्लिन मछली को पकड़ने के लिए परिस्थिति हमारे पक्ष में नहीं थीं। उसने बताया कि, पिछले चार महीनों से हर दिन दो किराए की नावं लेकर, उसका चालक दल केवल एक ही नीली मार्लिन मछली को ला पाया था। यह काफी हद तक इस कारण था कि अभी तक मार्लिन मछली का मौसम नहीं आया था क्योंकि मार्लिन एक प्रवासी मछली है। हमने अपने आप में निराश होने से इंकार किया, और सम्मानपूर्वक उस से कहा कि हम आज एक नीली मर्लिन मछली लेकर आएंगे और हमने अपनी साधन सामग्री तैयार करते रहे।

लगातार छह घंटे चलने के बाद हमें एक भी मछली नहीं मिली, और मुझे थोड़ी चिंता होने लगी की कहीं मछली न मिलने से डॉन का विश्वास कमज़ोर न हो जाए। चिंतित होकर मैंने चिल्लाते हुए उससे एक प्रश्न पूछा। "डॉन," मैं उसके ऊपर के पुल पर था, और वहाँ से चिल्लाया, "मैं तुमसे एक प्रश्न पूछता हूँ। तुम्हें वह नीली मार्लिन मछली कब मिली? जब वह हमें पकड़ने के बाद वास्तव में दिखाई देगी तब या फिर, जब हमने प्रार्थना की उसी समय?" विश्वास के साथ, डॉन ने दृढ़ता से उत्तर दिया, "गैरी, यह बिलकुल सरल है। मुझे वह तभी मिल गई जब

मैंने प्रार्थना की।" जब मैंने उसका यह उत्तर सुना तो मैं उत्साहित और आश्वस्त हो गया। तब मैं जान गया की डॉन ने मेरे निर्देशों को गंभीरता से लिया है और वह उस मार्लिन मछली को पाने के लिए पूर्ण रूप से दृढ़ है।

कुछ मिनटों के बाद, डॉन का मछली पकडणे का रॉड समुद्र मी अंदर झुक गया और झुकने के कारण उसमे मी आवाज़ आने लगी, और उसके साथी चिल्लाए, "मछली!"

"ज्यादा उत्सुक मत हो," कप्तान ने आगाह किया, "यह एक बड़ी मछली है, परन्तु यह कोई नीली मार्लिन मछली नहीं है। मार्लिन मछलियाँ सतह पर आती हैं और हवा में जबरदस्त छलांग लगाती हैं, परन्तु यह मछली गहराई में है।" कुछ मिनटों तक डॉन उस मछली को पकड़ने में लगा रहा जो अभी सतह के इतने पास नहीं आई थी की दिखाई दे सके। जितना थका हुआ डॉन था, उतनी ही वह मछली भी थी और जल्द ही उस मछली ने हार मान ली। डॉन ने जब उस विशाल, सुन्दर, नीली मार्लिन मछली को बाहर निकाला तब हम दोनों को कोई आश्चर्य नहीं हुआ, परन्तु नाव पर हर एक व्यक्ति दंग रह गया था।

डॉन और उसकी मछली का चित्र आज भी मेरे कार्यालय में रखा हुआ है, जो दूसरों के लिए एक गवाही है और मुझे परमेश्वर के राज्य की बातों की निरंतर याद दिलाता है। देखा जाएँ तो, वह केवल एक मछली थी। परन्तु डॉन के लिए, वह मार्लिन बहुत अधिक मायने रखती थी। यदि परमेश्वर का राज्य मार्लिन के लिए कार्य कर सकता है, तो निश्चित रूप से यह जीवन में उसकी आवश्यकता की हर चीज़ के लिए भी कार्य करेगा। डॉन के लिए, यह केवल एक शुरुआत थी कि परमेश्वर का राज्य उसके जीवन में क्या कर सकता है।

मुझे यह कहानी पसंद है, और मुझे लोगों का परमेश्वर के राज्य के साथ वास्तविक अनुभव देखना पसंद है। और यही मैं आपके लिए भी चाहता हूँ!

अध्याय 4

मुझे राज्य की एक प्रमुख कुंजी मिली!

हम सभी के पास हमारे घरों, हमारी कारों और जिस किसी वस्तु की हम रक्षा करना चाहते हैं, उसके लिए विभिन्न प्रकार की चाबियाँ होती हैं। चाबी के द्वारा हम उस वस्तु तक पहुंच सकते है जो अंदर सुरक्षित है या चाबी हमें उस वस्तु का उपयोग करने का अधिकार देती है, जैसे कि एक कार। मैं नौ लम्बे सालों तक आर्थिक तनाव और निराशा में रहा, लेकिन एक मसीही होने के कारण, मैं जानता था कि कुछ तो जो होना चाहिए वो मेरे जीवन में नहीं है, कहीं तो कुछ गलत है। किसी को मुझे यह बताने या समझाने की आवश्यकता नहीं थी। जो आवश्यक था वह यह जानना कि क्या गलत था और उसे कैसे ठीक किया जाए।

उस टूटे हुए फार्म हाउस में अपने बिस्तर पर लेटे हुए, जब मैं सहायता के लिए परमेश्वर को पुकार रहा था, तब प्रभु ने मुझसे बात की, तब उसने मुझे बताया मेरी समस्या यह थी कि मैंने कभी सीखा ही नहीं की उसका राज्य कैसे कार्य करता है। उस एक वाक्य में मुझे कुंजी मिली, या मुझे कहना चाहिए कि मुझे कुंजी या चाबियों का स्रोत मिल गया —और वो है परमेश्वर का राज्य। परमेश्वर मुझसे कह रहा था कि मेरा उत्तर उसके राज्य में है। मैंने कभी यह जानने का प्रयास नहीं किया था कि उसका राज्य कैसे कार्य करता है, परन्तु यदि मैं ऐसा करता हूँ, तो मुझे अपना जवाब मिल जाएगा। जब परमेश्वर ने उस दिन मुझसे राज्य की समझ के अभाव से संबंधित बात की, तब मुझे कोई अनुमान नहीं था की उसका राज्य से क्या अर्थ है। परन्तु मैंने उसे ऊँचे स्वर से और स्पष्ट रूप से सुना कि यदि तुम यह सीखोगे कि उसका राज्य कैसे कार्य करता है, तो तुम्हे वे उत्तर मिल जायेंगे जिन्हें तुम ढूँढ रहें हो। तो मेरे लिए इस कथन में, एक प्रमुख कुंजी थी, “तुम ने यह जानने के लिए कभी समय ही नहीं दिया कि मेरा राज्य कैसे कार्य

करता है!" मै कह सकता हूँ कि, उस पंक्ति ने अपने आप में बहुत कुछ कहा और निश्चित रूप से यह, मेरे जीवन को बदलने की मेरी पहली बड़ी कुंजी थी।

> *क्योंकि हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है; और प्रभुता उसके कांधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्ति करने वाला पराक्रमी परमेश्वर, अनंतकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा। उसकी प्रभुता सर्वदा बढ़ती रहेगी, और उसकी शान्ति का अन्त न होगा, इसलिए वह उसको दाऊद की राजगद्दी पर इस समय से लेकर सर्वदा के लिए न्याय और धर्म के द्वारा स्थिर किए और सम्भाले रहेगा। सेनाओं के यहोवा की धुन के द्वारा यह हो जाएगा।*
>
> — यशायाह 9:6-7

यह जानते हुए कि परमेश्वर का राज्य वास्तव में एक ऐसा राज्य है जो सरकार और कानूनों के आधार पर कार्य करता है, मेरी आँखें खुल गयी ताकि मैं उस राज्य को समझ सकूँ, जिसके विषय में मैंने पहले कभी नहीं जाना था। यह जानने के बाद कि परमेश्वर का राज्य स्थापित किया गया तथा न्याय (व्यवस्था का प्रशासन) व परमेश्वर की धार्मिकता (उसके नियमों) द्वारा संभाला जाता है, मुझे पता चला कि राज्य में जो कुछ भी होता है वह उसके राज्य के नियम तथा सिद्धांत का परिणाम है। हो सकता है कि मैं दराज में सबसे तेज चाकू न होऊं, परन्तु मैं यह समझने के लिए यथेष्ट समझदार था की यदि राज्य नियमों के आधार पर चल सकता है तो मैं भी उन नियमों को सीख कर अपने जीवन पर लागू कर सकता हूँ। जैसे-जैसे परमेश्वर ने ड्रेंडा और मुझे अपने नियमों को दिखाना व सिखाना शुरू किया, मुझे एहसास होने लगा कि बाइबल की हर एक कहानी में वो कुंजियाँ है जिनकी मुझे राज्य के संचालन को समझने के लिए आवश्यकता थी। मैंने बाइबल की हर एक कहानी को अलग ढंग से पढ़ना शुरू किया: "ऐसा क्यों हुआ? ऐसा क्यों नहीं हुआ?" मैं हर कहानी को इसी दृष्टिकोण के साथ पढ़ता गया, "इस कहानी में कौन से सिद्धांत प्रकट होते हैं? ऐसा कैसे हुआ?"

मैंने स्वयं को आत्मिक वैज्ञानिक कहना शुरू कर दिया, और मैं उत्तेजित था क्योंकि पवित्र आत्मा मुझे नियम के बाद नियम प्रकट करता जा रहा था। मैं यह देखकर और भी उत्तेजित

हुआ कि मुझे जो नियम प्रगट किए गए थे, वे मेरे अपने जीवन में ठीक उस प्रकार कार्य कर रहे थे जैसे वे बाइबल की घटनाओं में कर रहें थे। लोग मुझसे पूछते हैं, "गैरी, राज्य के नियमों से आपका क्या अर्थ है?" तब मैं उन्हें वे सब नियम याद दिलाता हूँ जिनका वे पृथ्वी पर उपयोग करते हैं- गुरुत्वाकर्षण, भौतिकी के नियम, और वे सभी नियम जो प्रकृति को नियंत्रित करते हैं।

एक किसान इन नियमों का उपयोग जब चाहे करता है; उसे कार्य करने के लिए उन नियमों के लिए प्रार्थना करने की आवश्यकता नहीं है। जब कभी वह उनको उपयोग करना चाहता है, वे कार्य करते हैं। जो भी उन्हें उपयोग करना चाहता है ऊस हर एक व्यक्ती के लिए यह नियम उपलब्ध हैं। इसी प्रकार, परमेश्वर का राज्य उन नियमों से चलता है जो सीखे जा सकते हैं। क्योंकि वे नियम हैं, इसलिए वे कदापि नहीं बदलते, और वे सीखे जा सकते है और राज्य में, जीवन में लागू किए जा सकते हैं।

जैसे-जैसे परमेश्वर ने ड्रेंडा और मुझे अपने नियमों को प्रकट करना और सिखाना शुरू किया, मुझे एहसास होने लगा कि बाइबल की हर कहानी में ऐसी कुंजियाँ हैं जो मुझे राज्य के संचालन के संबंध में जानने की आवश्यकता है।

वैसे, एक बार जब आप मसीह के पास आ जाते हैं, तो आप उसके राज्य के नागरिक बन जाते हैं, और सारा राज्य आपका हो जाता है। राज्य के इन नियमों को आप भी सीख सकते है और उनका उपयोग कर सकते हैं।

"ठीक है," लोग मुझसे कहेंगे, "मुझे इतना समझ आता है, परन्तु मुझे राज्य के एक नियम का एक उदाहरण दो।" बहुत बहुत सारे नियम हैं। दरअसल, मैं पहले ही कुछ नियमों अथवा कानूनों के विषय में लिख चुका हूँ, जैसे क्षेत्राधिकार का कानून, विश्वास का कानून और समझौते का कानून, हालांकि मैंने इस प्रकार पिछले अध्यायों में उनको नाम नाही दिए है। इस के अतिरिक्त, बहुत से कानून हैं, और इन सभी कानूनों का प्रयोजन तथा उपयोग कैसे होता है, उनके किस बात पर पर हमें निश्चित रूप से ध्यान केंद्रित करना चाहिए यह स्पष्ट किया जा सकता है। मैं आपको एक कहानी सुनाना चाहता हूँ ताकि मैं जो कह रहा हूँ उसे स्पष्ट रूप से समझने में आपकी सहायता कर सकूं।

मेरे पास एक विमान है, एक पाइपर मिराज, जिसका उपयोग मैं सभाओं में जाने के लिए, व्यवसाय सम्बंधित ग्राहकों से मिलने तथा व्यवसाय के कामों के लिए यात्रा करने के लिए करता

हूँ। एक बार एक सभा के लिए कोलोराडो जाने की मेरी तैयारी हो रही थी, और उस यात्रा में जाने से पहले, कानून के अनुसार आवश्यक वार्षिक रखरखाव के निरीक्षण के लिए सब बातों का इंतज़ाम किया गया। यदि आप नहीं जानते कि यह वास्तव में क्या होता हैं, तो यू. एस. में उड़ने वाले हर विमान को वर्ष में एक बार वार्षिक रखरखाव की समीक्षा करवाकर उसे पास करवाना आवश्यक होता है। मेरे पायलट को समीक्षा के स्थान से मिराज लेकर हमें हमारी सभा के स्थान ले जाना था। परन्तु मिराज को समीक्षा के स्थान से लेने से एक दिन पहले, समीक्षास्थान से फ़ोन आया और उन्होंने कहा कि उनसे गलती से सहपायलट के सामने की विंडशील्ड टूट है है। उन्होंने कहा कि वे उसे निः शुल्क बदल देंगे, लेकिन इस प्रक्रिया को पूरा होने में तीन दिन का समय लगेगा। इसका अर्थ यह था कि ड्रेंडा और मुझे नियमित विमान का टिकट लेकर कोलोराडो जाना होगा। मै कोई शिकायत नहीं कर रहा हूँ, लेकिन जहाँ तक संभव हो हम हमेशा अपने स्वयं के विमान से ही कही भी जाना पसंद करते हैं। हम थोड़े निराश हो गएँ परन्तु हम सम्मेलन के लिए चले गये। इसके बाद यह निश्चित था कि हमारा मिराज विमान ठीक हो जाएगा और ओहायो वापिस आने के लिए हमारा पायलट हमें लेने आ जायेगा।

हमारे सम्मेलन के दो दिन बाद, उस क्षेत्र में अचानक ओला-वृष्टि हुई। ओले इतने बड़े थे कि उन्होंने पूरे इलाके को नुकसान पहुंचा दिया। कुछ क्षेत्रों में, बर्फ़ के विशाल टुकड़ों से तो पूरी छत भर गई। सैकड़ों कारें क्षतिग्रस्त हो गयी जिनकी मरम्मत भी नहीं की जा सकती थी। इमारतें और छतें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। जब मेरा पायलट हमें लेने आया, तब उसने विमान को एफ बी ओ में उसी जगह पार्क किया जहाँ यदि वह हमें पहली बार कांफ्रेंस के लिए ले आता तब करता। एक अद्भुत दृश्य मेरी आँखों को देखने को मिला।जहाँ अन्य विमान खड़े थे वही अगर मेरा भी विमान खड़ा होता तो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाता। यह निश्चित रूप से एक अद्भुत बात है, परन्तु यह कैसे हुआ? मेरा कहने का अर्थ है कि क्या यह सिर्फ एक संयोग था या विमान का वहाँ नहीं होना एक आध्यात्मिक कानून का परिणाम था जिसका मुझे किसी प्रकार से लाभ प्राप्त हुआ?

खैर, एक तथ्य के कारण मैं जानता हूँ कि यह एक आध्यात्मिक कानून का परिणाम था जिसे मैंने सही स्थान पर लागू किया था, जिसे मैं आपके साथ थोड़ी देर में साझा करूंगा। जब आपको एक कानून समझ मी आता है तब जहाँ आवश्यक हो वहाँ उसकी पुनरावृत्ति कर

सकते है। इस विषय में, मैंने एक ऐसे कानून का अभ्यास किया जिसे परमेश्वर ने मुझे शुरुआत में सिखाया था जब परमेश्वर ने पहली बार मुझे अपने राज्य के नियमों व संचालन में प्रशिक्षित करना शुरू किया था। मैं आपको वह क़ानून दिखता हूँ जो परमेश्वर ने मुझे दिखाया था, फिर मैं आपको दिखाऊंगा कि मैंने उसे कैसे लागू किया। याद रखिए, बाइबल की हर कहानी आपको राज्य और उसके संचालन के विषय में कुछ दिखाती है। मैं स्वयं को एक आध्यात्मिक वैज्ञानिक कहता हूँ। जब मैं बाइबल पढ़ता हूँ, मैं हमेशा उन कानूनों की तलाश में रहता हूँ जो कुछ घटित होने का कारण होते हैं या उन कानूनों को तलाशता रहता हूँ जो कुछ घटित होने की अनुमति नहीं देते। मरकुस 6 में हम उस कहानी को देखते है जो इस शिक्षा से सम्बंधित है, उसके बारे में मै आपको बताना चाहता हूँ।

जब दिन बहुत ढल गया, तो उसके चेले उसके पास आकर कहने लगे, "यह सुनसान जगह है, और दिन बहुत ढल गया है। उन्हें विदा कर कि चारों ओर के गाँवों और बस्तियों में जाकर, अपने लिए कुछ खाने को मोल लें।"

उस ने उत्तर दिया, "तुम ही उन्हें खाने को दो।"

उन्होंने उससे कहा, "क्या हम सौ दीनार की रोटियाँ मोल लें, और उन्हें खिलाएँ?"

उसने उनसे कहा, "जाकर देखो तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं?"

उन्होंने मालूम करके कहा, "पाँच और दो मछली भी।"

तब उसने उन्हें आज्ञा दी कि सब को हरी घास पर पाँति–पाँति से बैठा दो। वे सौ सौ और पचास पचास करके पाँति–पाँति बैठ गए। उसने उन पाँच रोटियों को और दो मछलियों को लिया, और स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद किया, और रोटियाँ तोड़–तोड़ कर चेलों को देता गया कि वे लोगों को परोसें, और वे दो मछलियाँ भी उन सब में बाँट दीं। सब खाकर तृप्त हो गए, और उन्होंने टुकड़ों से बारह टोकरियाँ भर कर उठाईं, और कुछ मछलियों से भी। जिन्होंने रोटियाँ खाईं, वे पाँच हज़ार पुरुष थे।

- मरकुस 6: 35-44

यह परमेश्वर के राज्य के संचालन की एक महान कहानी व दृष्टांत है। केवल पांच रोटियां और दो मछलियां है जिससे 20,000 लोगों को खाना खिलाया जाता हैं! परन्तु आप कहते

हैं, "गैरी, बाइबल तो कहती है कि वहाँ केवल 5,000 पुरुष थे।" हाँ, बाइबल ऐसा ही कहती है, परन्तु मैं समझता हूँ कि पुरुषों के आलावा वहाँ महिलाएं और बच्चे भी थे। इसलिए मेरा अनुमान है कि वहाँ लगभग 20,000 लोग थे।

जब चेले भोजन की समस्या लेकर यीशु के पास आते हैं, तब यीशु उन्हें राज्य के बारे में कुछ सिखाना चाहता है, इसलिए वह कहता है, "तुम उन्हें खिलाओ।" यीशु की यह बात उनके लिए काफी चौका देने वाली होती है। इतने लोगों को खिलाने के लिए उन्हें इतना अधिक खाना कहाँ से मिलेगा? उनकी समझ के अनुसार प्रावधान का एकमात्र स्रोत जो वे जानते थे उसके अनुसार वे उत्तर देते है—श्रम! वे कहते हैं, "ठीक है परन्तु ऐसा करने के लिए एक मनुष्य की 8 महीनों की मजदूरी की आय लगेगी!" उनके खून-पसीने से दर्द भरा परिश्रम करने की पृथ्वी श्राप प्रणाली के अनुसार घंटों काम करके की गई कमाई की आय से उन्हें खिलाना असंभव था।

परन्तु राज्य में, संचालन के विभिन्न नियम हैं जो सब कुछ संभव बनाते हैं। यीशु उन्हें पृथ्वी की शापित प्रणाली से आगे देखने और परमेश्वर के राज्य द्वारा एक नई संभावना सीखने में सहायता करना चाहता है। यीशु तब उनसे कहता है कि वे देखें कि उनके पास भीड़ को खिलाने के लिए क्या उपलब्ध है। वे जाते हैं और ढूंढते हैं और फिर यीशु को बताते हैं कि उन्हें पांच रोटियां और दो मछलियां मिली हैं परन्तु वे जानते हैं कि यह किसी भी प्रकार से पर्याप्त नहीं होंगे। तब यीशु ने उनसे रोटी और मछली माँगी। उसे अपने हाथों में पकड़कर, प्रार्थना करता है और उसे आशीषित करता है। फिर वह उसे अपने शिष्यों को भीड़ में परोसने के लिए वापस दे देता है। आप इसके बाद की पूरी कहानी जानते हैं; वहाँ स्थित सभी 20,000 लोगों ने भरपेट खाया और तब भी 12 टोकरियां बच गयी थीं।

मेरे सामने कुछ यह प्रश्न हैं: "यीशु ने रोटी और मछली लोगों को खाने के लिए देने से पहले उन्हें अपने पास लाने के लिए क्यों कहा? रोटी और मछली मिलने के बाद यीशु ने चेलों से उसे केवल परोसने के लिए क्यों नहीं कहा? क्या इस भोजन को पहले यीशु द्वारा आशीषित करना आवश्यक था?" सही उत्तर यह है कि यीशु को पहले रोटी और मछली को आशीषित करना था। आप देखिये इस बात को समझिए, जब उसके शिष्यों ने रोटी और मछली को पाया तब वह पृथ्वी के मनुष्य के क्षेत्राधिकार व प्राधिकरण में थीं। ऐसी स्थिति में, यीशु का उन पर कोई अधिकार नहीं था। परन्तु जब रोटी और मछली स्वेच्छा से उसके पास लाए गए, तो वह उन्हें

आशीषित करने के योग्य था। आशीष शब्द का अर्थ है पवित्र करना अथवा अलग करना। अब, यहाँ राज्य का एक कानून प्रकट होता है।

जब यीशु ने रोटी और मछली को आशीषित किया, तो मछली और रोटी के राज्य बदल गएँ।

मुख्य रूप से, रोटी और मछली के अधिकार क्षेत्र बदल गए। परमेश्वर के पास अब लोगों के लिए रोटी और मछली को बढ़ा कर अधिक करने का कानूनी अधिकार था।

यदि यीशु ने रोटी और मछली नहीं ली होती और उन्हें आशीषित नहीं किया होता, तो वे बढ़ कर अधिक नहीं होते।

जब हम अपने भोजन को आशीषित करते हैं तो हम इसी कानून का उपयोग करते हैं, हालांकि मैं सोचता हूँ कि अधिकतर लोगों को एहसास नहीं होता कि वे वास्तव में क्या कर रहे हैं जब वे अपने भोजन के लिए प्रार्थना करते हैं। परन्तु सीधे शब्दों में कहा जाएँ तो, जब हम अपने भोजन के लिए प्रार्थना करते हैं, तो उसका राज्य अधिकार बदल जाता है, इस प्रकार हम परमेश्वर को, जिसे भी हम खाते हैं उससे हमें किसी भी हानिकारक वस्तु से बचाने की अनुमति देते है। मुझे यहाँ अलग से एक टिप्पणी करने की आवश्यकता है। यदि हम स्वेच्छा से जंक-फूड खा कर जीना जारी रखते हैं और उन वस्तुओं को खाते हैं जिन्हें हम जानते हैं कि हमारे लिए हानिकारक है, तो हम वही काटेंगे जो हम बोते हैं। परन्तु यदि हम अनजाने में कुछ खतरनाक खा लेते हैं, जिसका हमें एहसास नहीं था कि हमें नुकसान पहुंचाएगा, तो परमेश्वर का वचन ठीक उसी प्रकार हमारी रक्षा करेगा जिस प्रकार उसने मेरे विमान की रक्षा की थी। मैं आदतन की जाने वाली प्रार्थना के विषय में बात नहीं कर रहा हूँ जिसे आप अधिकतर लोगों को अपने भोजन के लिए करते हुए सुनते हैं। परन्तु विश्वास में प्रार्थना करना, परमेश्वर का धन्यवाद करना कि वह हमारे बीच से बीमारी को दूर करता है, हमें, उसके महान राज्य के नागरिकों के रूप में, उसकी प्रतिज्ञाओं का आनन्द लेने की अनुमति देता है।

> *और यदि वे नाशक वस्तु भी पी जाएं तौभी उन की कुछ हानि न होगी, वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएंगे।*
>
> - मरकुस 16:18

आज की दुनिया में, हमें विश्राम पाने के लिए परमेश्वर की सुरक्षा पर विश्वास रखने की आवश्यकता है। ऐसी बहुत सी बातें हैं जो हर कदम पर हमारी शांति को नष्ट कर सकती हैं, जिसके अंतर्गत जो भोजन हम खाते हैं वो भी शामिल है। मेरा विश्वास कीजिए, आप सुनिश्चित कर सकते हैं कि शैतान के पास पृथ्वी पर भोजन के द्वारा हमारा स्वास्थ्य तथा हमारी योग्यता, जो उसके खिलाफ प्रभाव शाली हैं, चुराने की या नष्ट करने की योजना है!

फिलिप्पियों 4:6-7 में हम अपनी समस्याओं, विवादों, हमारी मन की शांति, वास्तव में हमारे जीवन की हर एक वस्तु को राज्य के क्षेत्राधिकार में लाने का एक और उदाहरण देख सकते हैं।

> *किसी भी बात की चिन्ता मत करो: परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और बिनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएं। तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ से बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी॥*
>
> — फिलिप्पियों 4:6-7

जब हम किसी विषय के लिए प्रार्थना करते हैं, तो यह उस समस्या अथवा परेशानी को परमेश्वर के राज्य के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत लाता है। यदि हम उस बात के लिए प्रार्थना न करें, तो कार्य करने के लिए परमेश्वर के हाथ बंधे हुए हैं। अत:, बाइबल कहती है कि निरन्तर प्रार्थना में लगे रहो (1 थिस्सलुनीकियों 5:17) और तुम्हें इसलिए नहीं मिलता, कि परमेश्वर से मांगते नहीं (याकूब 4:2)।

जब मैंने अपना विमान खरीदा और जब मैं कुछ भी खरीदता हूँ, तब मैं उसके लिए प्रार्थना करता हूँ, उस पर हाथ रखता हूँ, और उसे परमेश्वर के राज्य के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत लाता हूँ ताकि उके द्वारा वह काम किया जाएँ जिसके लिए उसको बनाया गया था क्योंकि यह अब परमेश्वर के राज्य की सेवकाई करता है तथा मुझे सौंपे गए कार्य के लिए उपयुक्त हो जाता है। इस कारण, मेरा विमान अब शैतान और उसके सेवकों की सीमा से बाहर हो जाता है। उस विमान से मुझको कोई हानि नहीं होगी!

लगभग एक महीने पहले, मैं एक सम्मेलन के बाद ह्यूस्टन से ओहायो तक मिराज उड़ाकर ले जा रहा था। काफ़ी देर हो चुकी थी क्योंकि हम अंधेरे ग्रामीण इलाकों की ओर चले गये थे। हमारी दाई ओर कुछ दूरी पर आसमान में बिजली चमकी और वहीं बाई ओर एक तूफ़ान देश की तरफ बढ़ रहा था। तूफान से बचने के लिए हमें अपने हवाई मार्ग में बदलाव करने पड़े, और इस कारण, हमने जो सोचा था उससे अधिक ईंधन का उपयोग हो गया। तो यह सुनिश्चित करने के लिए की हम घर सुरक्षित पहुँचें और FAA के जहाज पर स्थित ईंधन भण्डार संबंधित अधिनियमों को पूरा करने के लिए, हमने केंटकी के लुइस्वाइल में ईंधन लेने के लिए रुकने का निर्णय लिया। हम वहाँ उतरे तब विमान में लगभग 30 गैलन ईंधन था, लेकिन इतने ईंधन में हम बस 1 घंटा और चल सकते थे परन्तु हम ईंधन की कमी का सामना नहीं करना चाहते थे। हमने FBO पर विमान उतरा और उनसे हर टैंक में 20 गैलन भरने को कहा। उससे हमारे पास लगभग 70 गैलन ईंधन होगा, जो हमें ओहायो जितनी दूरी तक उड़ान भरने के लिए पूर्ण रूप से पर्याप्त था क्योंकि मिराज एक घंटे में लगभग 22 गैलन ईंधन का उपयोग करता है।

जब हम FBO में प्रतीक्षा कर रहे थे, तब काउंटर पर बैठी लड़की ने हमसे कहा कि वह हमारे विमान में 40 गैलन ईंधन भर सकती है। वह जब यह बात कह ही रही थी तभी, लाइनमैन लेनदेन के हिसाब संबंधित कुछ पेपर्स लेकर वहाँ आ गया। लड़की ने वो पेपर्स उससे लिए, उन्हें ध्यान से देखा, और फिर कहा, “यहाँ कुछ गड़बड़ है। संख्या मेल नहीं खा रही।” लाइनमैन ने कहा कि वह ईंधन भर देता है और बाद में संख्या ठीक कर सकता है। उसने कहा, “ठीक है,” परन्तु उसने कहा कि जब तक संख्या ठीक नहीं हो जाती, तब तक वह मुझे रसीद नहीं दे सकती, परन्तु वह उसे हमें ई-मेल कर देगी। हमने कहा, “ठीक है,” और लाइनमैन के साथ विमान में चले गए। मेरे पायलट ने लाइनमैन से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि उसने वास्तव में प्रत्येक टैंक में 20 गैलन ईंधन डाला है, और उसने कहा, “हाँ, मैंने प्रत्येक टैंक में 20 गैलन डाला है।

फिर हमने ओहायो के लिए उड़ान भरी, और हमारी उड़ान के लगभग 40 मिनट में, अचानक, बाएँ तरफ़ का टैंक सूख गया। हम चौंक गए; ऐसा कैसे हो सकता है? एक मिनट बाद, दाहिनी तरफ़ का टैंक सूख गया। वो अंधेरी रात थी और रात का मध्यान्ह हो रहा था, और हम बिना ईंधन के 15,000 फीट की उँचाई पर थे। ये क्या हुआ? हमने अभी ही तो ईंधन भरवाया

था। लोग मुझसे कहेंगे, "क्या आपके विमान में ईंधन का मीटर नहीं है?" जी हाँ, बिलकुल है, परन्तु ईंधन भरते समय हमारे विमान का ईंधन मीटर धीरे-धीरे ऊपर बढ़ता है। यदि आपने कभी एक पुरानी सबअर्बन चलाई हो, तो आप को शायद यह बात समझ आ जाएगी कि मैं किस विषय में बात कर रहा हूँ। ईंधन के धीरे-धीरे भरते हुए वे मीटर ईंधन के साथ बढ़ते हैं।

ईंधन भरते समय, मेरे पायलट ने लाइनमैन से पुछा था की क्या उसने ठीक से ईंधन भरा था और यह भी पूछा था कि कितना ईंधन भरा है। हमने खुद उसे विमान में ईंधन के ट्रक के साथ ईंधन डालते हुए देखा था। मेरे पायलट ने पूरी तसल्ली से, देखा था की ट्रक से ईंधन भरा जा रहा है या नहीं और दो बार उसे सीधे पूछकर सुनिश्चित किया था की 40 गैलन ईंधन विमान में भरा गया है। एक बार जब हम ईंधन भर गया है यह सुनिश्चित कर लेते हैं, तब हम ईंधन का मीटर लगा देते हैं जो एक गैलन के दशमलव में कितना ईंधन उपयोग हो चूका है दिखता है। हमने सोचा था कि हमें सुरक्षित रहने के लिए जो भी करने की आवश्यकता थी हम अपनी ओर से कर चुके हैं।

राज्य में ऐसे कानून हैं जिन्हें आपको प्रभावी, सुरक्षित होने के लिए और यहां पृथ्वी क्षेत्र में प्रावधान कर पाने के लिए सीखना आवश्यक है।

हमने आपातकाल की घोषणा की और ग्रेटर सिनसिनाटी हवाई अड्डे में विमान उतरना पड़ा, जो वास्तव में कोई समस्या नहीं थी क्योंकि टैंक सूखने के पश्चात हम उसके ठीक ऊपर ही थे, परन्तु यह निश्चित रूप से थोड़ा रोमांचक था। क्योंकी हमें बाद में पता चला, यह पहला विमान था जिसमें उस लाइनमैन ने ईंधन भरा था। उसने प्रत्येक टैंक में 2 गैलन ईंधन भरा था, 20 नहीं। उसे मीटर पढ़ना नहीं आता था। क्या,सच में? और उस नैशनल कंपनी का काम बस विमानों में ईंधन भरना इतना ही था—अविश्वसनीय है!

दुश्मन जो हानि हमें पहुँचाना चाहता था वह कोई बड़ी समस्या नहीं थी, परन्तु यह एक बड़ी समस्या हो सकती थी यदि हमारा टैंक 15,000 फीट की जगह कहीं और सूखा होता तो। परन्तु हाँ, दुश्मन मुझे या उस विमान को हानि नहीं पहुंचा सकता है। हमारे विरोधी शैतान के किसी और प्रयास से बचने के लिए, तभी से हमने अपनी ईंधन भरने की प्रक्रिया में कुछ बदलाव किए हैं। अब हम विमान मी ईंधन भरने के लिए लाइनमैन के भरोसे नहीं छोड़ते, परन्तु अब हम उसके साथ खड़े होकर सभी ईंधन स्टॉप पर ध्यान देते हैं। यदि हम कार्रवाई करने में

धीमे और अभावी होते या फिर मौसम ख़राब होता तो वह दुर्घटना विनाशकारी हो सकती थी; परन्तु ज़ाहिर है, ऐसा नहीं हुआ क्योंकि मेरे पास एक सुरक्षा की वाचा है।

विमान के साथ-साथ खुद की सुरक्षा के संबंध में मेरे विमान के साथ घटी ये दोनों घटनाएं, परमेश्वर के राज्य की मेरी वाचा का, राज्य में मेरे कानूनी अधिकारों का परिणाम थीं। मैं आपको वह कहानी सुनाना चाहता हूँ कि यह विमान मुझे कैसे मिला, परन्तु मैं उसे अभी नहीं सुनाऊंगा। मैं सोचता हूँ की अब आप एक बात समझ चुके हैं—परमेश्वर अद्भुत है!

राज्य में ऐसे क़ानून हैं जिन्हें आपको प्रभावशाली, सुरक्षित रहने के लिए, और पृथ्वी पर प्रावधान पाने के लिए सीखने की आवश्यकता है। शैतान हमसे घृणा करता है, परन्तु वह हमें रोक नहीं सकता, परमेश्वर की स्तुति हो। सुरक्षा भी विश्राम है, किसी प्रकार की चिंता न होना, और कोई भय न होना! यह आपका कानूनी अधिकार है।

वैसे, जिस कानून का मैंने अभी वर्णन किया और उपयोग किया, इसी को मैं क्षेत्राधिकार का कानून कहता हूँ, बस आपके मन में कोई शंका ना हो इसलिए बता रहा हूँ।

एक और वचन जो परमेश्वर ने शुरुआत में मुझे अपने राज्य के सम्बन्ध में दिया था, वह था लूका 6:20।

धन्य हो तुम जो दीन हो, क्योंकि परमेश्वर का राज्य तुम्हारा है।

- लूका 6:20

जब प्रभु ने पहली बार हमें यह वचन दिखाया, तब ड्रेंडा और मैंने अध्ययन करना शुरू किया कि परमेश्वर के वचन में "परमेश्वर के राज्य" से परमेश्वर का क्या अर्थ है। फिर उसने हमें यह भी दिखाया कि वह उस राज्य का राजा है, जो कानूनों द्वारा शासित और संचालित होता है। उदाहरण के लिए, हम अपनी दक्षिणी सीमा को देखें। वहाँसे हर वर्ष, हजारों लोग अमेरिका में दाखिल होने का प्रयास करते हैं। क्यों? क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि जहाँ वे रहते हैं वह सुंदर देश नहीं हैं? नहीं, बिल्कुल नहीं। वे यहाँ की सरकार के कारण अमेरिका में आने का प्रयास कर रहे हैं। हमारी सरकार के पास ऐसे कानून हैं जो लोगों के अधिकारों की रक्षा करते हैं और कई स्वतंत्रताएं प्रदान करते हैं जो अन्य देशों में उपलब्ध नहीं हैं: संपत्ति का स्वामित्व, अपने स्वयं

के व्यवसाय का मालिक होने का अधिकार, आपको जैसे अच्छा लगता है वैसे आराधना करने का अधिकार, और बोलने की स्वतंत्रता। यह सब कई अन्य देशों में उपलब्ध नहीं हैं।

हम पहले ही परमेश्वर के राज्य, उन सभी कुंजियों, सिद्धांतों और कानूनों की नींव के विषय में काफी बात कर चुके हैं जो परमेश्वर ने हमें नागरिक होने के नाते दिए हैं। इन कानूनों के विषय में आपका ज्ञान या ज्ञान का अभाव, जीवन अथवा मृत्यु, जीत या हार के बीच का अंतर हो सकता है। वे 9 वर्ष दुर्बल बना देने वाले आर्थिक भय से जूझने के बाद अब स्वतंत्र होने से, मैं चाहे जितना भी बताऊँ उतना कम है, कि यह जानना कितना महत्वपूर्ण है कि परमेश्वर के राज्य का नागरिक होने का क्या अर्थ है और उन सभी नियमों और सिद्धांतों को जानने का क्या महत्व है जिससे उसका राज्य बनता है।

हज़ारों वर्षों से पृथ्वी अस्तित्व में है, फिर भी जिनका आज हम आनंद लेते हैं वे काफ़ी बातें उस समय समझ के बहार थीं। उदाहरण के लिए, मैं चाहता हूँ कि आप इसकी कल्पना करें कि 1906 में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर ओशन ब्लफ-ब्रैंट रॉक, मैसाचुसेट्स में किस प्रकार का माहौल। कुछ ऐसा हुआ जिसने उस दिन दुनिया को बदल दिया। रेजिनाल्ड फेसेंडेन ने रेडियो तरंग के माध्यम से समुद्र में जहाजों के लिए 'ओह होली नाइट' यह गाना बजाया और लूका का दूसरा अध्याय पढ़ा। यह दुनिया का पहला रेडियो प्रसारण था। अब, हम एक सेल फोन उठाते हैं और पृथ्वी पर किसी से भी बात कर सकते हैं और यह कैसे कार्य करता है इसके बारे में सोचते भी नहीं।

या फिर जनवरी, 1879 के बारे में सोच सकते है? थॉमस एडिसन ने प्रकाश देनेवाले बल्ब का सफलतापूर्वक आविष्कार किया, और अब पृथ्वी पर हर एक देश रात में देखने के लिए बिजली के नियमों और भौतिकी को नियंत्रित करने वाले कानूनों का उपयोग करता है।

या 17 दिसंबर, 1903 के बारे में क्या विचार है? राइट भाइयों ने पहले हवाई जहाज को सफलतापूर्वक उड़ाया, और अब हम एक आधुनिक हवाई जहाज़ में चढ़ सकते हैं और कुछ ही घंटों में दुनिया भर में उड़ान भर सकते हैं। A380, सबसे बड़ा व्यावसायिक हवाई जहाज़, जिसका वजन 1.2 मिलियन पाउंड है, पृथ्वी पर लगभग 600 मील प्रति घंटे की रफ्तार से, 9 घंटे से अधिक समय तक ईंधन भरे बिना, 800 से अधिक लोगों को उड़ाकर ले जा सकता है। यदि लोगों ने 1800 के दशक में ऐसी कोई वस्तु देखी होती तो वे इसकी झलक देखकर ही

बेहोश हो जाते। परन्तु अब, यह हमारे लिए उतना ही आम है जितना कि एक स्विच को दबा कर बल्ब को चालू करना।

मैं जो बात दर्शाना चाह रहा हूँ वह यह है कि ये सभी नियम पहले से ही विद्यमान थे, हमेशा यहीं पर, पृथ्वी पर तब से जब मनुष्य की रचना की गई थी। वे हमेशा से ही मनुष्य के उपयोग करने के लिए उपलब्ध थे; लेकिन वह इन्हे देख नाही पाया था। उसने पक्षियों को उड़ते हुए देखा, बिजली गिरती देखी, परन्तु फिर भी उसे समझ में नहीं आया।

पवित्रशास्त्र के विषय में भी यही सत्य है। धर्म ने परमेश्वर के वचन के अर्थ को सीमाओं में निर्धारित कर दिया है। आपने और मैंने वर्षों से सुना है, कि वे सभी बातें बीत चुकी हैं, परमेश्वर अब चमत्कार नहीं करता है। आत्मा के वरदान केवल प्रेरितों के लिए थे, या पौलुस का काँटा एक बीमारी थी। वास्तव में, वचन बहुत सरल है। इसका वही अर्थ होता है जो यह कहता है। परन्तु राज्य में नींव होना पहली प्रमुख कुंजी है जो आपको अन्य सभी दरवाजों को खोलने के लिए पानी होगी।

अब यहाँ एक और प्रमुख कुंजी है:

कानून नहीं बदलते!

एक पत्थर गिराओ तो वह गिर जाएगा। वह कितनी बार गिरेगा? हर बार! गुरुत्वाकर्षण का नियम यह सुनिश्चित करता है कि आपको हर बार एक ही उत्तर मिले। परमेश्वर के राज्य के बारे में भी यही सत्य है।

अध्याय 5

उड़ान भरना चलने से बेहतर है

उड़ान भरना चलने से बेहतर है! जब मैं यह अध्याय लिख रहा था, तब मैं कैनडा में स्थित अपने गर्मियों के घर से ओहायो स्थित अपने घर की ओर जाने के लिए अपने स्वयं के विमान से, लगभग 250 मील प्रति घंटे की रफ्तार से भूमि से 23,000 फीट की उँचाई पर, उड़ान भर रहा था। अनेक वर्षों से, हम ओहायो में स्थित अपने घर से कैनडा गाड़ी चला कर जाते थे। वह 31 घंटों की लम्बी थका देने वाली यात्रा होती थी। मुझे अगले दिन पहुँचने के लिए पूरी रात गाड़ी चलानी पड़ती थी। हाँ, कभी कभी हम अपनी यात्रा में रूककर 2 दिन में यह सफर पूरा कर लेते थे, परन्तु जब आपको 2 हफ्ते की छुट्टी मिली हो और आप 4 दिन गाड़ी चलाने में ही निकाल देते, तो आप अपना काफी सारा समय सफर में गवा देते हैं। फिर, मैं वहाँ पहुँच कर पूरी तरह से थका हुआ होता हूँ, और अब मुझे ओहायो वापिस जाने के लिए दोबारा से वही 31 घंटे गाड़ी चलानी होती थी।

मुझे हमेशा से ही हवाई जहाज अच्छे लगते है और जब मैं 19 वर्ष का था तभी से मेरे पास पायलट का लाइसेंस रहा है, परन्तु मैंने कभी नहीं सोचा था की मेरे पास मेरा अपना हवाई जहाज होगा। मेरा मतलब है, क्या आप जानते है कि हवाई जहाज़ का दाम क्या है? परन्तु जितना अधिक मैं राज्य के विषय में सीख रहा था, उतना ही मुझे एहसास होता जा रहा था कि वो मैं ही हूँ जिसने अपनी "ना" और गरीबी के विचारों के चलते उस हवाई जहाज़ को खुद से दूर रखा हुआ है। वास्तव में अब मेरे पास 2 हवाई जहाज़ हैं, एक जो मैं मज़े के लिए उड़ाता हूँ, मेरा पहला जहाज़, और दूसरा जो मैं सफ़र करने के लिए इस्तेमाल करता हूँ। जैसा की मैंने पिछले अध्याय में उल्लेख किया, हमारी "ना-की सीख" सपनों व संभावनाओं को अनुमति नहीं देती। हम उन्हें उनके शुरू होने से पहले ही ख़त्म कर देते हैं।

मैंने पहले कभी एक जहाज़ लेने के बारे में नहीं सोचा था। मुझे बस कभी पता ही नहीं चला की यह कैसे संभव हो सकता है। वर्षों से, मैं जो भी जहाज़ उड़ाता था उसे किराये पर लेता था। परन्तु जब मैंने राज्य के नियमों को पढ़ा और एक के बाद एक घटनाओं को अपने जीवन में राज्य को प्रदर्शित करते हुए देखा, मैंने निर्णय लिया की मैं अपने खुद के हवाई जहाज़ के लिए परमेश्वर पर विश्वास करूंगा। मेरे पास तब हवाई जहाज़ खरीदने के लिए कोई पैसा नहीं था, परन्तु मैंने एक चेक निकला, और उसके एक कोने में लिख दिया "मेरे हवाई जहाज़ के लिए"। मैंने बिलकुल उसी प्रकार का जहाज़ लिखा जैसा मुझे चाहिए था। मेरी पत्नी ने और मैंने वह चेक मरकुस 11:24 के अनुसार राज्य में बोया, यह विश्वास करके की वह मैंने उसे तभी पा लिया जब मैंने उसके लिए प्रार्थना की। यही था वह जो परमेश्वर ने मुझे राज्य के विषय में शुरुआत में करने के लिए दिखाया। मैंने इसे अपने जीवन में बहुत बार फल लाते देखा है, कई बार।

कुछ हफ्तों बाद, मैं डॉक्टर के पास अपनी नियमित शारीरिक चिकित्सा के लिए गया था और डॉक्टर ने मुझसे कहा, "क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में जानते हैं जो हवाई जहाज खरीदने में रुचि रखता है?" मैं आश्चर्यचकित था, क्योंकि किसी ने मुझसे यह पहले कभी नहीं पूछा था। "वह किस तरह का विमान है?" मैंने पूछा। विमान किस प्रकार का था इसका वर्णन उन्होंने किया और मुझे बताया कि यदि मैं उसे देखना चाहता हूँ तो वह एक स्थानीय हवाई अड्डे पर है। आश्चर्य की बात यह है कि, यह बिल्कुल वैसा ही विमान था जिसके लिए मैंने विश्वास से दान बोया था! मैं हवाई अड्डे पर गया और उस विमान को देखा, और वह बहुत अच्छी स्थिति में था। मुझे पता था कि यह मेरा विमान था। परन्तु एक समस्या थी; मेरे पास विमान खरीदने के लिए बिलकुल भी पैसा नहीं था। मैंने डॉक्टर से कहा कि मुझे विमान में बहुत दिलचस्पी है और मैं लौटकर इसके बारे में उनसे बात करूँगा।

कुछ हफ्ते बीत गए और एक दिन मेरे भाई ने मुझे फोन किया, वो मेरे पिता के रेस्टोरेंट में काम करता था, और यह रेस्टोरेंट मेरी उस इमारत के बगल में था जिसे मैंने कुछ समय ख़रीदा था। मैंने कुछ महीने पूर्व ही पतझड़ का मौसम ख़त्म होने के बाद ख़रीदा था। मैं इस इमारत को अपना कार्यालय बनाने की योजना बना रहा था। मै जिस काम के लिए इस ईमारत का उपयोग व्यवसाईक काम करने के लिए करना चाहता था, लेकिन उसके लिए ईमारत सरकारी नियमों

के दायरें में नहीं आती थी, मैं जानता था कि उन नियमों के अनुसार होने के लिए मुझे इसका फिर से निर्माण करना होगा। मैंने एक ईमारत निर्माण कर्ता से संपर्क किया जिसने योजनाओं बनायीं, और हमने उसके लिए करारनामा पर हस्ताक्षर किए। लेकिन, हमने निर्णय लिया कि मौसम को देखते हुए यह परियोजना शुरू करने से पहले हमें वसंत ऋतु तक प्रतीक्षा करनी चाहिए। इस इमारत में रहने या काम शुरू करने से पहले हमें उस ईमारत का पूरी तरह से निर्माण करना आवश्यक था।

इमारत के पिछले मालिक ने मुझे बताया था कि सर्दियों में उस ईमारत का पानी बंद कर दिया गया था, इसलिए मैंने कभी इसकी जांच भी नहीं की। मेरे भाई का फोन कॉल फरवरी के अंत में आया था उस समय थोड़ी गर्मी शुरू हो गई थी और सर्दियों की बर्फ को पिघलाने लगी थी। मेरे भाई ने मुझे बताया कि मेरी इमारत में बहुत नुकसान हो गया था, क्योंकि उसमें से पानी सड़क पर बह रहा था। मेरा भाई और मैं जानते थे कि इसका क्या मतलब था- , पानी बंद नहीं किया गया था। जब मैंने क्षति की जांच की, तो देखा कि ऊपर के बाथरूम के पाइप, साथ ही नीचे बाथरूम और रसोई के पाइप, सभी फट चुके थे और इमारत में पानी भर गया था। सभी पलस्तर, छत और दीवारें बीम के पास से बहुत अधिक मात्रा में झड़ गई थी।

एकदम से देखने पर, यह एक बड़ी आपदा के समान लग सकता है, लेकिन ईमारत के पुनर्निर्माण की योजना के अनुसार दीवारों से पुराना पलस्तर हट कर नए कमरों को आकार दिया जाना था। बाहरी पलस्तर को भी बदला जाना था। तो वास्तव में, पानी ने इमारत को थोड़ा भी नुकसान नहीं पहुंचाया था। जो भी नुकसान हुआ वह उन हिस्सों में हुआ उसकी वैसे भी पूर्ण रूप से पुनः मरम्मत करनी थी। हालांकि, जब मैंने इमारत खरीदी थी, तो मैंने उस पर बीमा लिया था। उसमे पूरे नुकसान का भुगतान का प्रावधान था, इसलिए बीमा कंपनी ने मुझे नुकसान पूरा करने के लिए एक चेक दिया—जी हाँ, आपका अनुमान बिलकुल सही है—जो मेरे हवाई जहाज का भुगतान करने के लिए पर्याप्त था। यह पाइपर वारियर विमान था, उड़ान भरने में बहुत सरल और आसान है, और मैं इसे बहुधा आनंद के लिए उड़ाता हूँ। हर बार जब भी मैं इसे उड़ाता हूँ, तब मै इस बात को सोचकर धन्यवादित होता हूँ कि अपना खरीदा हुआ हवाई जहाज उड़ाने का आनंद कितना सुहाना है। मेरे पास अभी भी वह विमान है, और यह 20 साल से चल रहा है।

हालाँकि इस कहानी में जो घटनाएं हुईं वे बहुत अद्भुत थीं, लेकिन यह सब किस प्रकार कार्य करता है इसके विषय में मैं आपको एक गलत दृष्टिकोण के साथ नहीं छोड़ना चाहता। हर एक कार्य इस कहानी के समान अचानक नहीं होता है। हो सकता है परमेश्वर आपको अपने विमान का भुगतान करने के लिए पैसा कमाने का अवसर दे सकता है, या फिर आपको खरीद के लिए अच्छा सौदा मिल सकता है। राज्य में दान को बोते समय जिस दृष्टिकोण की आपको आवश्यकता है वह यह है कि परमेश्वर आपको उपज/फल तथा उसे प्राप्त करने की योजनाएं भी दर्शाएगा। दूसरी बात यह है कि आप अपने विकसित विश्वास और क्षमता में बने रहें। मैंने ऐसे लोगों को देखा है जो, यह सोचते है कि जब परमेश्वर ने उन्हें एक कार खरीदने के लिए मार्ग दिखाया है तो वे अब एक खरब डॉलर प्राप्त करने के लिए भी बीज बो सकते हैं। आप के पास एक खरब डॉलर के लिए विश्वास नहीं है! आप जहाँ हैं वहीं से शुरुआत करें और राज्य के नियमों को लागू करना शुरू करें और राज्य के नियमों पर विश्वास करना आरम्भ करें, और परमेश्वर आपको जो दिखाएगा उसे प्राप्त करने की अपनी क्षमता पर विश्वास रखें।

परन्तु मैं चाहता हूँ कि एक विशेष बात को आप अवश्य समझें। उस विमान को खरीदने से पहले 20 से अधिक वर्षों से मैं पायलट था। क्या आपको लगता है कि राज्य के कानून 20 साल पहले भी कार्य कर रहे थे? जी हाँ, बिलकुल कार्य कर रहें थे। परन्तु, मेरी समझ ने, या मुझे कहना चाहिए मेरी समझ की कमी ने, मुझे अपना एक विमान खरीदने की कल्पना करने की अनुमति नहीं दी।

मनुष्य ने हजारों वर्षों से पक्षियों को उड़ते हुए देखा है, लिफ्ट का नियम या जिसे हम उठाएँ जाने का नियम कह सकते है जिससे विमान उठकर आसमान में स्थिर होकर उड़ने लगता है, वह भी हमेशा से सबके सामने था, लेकिन कोई उसे देख नहीं पा रहा था। आप क्या नहीं देख पा रहे हैं? इसके बारे में विचार करें।

परमेश्वर के राज्य के प्रावधान में विश्राम करने के विषय में जो शास्त्रवचन परमेश्वर ने मुझे आरम्भिक दिनों में सिखाएं थे, उनमेंसे एक नीतिवचन 10:22 था।

धन यहोवा की आशीष ही से मिलता है, और वह उसके साथ दुःख नहीं मिलाता।
— नीतिवचन 10:22

यह वचन उत्पत्ति 3:17 में दर्शाएं गएँ सिद्धान्त का सन्दर्भ है जिस के बारे में मैंने पहले भी आपको बताया है।

> *इसलिये भूमि तेरे कारण शापित है। तू उसकी उपज जीवन भर दुःख के साथ खाया करेगा; और वह तेरे लिये काँटे और ऊँटकटारे उगाएगी, और तू खेत की उपज खाएगा; और अपने माथे के पसीने की रोटी खाया करेगा, और अन्त में मिट्टी में मिल जाएगा क्योंकि तू उसी में से निकाला गया है; तू मिट्टी तो है और मिट्टी ही में फिर मिल जाएगा।*
>
> — उत्पत्ति 3:17

जब आदम ने राज्य खोया, तब उसने राज्य का प्रावधान खो दिया और तब उसे अपने स्वयं के प्रयासों पर जीवित रहने के लिए छोड़ दिया गया। परन्तु जैसा कि आपने और मैंने पहले ही देखा है, हम वो स्वतंत्रता जिसको हम बेसब्री से काफी लम्बे समय से चाहते हैं, खून पसीने भरे दर्दनाक परिश्रम के द्वारा इतनी जल्दी नहीं प्राप्त कर सकते। परन्तु अब एक सुसमाचार है!!!! यीशु गरीबों को सुसमाचार का प्रचार करने आया था!

> *प्रभु यहोवा का आत्मा मुझ पर है; क्योंकि यहोवा ने सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया और मुझे इसलिये भेजा है कि खेदित मन के लोगों को शान्ति दूँ;*
>
> — यशायाह 61:1

यीशु को गरीबों को सुसमाचार प्रचार करने के लिए भेजा गया था। गरीबों के लिए सुसमाचार क्या हो सकता है? सरल है, उन्हें पृथ्वी पर प्रावधान की शापित प्रणाली में, कमी और गरीबी से बंधे रहने की आवश्यकता नहीं है। मेरा विश्वास करें, नौ साल तक ऋण और तनाव और हर प्रावधान की कमी के साथ—जीवित रहने के बाद-या मुझे कहना चाहिए किसी तरह से जीवन जीते रहने के बाद— यह शास्त्रवचन मेरे लिए सुसमाचार था, फिर भी यह उलझाने वाला था। क्या इसका वास्तव में वही अर्थ है जैसा इस वचन में कहा गया है? क्या यह बहुत अद्भुत और अच्छा नहीं होगा यदि इसका वास्तव में वही अर्थ हो जैसा ये कहता है, कि प्रभु

की आशीष वास्तव में किसी प्रकार हमारे जीवन में धन ले आई? मेरे लिए यह जानना सच में बहुत महत्त्वपूर्ण था कि यह बात वास्तव में सत्य थी और इसे कैसे लागू किया जाये। हालांकि, एक बात जो मैं समझ चुका था, वह यह थी कि खून पसीने से भरे दर्दनाक परिश्रम का श्राप केवल संघर्षकारी जीवन जीने के स्तर पर पर रहने के लिए प्रदान किया गया था—और जीवन केवल जीते रहना किसी भी प्रकार से अच्छी बात नहीं थी। मै इस श्राप से इस कदर मुक्त होना चाहता था, जितना शायद ही और कोई चाहता हो, लेकिन मै बिलकुल भी नहीं जानता था कि इसे अपने जीवन में कैसे प्राप्त किया जाए। मुझे लगता है कि बहुत से मसीही इसी प्रकार का जीवन जीते हैं—परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को पढ़ते तो है परन्तु नहीं जानते कि उन्हें जीवन में कैसे लागू किया जाए और उन्हें यहाँ पृथ्वीपर अपने स्वयं के जीवन में कैसे प्रकट किया जाए।

जब मैंने अध्ययन करना शुरू किया और जब प्रभु ने राज्य के सिद्धांतों को समझने में मेरी अगुवाई की, तो मैंने पढ़ा कि कैसे अब्राहम बहुत धनवान था। रुकिए! क्या उस समय पृथ्वी की श्राप प्रणाली नही थी; तो फिर वह उस प्रणाली से कैसे बाहर आया?

अब्राम भेड़–बकरी, गाय–बैल, और सोने–रूपे का बड़ा धनी था।

— उत्पत्ति 13:2

वह धनवान हो गया—नहीं, बाइबल कहती है बहुत धनवान—परन्तु कैसे? "ठीक है," आप कह सकते हैं, "ऐसा इसलिए था क्योंकि वह अब्राहम था।" नहीं, ऐसा नहीं था, और यहीं पर आपको सिद्धांतों के विषय में राज्य को समझने में दृढ़ होना चाहिए। नियम इस बात पर ध्यान नहीं देते कि आप कौन हैं। उनमें लोगों के प्रति भेद-भाव नहीं है। यदि कोई, कोई भी, पैराशूट के बिना एम्पायर स्टेट बिल्डिंग से कूद जाएं, तो वह कितना महान व्यक्ति है या कितना छोटा है इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, वो चाहे जो भी हो परिणाम एकसमान ही होगा, और आप जानते है कि वह परिणाम क्या होगा। गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत हर व्यक्ति के लिए एकसमान कार्य करेगा। तो पृथ्वी के श्राप प्रणाली के विपरीत अब्राहम कैसे समृद्ध हुआ? क्या उसकी कहानी में ऐसे संकेत हैं जो हमें मिल सकते हैं? कुछ मात्रा में इसका उत्तर उत्पत्ति 12 में पाया जा सकता है। वहाँ, परमेश्वर ने अब्राम को, बाद में अब्राहम बनने के लिए, उसके जीवन और उसके वंश के विषय में एक प्रतिज्ञा दी।

यहोवा ने अब्राम से कहा, "अपने देश, और अपने कुटुम्बियों, और अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊँगा। और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा, और तुझे आशीष दूँगा, और तेरा नाम महान् करूँगा, और तू आशीष का मूल होगा। जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूँगा; और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा; और भूमण्डल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।"

— उत्पत्ति 12: 1-3

यह वादा इब्राहीम के परमेश्वर पर विश्वास करने और उसकी आज्ञा मानने पर निर्भर था, अपने प्रियजनों को छोड़कर आगे कहाँ जाना है यह ना जानते हुए भी आगे बढ़ने के लिए महान विश्वास की आवश्यकता थी।

विश्वास ही से अब्राहम जब बुलाया गया तो आज्ञा मानकर ऐसी जगह निकल गया जिसे मीरास में लेनेवाला था; और यह न जानता था कि मैं किधर जाता हूँ, तौभी निकल गया।

— इब्रानियों 11:8

इसलिए हम देखते हैं कि परमेश्वर ने उस पर विश्वास करने वाले व्यक्ति के द्वारा पृथ्वी पर कानूनी अधिकार पाया, चाहे इसका कोई तुक नही बन रहा था। अब्राहम के विश्वास के कारण परमेश्वर उसे व्यक्तिगत रूप से आशीष दे पाया। परन्तु बाद में, अब्राहम के विश्वास के कारण, परमेश्वर उसके वंश के विषय में उसके साथ वाचा भी बाँधेगा। यह कुछ विचित्र बात है ऐसा मत समझिये। स्मरण कीजिए, शैतान ने भी आरम्भ में स्वयं पृथ्वी पर इस प्रकार ही प्रवेश किया था। आदम ने, जिसके पास पृथ्वी पर कानूनी अधिकार था, जैसा कि इब्रानियों 2:7-8 में लिखा है, परमेश्वर के बजाय शैतान पर विश्वास करने का चुनाव किया।

अब्राहम का विश्वास, जिस कारण उसके जीवन में स्वर्ग का प्रभाव होने के लिए कानूनी दरवाजा खुल गया, वह उसके लिए समृद्ध होने का भी कारण ठहरा। यह समृद्धि अब्राहम के सारे वंश में भी बढ़ती चली गयी। जैसे-जैसे मैंने इसका और अध्ययन किया, मैं यूसुफ के विषय में पढ़ने लगा, जो अब्राहम का पर-पोता था। तब मुझे राज्य का एक महान उदहारण दिखाई

दिया और यह कैसे काम करता है इसकी समझ मिली, और विशेष रूप से, नीतिवचन 10:22 वास्तव में क्या दर्शाता है यह ज्ञात हुआ।

यूसुफ के भाइयों ने उससे नफरत की और उसे गुलामों के व्यापारी जो अकसर उनके क्षेत्र से यात्रा करते थे उनके द्वारा गुलामी में बेच दिया। वे यूसुफ को मिस्र ले गए, जहाँ उसे पोतीपर को, जो मिस्र की सेना का कप्तान था, बेच दिया। नीचे दिए गए वचन में मुझे अब्राहम की उस स्तर तक समृद्ध होने की क्षमता से संबंधित पहेली का एक प्रमुख हिस्सा मिला।

> *जब यूसुफ मिस्र में पहुँचाया गया, तब पोतीपर नामक एक मिस्री ने जो फ़िरौन का हाकिम और अंगरक्षकों का प्रधान था, उसको इश्माएलियों के हाथ से, जो उसे वहाँ ले गए थे, मोल लिया। यूसुफ अपने मिस्री स्वामी के घर में रहता था, और यहोवा उसके संग था इसलिये वह भाग्यवान पुरुष हो गया, और यूसुफ के स्वामी ने देखा कि यहोवा उसके संग रहता है, और जो काम वह करता है उसको यहोवा उसके हाथ से सफल कर देता है। तब उसकी अनुग्रह की दृष्टि उस पर हुई, और वह उसकी सेवा टहल करने के लिये नियुक्त किया गया;*
>
> *फिर उसने उसको अपने घर का अधिकारी बनाके अपना सब कुछ उसके हाथ में सौंप दिया। जब से उसने उसको अपने घर का और अपनी सारी समाप्ति का अधिकारी बनाया, तब से यहोवा यूसुफ के कारण उस मिस्री के घर पर आशीष देने लगा;* ***और क्या घर में, क्या मैदान में, उसका जो कुछ था सब पर यहोवा की आशीष होने लगी।*** *इसलिये उसने अपना सब कुछ यूसुफ के हाथ में यहाँ तक छोड़ दिया कि अपने खाने की रोटी को छोड़, वह अपनी संपत्ति का हाल कुछ न जानता था।*
>
> — उत्पत्ति 39:1-6

यह शास्त्रभाग स्पष्ट रूप से कहता है कि यह प्रभु की आशीष थी जिसके कारण यूसुफ की समृद्धि हुई। परन्तु प्रभु की आशीष क्या थी या क्या है? मैंने देखा कि यह प्रभु की "ही" आशीष थी, न कि प्रभु की "एक" आशीष। हम सभी किसी भी महान कार्य के विषय में कहते हैं कि "यह एक आशीष थी।" परन्तु यह वचन किसी सामान्य, या कोई एक अच्छी बात होने के विषय में नहीं कर रहा है। यह केवल "उस आशीष" के बारे में बात कर रहा है।

मुझे एहसास हुआ कि प्रभु की आशीष, वास्तव में, परमेश्वर और अब्राहम और उसके वंश के बीच की गई वाचा थी। विशेष रूप से वह आशीष उस वाचा में अब्राहम को दी गई प्रतिज्ञाएँ थीं। एक कानूनी समझौते में दोनों पक्षों के कर्तव्यों और दायित्वों को स्थित किया जाता है, परन्तु यह बताता है कि दोनों पक्षों को लाभ प्राप्त होंगे। इस मामले में, अब्राहम को दी गई प्रतिज्ञाएं समझौते का लाभ थीं। इन लाभों का आनंद लेने के लिए, प्रभु की आज्ञाओं और नियमों का पालन करना था। मैंने यह भी स्पष्ट रूप से देखा कि यूसुफ जो कुछ भी अपने कानूनी अधिकार के क्षेत्र में लाया, वे सभी उन्हीं प्रतिज्ञाओं अथवा लाभों के अंतर्गत आ गई और उसने उन उनका आनंद उठाया।

तब नीतिवचन 10:22 मुझे समझ आने लगा। एक क़ानूनी वाचा के रूप में परमेश्वर की अब्राहम को दी हुई प्रतिज्ञाओं ने पृथ्वी के गरीबी के श्राप की प्रणाली को रद्द कर दिया। अब्राहम को दिए गए उस आशीष ने परमेश्वर को अब्राहम और उसके वंश को उस समृद्धि और प्रभाव के साथ आशीष देने का, जिसे परमेश्वर मनुष्य के लिए चाहता था, कानूनी अधिकार दे दिया। आइए अब नीतिवचन 10:22 को अपनी समझ के अनुसार पढ़ें जो कोष्ठकों के अन्दर लिखित है।

एक प्रमुख कुंजी:

धन यहोवा की आशीष [अब्राहम को दी गई प्रतिज्ञाएँ] ही से मिलता है, और वह उसमे दुःख नहीं मिलाता है।

"वह इसमें कोई दुःख नहीं मिलाता है" यह उत्पत्ति 3:17 की पृथ्वी श्राप प्रणाली का सन्दर्भ है—खून पसीने के दर्दनाक परिश्रम के द्वारा। दुःख के लिए प्रयुक्त इब्रानी शब्द का अर्थ कठिन परिश्रम भी है! क्या आप इसे समझ पा रहें हैं? मनुष्य अब्राहम को दी गई प्रतिज्ञाओं के द्वारा खून पसीने के दर्दनाक परिश्रम की पृथ्वी श्राप प्रणाली में सिमित होने से बच सकता है। हाँ, मैं जानता हूँ कि आप क्या सोच रहे हैं— "वे प्रतिज्ञाएँ तो केवल अब्राहम और उसके वंश को दी गई थीं।" जी हाँ, परन्तु मुझे आपको पवित्र शास्त्र से एक और वचन दिखाने की आवश्यकता है, गलातियों 3:13-14।

मसीह ने जो हमारे लिये शापित बना, हमें मोल लेकर व्यवस्था के शाप से छुड़ाया, क्योंकि लिखा है, "जो कोई काठ पर लटकाया जाता है वह शापित है।" यह इसलिये हुआ कि अब्राहम की आशीष मसीह यीशु में अन्यजातियों तक पहुँचे, और हम विश्वास के द्वारा उस आत्मा को प्राप्त करें जिसकी प्रतिज्ञा हुई है।

— गलातियों 3:13-14

अब विश्वास के द्वारा, हम यीशु मसीह में विश्वासी होने के नाते अब्राहम को दी गई आशीष में हिस्सेदार हैं। तो अब्राहम को क्या आशीष दी गई है? हम व्यवस्थाविवरण 28 में प्रतिज्ञाओं की एक सूची पा सकते हैं।

यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा की सब आज्ञाएँ, जो मैं आज तुझे सुनाता हूँ, चौकसी से पूरी करने को चित्त लगाकर उसकी सुने, तो वह तुझे पृथ्वी की सब जातियों में श्रेष्ठ करेगा। फिर अपने परमेश्वर यहोवा की सुनने के कारण ये सब आशीर्वाद तुझ पर पूरे होंगे।

धन्य हो तू नगर में, धन्य हो तू खेत में। धन्य हो तेरी सन्तान, और तेरी भूमि की उपज, और गाय और भेड़–बकरी आदि पशुओं के बच्चे।

धन्य हो तेरी टोकरी और तेरी कटौती।

धन्य हो तू भीतर आते समय, और धन्य हो तू बाहर जाते समय।

यहोवा ऐसा करेगा कि तेरे शत्रु जो तुझ पर चढ़ाई करेंगे वे तुझ से हार जाएँगे; वे एक मार्ग से तुझ पर चढ़ाई करेंगे, परन्तु तेरे सामने से सात मार्ग से होकर भाग जाएँगे।

तेरे खत्तों पर और जितने कामों में तू हाथ लगाएगा उन सभों पर यहोवा आशीष देगा; इसलिये जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उसमें वह तुझे आशीष देगा।

यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं को मानते हुए उसके मार्गों पर चले, तो वह अपनी शपथ के अनुसार तुझे अपनी पवित्र प्रजा करके स्थिर रखेगा। और पृथ्वी के देश देश के सब लोग यह देखकर, कि तू यहोवा का कहलाता है, तुझ से डर जाएँगे। और जिस देश के विषय यहोवा ने तेरे पूर्वजों से शपथ खाकर तुझे देने को कहा था, उसमें वह तेरी सन्तान की, और भूमि की उपज की, और पशुओं की बढ़ती करके तेरी भलाई करेगा।

यहोवा तेरे लिये अपने आकाशरूपी उत्तम भण्डार को खोलकर तेरी भूमि पर समय पर मेंह बरसाया करेगा, और तेरे सारे कामों पर आशीष देगा; और तू बहुतेरी जातियों को उधार देगा, परन्तु किसी से तुझे उधार लेना न पड़ेगा। और यहोवा तुझ को पूँछ नहीं, किन्तु सिर ही ठहराएगा, और तू नीचे नहीं, परन्तु ऊपर ही रहेगा; यदि परमेश्वर यहोवा की आज्ञाएँ जो मैं आज तुझ को सुनाता हूँ, तू उनके मानने में मन लगाकर चौकसी करें; और जिन वचनों की मैं आज तुझे आज्ञा देता हूँ उनमें से किसी से दाहिने या बाएँ मुड़के पराये देवताओं के पीछे न हो ले, और न उनकी सेवा करें।

— व्यवस्थाविवरण 28:1-14

ये सभी प्रतिज्ञाएँ, यद्यपि पुराने नियम में हैं, अब लाभ उठाने के लिए आपकी हैं। अंतर यह है कि पुराने नियम में लोग जैसा करते थे उसके अनुसार उन्हें पाते थे, परन्तु हम नई वाचा के अधीन यीशु मसीह में अपने विश्वास के द्वारा उनको प्राप्त करते हैं। आप और मैं, अन्यजाति होने के नाते, जोड़े गए हैं; और अब, यीशु मसीह के द्वारा हम अब्राहम की आशीष के भागीदार हैं। परन्तु हमारे पास अब्राहम की भौतिक आशीष से कहीं अधिक है, हमारे पास नए जन्म की आध्यात्मिक आशीष है। अब हमारे पास अब्राहम की भौतिक, सांसारिक आशीष है, परन्तु हमारे पास स्वर्ग की अनंत आशीष और पवित्र आत्मा भी है जो वास्तव में परमेश्वर के पुत्र और पुत्री होने के नाते हमारे अन्दर वास करता है। याद रखें, केवल पुत्र एवं पुत्रियों को ही विरासत मिलती है; गुलाम को नहीं मिल सकती। नए जन्म के बिना, यद्यपि अब्राहम ने परमेश्वर से प्रेम किया था, तब भी पवित्र आत्मा उसमें वास नहीं करता था, न ही वह स्वर्ग में प्रवेश कर सकता था। यीशु के द्वारा पाप का ऋण चुकाने के बाद उसने स्वर्ग प्राप्त किया।

अब मैं समझ गया कि नीतिवचन 10:22 का वास्तव में क्या अर्थ था जब उसने कहा कि धन यहोवा की आशीष ही से मिलता है, और वह उसमे दुःख नहीं मिलाता है। इब्रानी भाषा में दुःख का अर्थ है कठिन परिश्रम, जिसे मैं अब समझ चूका हूँ कि खून पसीने के दर्दनाक परिश्रम की पृथ्वी की श्राप प्रणाली को दर्शाता है। मैं समझ गया कि यह वाचा, परमेश्वर की सहायता और उसके लाभों की इस प्रतिज्ञा की यह आशीष, इन्होंने अब्राहम को पृथ्वी के शाप से ऊपर उठा लिया और उसे समृद्ध किया। मुझे एहसास हुआ कि उस आशीष के लाभ जो

की व्यवस्थाविवरण 28 में उल्लिखित हैं, मुझे स्पष्ट रूप से दर्शा रहे हैं कि मैं समृद्ध होने को हूँ। इन प्रतिज्ञाओं का प्रभाव यह होगा कि मैं ऊँचा किए जाने के लिए नियुक्त किया गया हूँ, न कि नीचा किए जाने के लिए, देनेवाला बनने के लिए, न की उधार लेने वाला। यह परमेश्वर की हर संतान का कानूनी अधिकार है। यूसुफ की तरह, मेरे पास परमेश्वर की आशीष है, और मुझे समृद्ध होना चाहिए। मेरे पास भी परमेश्वर के सम्पूर्ण राज्य का उत्तराधिकार है। एक बेटा होने के नाते, यह सब पहले से ही कानूनी रूप से मेरा है।

जब मैंने उत्पत्ति 39 में यूसुफ की कहानी को फिर से देखा, मैंने स्पष्ट रूप से देखा कि वह यूसुफ की सफलता थी जिसने पोतीपर का ध्यान आकर्षित किया था, और यह दृश्यमान सफलता भी थी जो दुनिया के राष्ट्रों का ध्यान आकर्षित कर रही थी और उन्हें परमेश्वर के लोगों में अंतर दिखाई दे रहा था।

> *और पृथ्वी के देश देश के सब लोग यह देखकर, कि तू यहोवा का कहलाता है, तुझ से डर जाएँगे। और जिस देश के विषय यहोवा ने तेरे पूर्वजों से शपथ खाकर तुझे देने को कहा था, उसमें वह तेरी सन्तान की, और भूमि की उपज की, और पशुओं की बढ़ती करके तेरी भलाई करेगा।*
>
> — व्यवस्थाविवरण 28:10-11

उत्पत्ति 39:6 में एक और बड़ा संकेत था जिसपर भी मैंने ध्यान दिया और चाहता हूँ कि आप भी इसे देखें। पोतीपर के विषय में बताते हुए, यह कहता है, *"इसलिये उसने अपना सब कुछ यूसुफ के हाथ में यहाँ तक छोड़ दिया कि अपने खाने की रोटी को छोड़, वह अपनी संपत्ति का हाल कुछ न जानता था।"* मैंने इसे देखा! यह उस विश्राम का एक उदाहरण था जिसके विषय में हम बात कर रहे हैं। पोतीपर को अपने खाने के अलावा किसी भी वस्तु की चिंता करने की आवश्यकता नहीं थी। इसका तात्पर्य यह है कि जो सफलता यूसुफ उसके घराने पर ले आया, अर्थात परमेश्वर का आशीर्वाद, उसका परिणाम यह हुआ कि पोतीपर अपने कार्य पर ध्यान केंद्रित कर पाया उसे जीने के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं पड़ी!

ड्रेंडा और मैने एक कहावत को अनेक वर्षों से उपयोग किया है, "जब तक आप पैसे की समस्या को ठीक नहीं कर लेते, तब तक आप अपनी नियति को खोज नहीं पाएंगे।" और कभी

नहीं जान सकेंगे कि आप वास्तव में कौन हैं। आप कभी भी अपना स्थान, अपना जुनून, संतोष, कभी नहीं पाएंगे। आप अपने जीवन के सारे निर्णय केवल इस लिए लेंगे कि आपको संघर्ष करना है, पैसा पाना और उसका संचय करना है, आप जो है नहीं वो व्यक्ति बनने का प्रयत्न करना, या महीने के आखिर में तनख्वा पाना है। यहाँ हम प्रभु की आशीष का प्रभाव पोतीपर पर देखते हैं, जो परमेश्वर के राज्य के विषय में कुछ भी नहीं जानता था। अपना सबकुछ, अर्थात अपनी सम्पूर्ण संपत्ति, सारी चिंताएं यूसुफ की देखरेख में देकर उसने यह सब उस वाचा के आधीन कर दिया जो युसूफ के जीवन में थी। अध्याय 39 के पद 5 में जिस क्षण यह वाचा के आधीन हुआ, आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।

> *जब से उसने उसको अपने घर का और अपनी सारी सम्पत्ति का अधिकारी बनाया, तब से यहोवा यूसुफ के कारण उस मिस्री के घर पर आशीष देने लगा; और क्या घर में, क्या मैदान में, उसका जो कुछ था सब पर यहोवा की आशीष होने लगी।*
>
> — उत्पत्ति 39:5

यहाँ हम फिर से पृथ्वी की किसी वस्तु के इसप्रकार स्थानांतरण को देखते हैं, जो पृथ्वी की श्राप प्रणाली के आधीन है, और परमेश्वर के राज्य के अधिकार क्षेत्र में आती है तब अत्यंत स्पष्ट दिखाई देनेवाले परिवर्तन होते हैं। आइए इसे अधिक स्पष्टता से देखते हैं: यदि परमेश्वर अपनी बुद्धि के द्वारा आपकी सहायता कर रहा है, आपको सही निर्णय की ओर ले जा रहा है, और आपको संभव नुकसानों से सावधान कर रहा है, तो कोई भी समृद्ध हो सकता है! क्या आप इस बात को देख पा रहें हैं? प्रभु की वह आशीष आपकी है!

जब प्रभु मुझे राज्य के बारे में सिखा रहा था तब मैंने इसका अध्ययन किया, तब मैं यह सोचकर उलझन में पड़ गया कि यूसुफ को इस आशीष के कारण इतनी अधिक सफलता क्यों मिली, और बहुत से मसीही जिन्हें आज मैं जानता हूँ अपने बिलों का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अधिकांश लोग सोचते है कि आर्थिक बातों की चिंताओं से पूर्णरूप से स्वतंत्र होना कभी संभव ही नहीं है। फिर भी, हमारे पास पुराने नियम से बेहतर प्रतिज्ञाएं हैं उनके आधार पर एक बेहतर वाचा है। मैं स्पष्ट रूप से प्रभु की आशीष को समझ चुका था, फिर भी मै

नहीं समझ पा रहा था कि वह आशीष मुझे मेरे उन प्रश्नों के उत्तर कैसे प्रदान करेंगे जिनकी मुझे आवश्यकता थी—परन्तु मैं सीख रहा था और जैसे-जैसे मैंने परमेश्वर द्वारा मुझे दी गई शिक्षा को लागू करना और प्रयोग करना शुरू किया, मैं अधिकाधिक स्वतंत्रता का आनंद लेने लगा।

फिर मैंने अपना ध्यान नए नियम पर केंद्रित किया और यीशु और उसकी सेवकाई को देखा ताकि इस विषय में अधिक जान सकूं कि कैसे परमेश्वर का राज्य वहाँ की परिस्थितियों को बदल रहा था।

जब भीड़ परमेश्वर का वचन सुनने के लिये उस पर गिरी पड़ती थी, और वह गन्नेसरत की झील के किनारे पर खड़ा था, तो ऐसा हुआ कि उसने झील के किनारे दो नावें लगी हुई देखीं, और मछुवे उन पर से उतरकर जाल धो रहे थे। उन नावों में से एक पर, जो शमौन की थी, चढ़कर उसने उससे विनती की कि किनारे से थोड़ा हटा ले चले। तब वह बैठकर लोगों को नाव पर से उपदेश देने लगा।

जब वह बातें कर चुका तो शमौन से कहा, "गहरे में ले चल, और मछलियाँ पकड़ने के लिये अपने जाल डालो।" शमौन ने उसको उत्तर दिया, "हे स्वामी, हम ने सारी रात मेहनत की और कुछ न पकड़ा; तौभी तेरे कहने से जाल डालूँगा।"

जब उन्होंने ऐसा किया, तो बहुत मछलियाँ घेर लाए, और उनके जाल फटने लगे। इस पर उन्होंने अपने साथियों को जो दूसरी नाव पर थे, संकेत किया कि आकर हमारी सहायता करो, और उन्होंने आकर दोनों नावें यहाँ तक भर लीं कि वे डूबने लगीं।

यह देखकर शमौन पतरस यीशु के पाँवों पर गिरा और कहा, "हे प्रभु, मेरे पास से जा, क्योंकि मैं पापी मनुष्य हूँ!" क्योंकि इतनी मछलियों के पकड़े जाने से उसे और उसके साथियों को बहुत अचम्भा हुआ, और वैसे ही जब्दी के पुत्र याकूब और यूहन्ना को भी, जो शमौन के सहभागी थे, अचम्भा हुआ।

तब यीशु ने शमौन से कहा, "मत डर; अब से तू मनुष्यों को जीवता पकड़ा करेगा।" और वे नावों को किनारे पर ले आए और सब कुछ छोड़कर उसके पीछे हो लिए।

— लूका 5:1-11

यह एक कहानी है कि कैसे परमेश्वर के राज्य ने एक सुबह तीन मछुआरों के जीवन में पृथ्वी श्राप प्रणाली को उलट दिया। यदि आप वचन पढ़ते हैं, तो आप पाते हैं कि पतरस, याकूब और यूहन्ना ने पूरी रात मछली पकड़ने का प्रयास किया परन्तु कुछ नहीं पकड़ पाए, कुछ भी नहीं। खून पसीने के दर्दनाक परिश्रम की पृथ्वी की श्राप प्रणाली के चलते, पूरी रात उनके लिए कम पड़ गयी और तब भी वे अपने परिश्रम के द्वारा कुछ न दर्शा सके। परन्तु जब यीशु परमेश्वर के राज्य और उसके कार्य को लागू करता है, तो वही मछुआरे इतनी सारी मछलियाँ पकड़ लेते हैं कि उनकी नावें लगभग डूबने लगती है!

एक मिनिट रुको!!!! हमने अभी-अभी जो पढ़ा है उसके बारे में विचार करते है। उन्हें कुछ भी नहीं मिला है, कोई मछली नहीं पकड़ पाएं है, वे खाली हाथ है, और फिर इतना बड़ा परिवर्तन आता है की दो नावें लगभग डूबने लगती है? लोग इस कहानी को हररोज़ पढ़ते है और सैकड़ों वर्षों से पढ़ते आये हैं, तब भी वे न ही देखते हैं और न ही सोचते हैं कि यह सब उनके लिए भी हो सकता है। क्यों? सामान्य उत्तर यह होगा कि इस घटना के समय यीशु वहाँ था, और उसने यह कार्य किया। वह कहानी याद करो जो मैंने आपको मरकुस 6 से बताई थी जहाँ यीशु लोगों को चंगा नहीं कर सका था क्योंकि उन लोगों में विश्वास नहीं था, और उनके विश्वास ना होने के कारण, राज्य का कोई क्षेत्राधिकार वहाँ नहीं था? इससे पहले कि स्वर्ग इस स्थिति में कार्य कर सके, किसी को स्वर्ग को ऐसा करने के लिए क्षेत्राधिकार देना होगा।

शमौन ने उसको उत्तर दिया, "हे स्वामी, हम ने सारी रात मेहनत की और कुछ न पकड़ा; तौभी तेरे कहने से जाल डालूँगा।"

पतरस ने स्वर्ग के साथ सहमती और समझौता किया, और इस घटना में स्वर्ग को कानूनी अधिकार मिल गया। फिर से, हम पृथ्वी के क्षेत्राधिकार को परमेश्वर के राज्य द्वारा परिवर्तित होते हुए देखते हैं। रोमांचक है, है ना, जिस प्रकार लोग पक्षियों को हजारों वर्षों तक उड़ते हुए देखते आ रहे थे, परन्तु यह एहसास नहीं कर पाए कि वह उड़ान उनके लिए भी संभव है और इसलिए कभी भी उसे पाने का प्रयास ही नहीं किया। आज के मसीही विश्वासी भी ऐसे ही हैं, उन्हें एहसास नहीं की उन्हें खाली जाल पकड़े हुए बैठने की आवश्यकता नहीं है परन्तु

जीवन में समृद्ध होने के लिए उनके पास स्वर्ग की सामर्थ्य का अधिकार है। जो बात मैं आपको दिखाना चाहता हूँ वह यह है कि जो लोग खाली हाथ बैठे थे, यह वही है जिनकी दो नावें मछलियों से इतनी भर गयी की वो डूबने लगी थी!

मेरे दोस्त, अंतर राज्य का है, लोगों का नहीं। हो सकता है कि आप सोचते हों कि आपका कोई भविष्य नहीं है, आप खाली हाथ बैठे हैं, आपके जीवन में कोई सफलता नहीं है। परन्तु वास्तव में, आपको अपने जीवन को एक सफ़ल कहानी में परिवर्तित करने के लिए बस राज्य की आवश्यकता है। हाँ, आपको अपनी भूमिका निभानी भी आवश्यक है। उन्हें मछली पकड़ने के लिए जाना पड़ा—उन्हें अपने जालों की देखभाल करनी पड़ी, और मछली पकड़ने की तैयारी करनी पड़ी—परन्तु कोई भी मछली पकड़ सकता है यदि परमेश्वर आपको दिखाए है कि मछली किस जगह से पकड़नी है।

ध्यान दें, पृथ्वी श्राप प्रणाली के कारण, दौड़-भाग करके तथा पसीने बहा कर यह सब नहीं हो सकता। आप अपने सपनों को पाने के लिए इतना तेज़ या लंबे समय तक नहीं दौड़ सकते हैं। परमेश्वर ने कभी भी आप के लिए कोई भी कार्य दांत पीसते हुए तथा अपनी सामर्थ्य से करने की योजना नहीं बनाई थी।

परमेश्वर के राज्य के नियमों और प्रतिज्ञाओं को प्रयोग करते हुए, हम चलने के बजाय उड़ सकते हैं। मैं इसे दूसरी तरह समझाता हूँचाहे गुरुत्वाकर्षण का नियम अभी भी प्रभावी है, परन्तु हम दूसरे नियम का प्रयोग करके उड़ सकते हैं, उठाये जाने का नियम, और जीने के एकदम नए तरीके का आनंद ले सकते हैं।

याद रखिए, जब आप यीशु मसीह के पास आते हैं, तब आप परमेश्वर के राज्य के एक सदस्य होते हैं। एक नागरिक होने के नाते, आप कानूनी अधिकारों का परिणाम प्राप्त कर सकते हैं; और एक पुत्र अथवा पुत्री होने के नाते, आप इस परिणाम तक आ सकते हैं कि आपका विरासत पर अधिकार है। आपके कानूनी अधिकारों एवं लाभों ने आपको पृथ्वी की गरीबी, व्याधि, और असफलता की श्राप प्रणाली से बहुत ऊपर उठा लिया है।

कल्पना कीजिए कि यह वचन एक इस्राएली को कैसा लगता होगा, जो जीवन भर गुलाम रहा हो। वास्तव में, वे सभी जहां तक वे याद कर सकते थे, केवल गुलामी जानते थे। ये वे शब्द हैं जो मूसा ने इस्राएल के राष्ट्र से कहे थे जब वे प्रतिज्ञा किए गए देश में प्रवेश करने के लिए कदम बढ़ा रहे थे।

"जब तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे उस देश में पहुँचाए जिसके विषय में उसने अब्राहम, इसहाक, और याकूब नामक तेरे पूर्वजों से तुझे देने की शपथ खाई, और जब वह तुझ को बड़े बड़े और अच्छे नगर, जो तू ने नहीं बनाए, और अच्छे अच्छे पदार्थों से भरे हुए घर जो तू ने नहीं भरे, और खुदे हुए कुएँ, जो तू ने नहीं खोदे, और दाख की बारियाँ और जैतून के वृक्ष, जो तू ने नहीं लगाए, ये सब वस्तुएँ जब वह दे, और तू खाके तृप्त हो, तब सावधान रहना, कहीं ऐसा न हो कि तू यहोवा को भूल जाए, जो तुझे ***दासत्व*** *के घर अर्थात् मिस्र देश से निकाल लाया है।*

- व्यवस्थाविवरण 6:10-12

शुरू से गुलामी की अवस्था में रहने के कारण, वे केवल एक ही बात जानते थे कि कुछ भी प्राप्त करने के लिए खून पसीना बहाकर दर्दनाक परिश्रम दर्दनाक परिश्रम ही एकमात्र मार्ग है। परन्तु यहाँ परमेश्वर उन्हें बता रहा था कि उनका अपना परिश्रम उनकी आवश्यकता की आपूर्ति नहीं करेगा। वह उन्हें यह नहीं कह रहा था कि अब उन्हें किसी भी चीज को पाने के लिए श्रम करने की आवश्यकता नहीं है, परन्तु वे एक ऐसी प्रणाली से बंधे नहीं होंगे जहाँ जीवित रहने के लिए केवल श्रम की आवश्यकता होती है। परमेश्वर कहता है कि वे उस भूमि में समृद्ध होंगे जहां वह उनका नेतृत्व कर रहा था।

मै जो कहना चाहता हूँ उसे और अधिक स्पष्ट करने के लिए मै इस अध्याय को एक उदाहरण के द्वारा समाप्त करना चाहता हूँ। ड्रेंडा और मुझे वास्तव में कारों का इतना शौक नहीं है। कुछ लोगों को कारों का बहुत शौक होता है, और वे आपको उन सभी कारों के विषय में बता सकते हैं जिनको वे पसंद करते हैं। किसी कारणवश, हमें कभी कार का शौक नहीं रहा। अब, मुझे गलत न समझें। हमें अच्छी वस्तुएं पसंद हैं, परन्तु हमने कभी ऐसा नहीं कहा कि हमारे पास कोई विशेष प्रकार की कार होनी ही चाहिए। हम अक्सर एक कार खरीदते हैं और फिर उसे 10 या अधिक सालों तक चलाते हैं। हम अपनी कारों की अच्छी देखभाल करते

आपको अपने जीवन को एक सफ़ल कहानी में परिवर्तित करने के लिए केवल राज्य की आवश्यकता है। लेकिन हाँ, आपको अपनी भूमिका निभानी भी आवश्यक है।

हैं और वे कभी भी पुरानी नहीं दिखतीं, परन्तु जब तक वे अच्छी दिखती हैं और बहुत अच्छी चलती हैं, तब हमारे लिए कोई समस्या नहीं है।

परन्तु कुछ साल पहले, हमने एक सम्मेलन के लिए जिसे हम आयोजित कर रहे थे, हमारी कलीसिया की ओर से, कुछ एस्क्लेड किराये पर ली। हमने उन्हें अपने मेहमानों को चारों ओर घुमाने के लिए किराये पर लिया, क्योंकि हम अपने मेहमानों को सबसे अच्छे वाहन में घुमाना चाहते थे। अब, यह पहली बार नहीं था जब हमने ऐसा किया हो। हम हमेशा ऐसा करते आए है। परन्तु यह पहली बार था जब यह गाड़ी सम्मलेन के लिए हमारे प्रांगण में थी और हमने खुद उसे चलाया। मुझे नहीं पता कि हमने इस विशेष सम्मेलन के दौरान ही इस गाड़ी को क्यों चलाया, और तो और हम इसे रात भर चलाकर घर ले गए। और आप जानते हैं क्या? हमें वह गाड़ी बेहद पसंद आई। ड्रेंडा और मुझे इस गाड़ी की ड्राइविंग और उसकी दिखावट बहुत अच्छी लगी।

उस समय, हमारे पास एक अच्छी होंडा पायलट थी, परन्तु एस्केलेड निश्चित रूप से पायलट से एक कदम ऊपर थी। यह प्लैटिनम पर्ल वाइट मॉडल थी और लघु संस्करण थी। यदि आप इन एस्केलेड के बारे में जानते हैं, तो आपको पता होगा कि वे दो आकारों में आती हैं, एक लम्बी और एक छोटी। हमें छोटी ज्यादा पसंद आई क्योंकि उसकी स्पीड अच्छी थी, और सँभालने में आसान थी। जब मैं ड्रेंडा के साथ एस्केलेड चला रहा था, उसने कहा, "मुझे यह गाड़ी पसंद है; मुझे लगता है कि हमें इनमें से एक लेनी चाहिए।" मैं उसकी बात से सहमत था। "हमें इस तरह की एक लेनी ही चाहिए, पर्ल वाइट रंग की लघु संस्करण वाली।" हम दोनों इस बात पर सहमत हो गएँ।

यद्यपि हमने अपनी बातचीत के बारे में किसी को नहीं बताया, लगभग एक महीने के बाद, जब मैं अपने अख़बार उठाने के लिए बाहर जा रहा था, तब मेरा सेल फोन बज उठा। मैं कॉल करने वाले की आवाज़ को पहचान गया, वह मेरी कलीसिया में आने वाला एक व्यक्ति था। उसने कहा, "हैलो," और फिर उसने कहा कि वह मुझे एक एस्कलेड दिलाना चाहता है। मैं एक मिनट के लिए चौंक गया था, परन्तु कहा, "अद्भुत!" फिर उसने मुझसे पूछा कि मैं कौन सा रंग लेना पसंद करूँगा, और मैंने उसे बताया कि हमें पर्ल वाइट पसंद है। उसने कहा, "जब मुझे इस कलर की गाड़ी मिल जाएगी तब मैं आपको वापस कॉल करूँगा।" हालांकि, उसने मुझसे यह नहीं पूछा कि मुझे छोटी वाली चाहिए या लंबी वाली। एक महीना बीत गया और मैंने सोचा कि

संभवतः वह कार के बारे में भूल गया होगा, परन्तु, उसने फोन किया और हमें अपने पास आने के लिए कहा, और कहा कि उसके पास हमारे लेने के लिए एस्केलेड तैयार है।

जब हम उससे मिले, हमने वहाँ एक सुंदर पर्ल वाइट, लघु संस्करण एस्केलेड को देखा। यह हर तरह से एकदम नायाब थी, बिना किसी खरोंच के, सचमुच नायाब। हमने उससे कहा कि हमें यह बहुत पसंद है। फिर उसने माफी मांगी, और कहा कि उसे खेद है कि उसे इतना समय लगा परन्तु वह हमारे लिए लम्बी गाड़ी ढूँढ रहा था, लेकिन उसे केवल छोटी मॉडल ही मिल पाई थी। हम हँसे और कहा, "हमें इसका छोटा मॉडल ही ही चाहिए था।" हम उस कार को घर चलाकर लेकर आये और सोचने लगे कि हम उस कार को चलाने वाले पृथ्वी पर सबसे अमीर लोग है। परन्तु आप जानते हैं क्या? यह एस्केलेड गाड़ियाँ मार्किट में लंबे समय से बिक रही हैं। बस मैंने कभी अपने लिए एक गाड़ी लेने की सोचा ही नहीं! इस कहानी को पूरी तरह से समझने के लिए, आपको यह जानना आवश्यक होगा कि मैं कुछ समय पहले आठ कारें लोगों को दान के रूप में दे चूका हूँ, इस प्रकार मै इस प्रकार की कार मिलने के लिए पहले ही से बीज बो चुका था। बस मैंने कभी यह कहा ही नहीं कि मुझे एक चाहिए।

विशेष नोट - मुझे पता है कि आप क्या सोच रहे हैं, कि इस तरह की चीजें केवल प्रचारकों के साथ ही होती हैं। खैर, मैं 36 वर्षों से वित्तीय विभाग में हूँ और बहुत सारे प्रचारकों से बात की है। सच कहूँ तो उनमें से ज्यादातर प्रचारकों के पास कल के दिन के लिए निर्वाह का इंतज़ाम नहीं होता है। नहीं, ये बातें हमारे साथ इसलिए नहीं हुई हैं क्योंकि हम राज्य के बारे में प्रचार करते हैं, बल्कि इसलिए हुई हैं क्योंकि हम राज्य में रहते हैं और राज्य के नियमों को अपने जीवन में लागू करते हैं। वास्तव में, मैं अपनी कलीसिया शुरू करने से पहले ही कर्ज से बाहर आ चुका था। मुझे अपनी कलीसिया इसलिए शुरू करने की आवश्यकता नहीं थी ताकि मुझे अपने बिलों का भुगतान करने के लिए नौकरी मिल सके। मैंने अपनी कलीसिया की शुरुआत लोगों को यह बताने के लिए की कि ड्रेंडा और मैंने क्या खोजा है— राज्य का सुसमाचार!

अध्याय 6

जीवन में बिल भरने के सिवाय और भी बहुत कुछ है!

मै जीवन के तूफान का सामना कर रहा था उस में यह थोड़े समय के लिए मरुद्वीप के समान प्रतीत हो रहा था। हमने एक दिन दोपहर को बॉनफायर, हॉट डॉग्स और एक दूसरे की संगती का आनंद लेने के लिए अपने पुराने फार्महाउस पर लगभग 50 लोगों को आमंत्रित किया था। यह उन भयानक तनाव पूर्ण समय की बात है, जब हमारे पास पैसे नहीं थे, हम एक और हफ्ते जीने और जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे थे। मैं इस संगती के समय का इंतजार कर रहा था क्योंकि मैं भावनात्मक रूप से थक चुका था और मुझे ध्यान केंद्रित करने के लिए किसी सकारात्मक वातावरण की आवश्यकता थी। वह शाम एक बड़ी सफलता की शाम रही: भोजन अद्भुत था, हमारे कई मित्र अपने बच्चों के साथ आए थे, और हम सभी एक दूसरे के साथ अच्छा समय बिता रहे थे। घर पूरा भरा हुआ था की तभी द्वार पर एक दस्तक हुई। मैंने सोचा कि यह हमारी बैठक में देर से आने वाला कोई होगा, परन्तु जैसे ही मैंने दरवाज़ा खोला, तब सामने बिजली कर्मचारी था। उसने विनम्रता से कहा कि वह बिल न भरने के कारण मेरी बिजली बंद करने के लिए वहाँ आया है। मैं भयभीत था। मेरा घर मेहमानों से भरा हुआ था और मुझे बिजली की आवश्यकता थी, और जो बेइज्जती इस कारण होने वाली थी सो अलग।

मैंने उस कर्मचारी को जल्दीसे एक मिनट के लिए घर के पिछले आँगन में चलने को कहा। मैंने उससे पूछा कि बिजली चालू रखने के लिए क्या करना होगा और उसने मुझे एक रकम बताई। “यह तो बहुत ज़्यादा है,” मैंने सोचा। “क्या आप इसे थोड़ा कम कर सकते हैं?” उन्होंने एक मिनट के लिए सोचा और फिर मुझे रकम को थोड़ा कम कर के बताया। “क्या आप इसे जमा करने से पहले मंगलवार तक चेक रख सकते हैं?” मैंने पूछा। उन्होंने कहा, “कोई बात

नहीं," और मैंने चेक लिखा। उस शुक्रवार को मेरे खाते में कोई पैसा नहीं था, और मुझे नहीं पता था कि मंगलवार से पहले भी मैं उसकी व्यवस्था कैसे करता, परन्तु कम से कम पूरे सप्ताह भर बिजली चालू रही। मुझे नहीं याद कि मैंने मंगलवार को क्या और कैसे पैसों की व्यवस्था की, परन्तु शायद मुझे गिरवी रखने के लिए कुछ मिल गया था।

आर्थिक अक्षमता और तनाव में रहने का हमारे जीवन में यह एक दिन था। अब इस प्रकार नौ साल तक जीवन जीने की कल्पना करें! इस प्रकार के तनाव में लगातार रहने से जीवन की सभी आशाएँ और उद्देश्य रुक जाते है और किसी एक दिन भी मिलने वाली ख़ुशी और आनंद को हवा के समान उड़ा ले जाते है। हर विचार इसी बात पर केंद्रित रहता है कि जीवित कैसे रहना है, अगला बिल चुकाने के लिए पैसा कहाँ से लायें। पिछले हफ्ते मैंने कुछ ज़्यादा ही खर्च तो नहीं कर दिया? क्या मुझे किराने का सामान खरीदते समय अपना कैलक्युलेटर साथ लेकर चलना चाहिए ताकि मैं अधिक खर्च न कर दूँ? हर वक्त इसी बात का विचार करते रहना कि कोई भी काम या खरीदी सबसे सस्ते दाम में कैसे किया जाये। दोस्त, यह जीवन नहीं है! मत्ती 6:25 को देखिये क्या कहता है।

> *इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि अपने प्राण के लिये यह चिन्ता न करना कि हम क्या खाएँगे और क्या पीएँगे; और न अपने शरीर के लिये कि क्या पहिनेंगे। क्या प्राण भोजन से, और शरीर वस्त्र से बढ़कर नहीं?*
>
> — मत्ती 6:25

यीशु कह रहा है कि जीवन की वस्तुएं जीवन नहीं हैं! यहाँ जीवन में जो कुछ है वह जीवन का समर्थन करने, हमारे उद्देश्य को पूरा करने के लिए है।। परन्तु जब से आदम ने राज्य का प्रावधान खोया है, जीवन उलट-पुलट हो गया है और अब जीवन का समर्थन करने वाली हर वस्तु जीवन से अधिक आवश्यक बन गयी हैं। लोगों को कोई अनुमान तक नहीं है कि वास्तविकता में जीवन क्या है और निश्चित ही उन्हें नहीं पता कि वे वास्तव में कौन हैं। यदि आप किसी से भी पूछें कि वे कौन हैं, तो वे आपको बताएंगे कि वे क्या करते हैं। "मैं एक डॉक्टर हूँ, मैं एक रियल्टर हूँ," आदि। नहीं, आप ये नहीं हैं; यह आपका पेशा है। मनुष्य अपने सपनों को खो चुका है। मेरे कहने का अर्थ यह है कि मनुष्य अब केवल अधिक धन कमाने के सपने देखता

है परन्तु अपने उद्देश्य के सपने को खो चूका है। दूसरे शब्दों में, जो भी कार्य सबसे अधिक धन देता हो वही मनुष्य का सपना बन जाता है। हालांकि, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग प्रतिभाओं तथा क्षमताओं के साथ विशिष्ट रूप से बनाया गया है, लेकिन, वे खुद को एक ऐसे व्यवसाय अथवा नौकरी में पाते हैं जो कि उनका जुनून/चाह होता ही नहीं है। इसलिए जीवन लंबा प्रतीत होने लगता है, पूरे हफ्ते सप्ताह के अंत पर मिलने वाली स्वतंत्रता की प्रतीक्षा करने में, अथवा सम्पूर्ण जीवन सेवानिवृत्ति की प्रतीक्षा में खिंचता चला जाता है।

तो मैं आपसे एक प्रश्न पूछता हूँ। यदि आपको पैसे की कोई आवश्यकता नहीं है, आपके पास सम्पूर्ण जीवन काल में खर्च किए जाने से अधिक धन है, तो आप क्या करेंगे? आप संभवतः जो कार्य अभी कर रहे हैं उससे कुछ अलग करेंगे। जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, मुझे अध्ययन के द्वारा पता है कि कम से कम 70% अमेरिकियों से जब पूछा गया कि क्या वे अपनी नौकरी से संतुष्ट हैं, तो उन्होंने कहा कि वे वह नहीं कर रहे हैं जो उन्हें पसंद है अथवा करना चाहते हैं। मैं आपको समझाना चाहता हूँ कि यह धन के पीछे भागना, प्रदर्शन करने का यह दबाव, और कल के बारे में निरंतर चिंता करना आदि में कभी परमेश्वर की योजना थी ही नहीं।

तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उसको उत्पन्न किया; नर और नारी करके उसने मनुष्यों की सृष्टि की। और परमेश्वर ने उनको आशीष दी, और उनसे कहा, "फूलो–फलो, और पृथ्वी में भर जाओ, और उसको अपने वश में कर लो; और समुद्र की मछलियों, तथा आकाश के पक्षियों, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जन्तुओं पर अधिकार रखो।"

फिर परमेश्वर ने उनसे कहा, "सुनो, जितने बीज वाले छोटे छोटे पेड़ सारी पृथ्वी के ऊपर हैं और जितने वृक्षों में बीज वाले फल होते हैं, वे सब मैं ने तुम को दिए हैं; वे तुम्हारे भोजन के लिये हैं। और जितने पृथ्वी के पशु, और आकाश के पक्षी, और पृथ्वी पर रेंगने वाले जन्तु हैं, जिन में जीवन का प्राण है, उन सब के खाने के लिये मैं ने सब हरे हरे छोटे पेड़ दिए हैं," और वैसा ही हो गया।

तब परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था सब को देखा, तो क्या देखा, कि वह बहुत ही अच्छा है। तथा साँझ हुई फिर भोर हुआ। इस प्रकार छठवाँ दिन हो गया।

— उत्पत्ति 1:27-31

मनुष्य को सृष्टि के छठे दिन बनाया गया था—कहा जाये तो,छठे दिन के अंत में। वह छठे दिन के अंत में बनाया गया था क्योंकि वह सातवें दिन परमेश्वर के साथ रहने के लिए बनाया गया था, जिस दिन को हम विश्राम के दिन के रूप में जानते हैं।

> *यों आकाश और पृथ्वी और उनकी सारी सेना का बनाना समाप्त हो गया। और परमेश्वर ने अपना काम जिसे वह करता था सातवें दिन समाप्त किया, और उसने अपने किए हुए सारे काम से सातवें दिन विश्राम किया। और परमेश्वर ने सातवें दिन को आशीष दी और पवित्र ठहराया; क्योंकि उसमें उसने सृष्टि की रचना के अपने सारे काम से विश्राम लिया।*
>
> — उत्पत्ति 2:1-3

बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने सातवें दिन विश्राम किया। वह थका हुआ नहीं था! वह सब समाप्त कर चुका था। सब कुछ पूरा हो चुका था। वह प्रत्येक वस्तु जिसकी मनुष्य को पृथ्वी पर कभी आवश्यकता होगी जब मनुष्य प्रकट हुआ पृथ्वी पर पहले से ही उपस्थित थीं। शान्ति! मनुष्य के पास हर वह प्रावधान था जिसकी उसे कभी आवश्यकता होगी। बिलों का भुगतान करने के विषय में कोई चिंता नहीं थी, बीमार होने की कोई चिंता नहीं थी। उसके पास एक उत्तम शरीर और एक उत्तम पत्नी थी। उन्हें अब केवल एक दूसरे पर, परमेश्वर पर, और अपने कार्यभार पर, या अपने उद्देश्य पर ध्यान केन्द्रित करना था। आदम पृथ्वी का कार्य भारी था; उसने परमेश्वर के राज्य के अधिकार व सामर्थ्य के द्वारा पृथ्वी पर पूर्ण रूप से शासन किया। परन्तु हम पहले से ही जानते हैं कि यह कहानी कैसे समाप्त हुई। आदम और हव्वा ने परमेश्वर के राज्य के विरुद्ध विद्रोह किया और अपना पद खो दिया, अपना प्रावधान खो दिया, और अपना उद्देश्य भी खो दिया। उनका एक ही उद्देश्य बन गया, संघर्षकारी जीवन जीना। अब चिंता और भय ने और जीवित रहने के संघर्ष ने उनके विचारों में घर कर लिया। जैसा कि उत्पत्ति 3:17 कहता है, इसके लिए पसीना बहा कर दर्दनाक परिश्रम करना आवश्यक था।

धन हमें विश्राम की एक जगह पर संभव पलायन के लिए लुभाता है—एक ऐसी जगह जहाँ हम उस पर ध्यान केंद्रित कर सकें जो हम वास्तव में करना चाहते हैं, जीवन जीने के संघर्ष के बजाय उद्देश्य से भरा जीवन जी सकें।

आदम ने सातवें दिन को खो दिया!

अब कोई विश्राम नहीं था, कोई शांति नहीं थी। एक अँधेरी अपूर्णता ने उसके जीवन को घेर लिया था, और अब आदम को शून्यता से आगे रहने के लिए भागना पड़ा। मनुष्य तभी से अपूर्णता की इस अवस्था में जी रहा है। परन्तु आशा थी। जब मनुष्य गिर गया, परमेश्वर ने उसे एक स्मृति दी, एक चित्र दिया, कि यदि तुम चाहो, तो वह एक दिन अपनी सृष्टि को पुनर्स्थापित करेगा। इसे सब्त का दिन कहा गया। *सब्त* शब्द का अर्थ मूल रूप से विश्राम है। सप्ताह का सातवां दिन मनुष्य को सब्त के दिन के रूप में दिया गया था। सब्त के दिन की आवश्यकता, जैसा कि आप विचार कर सकते हैं, कोई कार्य नहीं करना था; कोई पसीना बहाने की तथा दर्दनाक परिश्रम करने की अनुमति नहीं थी। यह एक ऐसा दिन था जब मनुष्य को रुक कर, अपने परिवार के साथ आनंद लेना था, और परमेश्वर की आराधना करनी थी। सब्त के दिन के लिए सभी प्रावधानों को सब्त के आरंभ होने से पहले पूर्ण किया जाना था। यहाँ तक कि सब्त के दिन का भोजन भी एक रात पहले तैयार करना पड़ता था। यह पूर्ण प्रावधान तथा प्रत्येक महत्त्वपूर्ण आवश्यकता को पूर्ण करने के सहित एक विश्राम का दिन था। उस दिन मनुष्य रुक कर जीवित रहने के संघर्ष के अलावा कुछ और सोच सकता था।

सब्त का दिन बस इतना ही था, एक दिन। परन्तु मनुष्य तब से ही विश्राम के जीवन के सपने देख रहा है। धन के लिए मनुष्य की खोज उस पसीने बहा देने वाले दर्दनाक परिश्रम से स्वतंत्र होने की चाह का एक लक्षण है जिसने उसे आजीवन बंधक बनाया हुआ है। धन हमें विश्राम की एक जगह पर संभव पलायन के लिए लुभाता है—एक ऐसी जगह जहाँ हम उस पर ध्यान केंद्रित कर सकें जो हम वास्तव में करना चाहते हैं, जीवन जीने के संघर्ष के बजाय उद्देश्य से भरा जीवन जी सकें।

आज, सब्त, सातवां दिन, चाहे आप इसे शनिवार को मनाएं या रविवार को मनाएं, हमारी संस्कृति में उच्च सम्मान से आयोजित नहीं किया जाता है। हाँ, कलीसिया में जाने वाले अधिकांश लोग रविवार की सुबह जाते हैं। फिर भी संस्कृति को पूर्णतः देखें, तो आप इसे किसी अन्य दिन से अलग नहीं कह सकते। जब मैं एक बच्चा था, तब रविवार को सब कुछ बंद रहता था। आप रविवार को खरीदारी करने नहीं जा सकते थे; आप रविवार को गाड़ी में पेट्रोल

तक नहीं भरवा सकते थे। मेरे पिता याद से शनिवार की रात पेट्रोल भरवा लेते थे ताकि यह सुनिश्चित कर सकें कि रविवार के लिए जो भी आवश्यक है उनके पास हो। यदि आप मेरे बारे में अधिक जानते हैं, तो आपको पता होगा कि मुझे शिकार करने में आनंद मिलता है, परन्तु एक शिकारी होते हुए, मैं रविवार को शिकार तक नहीं कर सकता था । रविवार को शिकार करना अवैध था। लोग रविवार को अपने उम्दा वस्त्र पहनते थे और रात को बड़े पारिवारिक भोज का आयोजन करते थे। परन्तु निश्चित रूप से आज यह सब बदल गया है। परन्तु सब्त के दिन की उचित छवि नहीं बदली है।

परन्तु आपने सब्त के दिन के लिए चाहे कितनी भी अच्छी तैयारी क्यों न की हो, चाहे कितना ही अच्छा पारिवारिक भोजन क्यों न हो, परन्तु अगले दिन सोमवार आता है। जहाँ तक मुझे याद है, "सोमवार की सुबह दुःख दायी होती है"—यहभय शब्द का पर्याय रहा है। "मुझे काम पर" और "वापस उस ही पुरानी कष्ट दायी नौकरी पर जाना होगा"— इस प्रकार की बातें सोमवार की सुबह का वर्णन करने के लिए की जाती थी। और यदि आप रुक कर इसके बारे में सोचेंगे, तो यह लगभग गुलामी के समान ही लगता था। परमेश्वर का धन्यवाद हो कि आज शुक्रवार है! बल्कि आज भी, सप्ताह का अंत तथा सब्त का दिन अधिकांश लोगों को विश्राम के लिए समय प्रदान करते हैं। परन्तु यह अल्पकालिक है और सोमवार की सुबह का हमारी प्रतीक्षा कर रही होती है।

परन्तु क्या होता यदि सदा के लिए सब्त में जीवन जीने का एक मार्ग होता। यह कितना उम्दा होता यदि वास्तव में भय मुक्त, प्रावधान से भरा, उद्देश्यों से भरा और विश्राम दायी जीवन जीने का कोई ऐसा मार्ग होता! ड्रेंडा और मैंने पूरे नौ वर्षों तक यातना, भय, व्याधि तथा असुरक्षा पूर्ण जीवन जिया, जब तक कि हमने यह नहीं पा लिया कि सब्त का विश्राम वास्तव में हमारे जीवन के लिए एक विकल्प था। मैं गंभीरता से कह रहा हूँ!

> *अतः जान लो कि परमेश्वर के लोगों के लिये सब्त का विश्राम बाकी है; क्योंकि जिसने उसके विश्राम में प्रवेश किया है, उसने भी परमेश्वर के समान अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है। अतः हम उस विश्राम में प्रवेश करने का प्रयत्न करें, ऐसा न हो कि कोई जन उन के समान आज्ञा न मानकर गिर पड़े।*
>
> — इब्रानियों 4:9-11

मित्र, यही नया नियम है। सब्त का एक ऐसा विश्राम है जो परमेश्वर के लोगों के लिए आज भी उपलब्ध है। यह पवित्रशास्त्र यह दर्शाता है कि हम परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश कर सकते हैं और अपने कार्यों से छुटकारा पा सकते हैं। याद कीजिये जिसका अध्ययन हमने अभी किया: परमेश्वर का विश्राम कहता है कि सब कुछ पूरा है, सम्पूर्ण है, तथा प्रावधान सहजतापूर्वक उपलब्ध है। संघर्षपूर्वक जीवन जीने से मुक्ति, गरीबी का बंधक होने से मुक्ति, तथा रोग व व्याधि से मुक्ति उपलब्ध है। नए विकल्प उपस्थित हैं! सब्त केवल पुराने नियम की जानकारी नहीं थी, यह आज हमारे लिए भी है।

यह कितना उम्दा होता यदि वास्तव में भय मुक्त, प्रावधान से भरा, उद्देश्यों से भरा और विश्राम दायी जीवन जीने कोई ऐसा मार्ग होता!

परन्तु इससे पहले कि आप सोचें कि मैं फिर से पुराने नियम के सभी कानूनों तथा अनुष्ठानों के अधीन रहने के विषय में बात कर रहा हूँ, ऐसा नहीं है। इसके बजाय, मैं सब्त के दिन के विश्राम का परीक्षण करना चाहता हूँ जिसका इब्रानियों में उल्लेख किया गया है। क्योंकि जैसा कि ड्रेंडा और मैंने पाया है, यहाँ परमेश्वर के राज्य की कार्य पद्धति एवं उसका हमारे जीवन में उपयोग होने की जैसा कि परमेश्वर का प्रयोजन था, एक बहुत महत्त्वपूर्ण कुंजी है।

उत्तेजना: सब्त अब केवल एक दिन नहीं है!

मुझे आशा है कि इस वाक्य ने आपका ध्यान आकर्षित किया होगा। मसीह की कलीसिया में इस विषय पर बहुत विवाद हुआ है कि सब्त का दिन कब मनाया जाना चाहिए: शनिवार को, रविवार को, या शुक्रवार रात के सूर्यास्त से लेकर शनिवार शाम के सूर्यास्त तक। सब्त की व्याख्या पर आधारित कई सम्प्रदाय बन चुके हैं। इससे पहले कि आप घृणा से यह पुस्तक यह सोच कर फेंक दें कि मैं पाखंडी हूँ, कृपया मै जो कहना चाहता हूँ उसकी ओर ध्यान दें, और कुलुस्सियों 2:16-17 को देखें।

> *इसलिये खाने–पीने या पर्व या नए चाँद, या सब्त के विषय में तुम्हारा कोई फैसला न करे। क्योंकि ये सब आने वाली बातों की छाया हैं, पर मूल वस्तुएँ मसीह की हैं।*
>
> — कुलुस्सियों 2:16-17

पौलुस क्या कहता है इस पर विशेष रूप से ध्यान दें। सब्त का दिन उन बातों की छाया हैं जो आने वाली हैं; हालाँकि, वास्तविकता मसीह में पाई जाती है। सब्त का दिन एक छाया था, वह वास्तविक नहीं था। यदि मसीह ही वास्तविकता है, तो सब्त का दिन एक छाया था कि वह कौन है और उसने क्या किया। मैं इसे दूसरी तरह से बताता हूँ: सब्त के दिन में जो पसीना बहाने वाले दर्दनाक परिश्रम की पृथ्वी की शापित प्रणाली आदम इस पृथ्वी पर लाया था, उसे हटाने या बदलने की सामर्थ्य नहीं है। यदि आप धार्मिक रूप से इसका, खुद से और उसके अस्तित्व का, सम्मान करते हैं, तो इसके पास आपको मुक्त करने की कोई सामर्थ्य नहीं है। परन्तु यह एक छाया है, एक छवि है, कि आप मसीह में क्या पाएंगे।

जब मैं पहली कक्षा में था, तो मेरे शिक्षक ने हम सभी को हमारे सिर के एक ओर के पहलू की छाया-आकृति बनाने को कहा। उन्होंने एक प्रक्षेपक-यंत्र लिया और हमें उसके समक्ष बैठाया, और एक कागज़ के सफ़ेद भाग पर हमारे सिरों की छाया दिखाई। फिर उन्होंने हमारी छाया की रूपरेखा तैयार की और हमारी छाया-आकृतियाँ बनायीं, जिन्हें हमने काट दिया और अपनी माताओं के पास मातृ दिवस के अवसर पर घर ले गए। उस छाया ने मेरी कुछ समानताएं भले ही दर्शायी थीं, परन्तु यह मेरा सार, मेरा चरित्र, या व्यक्तित्व नहीं दर्शा सकी। परन्तु इसने मेरे विषय में कुछ जानकारी अवश्य दी।

सब्त के दिन भी इसी प्रकार था। उसकी छाया ने कार्य करने से मना किया, कोई भी पसीने बहानेवाला दर्दनाक परिश्रम करने से मना किया। हालांकि, यह केवल एक छाया थी, वास्तविकता नहीं थी। परन्तु यह यीशु मसीह की ओर संकेत कर रहा था, जिसने, वास्तव में, हमें व्यवस्था और पृथ्वी की शापित प्रणाली के अभिशाप से मुक्त कर दिया है और हमारी परमेश्वर के पुत्र व पुत्रियों और परमेश्वर के महान राज्य के नागरिकों के रूप में पुनः स्थापना की है! एक बार फिर, यह एक छवि थी कि यीशु हमारे लिए वापस क्या लाएगा। अब यह एक पूरा हो चूका कार्य है जहाँ प्रत्येक वस्तु जिसकी हमें जीवन में आवश्यकता है हमें वापस लौटा दी गयी है। हालाँकि, जैसा कि इब्रानियों में लिखा है, क्योंकि हम विश्वास ही के द्वारा उसके विश्राम में प्रवेश करते हैं। याद रखें, पृथ्वी पर क्षेत्राधिकार पाने के लिए विश्वास को स्वर्ग में वैध होने की आवश्यकता है। क्रूस पर यीशु ने चिल्ला कर कहा, "पूरा हुआ!" ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार परमेश्वर ने छठे दिन के अंत में कहा था की पूरा हुआ।

आज अधिकांश लोगों के लिए सब्त एक धार्मिक दिन है। लोग सब्त के दिन को परमेश्वर के दिन के रूप में देखते हैं, एक ऐसा दिन जहाँ कलीसिया में जाने, परमेश्वर की आराधना करने तथा अन्य धार्मिक कार्य करने के लिए, उस दिन के प्रति अपनी बाध्यता पूरी करने के लिए। यीशु के शिष्य जिनका भी इसी प्रकार का दृष्टिकोण था, उसे उन्हें ठीक रीती से समझाना पड़ा।

सब्त का दिन मनुष्य के लिये बनाया गया है, न कि मनुष्य सब्त के दिन के लिये।
— मरकुस 2:27

सब्त मनुष्य के लिए बनाया गया था, न कि मनुष्य सब्त के दिन के लिए। क्या आप जानते हैं कि बहुत से लोग स्वयं को दोषी महसूस करते हैं यदि वे चर्च नहीं जा पाते है? वे चर्च में न जा पाने के लिए स्वयं को दोषी क्यों महसूस करेंगे, जब वास्तव में, वे ही कलीसिया हैं? मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि हमें आराधना के लिए एक साथ बिलकुल इकट्ठा नहीं होना चाहिए, परन्तु उनका दृष्टिकोण यह दर्शाता है कि सब्त के विषय में उनकी धारणा अनुचित है।

मुझे पता है कि आप अभी भी उलझन में हैं, इसलिए यीशु ने यूहन्ना 11 में कही गई एक बात को देखकर मुझे थोड़ा और गहराई में जाना चाहिए।

वहाँ पहुँचने पर यीशु को यह मालूम हुआ कि लाज़र को कब्र में रखे चार दिन हो चुके हैं। बैतनिय्याह यरूशलेम के समीप कोई दो मील की दूरी पर था। बहुत से यहूदी मार्था और मरियम के पास उनके भाई की मृत्यु पर शान्ति देने के लिये आए थे। जब मार्था ने यीशु के आने का समाचार सुना तो उससे भेंट करने को गई, परन्तु मरियम घर में बैठी रही।

मार्था ने यीशु से कहा, "हे प्रभु, यदि तू यहाँ होता, तो मेरा भाई कदापि न मरता। और अब भी मैं जानती हूँ कि जो कुछ तू परमेश्वर से माँगेगा, परमेश्वर तुझे देगा।"

यीशु ने उससे कहा, "तेरा भाई फिर जी उठेगा।"

मार्था ने उससे कहा, "मैं जानती हूँ कि अन्तिम दिन में पुनरुत्थान के समय वह जी उठेगा।"

यीशु ने उससे कहा, "पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ; जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा, और जो कोई जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?"

उसने उससे कहा, "हाँ हे प्रभु, मैं विश्वास करती हूँ कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आने वाला था, वह तू ही है।"

— यूहन्ना 11:17-27

यीशु ने कहा कि वह पुनरुत्थान हैं; यह सिर्फ एक दिन की बात नहीं है। सब्त का दिन यीशु ने क्रूस पर हमारे लिए जो किया उसकी छाया थी और है। यीशु ही सच्चा सब्त है और उसी में हम परमेश्वर के राज्य और उसके पास जो कुछ है, उस तक पहुँच पाते हैं। इस प्रकार, हम आराम कर सकते हैं!

तो आइए फिर एक बार नए नियम में इब्रानियों की पत्री की ओर चलते है।

अतः जान लो कि परमेश्वर के लोगों के लिये सब्त का विश्राम बाकी है; क्योंकि जिसने उसके विश्राम में प्रवेश किया है, उसने भी परमेश्वर के समान अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है। अतः हम उस विश्राम में प्रवेश करने का प्रयत्न करें, ऐसा न हो कि कोई जन उन के समान आज्ञा न मानकर गिर पड़े।

— इब्रानियों 4:9-11

सब्त के दिन की छाया कहती है कि सब्त के दिन आपको जो चाहिए उसके लिए आपको मेहनत करना और पसीना बहाना मना है, लेकिन यह हमें केवल यीशु के कार्यों की एक झलक दे रहा था, जो हमें जीवित रहने के लिए मेहनत और पसीना बहाने की पृथ्वी की श्राप प्रणाली से मुक्त कर रहा था। दूसरे शब्दों में, यह जो चित्रित करता है वह मसीह में वास्तविकता बन गया। वास्तव में, यीशु द्वारा दिया गया पहला संदेश सब्त के दिन को ध्यान में रखते हुए था। यशायाह 61 में, हम उसके पहले उपदेश के शब्दों को पाते हैं, जिसका प्रचार उसने लूका 4 में किया था।

प्रभु यहोवा का आत्मा मुझ पर है; क्योंकि यहोवा ने सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया और मुझे इसलिये भेजा है कि खेदित मन के लोगों को शान्ति दूँ;

— यशायाह 61:1

यह कहकर कि गरीबी से बाहर निकलने का रास्ता है, वे कह रहा था कि दर्दनाक मेहनत और पसीना बहाने की पृथ्वी की श्राप प्रणाली से बाहर निकलने का रास्ता है। यह प्रावधान

खोजने की गुलामी थी जिसने मनुष्यों को बंदी बना लिया और वे विश्राम पाने में असमर्थ थे। लेकिन जो किसी समय प्राप्त होने वाला है उसके लिए सब्त का दिन ही एकमात्र तस्वीर नहीं थी। इसके आलावा सब्त वर्ष भी था!

> *"सात सात वर्ष बीतने पर तुम छुटकारा दिया करना, अर्थात् जिस किसी ऋण देनेवाले ने अपने पड़ोसी को कुछ उधार दिया हो, वह उसे छोड़ दे; और अपने पड़ोसी या भाई से उसे बरबस न भरवाए, क्योंकि यहोवा के नाम से इस छुटकारे का प्रचार हुआ है। परदेशी मनुष्य से तू उसे बरबस भरवा सकता है, परन्तु जो कुछ तेरे भाई के पास तेरा हो उसे तू बिना भरवाए छोड़ देना।*
>
> *तेरे बीच कोई दरिद्र न रहेगा, क्योंकि जिस देश को तेरा परमेश्वर यहोवा तेरा भाग करके तुझे देता है, कि तू उसका अधिकारी हो, उसमें वह तुझे बहुत ही आशीष देगा। इतना अवश्य है कि तू अपने परमेश्वर यहोवा की बात चित्त लगाकर सुने, और इन सारी आज्ञाओं के मानने में जो मैं आज तुझे सुनाता हूँ चौकसी करे। तब तेरा परमेश्वर यहोवा अपने वचन के अनुसार तुझे आशीष देगा, और तू बहुत जातियों को उधार देगा, परन्तु तुझे उधार लेना न पड़ेगा; और तू बहुत जातियों पर प्रभुता करेगा, परन्तु वे तेरे ऊपर प्रभुता न करने पाएँगी।*
>
> — व्यवस्थाविवरण 15:1-6

ध्यान दें कि उन्हें हर सात साल में सभी ऋणों को रद्द करना था, माफ़ करना था। फिर से हम देखते हैं कि परमेश्वर सात अंक का उपयोग यह दिखाने के लिए करता है कि सब कुछ पूरा हो गया है। कोई कमी नहीं है; उसने मनुष्य के लिए आवश्यक सब कुछ प्रदान किया है। फिर भी यदि कुछ लोग उसकी बुद्धि की इस बात पर सवाल उठाते है कि उसने ऋण क्षमा करने के लिए कहा है, तो उसके बारे में वह कहता है, **"तौभी तुम में कोई दरिद्र न हो, क्योंकि जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे तेरा निज भाग करके देता है, उस में वह तुझे बहुतायत से आशीष देगा।"** उसने आगे यह भी कहा कि उन्हें इतना आशीर्वाद दिया जाएगा कि वे ऋणदाता बनेंगे न कि ऋण लेने वाले। फिर से हम यहाँ देखते हैं कि दर्दनाक परिश्रम और पसीना बहाने की

पृथ्वी की श्राप प्रणाली को जीवन के नए कानून द्वारा शून्य और रद्द कर दिए गया जिसने हमें पाप और मृत्यु के कानून के अभिशाप से बाहर निकाला।

सब्त के दिन के समान, उन्हें उस पूरे वर्ष कष्टपूर्वक परिश्रम और पसीना बहाकर काम नहीं करना था; इसलिए, उन्हें फसल बोने की अनुमति नहीं थी। लेकिन फिर चीजें थोड़ी और कठिन हो गईं। इतना ही नहीं था कि उन्हें किसी का कर्ज ही केवल माफ करना था, परन्तु उन्हें फसल बोने की भी अनुमति नहीं थी। यह सुनकर कोई कह सकता है, "अरे, मैं फ्रिज में जो कुछ है उसके साथ एक दिन जीवित रह सकता हूं, लेकिन बिना काम किए पूरे साल जीवित रहना थोड़ा मुश्किल है।"

तो यहाँ फिर से देखते है कि, छाया हमें हमारे कर्ज माफ करने के लिए कह रही है। उसने उनसे कहा कि उन्हें ऋण का उपयोग नहीं करना पड़ेगा क्योंकि उनके पास इतना अधिक होगा कि वे ऋण लेने वाले नहीं बल्कि ऋणदाता होंगे। ऋण अपर्याप्तता पर आधारित एक प्रणाली है, लेकिन परमेश्वर उनके लिए पूरी तरह से प्रदान करने जा रहे हैं इसलिए ऋण की अब आवश्यकता नहीं है। पृथ्वी श्राप प्रणाली के बाहर जीने के एक नए तरीके का ज़िक्र करते हुए,छाया कहती है, "आपको अपनी फ़सल नहीं लगानी हैं,"। अब, यह सब यीशु मसीह में पाया जाता है।

लेकिन रुकिए, और भी बहुत कुछ है—आगे और क्या आनेवाला है यह परमेश्वर के लोगों को दिखाने के लिए एक बहुत बड़ी तस्वीर। इसे जुबली का वर्ष कहा जाता था।

अध्याय 7

ऐसा हो ही नहीं सकता!

अभी आप जो पढ़ने जा रहे हैं वह अद्भुत है। नहीं, मुझे इसे फिर से लिखना चाहिए। आप वास्तव में सोचेंगे कि यह पूरी तरह से असंभव है। मैं जुबली वर्ष के बारे में बात कर रहा हूं, पुराने नियम में लिखे गए आपकी आर्थिक स्थिति के बारे में यीशु क्या करना चाहता है, इसकी सबसे बड़ी तस्वीर, फिर भी बहुत कम लोग जानते हैं या समझते हैं कि यहाँ क्या कहा जा रहा है। हम सब्त के दिन और सब्त के वर्ष के बारे में पहले ही बात कर चुके हैं, जो कि मसीह में हमारे पास जो कुछ है उसकी छाया हैं, लेकिन अब हम बड़ी घटना, जुबली वर्ष पर आते हैं।

जुबली वर्ष, सिर्फ नाम से ही उत्सव जैसा लगता है, है ना? हालांकि, आर्थिक क्षेत्र में, ज़्यादातर लोग- और जब मैं कहता हूं कि ज़्यादातर लोग, दुख की बात है, इसका मतलब है कि ज़्यादातर मसीही विश्वासी के पास भी- जश्न मनाने के लिए बहुत कुछ नहीं है। जैसा कि मैंने पहले बताया है, मैं 36 वर्षों से वित्तीय क्षेत्र में सक्रिय हूं। इसी समय के दौरान मैंने अनेक कंपनियों का निर्माण किया है और इसी समय के दौरान हज़ारों लोगों को उनकी आर्थिक कठिन स्थिति से बाहर निकलने में सहायता की है। इसलिए मै जानता हूँ कि इस क्षेत्र में क्या होता है। और मुझे पता है कि आमतौर पर चमकदार नई कार या अच्छे बड़े घर के पीछे क्या होता है। वहाँ अक्सर बहुत अधिक क़र्ज़ और तनाव होता है। मै यह नहीं कह रहा हूं कि अच्छी कार या बड़ा घर होना बुरी बात है। आज के समय में जीने के लिए बस बहुत पैसा खर्च करना पड़ता है।

और पृथ्वी श्राप प्रणाली केवल जीना है इसलिए जीने की प्रणाली है जो लोगों को मुक्त करने के लिए सफल नहीं है। मेरा विश्वास करो, मैं हजारों और हज़ारों लोगों से मिला हूं, उनमें से ज़्यादातर लोग बुरे लोग नहीं थे, कठिनाई का सामना ठीक तरीके से करने की कोशिश कर रहें थे।

वे अपनी ओर से जितना अच्छा कर सकते थे कर रहे थे, लेकिन वे परमेश्वर के राज्य के बारे में नहीं जानते थे या जो मैं इस पुस्तक में साझा कर रहा हूँ उसे भी नहीं जानते थे। बेशक, आप जानते हैं कि ड्रेन्डा और मैं खुद नौ लंबे और कठिन वर्षों तक आर्थिक रूप से तनावग्रस्त जीवन शैली में रहे, जब तक कि हमने सब्त के आराम के बारे में नहीं सीखा। इतने लंबे समय तक इस तरह जीने के बाद, आपको एहसास नहीं होता है कि आप कितने तनाव को झेल रहे होते हैं और सोचते हैं कि यह सामान्य है।

कई साल पहले, परमेश्वर ने मेरी छोटी सोच के बारे में मेरा सामना किया और मुझे बताया कि मुझे जुबली वर्ष का आनंद लेना चाहिए, आनंद मनाना चाहिए, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर रहा था। हाँ, मैं कर्ज से बाहर निकल चुका था; जी हाँ, मैंने कुछ आश्चर्यजनक चीज़ें घटित होते देखी थीं; और हां, मैं खुश और संतुष्ट भी था। लेकिन मैंने सपने देखना बंद कर दिया था और परमेश्वर यह जानता था, और वह चाहता था कि मैं फिर से सोचना शुरु करू, फिरसे से बढ़ना आरंभ करू, ताकि मैं क्रियाशील बनु और सपने देखता रहूं। मैं खुश तो था लेकिन थोड़ा ऊब सा गया था।

जैसा कि मैंने कहा, मैं एक वित्तीय सेवा कंपनी का मालिक हूं, और मेरा एक वेंडर बीते साल की सफलता का जश्न मनाने के लिए हर साल मुझे एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया करता था। वहाँ पर उसके साथ काम करने वाले और अन्य मान्यवर व्यक्ति मिलाकर करीब 250 लोग उपस्थित हुआ करते थे। इसमें वह कुछ लोगों का पूरा खर्चा उठाकर उन्हें किसी अच्छी जगह घूमने के लिए भेज देता था, लेकिन कुछ विशेष और मान्यवर लोगों के लिए, विशेष मान्यता और बोनस चेक दिए जाते थे। क्योंकि मैं एक बड़े चर्च में पास्टर था, टीवी शो करता था, और अपनी कंपनी चलाने में व्यस्त था, इसलिए मुझे हमेशा लगता था कि मेरे पास पहचान के उस ऊपरी स्तर तक पहुंचने के लिए आवश्यक प्रोडक्शन करने का समय नहीं है।

लेकिन एक साल, जब मैं जश्न की मीटिंग में बैठा और 10 मान्यवर सहयोगियों को मान्यता प्राप्त होते देखा और यह भी देखा की उन्हें $100,000 का बोनस चेक दिया जा रहा है, तब मै दृढ़ता से सोचने लगा। मैंने सोचा, "एक मिनट रुको! मुझे वहाँ उस मंच पर होना चाहिए, और मुझे भी उन लोगों की तरह पहचान मिलनी चाहिए। मैं परमेश्वर की संतान हूं और पवित्र आत्मा मेरा परामर्शदाता है। मुझे वहाँ ऊपर होना चाहिए और परमेश्वर की भलाई को साझा करना

और प्रदर्शित करना चाहिए!" इसलिए ड्रेन्डा और मैंने उसी समय अपना मन बना लिया कि हम अगले साल सम्मान के उस मंच पर होंगे। कैसे? हमें पता नहीं था।

पिछले 10 वर्षों से, मेरी एक कंपनी के द्वारा लगभग $3 से $4 मिलियन प्रति वर्ष प्रॉफिट कमा रहा था, लेकिन उन मान्यवर 10 की पंक्ति में स्थान प्राप्त करने के लिए आवश्यक उत्पादन लगभग $11 मिलियन होना आवश्यक था। मुझे नहीं पता था कि मैं उस स्तर तक कैसे पहुंचूंगा और यह भी निश्चित नहीं था कि यह मेरे कार्य की दिनचर्या के साथ संभव हो सकता था या नहीं। हालांकि एक बात जो मैंने सीखी थी, वह यह थी कि मैं इसे अपने बल पर नहीं कर सकता था। तो ड्रेन्डा और मैंने प्रार्थना की और अपना लक्ष्य निर्धारित किया, विश्वास का एक आर्थिक बीज बोया, अपने विश्वास को मुक्त किया, और अपने आप को इसे पूरा करने का आह्वान किया।

एक लंबी कहानी को छोटा करने के लिए, अगले साल जनवरी में, जैसे ही नया साल शुरू हो रहा था, परमेश्वर ने मुझे सपने में अपने लक्ष्य तक पहुंचने का तरीका दिखाया। उसने मुझे वही दिखाया जो मुझे करने की जरूरत थी; और यदि मैं वह करता रहूंगा जो उसने मुझे दिखाया था, तो मैं अवश्य उस लक्ष्य तक पहुंचूंगा। क्या आप जानते हैं कि हमने उस वर्ष केवल एक ही बिक्री से $11 मिलियन का लक्ष्य पूरा कर लिया था! अगले सम्मेलन में कंपनी में शीर्ष 10 मान्यवरों के साथ उस मंच पर बैठना और $100,000 का बोनस चेक प्राप्त करना कितना रोमांचकारी था। क्या आप जानना चाहते हैं कि मुझे सच में कितना अच्छा लगा? मेरे लिए यह बहुत ही बड़ा जश्न का अवसर था। हम बोनस केवल बोनस के साथ अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँचे थे, बल्कि उस वर्ष हमारी आय में सैकड़ों-हजारों डॉलर की वृद्धि हुई थी। मेरे लिए यह बड़ा जश्न मनाने की तरह था!

आपको एहसास नहीं होता है कि आप कितने तनाव को झेल रहे होते हैं और सोचते हैं कि यह सामान्य है।

इसलिए जब मैं जुबली वर्ष जैसी किसी पुराने नियम की घटना के बारे में बात करना शुरू करता हूं, तो यह मत सोचिए कि यह उबाऊ चीज है क्योंकि ऐसा नहीं है। याद रखें, एक जश्न के साथ जीवन बेहतर हो जाता है, तो आइए इस्राएल द्वारा मनाई जाने वाली सबसे बड़ी घटना/जश्न पर एक नज़र डालें और सीखें कि आपका अपना जश्न कैसा होना चाहिए।

जुबली का वर्ष

> *"सात विश्रामवर्ष, अर्थात् सातगुना सात वर्ष गिन लेना, सातों विश्रामवर्षों का यह समय उनचास वर्ष होगा। तब सातवें महीने के दसवें दिन को, अर्थात् प्रायश्चित्त के दिन, जय जयकार के महाशब्द का नरसिंगा अपने सारे देश में सब कहीं फुँकवाना। और उस पचासवें वर्ष को पवित्र मानना, और देश के सारे निवासियों के लिये छुटकारे का प्रचार करना; वह वर्ष तुम्हारे यहाँ जुबली* कहलाए; उसमें तुम अपनी अपनी निज भूमि और अपने अपने घराने में लौटने पाओगे। तुम्हारे यहाँ वह पचासवाँ वर्ष जुबली का वर्ष कहलाए; उस में तुम न बोना, और जो अपने आप ऊगे उसे भी न काटना, और न बिन छाँटी हुई दाखलता की दाखों को तोड़ना। क्योंकि वह जो जुबली का वर्ष होगा; वह तुम्हारे लिये पवित्र होगा; तुम उसकी उपज खेत ही में से ले लेके खाना।"इस जुबली के वर्ष में तुम अपनी अपनी निज भूमि को लौटने पाओगे।*
>
> — लैव्यवस्था 25:8-13

अभी जब मैं जुबली के वर्ष के बारे में चर्चा करना शुरू करता हूं, मै कुछ आधारभूत बातों को बताना चाहता हूँ, जिसकी ओर आपका ध्यान पहले ही से ले जाना चाहिए था। जुबली का वर्ष हर 50 वर्ष में हुआ करता था, और यह सब्त वर्ष के ठीक बाद होता था, जो उनतालीसवा वर्ष था। मुझे लगता है कि आप यहाँ एक बड़ी समस्या को उभरता हुआ देख सकते हैं, है ना? सब्त के वर्ष के दौरान, इस्राएलियों को अपनी फसल बोने की अनुमति नहीं थी। उस वर्ष के बाद के जुबली के वर्ष में भी फसल लगाने की अनुमति नहीं थी। इसलिए देखा जाए तो, इस्राएल के पास लगातार दो वर्षों तक फसल नहीं थी, फिर तीसरे वर्ष के दौरान उन फसलों के परिपक्व होने और उनकी कटाई के लिए इंतजार करना पड़ता था, तभी वे अपनी खाद्य आपूर्ति को पूरा कर सकते थे। यह उन लोगों के लिए एक गंभीर समस्या हो सकती है जिन्हें अच्छा खाना खाने में मज़ा आता है या जो अनाज बेचकर अपनी जीविका चलाते हैं। जब मूसा ने जुबली के वर्ष के बारे में निर्देश दिए, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि इससे कितनी गड़बड़ी हुई होगी। हाँ, तीन साल की छुट्टी मिलेगी यह सोचने की बात थी, लेकिन किसी को तो इसकी कीमत चुकानी पड़ती। जब उन्होंने इसके बारे में सुना तो सबसे पहले उन्होंने मूसा से पूछा, "यह कैसे हो सकता है?"

और यदि तुम कहो कि सातवें वर्ष में हम क्या खाएँगे, न तो हम बोएँगे न अपने खेत की उपज इकट्ठा करेंगे? तो जानो कि मैं तुम को छठवें वर्ष में ऐसी आशीष दूँगा, कि भूमि की उपज तीन वर्ष तक काम आएगी। तुम आठवें वर्ष में बोओगे, और पुरानी उपज में से खाते रहोगे, और नवें वर्ष की उपज जब तक न मिले तब तक तुम पुरानी उपज में से खाते रहोगे।

— लैव्यवस्था 25:20–22

परमेश्वर ने उन्हें एक अद्भुत उत्तर दिया जिसके विषय में हम अधिक गंभीरता और गहराई से इस पुस्तक के बाकि हिस्से में देखने का प्रयत्न करेंगे। उसने कहा कि वह छठे वर्ष में ऐसी आशीष भेजेगा कि जुबली के वर्ष के बाद नई फसल आने तक तीन वर्ष तक पर्याप्त फल देगी। सृष्टि की रचना या सृष्ट्रि की उत्पत्ति के दिनों में और इस बात में एक समानता है। बाइबल कहती है कि सृष्टि के छठे दिन परमेश्वर ने अपना कार्य समाप्त किया और उसने विश्राम किया। परमेश्वर ने विश्राम किया, लेकिन वह थका नहीं था। लेकिन उसका कार्य पूरा हो गया था। मनुष्य को जिन जिन बातों की आवश्यकता थी, वह सबकुछ उत्पन्न किया गया था और उसके लिए सबकुछ उपलब्ध था।

परमेश्वर अब इस्राएलियों को पर्याप्त से अधिक कैसे प्राप्त हो सकता है इसकी तस्वीर दिखा रहा था, जो दर्दनाक मेहनत और खून पसीना बहाने के पृथ्वी श्राप प्रणाली के बिल्कुल विपरीत है। वह चाहता था कि वे उसे अपने प्रदाता के रूप में देखें और यह समझें और जान ले कि वह अत्यंत बड़ी मात्रा में प्रावधान प्रदान करता है। फिर से, यद्यपि यह उनके लिए उनके अपने समय में परमेश्वर के प्रावधान की एक तस्वीर थी, लेकिन यीशु के आगमन तक हम यह नहीं देख पाएं कि छाया हमें क्या दिखा रही है। उन तीन वर्षों में बिना फसल बोए जीवित रहने का स्वाभाविक रूप से कोई उपाय नहीं था। इसी तरह, पृथ्वी श्राप प्रणाली के तहत रहते हुए, आपको दिन और रात पसीना बहाए बिना पैसा कमाने का प्राकृतिक रूप से, कोई तरीका नहीं होगा। आप कितनी भी तेज़ी से क्यों ना दौड़े, अपनी आर्थिक आवश्यकताएं पूरी नहीं कर सकते। आपको अभी काफी बिलों का भुगतान करना है ऐसी स्थिति में अपनी मौजूदा नौकरी से तीन साल की छुट्टी लेने की कोशिश करें, आप निश्चित रूप से दिवालिया हो जाएंगे। परन्तु

परमेश्वर उन्हें एक नए मार्ग की तस्वीर दिखाने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसा मार्ग जहाँ वह अपने लोगों के लिए भारपुरी से प्रदान करता है, ठीक वैसे ही जैसे आदम को वह सब कुछ प्रदान किया गया था जो उसने सृष्टी की निर्मिती करते समय उसके लिए बनाया था।

दो और बातें हैं जो जुबली का वर्ष हमें दिखाता है जिसे हमें समझने की आवश्यकता है। इस पचासवें वर्ष के दौरान हम भूमि को विश्राम करते हुए देखते हैं, कोई मेहनत नहीं और पसीना बहाना नहीं हैं। आप यह भी देखेंगे कि सारी जमीन उसके मूल मालिक को लौटा दी जानी थी। जब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार किया, तो प्रत्येक गोत्र और प्रत्येक परिवार को भूमि दी गई, जिसके द्वारा वे जीवित रहने के लिए आवश्यक भोजन का उत्पादन कर पाएंगे और उसके द्वारा कमाई भी करने पाएंगे। संक्षेप में, भूमि उनका धन था। उस पर उन्होंने फसलें उगाईं और अपने पशुओं को पाला। इसलिए सारी जमीन को उसके मूल मालिक को वापस कर देना समृद्धि पाने की क्षमता को वापस देना था।

फिर से समझ लीजिए, यह यीशु ने हमारे लिए जो किया उसकी एक छाया है। छाया कहती है कि इस्राएल राष्ट्र के नागरिकों को समृद्धि लौटाई जानी थी। वास्तविकता भी हमें यही बात बताती है, कि हमारी समृद्धि भी हमें लौटा दी गई है, कि परमेश्वर के राज्य की विरासत फिर से हमारी है।

एक बार जब आप सीख जाते हैं कि सब्त वास्तव में हमें क्या दिखा रहा है, तो आपके वित्तीय जीवन में बड़े परिवर्तन हो सकते हैं।

जुबली का वर्ष हमें एक तीसरी बात दिखाता है, और वह यह है कि सभी दासों को मुक्त करके उनके परिवारों को लौटा दिया जाना था। यह बहुत बड़ी बात है। फिर छाया कहती है कि अब तुम दास नहीं बल्कि पुत्र या पुत्री हो। मसीह में वास्तविकता कहती है कि आप अब दास नहीं हैं, बल्कि परमेश्वर के घर में पुत्र या पुत्री हैं, जिनके पास विरासत और घर की समृद्धि का पूरा अधिकार है।

इसलिए सोचें कि आपने अभी क्या सीखा है। यीशु ने हमें वह वापस दिया जो आदम ने खोया था। यीशु ने हमें परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां बनाकर, दासत्व से छुड़ाया। उसने हमें दर्दनाक परिश्रम और पसीना बहाने की पृथ्वी की श्राप प्रणाली से मुक्त किया, जिससे परमेश्वर हमारे हाथों के काम को एक भरपूरी से आशीर्वाद दे सके। लेकिन ध्यान दें कि, यीशु ने इन सभी चीज़ों के लिए भुगतान किया, फिर भी हमें यह जानना आवश्यक है कि इन लाभों को

यहाँ पृथ्वी के क्षेत्र में हमारे वास्तविक जीवन में कैसे लागू किया जाए। इसी बात पर, बहुत से मसीही विश्वासी चूक जाते हैं। यह न जानते हुए कि राज्य कानूनों द्वारा संचालित होता है, बेटे और बेटियों और नागरिकों के रूप में उनके कानूनी अधिकारों को ना जानते हुए, वे सोचते हैं कि परमेश्वर आशीर्वाद देने के लिए यूँ ही किसी को भी चुन लेता है। इसलिए, वे राज्य के नियमों का अध्ययन नहीं करते हैं, जो उसका वास्तव में आनंद लेने और उसे लागू करने की कुंजियाँ हैं और बाइबल कहती है कि यह कुंजियाँ उनकी है। मैं आपको बताता हूँ, एक बार जब आप सीख जाते हैं कि सब्त वास्तव में हमें क्या दिखा रहा है, तो आपके वित्तीय जीवन में बड़े परिवर्तन हो सकते हैं।

मेरे चर्च के एक सज्जन ने मेरी विश्वास और परमेश्वर का राज्य कैसे संचालित होता है इस विषय पर दी जाने वाली शिक्षा को सुनना आरंभ किया। उसके परिवार ने एक साथ मिलकर इन कानूनों का अध्ययन किया। जैसे-जैसे नया साल आया, उन्होंने फैसला किया कि वे अपने कानूनी अधिकारों का प्रयोग करेंगे और उस वर्ष उन्होंने जो दो किराये के मकान लिए थे उनका भुगतान कर पाने में विश्वास करेंगे। अगर मुझे सही याद है, तो मुझे लगता है कि दोनों घरों की रकम चुकाने के लिए कुल $400,000 की आवश्यकता थी। इसलिए उन्होंने प्रार्थना की और उस वर्ष दोनों घरों को चुकाने के इस लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण आर्थिक बीज बोया। यह उनके लिए बहुत बड़ी रकम थी, लेकिन इस सज्जन ने एक ऐसे क्षेत्र में काम किया जहां कुछ अलग अलग ग्राहक और/या बड़े ग्राहक मिल जाएँ जो इस प्रकार की रकम को पूरा करने के लिए कॉन्ट्रैक्ट्स के एग्रीमेंट कर सकते है। परिवार में सभी ने एक साथ प्रार्थना की और वे इस बात पर सहमत हुए कि यह अवश्य घटित होगा। हर हफ्ते, परिवार अपने लक्ष्य की समीक्षा करता था और पवित्र शास्त्र में परमेश्वर के उन अभिवचनों को दोहराता था जो उन्हें ऐसी फसल की उम्मीद करने के लिए कानूनी आधार दिया। यह सज्जन निश्चित रूप से जानते थे कि उन्हें अपनी भूमिका भी निभानी है।

खैर जैसे-जैसे साल आगे बढ़ा, निश्चित रूप से कुछ बड़े कॉन्ट्रैक्ट्स प्राप्त होने की संभावना बन गई, लेकिन सभी बड़ी कंपनियों के साथ, करोड़ों डॉलर के सौदे जल्दी फलित नहीं होते। लगभग आधा साल बीत जाने पर, इस सज्जन ने अपनी कंपनी के लिए एक बड़े कॉन्ट्रैक्ट का पता लगाया और उसे हासिल कर लिया, यह कॉन्ट्रैक्ट इतना बड़ा था कि यह उनकी कंपनी के

वर्ष के पूरे उत्पादन का लगभग 40% था। उसे कमीशन का जो चेक मिला उससे, वह किराये की इमरतियों में से एक का भुगतान कर पाया। वर्ष के अंत में, एक और कंपनी ने मेरे मित्र के द्वारा दिए गए मल्टीमिलियन डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट के लिए एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमती दिखाई। लेकिन एग्रीमेंट की तारीख आगे बढ़ती रही। कागजी कार्रवाई पूरी हो जाती थी, फिर तारीख आगे बढ़ जाती थी, और कागजी कार्रवाई फिर से करनी पड़ जाती थी, और फिर तारीख आगे बढ़ाई जाती थी। इसी तरह कार्यवाही पूरी होने में देर चुकी थी और फिर मेरे मित्र को बताया गया कि कॉन्ट्रैक्ट के विषय में वह कम्पनी की जिस टीम के साथ काम कर रहा था, उसे बदल दिया गया है और अब एक नई टीम बनाई गई है और अब आगे का कार्यभार यह नई टीम संभालेगी।

मेरा दोस्त काफ़ी निराश हो गया; वह जानता था कि इसका क्या मतलब है। आने वाली नई प्रबंधन टीम को कॉन्ट्रैक्ट के बारे में चल रही अब तक की बातचीत के बारे में पता नहीं था, और वह कॉन्ट्रैक्ट अब ना के बराबर हो गया था। अब उसे नई टीम के साथ शुरुआत से ही प्रक्रिया शुरू करनी होगी। जैसे ही वह नई प्रबंधन टीम से मिला, वे उसकी कंपनी के प्रस्ताओं को देखने के लिए अनुकूल लग रहे थे। नवंबर के अंत में इसकी समीक्षा करने के बाद, उन्होंने कहा कि वे इस कॉन्ट्रैक्ट के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। लेकिन फिर से, कागजी कार्रवाई में देरी हुई और नए साल से दो दिन पहले तक यह कागज़ी कार्यवाही चलती ही रही। फिर मेरे मित्र को एक फोन आया और उन्होंने कहा कि वे उससे मिलना चाहते हैं और दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं, और यदि वह उनसे उसी दिन मिलकर हस्ताक्षर कर सकता है तो वे उसे नकद भुगतान करेंगे। मेरे दोस्त को उस सौदे पर पर्याप्त कमीशन मिला ताकि वह उस वर्ष में दोनों घरों का भुगतान करने के अपने लक्ष्य तक पहुंच सके जिस के लिए उसने और उसके परिवार ने अपना विश्वास स्थापित किया था।

यह केवल राज्य के सिद्धांतों का अध्ययन करने के द्वारा ही था कि वह इतने बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित हो सका, क्योंकि उसने पहले कभी इतना बड़ा सौदा हासिल नहीं किया था या पिछले किसी भी वर्ष में इतना पैसा नहीं कमाया था जिससे यह समझा जाएँ कि उसके लिए लक्ष्य हासिल करना संभव नहीं था। उन्होंने मुझे बताया था कि उस जीत का जश्न मनाने के लिए उनके पास बहुत बड़ा कारण है, और वो उसे मनाएंगे!

एक और घटना, "वह वास्तव में हुआ" यह कहानी मेरे एक बच्चे के साथ हुई। इसमें कोई संदेह नहीं कि, मेरे सभी बच्चों ने अपने पूरे जीवन में राज्य को कार्य करते हुए देखा है। उन सभी ने उन सिद्धांतों को लागू किया है जिनकी मैं चर्चा कर रहा हूं और उन्होंने परमेश्वर को अद्भुत चीजें करते देखा है। वे अपनी उम्र के बीसवे दशक में हैं, लेकिन उन सभी ने अपनी कारों के लिए पूरा भुगतान किया है; और उनमें से अधिकांश ने अपने घरों के लिए भी भुगतान कर दिया है या भुगतान लगभग पूरा होने वाला है। मेरा सबसे बड़ा बेटा, टिम नकद में एक घर खरीदना चाहता था। इसलिए उसने अपनी कमाई और भुगतान सीमा के दायरे में एक घर खरीद पाने के लिए परमेश्वर पर विश्वास करते हुए अपना आर्थिक बीज बोया। वह ईमारत निर्माण में भी बहुत कुशल है, इसलिए वह बना बनाया घर खरीदने से नहीं डरता था, क्योंकि यदि उसमे कोई मरम्मत भी करनी हो तो वह स्वयं उसे कर सकता था।

उसने काफ़ी समय घर ढूंढने और समीक्षा करने में बिताया लेकिन उसे सही घर नहीं मिला। लेकिन एक दिन, वह गाड़ी चलाते हुए इधर-उधर जा रहा था तभी उसने इस घर को देखा जो बिक्री के लिए था जिसे उसने पहले नहीं देखा था। इस घर को कोई अपना लोन का बकाया एक ही बार में चुकता करके बेचना चाह रहा था, और जब मेरे बेटे ने इसे देखा, वह जानता था कि घर में कुछ मरम्मत की जरूरत है, लेकिन उसके अलावा वह मकान एकदम सही लग रहा था। उसने रियल एस्टेट एजेंट को बुलाया और उससे घर की कीमत के बारे में पूछा। उसे अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा था—37,000 डॉलर। "लेकिन यह कैसे हो सकता है?" उसने सोचा।

एजेंट ने घर की छानबीन की और एक अद्भुत कहानी सुनाई। घर वास्तव में लोन का बकाया एक ही बार में चुकाकर बिक्री के लिए था, और इसे लगभग छह महीने पहले $110,000 में बेचने के लिए सूची में रखा गया था। यह लोन फोरक्लोज़र की रकम थी, लेकिन कुछ साल पहले यह घर 160,000 डॉलर में बेचा गया था। लेकिन, पिछले छह महीनों में, जब से यह बिक्री के लिए सूचीबद्ध किया गया था, किसी ने भी घर में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। बैंक ने तब इसकी कीमत कम करना जारी रखा, यह सोचते हुए कि न जाने क्यों किसी ने इसे खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। लेकिन फिर जैसे ही टिम और उनके रियल एस्टेट एजेंट ने थोड़ी और छानबीन की, तब उन्होंने देखा कि घर खरीदने में कोई दिलचस्पी क्यों नहीं ले रहा था।

यह जब सूचीबद्ध किया गया तब किसी अलग शहर का उल्लेख वहाँ था और पता भी कुछ सही नहीं था, और यहां तक कि मकान के बारे में पूछताछ करने के लिए फोन नंबर भी गलत दिया गया था। तो कोई नहीं जानता था कि घर वास्तव में वहाँ है! घर, शहर के बाहर एक छोटी सी सड़क के अंत में था जहाँ यातायात अधिक नहीं होती थी। और उस मकान की कीमत उस दिन तक कम होती रही जब तक कि टिम ने इसे देख नहीं लिया। अद्भुत। मैंने टिम से कहा कि वह घर अब तक सिर्फ उसके लिए छिपा हुआ था! उसने इसे फिर से पेंट किया और घर की कुछ और मरम्मत कीं और इसे $160,000 में बेच दिया।

मेरी बेटी एमी फेथ लाइफ चर्च में आराधना में अगुवाई करती है। उसे और जेसन को एक बड़े घर की जरूरत थी क्योंकि उनका परिवार में सदस्यों की संख्या चार से पांच तक बढ़ गई थी। ओहायो में 2017 की गर्मियों में मकानों की कीमतें सोचने से बाहर थीं, और जिन घरों को बिक्री के लिए सूचीबद्ध किया गया था, वे आमतौर पर एक सप्ताह के भीतर बिक रहे थे। उनकी इच्छा थी कि 5 से 10 एकड़ जमीन पर बना काफ़ी बड़ा मकान 250,000 डॉलर से 300,000 डॉलर के बीच में उन्हें मिल जाएँ, उनकी यह भी इच्छा थी की उस जगह पर कोई झील वगैराह बनी हो, लेकिन उन्हें ऐसा घर मिल नहीं रहा था। उस गर्मी में 1 एकड़ के क्षेत्र में एक रैंच $200,000 से अधिक में बिक रहे थे। इधर-उधर भागकर कई घरों को देखने के बाद उन्होंने देखना बंद कर दिया और प्रार्थना की। अपनी पसंद का मकान मिलने के लिए उन्होंने अपना आर्थिक बीज बोते हुए, प्रभु से कहा, “हम बहुत व्यस्त हैं इसलिए इस तरह मकान मकान ढूंढते रहना हमारे लिए कठिन है। प्रभु तू जानता हैं कि हमारा यह इच्छित घर कहाँ है, और हम आपसे बिनती करते है कि इसे सही समय पर हमे दिखा दें। हम इस घर के बारे में अब ऑनलाइन नहीं देखेंगे, या अपने रियल एस्टेट एजेंट से भी बात नहीं करेंगे!

लेकिन एक रात एक दिलचस्प बात हुई। उनकी बेटी, जो उस समय चार साल की थी, उसने घर में आते ही कहा, “मम्मी, अब यहाँ से चलने का समय है।” “क्या मतलब है तुम्हारा?” एमी ने उससे पूछा। “यह मेरे कमरे तक जाने वाली बड़ी सीढ़ी वाले घर में जाने का समय है,” उसके चार वर्षीय बेटी ने कहा। “कौन सा घर? क्या तुमने कोई सपना देखा है ?” एमी ने पूछा। उसकी बेटी ने कहा हाँ, उसने ऐसे घर का सपना देखा था। खैर, उस रात दोनों बच्चों को सुलाने के बाद, एमी उस बातचीत को भुला नहीं पाई और उसने जेसन से कहा कि शायद उन्हें उस घर के बारे में ऑनलाइन देखना चाहिए।

हां, वास्तव में एक लोन फोरक्लोज़र का मकान था जिसे अभी बिक्री के लिए सूचीबद्ध किया गया था, 10 एकड़ ज़मीन पर दो मंज़िला मकान बना था और उसके सामने एक झील भी थी। हालाँकि, उन्होंने $ 300,000 मूल्य सीमा के मकान के लिए विश्वास का अपना आर्थिक बीज बोया था, और यह मकान उस कीमत से $ 26,000 अधिक था। उन्होंने सोचा कि वे खरीद के लिए कम कीमत का दावा करेंगे, इसलिए उन्होंने अपने रियल एस्टेट एजेंट को बुलाया। उनका एजेंट अगले दिन फ्लोरिडा के लिए रवाना हो रहा था, लेकिन उसने कहा कि अगर वे इसे सुबह 9:00 बजे के आसपास मकान देखने आ सकते है तो वह उन्हें दिखाएगा। जेसन और एमी ने कहा कि वे उससे वहीं मकान की जगह पर ही मिलेंगे।

एजेंट को घर से निकलने में देर हो गई थी, लेकिन घर एकदम सही लग रहा था। घर का नाप और नक्शा सही था, 10 एकड़ जमीन, और सामने झील, सब कुछ सही लग रहा था। सोने पे सुहागा यह था कि पूरी संपत्ति के आसपास जंगल था; यह बहुत ही लुभावना था। जैसे ही वे घर में दाखिल हुए, उनकी बेटी चीख़ती हुई विशाल सर्पिल सीढ़ियाँ चढ़कर सीधे अपने कमरे में पहुँची। एक लंबी कहानी को छोटा करने के लिए, जेसन और एमी ने कहा कि वे अपना प्रस्ताव देना चाहेंगे। एजेंट ने घर के विवरण की जाँच की, उसने देखा कि सभी प्रस्ताव उस दिन दोपहर तक आ जाने चाहिए थे। और इसमें केवल एक घंटे का समय बचा था! अगर उनके चार साल की बेटी ने उन्हें सपना नहीं बताया होता, और अगर उस रात उन्होंने ऑनलाइन चेक नहीं किया होता, तो घर चला जाता।

उन्होंने 326,000 डॉलर जो माँग कीमत थी उसी की पेशकश की और बोली जीत ली। वे बहुत उत्साहित थे। निरीक्षण के दौरान, निरीक्षक ने कहा कि, हालांकि छत अच्छी स्थिति में है, फिर भी इसे 5 साल में बदलने की आवश्यकता होगी। जेसन के दिमाग में एक विचार आया। पांच साल के भीतर छत को बदलने की जरूरत होगी जिसमे काफ़ी खर्च होगा, इसलिए उसने बैंक से मकान की कीमत कम करने के लिए कहने का फैसला किया। उनके एजेंट ने कहा की वे इस प्रकार की कोशिश भी ना करें, क्योंकि कि घर "जैसा है" उसी स्थिति में बिक्री के लिए उपलब्ध था, और घर में कोई दोष या कमी के कारण बैंक कीमत कम करते हुए उसने कभी नहीं देखा था। लेकिन जेसन और एमी ने अपनी अपनी आत्मा में महसूस किया कि वे बैंक को एक पत्र लिखे और कीमत में कटौती के लिए पेशकश करें। आपने सही अनुमान लगाया, बैंक

ने उन्हें $296,000 में घर दिया, यह तो उस $300,000 से कम था जिसके लिए उन्होंने परमेश्वर पर विश्वास किया था। परमेश्वर उनके लिए ठीक उसी तरह का घर ले आया जैसा उन्होंने उससे माँगा था। जब उन्होंने मूल्यांकक से पूछा कि उसके अनुसार उस घर की क्या कीमत होनी चाहिए, तो उसने कहा, "$ 500,000।" मेरे मित्र, यह तो जो कीमत अदा की गई थी उसके दोगुना हो गया!

जैसा कि आप देख सकते हैं, मेरे सभी बच्चे राज्य के अनुसार जीवन जीने के तरीके का आनंद ले रहे हैं। वास्तव में, मेरी सबसे छोटी बेटी, कर्स्टन, ने इस वर्ष अपनी 20 साल की उम्र में अपने घर के लिए अभी-अभी नकद भुगतान किया है। कैसे? वे सभी जानते हैं कि इसके बारे में राज्य के मार्ग पर कैसे चलना है!

अध्याय 8

दोहरा भाग

अब, मैं इस बारे में थोड़ा गहराई में जाना चाहता हूँ कि सब्त का विश्राम वास्तव में कैसे काम करता है और कैसे आपके अपने जीवन के लिए इसका उपयोग करना संभव है। मैं जुबली वर्ष की अपनी कहानी पर वापस जाना चाहता हूं और उस शस्त्रभाग को देखना चाहता हूं जो हमने पहले पढ़ा है। वहाँ हम उन लोगों के लिए परमेश्वर का उत्तर पाते हैं जब उन्होंने पूछा कि वे बिना फसल के तीन साल तक कैसे जीवित रह सकते हैं। अच्छा प्रश्न है!

> *और यदि तुम कहो कि सातवें वर्ष में हम क्या खाएँगे, न तो हम बोएँगे न अपने खेत की उपज इकट्ठा करेंगे? तो जानो कि मैं तुम को छठवें वर्ष में ऐसी आशीष दूँगा, कि भूमि की उपज तीन वर्ष तक काम आएगी। तुम आठवें वर्ष में बोओगे, और पुरानी उपज में से खाते रहोगे, और नवें वर्ष की उपज जब तक न मिले तब तक तुम पुरानी उपज में से खाते रहोगे।*
>
> — लैव्यवस्था 25:20-22

हम इस शस्त्रभाग में देखते हैं कि जुबली का वर्ष, और सब्त का वर्ष, दोनों छठे वर्ष में हुई बड़ी फसल के कारण संभव थे, इस मामले में अड़तालीसवें वर्ष (पिछले जुबली वर्ष से)। उस बड़ी फसल के बिना सब्त का विश्राम संभव नहीं होगा। आइए एक और शस्त्रभाग को देखें जो मुझे विश्वास है कि इसे और भी स्पष्ट करेगा।

> *वे भोर को प्रतिदिन अपनी आवश्यकता के अनुसार खाने के लिये बटोर लेते थे, और जब धूप कड़ी होती थी, तब वह गल जाता था। फिर ऐसा हुआ कि छठवें दिन*

उन्होंने दूना, अर्थात् प्रति मनुष्य के पीछे दो दो ओमेर बटोर लिया, और मण्डली के सब प्रधानों ने आकर मूसा को बता दिया। उसने उनसे कहा, "यह वही बात है जो यहोवा ने कही, क्योंकि कल परमविश्राम, अर्थात् यहोवा के लिये पवित्र विश्राम होगा, इसलिये तुम्हें जो तन्दूर में पकाना हो उसे पकाओ, और जो सिझाना हो उसे सिझाओ, और इसमें से जितना बचे उसे सबेरे के लिये रख छोड़ो। जब उन्होंने उसको मूसा की इस आज्ञा के अनुसार सबेरे तक रख छोड़ा, तब न तो वह बसाया, और न उसमें कीड़े पड़े। तब मूसा ने कहा, "आज उसी को खाओ, क्योंकि आज यहोवा का विश्रामदिन है; इसलिये आज तुम को वह मैदान में न मिलेगा। छ: दिन तो तुम उसे बटोरा करोगे; परन्तु सातवाँ दिन विश्राम का दिन है, उसमें वह न मिलेगा।" तौभी लोगों में से कोई कोई सातवें दिन भी बटोरने के लिये बाहर गए, परन्तु उनको कुछ न मिला। तब यहोवा ने मूसा से कहा, "तुम लोग मेरी आज्ञाओं और व्यवस्था को कब तक नहीं मानोगे? देखो, यहोवा ने जो तुम को विश्राम का दिन दिया है, इसी कारण वह छठवें दिन को दो दिन का भोजन तुम्हें देता है; इसलिये तुम अपने अपने यहाँ बैठे रहना, सातवें दिन कोई अपने स्थान से बाहर न जाना।" अत: लोगों ने सातवें दिन विश्राम किया।

— निर्गमन 16:21-30 (मन्ना)

यह शस्त्रभाग उस मन्ना के बारे में बात कर रहा है जो लोगों को खिलाने के लिए हर दिन स्वर्ग से गिराया जाता था और यहाँ विशेष रूप से यह कहा गया है कि सातवें दिन, अर्थात सब्त के दिन वह दिखाई नहीं देता था। वे इस मन्ना को दूसरे दिन के लिए बचाकर नहीं रख सकते थे, क्योंकि यह बहुत जल्दी सड़ जाता था। केवल छठे दिन ही वे उसे दूसरे दिन के लिए इकट्ठा कर सकते थे जो बिना खराब हुए रात भर रह सकता था। मन्ना हर दिन बहुत जल्दी क्यों खराब हो जाता था, इसके बारे में एक दिलचस्प बात **व्यवस्थाविवरण 8:16** में दिखाई देती है।

और तुझे जंगल में मन्ना खिलाया, जिसे तुम्हारे पुरखा जानते भी न थे, इसलिये कि वह तुझे नम्र बनाए, और तेरी परीक्षा करके अन्त में तेरा भला ही करे।

परमेश्वर इस्राएल राष्ट्र को प्रशिक्षण दे रहा था कि वह प्रतिदिन अपने भोजन के लिए उसकी ओर देखे, इतना ही केवल नहीं, लेकिन उनके जीवन की हर चीज के लिए भी। परमेश्वर

जानता था कि उनकी आवश्यकताएँ केवल भोजन से अधिक बढ़ती जा रही थी; वे जल्द ही ऊँची शहरपनाह वाले नगरों और उनमे रहने वाले बलवान लोगों का सामना करेंगे। और उस स्थिति में उनका उस पर दृढ़ भरोसा और विश्वास ही उनके लिए जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर होगा।

आइए **निर्गमन 16:29** को फिरसे देखें। यहाँ, आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि छठे दिन दिए गए मन्ना के दुगने भाग के कारण ही सब्त का विश्राम उनके लिए संभव था।

> *देखो, यहोवा ने जो तुम को विश्राम का दिन दिया है, इसी कारण वह छठवें दिन को दो दिन का भोजन तुम्हें देता है; इसलिये तुम अपने अपने यहाँ बैठे रहना, सातवें दिन कोई अपने स्थान से बाहर न जाना।"*

क्या आप इस बात को समझ पा रहें है? सब्त का विश्राम केवल दोहरे भाग के प्राप्त होने के कारण संभव हुआ था। यह इतना महत्वपूर्ण है कि मैं आपसे कहता हूँ की आप इसे अपने लिए लिख लें।

दोहरे हिस्से के बिना सब्त का विश्राम असंभव है!

मै इसे अलग तरीके से आपको बताना चाहता हूँ। जब तक आपके पास पर्याप्त से अधिक नहीं होगा, तब तक आपको पृथ्वी श्राप प्रणाली के दौड़ने और पसीना बहाने से आराम नहीं मिलेगा। जैसा कि ड्रेंडा और मैं हर जगह लोगों से कहते हैं, "जब तक आप पैसे की समस्या को ठीक नहीं करते हैं, तब तक आपको अपना भवितव्य दिखाई नहीं देगा!" क्यों? क्योंकि जब तक आपके पास पर्याप्त से अधिक नहीं होगा, तब तक आपके पास जीवन भर जीवित रहने के लिए गुलामी का जीवन जीने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

याद करें हमने इस पुस्तक के शुरुआती अध्याय में व्यवस्थाविवरण 28:11-13 से इब्राहीम की आशीष के लाभों को पढ़ा। वहाँ हमने स्पष्ट रूप से देखा कि केवल जीवित रहने के लिए जीवन जीना आपका भवितव्य नहीं है! अगर आप भूल गए हैं, तो आइए एक बार फिर इसकी समीक्षा करें।

और जिस देश के विषय यहोवा ने तेरे पूर्वजों से शपथ खाकर तुझे देने को कहा था, उसमें वह तेरी सन्तान की, और भूमि की उपज की, और पशुओं की बढ़ती करके तेरी भलाई करेगा। यहोवा तेरे लिये अपने आकाशरूपी उत्तम भण्डार को खोलकर तेरी भूमि पर समय पर मेंह बरसाया करेगा, और तेरे सारे कामों पर आशीष देगा; और तू बहुतेरी जातियों को उधार देगा, परन्तु किसी से तुझे उधार लेना न पड़ेगा। और यहोवा तुझ को पूँछ नहीं, किन्तु सिर ही ठहराएगा, और तू नीचे नहीं, परन्तु ऊपर ही रहेगा; यदि परमेश्वर यहोवा की आज्ञाएँ जो मैं आज तुझ को सुनाता हूँ, तू उनके मानने में मन लगाकर चौकसी करे

— व्यवस्थाविवरण 28:11-13

गरीबी, जीने के लिए जीवित रहना और दिवालियापन आपकी नियति नहीं है। आपको ऋणदाता बनना है न कि ऋणी, सिर बनना है पूंछ नहीं! यह बहुतायत ही है जो परमेश्वर के राज्य का प्रतिक है। यह सब्त का विश्राम है, पर्याप्त से अधिक, दुगना भाग!

मुझे पता है कि आप क्या सोच रहे हैं, "वाह, यह तो सचमे बहुत अच्छा होगा, गैरी, लेकिन मेरा जीवन तो अभी किसी भी प्रकार से ऐसा नहीं दिखता है।" ठीक है, कोई बात नहीं। हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना हैं, लेकिन हमें आगे की ओर देखकर परमेश्वर क्या कहता है और राज्य की हमारे लिए क्या अपेक्षाएं और योजनाएं हैं यह देखना है। हमारा जीवन वास्तव में कैसा होना चाहिए, इसकी उचित तस्वीर के बिना, हम पृथ्वी अभिशाप प्रणाली की चाल और जाल और विकृत सोच के शिकार हो जाएंगे। अपनी परिस्थितियों के साथ नहीं परन्तु, परमेश्वर जो कहता है उसके साथ बने रहना यही विश्वास है।

इससे पहले कि मैं आपके साथ साझा करूं कि कैसे परमेश्वर ने ड्रेन्डा और मुझे दोहरे भाग के बारे में सिखाया, मैं आपके साथ एक कहानी साझा करना चाहता हूं जो मुझे विश्वास है कि नए नियम में दोहरे भाग की सबसे बड़ी कहानी है।

अपनी परिस्थितियों के साथ नहीं परन्तु, परमेश्वर जो कहता है उसके साथ बने रहना यही विश्वास है।

जो कहानी मैं आपके साथ साझा करना चाहता हूं वह आप पहले भी कई बार सुन चुके हैं, लेकिन इसे अपने शायद दोहरे हिस्से के संदर्भ में या अब आपके

पास राज्य की जो समझ है उस दृष्टिकोण से नहीं समझा है। हम लूका 15 में उड़ाऊ पुत्र की कहानी देखते हैं। मेरे साथ यहाँ बने रहें। मुझे पता है कि आपने इसे पहले पढ़ा है, लेकिन आइए इसे एक नए दृष्टिकोण के साथ देखें।

फिर उसने कहा, "किसी मनुष्य के दो पुत्र थे। उनमें से छोटे ने पिता से कहा, 'हे पिता, सम्पत्ति में से जो भाग मेरा हो वह मुझे दे दीजिए।' उसने उनको अपनी सम्पत्ति बाँट दी। बहुत दिन न बीते थे कि छोटा पुत्र सब कुछ इकट्ठा करके दूर देश को चला गया, और वहाँ कुकर्म में अपनी सम्पत्ति उड़ा दी। जब वह सब कुछ खर्च कर चुका, तो उस देश में बड़ा अकाल पड़ा, और वह कंगाल हो गया। इसलिये वह उस देश के निवासियों में से एक के यहाँ जा पड़ा। उस ने उसे अपने खेतों में सूअर चराने के लिये भेजा। और वह चाहता था कि उन फलियों से जिन्हें सूअर खाते थे, अपना पेट भरे; और उसे कोई कुछ नहीं देता था। जब वह अपने आपे में आया तब कहने लगा, 'मेरे पिता के कितने ही मजदूरों को भोजन से अधिक रोटी मिलती है, और मैं यहाँ भूखा मर रहा हूँ। मैं अब उठकर अपने पिता के पास जाऊँगा और उससे कहूँगा कि पिता जी, मैं ने स्वर्ग के विरोध में और तेरी दृष्टि में पाप किया है। अब इस योग्य नहीं रहा कि तेरा पुत्र कहलाऊँ, मुझे अपने एक मजदूर के समान रख ले।'

"तब वह उठकर, अपने पिता के पास चला : वह अभी दूर ही था कि उसके पिता ने उसे देखकर तरस खाया, और दौड़कर उसे गले लगाया, और बहुत चूमा। पुत्र ने उससे कहा, 'पिता जी, मैं ने स्वर्ग के विरोध में और तेरी दृष्टि में पाप किया है; और अब इस योग्य नहीं रहा कि तेरा पुत्र कहलाऊँ।' परन्तु पिता ने अपने दासों से कहा, 'झट अच्छे से अच्छा वस्त्र निकालकर उसे पहिनाओ, और उसके हाथ में अँगूठी, और पाँवों में जूतियाँ पहिनाओ, और पला हुआ पशु लाकर मारो ताकि हम खाएँ और आनन्द मनाएँ। क्योंकि मेरा यह पुत्र मर गया था, फिर जी गया है : खो गया था, अब मिल गया है।' और वे आनन्द करने लगे।

"परन्तु उसका जेठा पुत्र खेत में था। जब वह आते हुए घर के निकट पहुँचा, तो उसने गाने–बजाने और नाचने का शब्द सुना। अत: उसने एक दास को बुलाकर पूछा,

'यह क्या हो रहा है?' उसने उससे कहा, 'तेरा भाई आया है, और तेरे पिता ने पला हुआ पशु कटवाया है, इसलिये कि उसे भला चँगा पाया है।'

यह सुनकर वह क्रोध से भर गया और भीतर जाना न चाहा, परन्तु उसका पिता बाहर आकर उसे मनाने लगा। उसने पिता को उत्तर दिया, 'देख, मैं इतने वर्ष से तेरी सेवा कर रहा हूँ और कभी भी तेरी आज्ञा नहीं टाली, तौभी तू ने मुझे कभी एक बकरी का बच्चा भी न दिया कि मैं अपने मित्रों के साथ आनन्द करता। परन्तु जब तेरा यह पुत्र, जिसने तेरी सम्पत्ति वेश्याओं में उड़ा दी है, आया, तो उसके लिये तू ने पला हुआ पशु कटवाया।' उसने उससे कहा, 'पुत्र, तू सर्वदा मेरे साथ है; और जो कुछ मेरा है वह सब तेरा ही है। परन्तु अब आनन्द करना और मगन होना चाहिए क्योंकि यह तेरा भाई मर गया था, फिर जी गया है; खो गया था, अब मिल गया है'।"

— लूका रचित सुसमाचार 15:11-32

इस कहानी में हम देखते हैं कि छोटा बेटा अपने हिस्से की जायदाद लेकर घर छोड़ देता है। यह कहानी का एक महत्वपूर्ण भाग है क्योंकि यह उसकी विरासत के हिस्से का ज़िक्र कर रहा है। इस बात पर ध्यान दो कि इस छोटे बेटे को पहले ही उसकी विरासत का हिस्सा मिल चुका है; अब वह संपत्ति पर और कोई दावा नहीं कर सकता।

उनमें से छोटे ने पिता से कहा, 'हे पिता, सम्पत्ति में से जो भाग मेरा हो वह मुझे दे दीजिए।' उसने उनको अपनी सम्पत्ति बाँट दी।

इसके बाद, कहानी हमें बताती है कि यह जवान बेटा कहाँ गया: एक दूर देश में। यह महत्वपूर्ण है कि आप यह समझें कि उस जवान पुत्र ने अपने पिता का घर छोड़ दिया, जिसका अर्थ है कि वह अपने प्रावधान, अपनी सुरक्षा और अपने पिता का घर जिस देश में था, उस देश के कानूनों को पीछे छोड़ गया। वह एक दूर के देश में गया, जहां अलग कानून और अलग जीवन शैली थी। मुझे यकीन है कि इस जवान बेटे को वास्तव में पता नहीं था कि वह क्या कर रहा है। उसने

अपने पिता के घर में रहते हुए पुत्र होने का लाभ उठाया। उसके पिता के पास जो कुछ था, वह सब उसे तब उपलब्ध था जब वह वहाँ रह रहा था। लेकिन किसी कारण से, उसे लगा

कि उसके जीवन में कुछ कमी है, उसे उन अच्छी बातों से वंचित रखा जा रहा है जो उसे कही और जाकर मिल सकती है।

यदि आपने पहले कभी इस बात को समझा नहीं होगा, तो अब इस बात की ओर ध्यान दें, वास्तव में, यीशु हमें यहाँ पर मानव जाति की कहानी, आदम की कहानी बता रहा हैं। कहानी में आदम यही छोटा बेटा है जिसने अपने पिता का घर छोड़ दिया। आदम ही वह व्यक्ति था जिसने सोचा कि उसके पास परमेश्वर, अपने पिता की सेवा करते रहने के अलावा कहीं और एक बेहतर भविष्य है। मुझे पता है कि आप क्या सोच रहे हैं, "ठीक है, अगर आदम छोटा बेटा है, तो कहानी में बड़ा बेटा कौन है?" मैं उस प्रश्न को इस चर्चा के अंत में संबोधित करूंगा, लेकिन अभी के लिए, बस इतना याद रखें कि आदम छोटा बेटा है जो घर छोड़ कर चला गया।

हालाँकि उनके पास सब कुछ था, आदम और हव्वा धोखे में आ गएँ, और उन्हें विश्वास हो गया कि उनके पिता के घर में रहने के अलावा बाहर और भी अधिक कुछ है। जब आदम ने अपने पिता के घर के खिलाफ विद्रोह किया और उसे छोड़ने का फैसला किया, तो वह एक नई सरकार की आधीनता में आ गया, जो संचालन के नए कानूनों के साथ एक नया राज्य था। बाइबल इसे अंधकार का राज्य कहती है, जिस पर शैतान शासन करता है। मुझे यकीन है कि आदम इस नए साम्राज्य की गरीबी और निराशा को देखकर आश्चर्यचकित हो गया। पहले तो सब कुछ बढ़िया लग रहा था। जब तक उसके पास पैसा था तब तक जश्न था, उसके लिए यह सिर्फ एक बड़ी पार्टी बड़ा जश्न था! लेकिन जब तक उसे एहसास हुआ कि उसने गलती की है, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। फिर, उसकी विरासत बर्बाद होने के साथ, उसने देखा की वो खो गया है। उसका दिमाग, जो कभी अच्छी और फलदाई बातों से भरा होता था, अब केवल जीवित रहने के लिए काम करते रहने पर केंद्रित हो गया। कल के बारे में सोचने का समय नहीं था। केवल आज, आज और आज के लिए जीना, और आज कभी कल का अभिवचन नहीं देता है।

बहुत दिन न बीते थे कि छोटा पुत्र सब कुछ इकट्ठा करके दूर देश को चला गया, और वहाँ कुकर्म में अपनी सम्पत्ति उड़ा दी।

छोटा बेटा अब अपने आप को एक ऐसे राज्य में पाता है जो पूरी तरह से दिवालिया है, एक ऐसा राज्य जो हमेशा गंभीर अकाल की स्थिति में होता है। यह बेटा जो देख रहा है - लोग भूख

से मर रहे हैं, उसे समझने की कोशिश कर रहा है। बहुतायत और समृद्ध घर से आने के बाद, उसका दिमाग में यह सोचने में कठिनाई महसूस कर रहा है कि वह जो देख रहा है वह क्या है। लेकिन उसके पेट में भूख का दर्द उसे समझा देता है कि वह जो देख रहा है वह वास्तविक है। जीवित रहने के लिए, अब वह खुद को सड़कों पर भीख मांगने के लिए मजबूर करता है। अंधकार के इस राज्य में, पृथ्वी केवल काँटे और ऊँटकटारे पैदा करती है, और इसके उत्पादन के लिए, दर्दनाक परिश्रम और पसीना बहाया जाना आवश्यक है। बहुत जरूरत में होने के कारण, बेटा किसी से उसकी मदद करने की याचना करता है। लेकिन वहाँ तो सब एक ही नाव में हैं। कोई भी उसे अधिक देने वाला नहीं है क्योंकि वे सभी उसी भयंकर अकाल का अनुभव कर रहे हैं जो वह खुद भी कर रहा था।

छोटे बेटे के जीवन में अब एक निर्णायक क्षण आ गया है, एक बदलाव जिसने आपको और मुझे और पूरी मानव जाति को प्रभावित किया है। अपने जीवन के अस्तित्व में पहली बार, यह छोटा बेटा भीख माँगता है की उसे एक नौकर के रूप में रखा जाएँ, ताकि वह शारीरिक परिश्रम कर सकें, और उस काम के लिए उसे वेतन दिया जाएँ। यह उसकी असली पहचान और वह वास्तव में जो है, उसका पूरी तरह से विकृत रूप है। वह अब सम्मानित, धनी और बहुतही प्रतिष्ठित व्यक्ति का बेटा नहीं है, अब वह केवल एक चौकीदार, या कसाई, या अचल संपत्ति एजेंट, या डाकिया है, और यह सूची और लंबी हो सकती है। अब उसकी पहचान उसके काम के अनुसार है, न कि वास्तव में वह कौन है! उसने अपनी पहचान खो दी है! अपनी पहचान को खो देना ही काफ़ी नहीं था कि वह और भी अधिक गिर गया, यीशु कहता हैं कि वह इतना हताश हो गया कि उसने सुअरों को खिलाने का काम शुरू कर दिया। सूअरों को यहूदियों के लिए अशुद्ध माना जाता है, और यीशु भीड़ से कहता हैं कि यह जवान बेटा अब इतना हताश हो गया है कि वह अपने जीवन का कभी कोई जो उद्देश्य था उसे भी खो बैठा है। वह अब शर्म और अपमान का जीवन जी रहा है। जिस सम्पन्नता का उसने कभी जीवन में आनंद लिया था, वह अब उसके लिए केवल याद है।

जब वह सब कुछ खर्च कर चुका, तो उस देश में बड़ा अकाल पड़ा, और वह कंगाल हो गया। इसलिये वह उस देश के निवासियों में से एक के यहाँ जा पड़ा। उस ने

उसे अपने खेतों में सूअर चराने के लिये भेजा। और वह चाहता था कि उन फलियों से जिन्हें सूअर खाते थे, अपना पेट भरे; और उसे कोई कुछ नहीं देता था।

मुझे आशा है कि आप इस कहानी और आज की मानव जाति के बीच समानता देख रहे हैं। जब दो लोग आपस में मिलते हैं तब उनका संभाषण क्या होता हैं? "आप जीविका के लिए क्या करते हैं?" या "आप कहाँ काम करते हैं?" या "आप क्या करते हैं?" जब आप किसी से पूछते हैं कि वे कौन हैं, तो आमतौर पर वे आपको यही बताएंगे कि वे क्या काम करते हैं। क्यों? क्योंकि पृथ्वी श्राप प्रणाली में, हम सभी ने अपनी पहचान खो दी है, और हम उस पहचान को खोजने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। जो हमारा ध्यान आकर्षित करता है और हमें लगता है की वह महत्वपूर्ण है ऐसे किसी की भी हम नकल करते हैं । यह सब आदम के अपने पिता का घर छोड़ने के निर्णय के कारण हुआ है। अपनी केवल जीवित रहने के लिए जीना है इस मानसिकता में, हमने यह दृष्टि खो दी है कि हम वास्तव में कौन हैं। लेकिन हौसला रखिए, हमारी कहानी में यह जवान बेटा सूअर के बाड़े में ही नहीं रहा; और जैसे हम कहानी को आगे देखते हैं, तब मुझे आशा है कि आपको पता चलेगा कि आपको भी वहाँ रहने की आवश्यकता नहीं है।

बाइबल कहती है कि एक दिन यह जवान बेटा अपने होश में आता है और अपने पिता के घर को याद करता है जहाँ नौकरों के पास भी जितना वो खा सकते है उससे कही ज्यादा है। मैं कल्पना कर सकता हूं कि वो भूख से व्याकुल है और उस सारे उत्तम पदार्थों को याद करता होगा जिनका आनंद वह कभी अपने पिता के घर में लिया करता था। मेरे चाचा हेरोल्ड, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बी-17 पर एक रेडियो नेविगेटर थे। वे कृषी समुदाय से थे और एक कृषी परिवार में उनका जन्म हुआ था। हर रविवार, उनकी माँ उनके लिए तला हुआ चिकन, मैश किए हुए आलू, घर की बनी रोटी, हरी बीन्स, और कई अन्य स्वादिष्ट सब्जियों का एक बड़ा भोजन परोसती थी। और मीठे में हमेशा घर का बना पाई या केक होता था। मैं खुद भी जानता हूं कि वह भोजन कितना बढ़िया होता था, क्योंकि उनकी मां मेरी दादी थीं।

युद्ध के दौरान मेरे चाचा के विमान को जर्मनी के ऊपर मार गिराया गया, और उन्हें कई महीने जर्मन की जेल में बिताने पड़े। खाना लगभग ना के बराबर मिलता था। एक दिन, मैंने अपने चाचा से पूछा कि वह उन दिनों में कैसे जीवित रहे, और उन्होंने मुझे बताया कि वह

केवल अपनी माँ के तले हुए चिकन और मैश किए हुए आलू घर कब पहुँचेंगे इसके बारे में सोचकर जीवित थे। मुझे यकीन है कि इस छोटे बेटे का भी ऐसा ही अनुभव था और उसे एहसास हुआ कि वह अपने जीवन में क्या खो रहा है। लेकिन अब वह संपत्ति पर कोई और दावा नहीं कर सकता था, क्योंकि उसके पिता की संपत्ति से उसका हिस्सा उसे पहले से ही मिल चुका था। तो उसने एक योजना के बारे में सोचा। उसने सोचा कि वह लौटकर अपने घर वापिस जाएगा और अपने पिता से उसे अपने घर में नौकर के रूप में रखने की बिनती करेगा। उसकी सोच के अनुसार अपने घर में नौकर के रूप में काम करना, यही एकमात्र विकल्प था।

> *जब वह अपने आपे में आया तब कहने लगा, 'मेरे पिता के कितने ही मजदूरों को भोजन से अधिक रोटी मिलती है, और मैं यहाँ भूखा मर रहा हूँ। मैं अब उठकर अपने पिता के पास जाऊँगा और उससे कहूँगा कि पिता जी, मैं ने स्वर्ग के विरोध में और तेरी दृष्टि में पाप किया है। अब इस योग्य नहीं रहा कि तेरा पुत्र कहलाऊँ, मुझे अपने एक मजदूर के समान रख ले। "तब वह उठकर, अपने पिता के पास चला*

इसलिए वह अपनी इस योजना के अनुसार घर वापस चला जाता है ताकि वह अपने पिता से उसके लिए सोने की एक थोडीसी जगह और खाने के लिए कुछ भोजन के बदले नौकर के रूप में कुछ काम देने की बिनती कर सकें। लेकिन बाइबल में इस कहानी का एक आश्चर्यजनक अंत दिखाया गया है। जैसे ही वह अपने घर के पास आता है, उसके पिता उसे दूर से देखते हैं और उससे मिलने और उसे गले लगाने के लिए दौड़कर उसके पास जाते हैं। बेटे को गले लगाने की इस घटना के बाद से, इस कहानी को पिता के प्रेम की कहानी कहा जाना चाहिए, क्योंकि उस पिता ने अपने बेटे को सूअर के गंद में लिपटे होने के बावजूद गले लगाया। यीशु के यहूदी श्रोता जानते थे कि पिता के इस प्रकार सूअर की गंद में लिपटे बेटे को गले लगाने से वह पिता आध्यात्मिक रूप से, धर्म के नियमों के अनुसार अशुद्ध हो गया है। परन्तु यह पिता अपने पुत्र की ओर से स्वेच्छा से अशुद्ध हो गया। इसके वह सबसे अच्छा वस्त्र लाने की आज्ञा देता है और अपने बेटे के शरीर पर गंदगी को ढाँकने के लिए उसे वह वस्त्र पहना देता है। फिर यह पिता अपने स्वयं के अधिकार का प्रतिनिधित्व करने वाली मुहर की अंगूठी लाकर उसे अपने बेटे की उंगली में पहना देता है। वह उसे पहनने के लिए जूते देता है, जिसका अर्थ है

कि अब उसकी फिर से पूरी संपत्ति तक पहुंच है। लेकिन यह आखिरी वस्तु है जो उसके पिता उसे देते हैं जिससे बड़ा बेटा क्रोधित हो जाता है। पिता सबसे हृष्टपुष्ट बछड़े को मारकर बेटे की वापसी की ख़ुशी में सबके लिए बड़ा भोज तैयार करके परोसने के लिए कहते है। इस छोटे बेटे ने सबकुछ गलत किया था, फिर भी उसे बेटे के रूप में सबके सामने और बिना किसी बंधन के सम्मानित किया जाता है, और घर में उसे एक बेटे का जो उसका पहले दर्जा था वो फिरसे बहाल किया जाता है।

ठीक है, लेकिन इस सब का दोहरे हिस्से से क्या लेना-देना है? पूरी तरह से है। यीशु ने इस छोटे बेटे के घर छोड़कर जाने और लौटकर वापिस आने की एक कहानी का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि उसे सुननेवाले उसके यहूदी श्रोता, अपनी संस्कृती में समझ पाएं कि इस कहानी का क्या मतलब है, और आप भी समझ लें कि इसके द्वारा मै आपको क्या बताना चाह रहा हूँ। यहूदी संस्कृति में, ज्येष्ठ पुत्र को क़ानूनी तौर पर सम्पत्ती का दुगुना भाग अपने आप ही प्राप्त होता था। अगर आप ध्यान से देखेंगे तो, इस कहानी में बड़ा बेटा घर छोड़ कर नहीं गया है, लेकिन छोटा बेटा गया और लौट आया। आपको यह भी याद होगा कि जब वह चला गया, तो वह संपत्ति का अपना कानूनी हिस्सा, अपने साथ ले गया। अब वह पिता की किसी भी संपत्ति या अन्य किसी भी चीज़ पर कोई दावा नहीं कर सकता था। लेकिन जब यह छोटा बेटा वापस आया और पिता ने उसे बेटा होने का अधिकार फिरसे बहाल कर दिया और विशेष रूप से, उसकी वापसी का जश्न मनाने के लिए एक मोटा हृष्टपुष्ट बछड़ा दिया, तो बड़ा बेटा क्रोधित हो गया। बड़े बेटे की सोच के अनुसार, वह बछड़ा उस का था क्योंकि वह उसके हिस्से की संपत्ती का हिस्सा था।

तो यहाँ एक मुद्दे की बात है। हालाँकि छोटे भाई को संपत्ति का अपना हिस्सा पहले ही मिल चुका था, फिर भी उसे उसका बेटा होने का अधिकार फिर से बहाल कर दिया गया था इसलिए अब वह दूसरे हिस्से का आनंद ले रहा था। इसका मतलब यह है कि उसे वास्तव में संपत्ति का दोगुना हिस्सा मिला है। बड़े भाई के दृष्टिकोण से, यह उचित नहीं था और गुस्से में वह अपने पिता से ऐसा कहता है। वह दावा करता है कि वह इतने वर्षों से उनके लिए श्रम करने के प्रति वफादार रहा है और इस छोटे भाई ने परिवार को बदनाम करने के अलावा कुछ नहीं किया है। फिर उसे दुगना हिस्सा क्यों मिलना चाहिए?

तो क्या यह उचित था? दर्दनाक परिश्रम और पसीना बहाने की पृथ्वी अभिशाप प्रणाली के दृष्टिकोण से, हम सभी कहेंगे कि यह उचित नहीं था। हम शायद उस बड़े बेटे का साथ देंगे जिसने ईमानदारी से मेहनत की थी और उसने अपने पिता के लिए जो किया उसके आधार पर अन्याय का दावा कर रहा था।

लेकिन हम किस आधार पर न्याय करते हैं कि क्या उचित है और क्या नहीं है? क्या न्याय करना, और अपना अनुग्रह किसके लिए दिखाना है इसका निर्णय लेना पिता का काम नहीं है? जिस पृथ्वी श्राप प्रणाली प्रशिक्षण हम सभी प्रशिक्षित हुए है, हम यही सोचेंगे कि यदि पिता छोटे बेटे को संपत्ति का एक और हिस्सा देता है, तो बड़े बेटे को जो उससे कम हिस्सा मिला है उसी में संतुष्ट रहना पड़ेगा। पर यह स्थिति नहीं है। बाप इतना धनवान है कि नौकरों के पास भी जरूरत से ज़्यादा है, तो बेटों के लिए उसके पास और कितना अधिक होगा।

शैतान नहीं चाहता कि आप जानें कि हमारा परमेश्वर कितना महान है या आप वास्तव में कौन हैं। वह शुरू से ही हमारे पिता के बारे में झूठ फैला रहा है। बीमा पॉलिसियों का दावा है कि जब आपदाएं आती हैं तो वे परमेश्वर का कार्य होती हैं। धार्मिक संगठनों का दावा है कि लोग जब अपने आप को गरीब कहलाते और उसी स्थिति में रहते है तो परमेश्वर प्रसन्न होता हैं। लोग दावा करते हैं कि परमेश्वर अच्छे लोगों के साथ बुरा काम करता है। शैतान चाहता है कि आप इस बात से अंधे और अनजान रहें कि आप कौन हैं और आपका पिता कितना महान है, ताकि आप अपने होश में आकर पुरे हृदय से पश्चाताप करके उसके पास लौट ना आएं। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि जब आप परमेश्वर की ओर फिरेंगे, तो आपका भी उसी प्रकार स्वागत किया जाएगा, जिस प्रकार पिता ने अपने इस छोटे बेटे का किया था।

आप पूछेंगे कि "बड़ा बेटा कौन है?", आइए देखें कि क्या हम इसके बारे में वचन में क्या देखते हैं।

> *"परन्तु उसका जेठा पुत्र खेत में था। जब वह आते हुए घर के निकट पहुँचा, तो उसने गाने–बजाने और नाचने का शब्द सुना। अत: उसने एक दास को बुलाकर पूछा, 'यह क्या हो रहा है?' उसने उससे कहा, 'तेरा भाई आया है, और तेरे पिता ने पला हुआ पशु कटवाया है, इसलिये कि उसे भला चँगा पाया है।' यह सुनकर वह क्रोध से भर गया*

और भीतर जाना न चाहा, परन्तु उसका पिता बाहर आकर उसे मनाने लगा। उसने पिता को उत्तर दिया, 'देख, मैं इतने वर्ष से तेरी सेवा कर रहा हूँ और कभी भी तेरी आज्ञा नहीं टाली, तौभी तू ने मुझे कभी एक बकरी का बच्चा भी न दिया कि मैं अपने मित्रों के साथ आनन्द करता। परन्तु जब तेरा यह पुत्र, जिसने तेरी सम्पत्ति वेश्याओं में उड़ा दी है, आया, तो उसके लिये तू ने पला हुआ पशु कटवाया।' उसने उससे कहा, 'पुत्र, तू सर्वदा मेरे साथ है; और जो कुछ मेरा है वह सब तेरा ही है। परन्तु अब आनन्द करना और मगन होना चाहिए क्योंकि यह तेरा भाई मर गया था, फिर जी गया है; खो गया था, अब मिल गया है'।"

बड़े बेटे का कहना है कि इतने सालों में वह अपने पिता की गुलामी करता रहा है, लेकिन उस पूरे समय में उसके पिता ने एक बार भी उसे अपने दोस्तों के साथ जश्न मनाने के लिए एक बकरी का बच्चा भी नहीं दिया। वो यहाँ पर जो कह रहा है उसे मै आपको ठीक तरीके से समझाना चाहता हूँ। "पिताजी, आप योग्य न्याय नहीं कर रहे हैं!" लेकिन गौर कीजिए कि बदले में पिता क्या कहता हैं। "तुम हमेशा मेरे साथ हो, और **मेरे पास जो कुछ भी है** वह तुम्हारा है।" विराम!!!!

शैतान नहीं चाहता कि आप जानें कि हमारा परमेश्वर कितना महान है या आप वास्तव में कौन हैं।

अब, क्या आपको समझ आ गया कि बड़ा बेटा कौन है? बड़ा बेटा वास्तव में अपने पिता की भलाई और बहुतायत का आनंद लेने के बजाय आत्म-धार्मिकता या मै बहुत धार्मिक हूँ इस गलत धारणा में रहकर अपने पिता की गुलामी करने में व्यस्त है। पिता का जो कुछ भी है, वह सब वास्तव में उसका ही है।

आप सही समझ रहे हैं, बड़ा बेटा पहली वाचा की व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है। पहला बेटा अपने पिता के घर का लाभ कभी नहीं उठा सका क्योंकि वह अपने पिता की स्वीकृति पाने के लिए काम में बहुत व्यस्त था। हालाँकि बड़े बेटे को दोहरे हिस्से का अधिकार था, लेकिन केवल छोटे बेटे ने ही वास्तव में इसका आनंद लिया।

आप वो छोटे बेटे हो!

आपके पास दोहरा भाग है। आप वह पुत्र हैं जिसे, आप जो करते हैं उसके आधार पर प्राप्त नहीं होता है बल्कि इस आधार पर प्राप्त होता है कि आप मसीह में कौन हैं - अर्थात परमेश्वर का वो पुत्र या पुत्री, उस विरासत का आनंद लेते है जिसके लिए आपको काम नहीं करना पड़ा बल्कि अपने पिता से मुफ्त में प्राप्त हुआ है।

अध्याय 9

पर्याप्त से अधिक!

मैं समझता हूं कि आपको इस अध्याय का शीर्षक कुछ अटपटा लग रहा होगा, लेकिन यह वह बात है जिसकी ओर आप बढ़ रहे हैं, पर्याप्त से अधिक। इसलिए नहीं कि मैं आपको पैसा बनाने की नवीनतम, सबसे लोकप्रिय नायाब योजना दिखा रहा हूँ, बल्कि इसलिए कि परमेश्वर की संतान के रूप में यह आपका कानूनी अधिकार है कि आप अपने पिता के घर की बहुतायत और समृद्धि का आनंद लें। आप अपने आप को इस समय जहाँ देख रहे है उस स्थान पर, दोहरे हिस्से की कल्पना, पर्याप्त से अधिक होना, इसकी कल्पना करना असंभव लग सकता है। लेकिन यहीं से आपको अपनी आज़ादी की यात्रा अपनी सोच में शुरू करने की आवश्यकता है। जब तक आपके विचार परमेश्वर के वचन से सहमत नहीं होंगे, आप कभी भी उसके लाभों का आनंद नहीं उठा पाएंगे। इसलिए जो कुछ आप अपने चारों ओर देखते हैं, उससे अपनी आंखें उठाएं और उस पर लगाएं जो परमेश्वर कहता है कि वह सब उसके राज्य में आपका है। परमेश्वर जो कह रहा है उस पर बहस करना बंद करें क्योंकि आप इसे अपने जीवन में अभी नहीं देख पा रहें हैं। इसके बजाय, परमेश्वर के वचन के आधार पर अपनी परिस्थितियों के साथ बहस करना शुरू करें, यह विश्वास करते हुए कि परमेश्वर जो कहता है कि आपका है वह वास्तव में आपका हो जाएँ। मैं आपके जैसा ही एक

आप अपने आप को इस समय जहाँ देख रहे है उस स्थान पर, दोहरे हिस्से की कल्पना, पर्याप्त से अधिक होना, इसकी कल्पना करना असंभव लग सकता है। लेकिन यहीं से आपको अपनी आज़ादी की यात्रा अपनी सोच में शुरू करने की आवश्यकता है।

साधारण व्यक्ति हूँ, और मैने बस वही किया जो मैं आपको करने के लिए कह रहा हूँ। परमेश्वर जो कहता है उस पर विश्वास करें! परमेश्वर का वचन विफल नहीं हो सकता और यह वचन किसी भी परिस्थिति में परिवर्तन लाएगा। उदाहरण के लिए, यहाँ एक ईमेल है जो मुझे एक श्रोता से मिला है जिसे इन सब बातों के बारे में संदेह था, उसने यह सब केवल सुना था, या उसने उसके अनुसार किया था?

"मैं अपने 22 साल के संघर्ष को यहाँ यथासंभव कम वाक्यों में बताने की कोशिश करने जा रही हूं। मैं और मेरे पति दोनों मसीही परिवारों में पले-बढ़े और नियमित रूप से चर्च जाते थे। हम यूथ ग्रुप, संडे स्कूल वगैरह में भी शामिल हुआ करते थे। जब हमारी शादी हुई तो हमारा पहला साल आर्थिक रूप से अच्छा रहा... वो 22 साल पहले की बात है। तब से, "पैसा" हमारे जीवन में दर्द और संघर्ष का निरंतर कारण बना रहा, और मेरा विश्वास हमेशा डगमगाया हुआ ही रहता था क्योंकि मैं समझ नहीं पा रही थी कि पवित्र बाइबल में जो कहा गया है, और जो होना चाहिए, वह हमारे जीवन में क्यों नहीं हो रहा है। यदि परमेश्वर का वचन सनातन और अविनाशी है और वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है, तो वह हमें क्या देता है? या तो वह मृत था, झूठा था, या पागल था!

"तेजी से आगे बढ़ते हुए 28 जनवरी, 2013 में जाते है ... मैंने अपने पति से कहा, 'या तो परमेश्वर हमें प्रकट हों या मैं चली जाऊं।' ... मैं चर्च और परमेश्वर के के बारे में ऊब गई थी। जब मैं कुछ काम पुरे करने के लिए घर से निकली, तब मेरे पति ने आखिरकार पवित्र आत्मा उन्हें जो करने के लिए कह रहा था उस बात पर ध्यान दिया और हमारे एक प्रिय मित्र को बात करने के लिए घर पर बुलाया। उसकी बातें समाप्त होने के बाद, उसने कहा कि उसके पास सुनने के लिए कुछ है—गैरी कीसी। उसके जीवन में जो हुआ था, उसकी गवाही उसने मेरे पति के साथ साझा की। और, जब मैं घर पहुँची तब मेरे पति ने मुझे बताया कि हमारी उस मित्र ने उनसे क्या कहा था और कहा कि अगले दिन वे उस चीज़ को लेने के लिए जा रहे है, जो वो हमें सुनाना चाहती थी।

"मुझे नहीं पता कि क्या हुआ (क्योंकि मैंने सभी "आध्यात्मिक सामग्री" के बारे में पादरियों और शिक्षकों से बहुत बार और बहुत कुछ सुना था), लेकिन मैंने उसे फोन किया, और पूछा कि क्या वह उस शाम हम से मिल सकती है। बहुत बर्फीली रात थी, लेकिन मैं किसी तरह से

उसके घर पहुँच ही गई। जब मैं गाड़ी चला रही थी, तब मैंने परमेश्वर से कहा, 'इस बार मुझे जो मै ढूँढ रही हूँ वह मिलना ही चाहिए!'

"अगले दिन, हमने सुनना शुरू किया और हम दोनों पूरी तरह से अभिभूत हो गए। अब सब समझ में आने लगा। पवित्र बाइबल के वे सभी वचन: विश्वास, अपने अंगीकार पर दृढ़ता से टिके रहना। पहेली के सभी टुकड़े आखिरकार अपनी जगह पर आ गए थे। हमने कुछ साल पहले राज्य के बारे में सुना था, लेकिन किसी ने भी **प्रक्रिया** को पढ़ाने की ज़हमत नहीं उठाई थी ... '**वो वहाँ है!**' तक कैसे पहुंचा जाए यह नहीं बताया था, आपने बताया।

"तो, हमने जो सीखा उसपर तुरंत अमल किया ... हमारी गिरवी रखी हुई वस्तु को छुड़ाने के लिए पैसों की आवश्यकता थी। वह गुरुवार का दिन था, और मेरे पति ने मेरे माता-पिता के घर पर उनके कुछ छोटे-छोटे काम पूरे कर दिए थे... वे मुझसे पूछते रहे कि उन्हें मेरे पति को उस काम के बदले में कितने पैसे देने चाहिए (उन्हें पता था कि हमारी आर्थिक स्थिति कठिन थी)। मैंने उनसे कहा, 'जो कुछ उन्हें ठीक लगता है दे दें।' यह गिरवी रखी हुई वस्तु का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नहीं था ... **लेकिन** अभी भी केवल गुरुवार था।

"शुक्रवार को, हमने अपनी दोस्त से मिलने का समय निर्धारित किया था जिसने हमें सुनने के लिए सीडी दी थी। उस समय बहुत बड़ा बर्फीला तूफान आया था, लेकिन मेरे पति और मैं दोनों बैठकर उससे राज्य और उसके संचालन के बारे में बात करना चाहते थे।

"हमारे जाने से पहले, उसने हमारे लिए प्रार्थना की, और उसने हमें एक चेक दिया ... प्रभु ने हमारे जीवन में आर्थिक बीज बोने के लिए उसके हृदय को प्रेरित किया था। उसके इस प्रकार हमें चेक देने से हम बहुत प्रभावित हुए, और नम्र हो गए। फिर हमने चेक खोला ... यह गिरवी रखी वस्तु का भुगतान करने के लिए और अन्य छोटे बिलों का भुगतान करने के लिए **पर्याप्त था!**

"मैंने अपने पति से कहा कि इतने समय से मुझे जिस बात की खोज थी यह सब वही था! मैंने परमेश्वर की विश्वासयोग्यता को स्मरण रखने के लिए चेक की एक तस्वीर ली। हमारे जीवन में यह जो हो रहा था उसे देखकर शैतान खुश नहीं था, और उसने तुरंत (जी हाँ, बिलकुल तुरंत !!!!) हमारा बीज चुराने की कोशिश की। हमने निश्चय कर लिया था कि यही सच्चाई है, और हम अपने मुँह से ऐसा कुछ भी नहीं बोलेंगे जो हमारे भविष्य के लिए विनाशकारी है। शैतान अपने

प्रयत्नों में प्रबल था ... लेकिन हमने अपनी एड़ी को मज़बूती से गाढ़े रहें और अपनी ढाल को अपने सामने दृढ़ता से पकड़े रहें।

"(अब इससे पहले कि मैं आगे बढ़ूं, मै आपके लिए यह समझना आवश्यकता है कि मैं एक कठोर इतालवी स्त्री थी जो उन 'समृद्धि शिक्षाओं' से तंग आ चुकी थी जो मैंने अब तक सुनी थी ... और मेरे पति यह जानते थे।) सही मायने में चमत्कार यह था कि मैंने इस शिक्षा को पूरी तरह से समझ लिया और स्वीकार भी कर लिया था ... कभी-कभी मेरे पति मुझे देखते हैं और आश्चर्य करते हैं आखिर यह सब कैसे और क्या हुआ!

"हमने अपने विश्वास को मुक्त कर दिया और ऐसा विश्वास करते हुए अपना आर्थिक बीज बोया कि हमारी निर्माण कंपनी को तत्काल $150,000 का कॉन्ट्रैक्ट मिल पाएं ताकि हम सरकारी कर और उन बिलों का भुगतान कर पाएं जिनकी भुगतान तिथि निकल चुकी थी, और यह हमने बीज हमने 3/13 को बोया था। 5/13 अप्रैल को, हमें **एक दिन** में कुल $450,000 के दो अनुबंध प्राप्त हुए!!!!! यह जब से हमने राज्य के सिद्धांतों को लागू करना शुरू किया, और विश्वास का आर्थिक बीज बोने के केवल दो महीने बाद हुआ।

"हमने अपने बच्चों को भी इसमें शामिल किया और उन्होंने देखा 'यह वास्तव में हो रहा है।' अब उन्होंने भी उन सब चीज़ों की सूची बनाई जो वे चाहते थे कि उन्हें मिल जाएँ, और उसके लिए उन्होंने अपनी अपनी पिगी बैंक में से अपना विश्वास का आर्थिक बीज बोया। हमारे घर के हर कमरे में पवित्र बाइबल से अभिवचन दिवार पर लिखे हुए हैं, और हमारा पांच साल का बच्चा उनके पास जाता है और घोषणा करता है, 'मुझे विश्वास है कि मैंने इसे प्राप्त कर लिया है।'

"हम परमेश्वर के कितने आभारी हैं कि अब हमारे पास देने के लिए और अधिक पैसा है और इस लिए भी कि हम बहुत जल्द ऋण मुक्त होने वाले है, और जो काम हमें मिला है उसे पूरा करने के करीब हैं!

"पास्टर गैरी आपका भी धन्यवाद, मैंने आपको जो ईमेल भेजे थे उनका जवाब देने के लिए अपने समय निकाला। हम जानते हैं कि आप बहुत व्यस्त होते है, और अधिक समय निकालना आपके लिए मुश्किल होता है, लेकिन फिर भी आपने अपना कीमती समय दिया, इससे यही दिखाई देता है कि आप परमेश्वर के महान राज्य के इस अविश्वसनीय संदेश को कितनी तत्परता से साझा करना चाहते हैं।"

मुझे हर दिन इस तरह के ईमेल मिलते हैं। आप और मेरे जैसे लोगों को मसीह में वे कौन हैं इस सच्चाई का ज्ञान हो रहा है, वे यह भी सीख रहे हैं कि परमेश्वर का राज्य कैसे कार्य करता है, और उसके राज्य के लाभों का आनंद ले रहें है। तो क्या आप जानना चाहते है कि ड्रेन्डा और मैंने दोहरे हिस्से के सिद्धांत की खोज कैसे की? मैं आपको इसी अध्याय में इसके बारे में बताने जा रहा हूं और जानता हूं कि आपको हमारी कहानियां उत्साहजनक लगेंगी।

जब ड्रेन्डा और मैंने परमेश्वर के राज्य के नियमों और सिद्धांतों को सीखना शुरू किया, तब हमारे जीवन मौलिक रूप से बदल गए, जैसा कि मैंने आपको इस पुस्तक के पहले भाग में बताया कि, हमारा निर्वाह हररोज़ की कमाई पर होता था, मै पैनिक अटैक का शिकार था, एंटीडिप्रेसेंट के सहारे चल रहा था और जीवन के प्रावधान की समस्या को जूझते रहने के कारण जीवन के प्रति भयंकर निराशा थी। लेकिन जब हमने देखा कि बार बार कुछ अद्भुत हो जाता था जिसको देखकर हम रुककर आपस में कहते थे, "क्या आप देख रहें है? यह अद्भुत है!" हम निरन्तर परमेश्वर के राज्य को बाइबल के अनुसार कार्य करते हुए देखते थे, और फिर प्रश्न पूछते थे, "यह कैसे या क्यों हुआ? या "हमने किस सिद्धांत को यहाँ लागू कियाहै?" हालाँकि हम पर्याप्त से अधिक प्राप्त होने का आनंद ले रहे थे, लेकिन जो घटनाएं हमारे साथ हो रही थी, जिन्हे मै अभी आपको बताने जा रहा हूँ, उनमे हम उस समय दोहरे हिस्से को उतनी स्पष्ट रूप से नहीं देख पाए। हम दोहरे भाग का आनंद तो ले रहे थे, लेकिन, जब तक परमेश्वर ने हमारी समझ को नहीं बढ़ाया तब तक हम यह नहीं जानते थे कि जिसका आनंद हम ले रहें है उसे दोहरा भाग कहते हैं। इससे पहले कि मैं यह स्पष्ट करूँ कि कैसे परमेश्वर ने हमें दोहरे भाग को बेहतर तरीके से समझने में मदद की, मैं एक मिनट के लिए हमारे मुख्य शास्त्रभाग की फिर से समीक्षा करना चाहता हूँ। (कोष्ठक के शब्द मेरे नोट्स हैं, वास्तविक शास्त्रभाग का हिस्सा नहीं हैं।)

> *अत: जान लो कि परमेश्वर के लोगों के लिये सब्त का विश्राम बाकी है; क्योंकि जिसने उसके विश्राम [विश्वास] में प्रवेश किया है, उसने भी परमेश्वर के समान अपने कामों को [दर्दनाक परिश्रम, पसीना बहाना, और केवल जीवित रहने के लिए जीवित रहने की पृथ्वी श्राप प्रणाली] पूरा करके विश्राम किया है [क्योंकि उसका कार्य पूरा हो चुका था]।*
>
> — इब्रानियों 4:9-10

अब तक आप जान चुके हैं कि यह सब्त का विश्राम नए नियम के प्रत्येक मसीही विश्वासी के लिए एक प्रतिज्ञा है और यह केवल पुराने नियम की बात नहीं है। अब आप यह भी जानते हैं कि हमारे पास पर्याप्त से अधिक जब तक नहीं होता,या जैसा कि हमने निर्गमन 16 में देखा, दोहरा भाग हमें प्राप्त नहीं होता है, तब तक सब्त का विश्राम संभव नहीं है। कृपया दोहरे हिस्से में चलने का अर्थ यह ना समझे कि, जब भी कभी परमेश्वर आपको किसी परियोजना पर आगे बढ़ने के लिए कहता हैं तो आपके पास उस हर कार्य के लिए पहले ही से बड़ी मात्रा में पैसा उपलब्ध होगा।

मेरे जीवन में कई बार ऐसे समय आए है जब प्रभु यीशु ने मुझे किसी एक परियोजना पर आगे बढ़ने के लिए कहा लेकिन मेरे पास बैंक में पैसा नहीं था। मुझे बाद में एहसास हुआ कि परमेश्वर को इस बात से चिंता नहीं थी की मेरे पास पैसा है या नहीं क्योंकि वह जानता था कि पैसा कहां से आएगा। परन्तु उसने पैसा कहाँ से आएगा इस बात को पहले ही से मुझे प्रगट नहीं किया, कहीं ऐसा न हो कि मुझे उसकी आवश्यकता होने से पहले ही शत्रु उसे चुरा लेने का प्रयत्न करे। मैं आपको सावधान करता हूं, आप किसी भी कार्य के लिए आगे बढ़ने का निर्णय केवल तभी लें, जब आपने निश्चित रूप से पवित्र आत्मा से उसे करने का मार्गदर्शन प्राप्त किया है। एक और बात की ओर ध्यान दें, जब तक यीशु मसीह आपको बिना धन के किसी परियोजना पर आगे बढ़ने के लिए नहीं कहता, तब तक उस पर आगे न बढ़ें। परमेश्वर के समय और प्रावधान के उपलब्ध होने तक प्रतीक्षा करें।

सामान्य तौर पर, हम विश्वासियों को हमारे जीवन में धन की अधिकता से दूर रहने के लिए बुलाया गया है। हम कंगाल नहीं हैं लेकिन अपने पिता परमेश्वर की तरह हर अवसर पर उदारता से देने में सक्षम हैं। मैं इसका उल्लेख केवल इसलिए कर रहा हूं क्योंकि मुझे बहुत सारे ईमेल प्राप्त हुए हैं जहां लोगों ने उदारता करने में या दान देने में जल्दबाज़ी की और परमेश्वर के समय के अंतर्गत नहीं रहें। सुनिए, केवल इसलिए कि परमेश्वर आपको कुछ दिखाता है, या करने के लिए कहता है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप उस पर तुरंत आगे बढ़ें, आगे बढ़ने के लिए उसके समय की प्रतिक्षा करें। कई बार, वह आपको कुछ दिखाता है ताकि आपको तैयारी के लिए दिशा और समय दे सकें। मेरे अनुभव के अनुसार, परमेश्वर से कार्य के लिए दिशानिर्देश सुनना जितना महत्वपूर्ण है उतना ही महत्वपूर्ण उस कार्य को करने के लिए उसके समय की प्रतिक्षा करना भी है।

यूहन्ना बप्तिस्मा देनेवाले के द्वारा यरदन नदी में बपतिस्मा लेने के बाद और जंगल में 40 दिन और रात रहने के बाद जब यीशु ने अपने गृहनगर में अपना सेवकाई शुरू की, तो वह उसी स्थान में आराधनालय में गया और यशायाह की पुस्तक से इकसठवाँ अध्याय पढ़ना शुरू किया। हम इस घटना को लूका 4:18-21 में देखते हैं।

> *"प्रभु का आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है,और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टि पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओं को छुड़ाऊँ, और प्रभु के प्रसन्न रहने के वर्ष का प्रचार करूँ।"*
>
> *तब उसने पुस्तक बन्द करके सेवक के हाथ में दे दी और बैठ गया; और आराधनालय के सब लोगों की आँखें उस पर लगी थीं। तब वह उनसे कहने लगा, "आज ही यह लेख तुम्हारे सामने पूरा हुआ है।"*

यह निश्चित है कि, वहाँ पर जो भी सुनने वाले लोग थे, वे उस पर क्रोधित हो गए, क्योंकि यीशु यह कह रहा था कि उस शास्त्रभाग में जिसका उल्लेख किया गया है वो स्वयं वो ही है। लेकिन इस बात पर ध्यान दें कि यीशु ने किस पद पर पढ़ना बंद किया। यशायाह अध्याय 61 के पद एक और दो वास्तव में कहते हैं,

> *मुझे इसलिये भेजा है कि खेदित मन के लोगों को शान्ति दूँ; कि बन्दियों के लिये स्वतंत्रता का और कैदियों के लिये छुटकारे का प्रचार करूँ; कि यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष का और हमारे परमेश्वर के पलटा लेने के दिन का प्रचार करूँ; कि सब विलाप करनेवालों को शांति दूँ।*

ध्यान दें कि यीशु एक वाक्य के बीच में ही रुक गया। उसने यह नहीं पढ़ा, "हमारे परमेश्वर के पलटा लेने के दिन का।" क्यों? क्योंकि वह उस वचन के पहले भाग पर रुकना चाहता था, "कि यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष।" कि यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष क्या है? जुबली का वर्ष! यीशु मूल रूप से घोषणा कर रहा था कि सब्त के दिन, सब्त के वर्ष, और जुबली के वर्ष की

छाया जो कुछ भी हमें दिखाती है वह अब पूरा हो चुका है और वह अभी इस समय है, क्यों कि वह स्वयं पृथ्वी पर आ चुका था। यशायाह 61 का पूरा अध्याय हमें बताता है कि यीशु ने हमारे लिए क्या किया है। दोहरे भाग के संबंध में, सात से नौ पदों की ओर ध्यान दें।

> *तुम्हारी नामधराई के बदले दूना भाग मिलेगा, अनादर के बदले तुम अपने भाग के कारण जयजयकार करोगे; तुम अपने देश में दूने भाग के अधिकारी होगे; और सदा आनन्दित बने रहोगे। कि मैं यहोवा न्याय से प्रीति रखता हूँ, मैं अन्याय और डकैती से घृणा करता हूँ; इसलिये मैं उनको उनका प्रतिफल सच्चाई से दूँगा, और उनके साथ सदा की वाचा बाँधूँगा। उनका वंश जाति जाति में और उनकी सन्तान देश देश के लोगों के बीच प्रसिद्ध होगी; जितने उनको देखेंगे, पहिचान लेंगे कि यह वह वंश है जिसको परमेश्वर ने आशीष दी है।*
>
> — यशाया 61:7-9

आर्थिक दुर्बलता और परेशानियों के कारण शर्म महसूस करना क्या होता है मै अच्छी तरह से समझता हूँ। मै अपने जीवन में आर्थिक स्थिति के कारण अनेक बार शर्मिंदा हो चुका हूँ। मुझे याद है कि एक बार मैंने अपने करीब 20 दोस्तों को एक स्थानीय रेस्तरां में डिनर के लिए बुलाया था। मुझे यह याद नहीं है कि हम किस बात की ख़ुशी मनाने के लिए वहाँ इकट्ठे हुए थे, लेकिन मुझे इतना याद है कि डिनर के बिल का भुगतान करने की ज़िम्मेदारी मैने ली थी।

केवल इसलिए कि परमेश्वर आपको कुछ दिखाता है, या करने के लिए कहता है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप उस पर तुरंत आगे बढ़ें, आगे बढ़ने के लिए उसके समय की प्रतिक्षा करें। कई बार, वह आपको कुछ दिखाता है ताकि आपको तैयारी के लिए दिशा और समय दे सकें।

मुझे याद है कि इस डिनर के दौरान मै बहुत परेशान हो रहा था क्योंकि इस तरह के कार्यक्रम और डिनर की मेजबानी करने के लिए मेरे पास सच में पैसे नहीं थे। मैं एक बिज़नेस कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहा था, जिसका पैसा मुझे मिलना था, लेकिन किसी कारणवश उसमे देरी हो गई। मेरे पास एकमात्र क्रेडिट कार्ड था जो बैंक ने अभी तक बंद नहीं किया था, लेकिन इस कार्ड की खर्च करने की

सीमा भी पार हो चुकी थी, और मुझे नहीं पता था कि उससे मै एक और बार कोई भुगतान कर पाउँगा या नहीं। जैसा मुझे डर था वैसा ही हुआ, वो कार्ड स्वीकृत नहीं किया गया। मुझे बड़े शर्म के साथ विनम्रतापूर्वक अपने एक अतिथि से डिनर के लिए भुगतान करने के लिए कहना पड़ा।

जी हाँ, मेरे पास इस तरह की कई कहानियाँ हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि आपके पास भी इस प्रकार के अनुभव है या नहीं। परन्तु परमेश्वर की स्तुति हो, आज जो सब हमें देखते हैं उन्हें स्वीकार करना होगा कि हम ऐसे लोग हैं जिन्हें परमेश्वर ने यीशु के द्वारा, आशीष दी है!

दोगुना भाग या दोहरा हिस्सा आपका है, यीशु आपका सब्त का विश्राम है, और वह आपका दुगना भाग है! यदि आपने मेरी पिछली कोई किताब पढ़ी है, तो आप जानते हैं कि प्रभु ने मुझे हिरण की शिकार के माध्यम से राज्य के बारे में बहुत कुछ सिखाया है। वास्तव में, हिरण का शिकार वह माध्यम था जिसके द्वारा परमेश्वर ने सबसे पहले राज्य की ओर मेरा ध्यान आकर्षित किया था। मैं कई वर्षों से हिरण का शिकार कर रहा था लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। हालाँकि मैं अपने प्रयासों में समय और पैसा भी लगा रहा था, लेकिन मुझे किसी भी प्रकार से कोई सफलता नहीं मिलती थी, और सफल होने का कोई रास्ता भी नहीं दिखाई देता था। मै ईमानदारी के साथ बताना चाहता हूँ कि, हिरण को मेरा कभी भी एक भी शॉट नहीं लग पाया था। इस विशेष वर्ष के दौरान जब मैं आगामी हिरण शिकार के मौसम के बारे में सोच रहा था, तब परमेश्वर ने मुझसे बात की और कहा, "क्यों न तुम मुझे इस वर्ष अपने हिरण के शिकार में तुम्हारी मदद करने दो?" मुझे बिलकुल भी नहीं पता था कि इसका क्या मतलब है, लेकिन उसने मुझसे कहा एक चेक पर एक राशी लिखो और मेमो सेक्शन में यह लिखने के लिए कहा कि, "मेरे 1987 के हिरण शिकार के लिए", और किस सेवकाई के लिए यह चेक भेजना है यह भी उसने मुझे बताया, और मैंने वो वहाँ भेज दिया। उन्होंने मुझे और ड्रेन्डा को उस चेक पर हाथ रखकर प्रार्थना करने के साथ मरकुस 11:24 के अनुसार हमारे लिए कार्य होगा यह विश्वास के साथ कहने के लिए कहा।

मरकुस 11:24 में कहा गया है,

> *इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके माँगो,तो प्रतीति कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा।*

एक लंबी कहानी को छोटा करते हुए मै बताना चाहता हूँ कि, उस वर्ष मैं एक ऐसी जगह गया जो मेरे लिए बिलकुल ही अनजान थी, और लगभग 40 मिनट में मुझे मेरा शिकार मिल गया। ड्रेंडा और मैंने पिछले 30 सालों से परमेश्वर द्वारा बताई गई इन्ही बातों का पालन किया है, और तब से मुझे हर साल हमेशा 30 से 40 मिनट में अपना शिकार मिला है। अनेक वर्षों से, मैंने देखा है कि परमेश्वर शिकार करते समय कुछ आश्चर्यजनक चीजें करता हैं, और मैंने शिकार के माध्यम से भी राज्य के कानूनों के बारे में कुछ सबक सीखे हैं। (वे सभी प्रारंभिक कहानियाँ मेरी पुस्तक *फेथ हंट* में दर्ज हैं।)

मैं आमतौर पर ओहायो में ठंड के मौसम में बंदूक से शिकार करने के बजाय गर्मी के मौसम में शरद ऋतु में पेड़ों के सुन्दर दिखने वाले रंगों के समय तीर से शिकार करना पसंद करता हूं। ओहायो में आप अधिक संख्या में शिकार कर सकते है, यहाँ आप एक वर्ष में, छह हिरण का शिकार कर सकते है। मुझे अपने परिवार के भोजन के लिए इतने हिरणों का शिकार करने की कभी आवश्यकता नहीं पड़ी। मेरे फ्रीजर में हर साल दो या तीन हिरणों का मांस भरा होता है। इससे पहले कि आप मेरी सराहना करें, मैं आपको बताना चाहता हूं कि, इतने सालों में, जब से मै शिकार करता आया हूँ, मैंने कभी भी एक ही पेड़ पर बैठे हुए सुबह या शाम के एक ही बार के शिकार करने में, दो हिरणों को एक साथ नहीं मारा था। वैसे, अगर आप शिकारी नहीं हैं, तो मै आपको यह बताना चाहूँगा कि, जब हम तीर से शिकार करते है तब हम किसी पेड़ बने स्टैंड पर बैठकर शिकार करते हैं। आमतौर पर, जब मैं एक हिरण को मारता था, तब मैं तुरंत उस जंगल से चला जाता था और दूसरे दिन फिर दूसरा शिकार करने के लिए वापस आ जाता था। लेकिन प्रभु मुझे इस विशेष शाम के शिकार के बारे में कुछ सिखाना चाहता था।

यह उस शरद ऋतु के शिकार के उत्तम समय की बात है, आसमान में थोड़े बादल छायें हुए थे और हल्की बूंदाबांदी से ज़मीन कुछ गीली हो गई थी। वह रविवार की शाम थी, उस दिन सुबह मुझे अलग अलग चर्च में सेवकाई करनी पड़ी थी, इसलिए मै थोड़ा थक सा गया था, और मैं शिकार करने के लिए जंगल में जाने का इंतजार कर रहा था। ड्रेंडा कुछ खरीदारी करने के लिए बाहर जा रही थी, और हम दोनों ने सोचा था कि फ्रीजर में कुछ हिरण का मांस होना चाहिए, इसलिए शिकार करने के लिए आज की रात अच्छा समय है। जब ड्रेन्डा कार की तरफ़ जा रही थी तब मैं अपना कैमोफ्लॉज जैकेट पहन रहा था और शिकार की अन्य चीजें इकट्ठा

कर रहा था। वह गाड़ी में बैठ गई और चलने के लिए तैयार थी, तभी मैं बाहर आ गया। उसने खिड़की का शीशा नीचे किया और मुझसे कहा, "डबल पोर्शन।" मुझे नहीं पता था कि उसने ऐसा क्यों कहा, लेकिन बाद में उसने मुझे बताया कि उसी समय प्रभु ने यह बात उसके मन में डाली और वो मुझे बताने के लिए उसे प्रेरित किया, इसलिए उसने ऐसा कहा।

उस वर्ष हमने तीन हिरणों का शिकार मिलने के लिए विश्वास का अपना दान बोया था, और उस मौसम में शिकार के लिए यह पहला दिन था। मैंने उसे चुंबन दिया और उससे कहा कि मै उससे सहमत हूँ, और मैं अपने जंगल की ओर निकल गया। मैं अपनी खुद की ज़मीन पर ही शिकार करता हूं, इसलिए मैं इस बात से बहुत परिचित हूँ कि मुझे शिकार के लिए कहाँ जाना है। जैसे ही मैं अपने पेड़ के स्टैंड पर चढ़ गया, मैंने हिरण की आहट सुनने के लिए एक-दो तीर चला दिए। 15 मिनट के भीतर ही, एक बड़ा 8-बिंदु वाला हिरण झाड़ी में से चला आ रहा था, मैंने 40-गज तक पहुँचने वाला शॉट मारा, और हिरण नीचे गिर गया। यह बहुत ही अच्छा था! मैं पेड़ से नीचे उतरा और हिरन के पास जाने गया, लेकिन फिर मुझे याद आया कि ड्रेन्डा ने मुझे क्या कहा था, दोहरा हिस्सा, इसलिए मैंने हिरन को वहीं छोड़ दिया जहां वह गिर गया था और वापस अपने पेड़ के स्टैंड पर चढ़ गया।

मैंने सोचा, मै जो अभी नीचे उतरा, इधर-उधर घूमा फिर पेड़ पर स्टैंड पर चढ़ गया, इससे मेरे शरीर की गंध वातावरण में फ़ैल गई है और अब आसपास जो भी हिरन होगी वह सतर्क हो गई होगी, और क़ानूनी तौर पर जितने समय की रौशनी में शिकार करने की अनुमती थी जो कि केवल 15 मिनिट का समय बचा था, कोई शिकार मिल पाना संभव नहीं था। लेकिन उन 15 मिनिट के भीतर ही एक हिरन जिसे बटन बक कहते है सीधे मेरे पेड़ के नीचे आ गया, और मैंने एक सटीक तीर चलाया और हिरन नीचे गिर गया। अद्भुत! एक ही पेड़ पर से केवल दो तीर चलाए और एक के बाद एक दो हिरन शिकार हो गए। मैने इस प्रकार का शिकार पहले कभी नहीं किया था। इस बात की ओर मेरा विशेष ध्यान गया और मुझे पता चल गया की ड्रेन्डा जिस दोहरे हिस्से की बात कर रही थी वह यही था।

अगले पांच साल तक मेरा यही अनुभव रहा। हर बार जब मैं धनुष से शिकार के लिए निकलता, तो मुझे अब एक ही पेड़ से दो मिनट के अंतर पर दो हिरण मिलते रहे। मुझे पता था कि यह सामान्य नहीं था, और मैं दोहरे हिस्से पर ध्यान देने लगा, यह महसूस करते हुए कि एक बार फिर परमेश्वर मुझे अपने राज्य के बारे में एक और सबक सिखा रहा है।

मुझे हमेशा बंदूकों से प्यार रहा है और हां, मुझे शिकार करना भी पसंद है। मेरे पास बंदूकों का अपना संग्रह है जिसका मैं शिकार में उपयोग करता हूं, और मेरे पास जो बंदूकें थी उससे मै बहुत खुश था। ड्रेंडा और मेरे पास 60 एकड़ जमीन है जिसमें लगभग 25 एकड़ जंगल और 15 एकड़ दलदल है। किसी भी पतझड़ के मौसम में, दलदल सूखी या पानी से भरी हो सकती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि गर्मी कितनी बारिश हुई है।

इस विशेष वर्ष में, हमारे इलाके में गर्मी में काफी बारिश हुई थी, इसलिए पतझड़ का मौसम आते ही दलदल पानी से भर गया था। जब भी दलदल में पानी होता था उस साल उसमे हमेशा बत्तखें आती थीं, लेकिन मैंने उन पर कभी ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। लेकिन इस साल पानी इतना अधिक था कि दलदल में बत्तखों के बड़े झुंड आ रहे थे, और मैं अपने आप को रोक नहीं सका। मैंने पहले कभी बत्तखों का शिकार नहीं किया था, लेकिन मैंने सोचा कि मैं नीचे दलदल में जाऊँगा और कुछ बत्तखों का शिकार करने की कोशिश करूँगा। खैर, शिकार बहुत अच्छा रहा। हर जगह बत्तखें थीं, और उस साल हमें बहुत अधिक मात्रा में भोजन में बत्तख खाने को मिले।

उस साल बत्तखों का शिकार करते हुए मैंने पाया कि कई बार बत्तखें बन्दूक की सीमा के ठीक बाहर से गुजर रही थीं। मैं अपनी हमेशा इस्तेमाल में आने वाली बन्दूक जिससे मै खरगोश और तीतर का शिकार किया करता था, उसी का इस्तेमाल बत्तख़ के शिकार के लिए कर रहा था, लेकिन मुझे याद आया कि मैंने एक नए प्रकार की बन्दूक के बारे में सुना था जो सिर्फ बत्तखों के शिकार के लिए डिज़ाइन की गई थी। वे कैमोफ्लॉज से ढकी होती थी और नए बत्तख को शूट करने में सक्षम थी, जो शॉट का बड़ा भार उठा लेती थी, और बहुत लंबे शॉट के लिए भी उत्तम थी। मुझे याद है उस समय मैने सोचा कि मुझे इन बंदूकों के बारे में जानकारी लेनी चाहिए और उन्हें देखना भी चाहिए।

खैर, ऐसा हुआ कि मैं बतख का मौसम समाप्त होने के एक महीने बाद स्थानीय खेल के सामान की दुकान में था, वहाँ मैंने जलपक्षी शिकार की बंदूके एक रैक पर देखी। मैंने देखा कि, एक बन्दुक का मूल्य $ 2,000 था, तब मैने सोचा कि अगले दस महीनों तक बतख की शिकार का मौसम बंद रहेगा, तो मेरे लिए यह ठीक होगा कि शिकार का अगला मौसम शुरू होने तक मै इंतज़ार करू और फिर इसे खरीदने के बारे में सोच सकता हूँ। लेकिन पता नहीं क्यों बिना

सोचे-समझे, मैंने ज़ोर से कहा, "हे परमेश्वर, मुझे यह बन्दुक चाहिए।" फिर मैं उस दुकान से निकल गया और इसके बारे में ज़्यादा नहीं सोचा, लेकिन कुछ हफ्ते बाद मैं एक कॉर्पोरेट सेल्स मीटिंग में बोल रहा था, यह कोई चर्च की मीटिंग नहीं थी, एक कॉर्पोरेट सेल्स मीटिंग थी। मेरी प्रस्तुति के अंत में, सीईओ ने मुझे बोलने के लिए धन्यवाद दिया और कहा, "आज रात आप ने हमारी इस मीटिंग में जो भाषण दिया उसके लिए धन्यवाद के तौर पर हम आपको एक भेंट देना चाहते है।" मैं यह देखकर हैरान हो गया कि उसने ठीक वैसी ही शॉटगन बॉक्स में से बाहर निकाली जो मैंने कुछ हफ्ते पहले खेल के सामान की दुकान में देखी थी। एक बात तो यह कि मैने उस समय दुकान में कहा था, "हे परमेश्वर, मुझे यह बन्दुक चाहिए।" और दूसरी यह कि मैंने कुछ समय पहले अपनी बंदूकों में से कुछ किसी को दान के रूप में दी थी, परमेश्वर ने मुझे वो बन्दुक दी जो मुझे चाहिए थी।

इस शृंखला की पहली पुस्तक "आपकी वित्तीय क्रांति:आधीनता की सामर्थ" में मैंने उस सिद्धांत के बारे में बात की है जिसके कारण मुझे वह बन्दुक प्राप्त हुई। मैं इसे हंसिया सिद्धांत कहता हूं, और यह मरकुस 4:26-29 में पाया जाता है। मेरा आपसे आग्रह है कि यदि आपने इस पुस्तक को नहीं पढ़ा है तो इसकी की एक प्रति अवश्य प्राप्त कर लें। वह बंदूक मुझे प्राप्त होना निश्चित रूप से आश्चर्यजनक था, लेकिन यह वास्तविक कहानी नहीं है जिस पर मैं आपका ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। लेकिन इसने उस कहानी को प्रेरित किया है जो मैं आपको बताना चाहता हूं।

मुझे वह बंदूक प्राप्त होने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि मैंने उसे प्राप्त करने के लिए किस प्रकार कार्य किया था, फिर एक दिन मैंने सोचा कि और कौनसी बंदूके है जिनको मै प्राप्त करना चाहता हूँ। आखिरकार, मैंने दर्जनों बंदूकें विश्वास के बीज के तौर पर दान कर दी थी, इसलिए मैंने सोचा कि मैं राज्य के कानून किस प्रकार कार्य करते है इसके विषय में प्रयोग करूंगा। मेरे संग्रह में जो एकमात्र बंदूक मेरे पास नहीं थी, वह ओवर एंड अंडर शॉटगन थी। यह बहुत सुंदर शॉटगन हैं, और यह शॉटगन सस्ती नहीं होती है। तो मैंने कहा, "प्रभु, मैं एक ओवर एंड अंडर शॉटगन अवश्य लेना चाहता हूँ!"

लगभग एक महीने बाद, मुझे सेवकाई में मेरे एक सहयोगी का फोन आया, और उसने कहा कि वह मेरे लिए ओवर एंड अंडर शॉटगन खरीदना चाहता है। मैं रोमांचित था और उसने कहा

कि वह इसे मेरे पास डाक से भेजेगा। खैर, कुछ दिनों बाद मुझे दो खूबसूरत ओवर और अंडर शॉटगन का पार्सल मिला, यह बहुत ही खूबसूरत बंदूकें थी! ध्यान दें कि मुझे दो बन्दूकें मिलीं। "वाह," मैंने सोचा। मैंने अपने सहयोगी को फोन किया और उसने जो सुंदर शॉटगन मेरे लिए भेजी थी उसके लिए धन्यवाद दिया। कुछ दिनों बाद उसने दो और बंदूकें भेजी। जब मैंने उन्हें फिर से धन्यवाद देने के लिए फोन किया, तो उन्होंने कहा, "पिछली बार अपने मुझे धन्यवाद देने के लिए व्यक्तिगत रूप से फोन किया, इस बात में मै बहुत प्रभावित हुआ इसलिए मैने सोचा कि मैं आपको दो और बंदूकें भेजूंगा।" मैं उन उपहारों से अभिभूत था, लेकिन मुझे यहां एक पैटर्न दिखाई देने लगा था। हर बार दो बन्दूकें? मैने सोचा शायद यह दोहरा भाग है।

लगभग दो महीने पहले, मैं एक चर्च में सुबह की सभा में शिक्षा सत्र ले रहा था, और फिर मुझे उस रात उसी शहर में दूसरे एक चर्च में शिक्षा सत्र लेना था। सुबह की सभा के बाद, एक व्यक्ति मेरे पास आया और उसने कहा, "मेरे पास एक सुंदर ब्राउनिंग सेमीऑटोमैटिक शॉटगन है जो मैं आपको भेजने वाला हूँ।" मैं फिर से रोमांचित हो गया। यह अजीब है लेकिन, दूसरे चर्च में शाम की सभा में, एक व्यक्ति मेरे पास आता है और कहता है, "मैं एक नई राइफल लाया हूं जो अभी भी बॉक्स में ही है जिसे मैं आपको देना चाहता हूं।" यह मर्लिन 30/30 सुंदर बंदूक थी जो मुझे हमेशा से पसंद थी, लेकिन मै उसे कभी खरीद नहीं पाया था। एक बार फिर, मैं हैरान था लेकिन एक बात मेरी समझ में आ रही थी —दोहरा हिस्सा।

उसके कुछ सप्ताह बाद फिर वही हुआ—मुझे एक ही दिन में दो बन्दूकें दी गईं। ठीक है, मैं बस इतना कह सकता हूं कि मैं निश्चित रूप से सबसे बढ़िया शॉटगन पाने वाला धन्य व्यक्ति हूं। लेकिन हर बार जब यह घटना होती रही, मै यही पूछता रहा, "यह कैसे हुआ?" मैंने आपको पहले ही बता दिया है कि मैंने अतीत में कई बंदूकें अपने विश्वास के दान के रूप में बोई हैं, लेकिन तब तक मैंने कभी नहीं कहा, "हे परमेश्वर यह मुझे चाहिए,"। फिर से, यह हंसिया का सिद्धांत है जिसे आपको जानना आवश्यक है। लेकिन हंसिया सिद्धांत से परे, मैं एक बहुत ही अलग और स्पष्ट तरीके से दोहरे हिस्से को प्राप्त कर रहा था और मैं जानना चाहता था कि यह कैसे हो रहा है। मेरा मानना है कि प्रभु ने मुझे दिखाया है कि हममें से बहुत से लोगों ने राज्य से प्राप्त करने के इस महत्वपूर्ण पहलू को खो दिया है, और मैं अगले अध्याय में इस विषय पर

चर्चा करने में कुछ समय लेने वाला हूँ। लेकिन ऐसा करने से पहले, मुझे बस आपके साथ साझा करना है कि उस वर्ष में आगे क्या होता रहा।

शॉटगन का पार्सल प्राप्त करने के बाद, यह कहानी हुई- और यह सबसे आश्चर्यजनक कहानियों में से एक है जो दोहरे हिस्से को स्पष्ट रूप से प्राप्त करने के संबंध में है, बिलकुल स्पष्ट रूप से, कोई प्रश्न नहीं पूछा जा सकता है, यह दोहरा हिस्सा प्राप्त होने का एक उदाहरण। यह कहानी मेरे वाहनों से संबंधित है, विशेष रूप से मेरी मोतिया सफ़ेद रंग की कैडिलैक एस्केलेड जो मुझे भेंट के रूप में दी गई थी, जिसका मैंने पहले कुछ अध्याय में उल्लेख किया है।

जैसा कि मैंने इस पुस्तक में पहले ही कहा है कि, ड्रेंडा और मुझे कारों में अधिक दिलचस्पी नहीं रही हैं। हम अपनी कारों को तब तक चलाते हैं जब तक कि वे काम करना बंद नहीं कर देती या फिर दिखने में कुछ अच्छी नहीं लगती है।

और फिर से इस कहानी में, मैं इस बात का उल्लेख करना चाहता हूँ कि ड्रेन्डा और मैंने पहले ही हमारी कई कारों को दान के रूप में किसी किसी को दे दिया था और उन करों को हमारे विश्वास के बीज के रूप में बोने के बाद परमेश्वर से यह निश्चित रूप से नहीं कहा था की, उसके बदले में विश्वास के द्वारा हमें क्या चाहिए। लेकिन अगर आपको वह कहानी याद है, जब हमने अपने सम्मेलन के दौरान उस किराए के एस्केलेड को चलाया और कहा, "हमें यह पसंद है; हमें लगता है कि हमें इनमें से एक खरीदना चाहिए," हम वास्तव में यह उम्मीद नहीं कर रहे थे कि कोई हमें फोन करेगा और कहेगा कि वे हमारे लिए उसी बनावट की एक कार खरीदना चाहते हैं। लेकिन वास्तव में, ऐसा ही हुआ है। और, यह बिलकुल सच है कि, हमने किसी को नहीं बताया था कि हम उस प्रकार की एक कार खरीदना चाहते हैं। इसलिए जैसा कि मैंने आपको पहले बताया है, पर्ल व्हाइट, लघु संस्करण एस्केलेड हमारे लिए किसी ने खरीदी और यह बहुत ही बढ़िया कार थी और अभी भी है। मुझे बस यह कार पसंद है।

लेकिन उस कहानी का एक और भी आश्चर्यजनक पहलू है जो पिछली गर्मियों में हुआ। पिछली गर्मियों के आने तक हम इस एस्केलेड को लगभग डेढ़ साल तक चला चुके थे, और एक दिन मैंने देखा कि चेक इंजन का संकेत दिखाई दे रहा था। "कोई बड़ी बात नहीं है," मैंने सोचा, लेकिन मैं इसकी जांच करवाना चाहता था, इसलिए मैंने एक डीलर से इसे देखने को कहा। उसने कहा कि यह वास्तव में कोई बड़ी और चिंता की बात नहीं है। सेंसर एग्ज़ॉस्ट में

थोड़ा ज़्यादा तेल उठा रहा था, लेकिन इससे कोई समस्या नहीं होगी। इंजन तब तक चलेगा जब तक मैं इसे चलाना चाहूँगा। मैंने उनसे पूछा कि यह तेल क्यों उठा रहा है। मेरे एस्केलेड में एक कस्टम आफ्टरमार्केट एग्ज़ॉस्ट सिस्टम लगा था, और उन्होंने सोचा कि यह एक कारण हो सकता है कि इस प्रकार का संकेत दिख रहा है। उन्होंने दोबारा कहा कि इंजन बिलकुल ठीक है और इंजन लंबे समय तक निश्चित चलेगा और मुझे चिंता नहीं करनी चाहिए।

मैं राजा और उसके राज्य का अनुसरन करता हूँ, परन्तु राज्य में मुझे पर्याप्त से अधिक, दुगना भाग मिलता है!

एक दिन, जिस व्यक्ति ने मुझे वह कार भेंट दी थी उन के साथ साधारण बातचीत के दौरान, मैंने सेंसर लाइट की समस्या का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, “हां, मैंने देखा है कि कुछ अन्य जीएमसी गाड़ियों के साथ ऐसा होता है।” “वास्तव में,” उन्होंने कहा, “पुरानी गाड़ियों में यह काफी आम समस्या है।” उन्होंने आगे कहा कि इससे गाड़ी में किसी भी तरह से कोई समस्या नहीं होगी और मै अगले 10 साल या उससे अधिक समय तक बिना किसी समस्या के इस गाड़ी को चला सकता हूँ।

वह जानता था कि ड्रेन्डा और मेरे पास फ़्लोरिडा में एक घर है जिसे मैंने अभी-अभी ख़रीदा है। फिर आगे उन्होंने जो कहा उसे सुनकर मैं स्तब्ध रह गया, “मैं आपको एक सलाह देना चाहता हूँ। आप इस गाड़ी को फ़्लोरिडा तक ड्राइव करके ले जाएँ और इसे वहाँ इस्तेमाल करने के लिए छोड़ दें, और मैं आपको यहाँ ओहायो में चलाने के लिए एक और कार खरीद कर दूँगा। जी हाँ, अब मेरे पास दो मोतिया सफेद रंग की, लघु संस्करण एस्केलेड्स हैं जिसमे अब सेंसर लाइट की समस्या नहीं यही, हाँ, पहली गाड़ी में कभी कभी यह समस्या दिखाई देती है। लेकिन दोनों कारें हर तरह से बिलकुल ठीक हैं! फिर से यह, हमेशा की तरह, “क्या तुमने देखा?” वाला क्षण था। जब हम इन सुंदर कारों को चलाते हैं तो ड्रेंडा और मुझे खुद को चिकोटी काटकर अपने आप से पूछना पड़ता है कि कही यह सपना तो नहीं है। हमने इन दोनों में से किसी भी गाड़ी को अपने आप ख़रीदा नहीं था। लेकिन इस मामले में, हम जानते थे कि यह दोहरा हिस्सा था।

मैं आपको ये कहानियाँ किसी भी तरह से डींग मारने के लिए नहीं बता रहा हूँ, लेकिन मेरे प्रिय मित्र, मैं यह बताना चाहता हूँ कि मैं धन्य हूँ! मैं दुगुने हिस्से का आनंद ले रहा हूं, जैसा कि

अब आप जानते हैं, मेरे पास पर्याप्त से अधिक है। मेरे पास बंदूकों से भरी एक बंदूक तिजोरी है, जो पर्याप्त से अधिक हैं। मेरे पास दो एक जैसी एसक्लेड गाड़ियाँ हैं जिनके लिए मैंने अपने आप कोई भुगतान नहीं किया है। मुझे लगता है कि आप भी इस बात से सहमत होंगे कि यह पर्याप्त से अधिक है! और ऐसा नहीं है कि मैं आपको भौतिक चीजों की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा हूं, मैं ऐसा बिलकुल नहीं कर रहा हूँ। मैं भैतिक चीजों के पीछे नहीं भागता हूँ, और मैं इन चीजों की पूजा नहीं करता हूँ, उनकी आराधना नहीं करता या उनका पीछा नहीं करता हूँ। मैं राजा और उसके राज्य का पीछा करता हूँ, परन्तु राज्य में मुझे पर्याप्त से अधिक, दुगना भाग मिलता है!

रुकिए, मैंने अभी तक प्रभु की भलाई और दोहरे भाग की गवाही नहीं दी है।

मेरी पत्नी पिछले 20 सालों से एक बीच होम चाहती थी। नहीं, मुझे इसे फिर से लिखना चाहिए। वह हमेशा से ऐसा एक घर चाहती रही है! उसे समुद्र और उसके आसपास का वातावरण बहुत पसंद है! वह अनेक सालों से समुद्र तट कोई मकान खोज रही थी। कई बार उसे उसकी पसंद के घर बहुत अच्छे दाम पर मिल रहे थे, लेकिन उसी समय हमारा पैसा सेवकाई सम्बंधित किसी कार्य के लिए अलग किया हुआ होता था और फिर हमें प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। तो इस साल मैं बेसमेंट में अपनी व्यायाम की बाइक चला रहा था और प्रार्थना कर रहा था। तब अचानक, प्रभु ने मुझ पर एक बहुत गहरा प्रभाव डाला और उसने कहा, "ड्रेंडा को फ्लोरिडा जाने के लिए कहें, उस शहर में जहां वह एक घर बनाना चाहती है, और उसे इस सप्ताह अपना समुद्र तट का घर खरीदने के लिए कहें।" वाह, इस हफ्ते? जब मैंने यह सुना तो मेरी आत्मा में शीघ्रता की तीव्रता थी। इसलिए मैंने ड्रेंडा को बताया कि प्रभु ने मुझसे क्या कहा था, और हमने अपने एक मित्र से संपर्क किया, जो उस शहर में रहता था, और उससे पूछा कि क्या वह ड्रेंडा को कुछ मकान दिखाने के लिए ले जा सकता है। उसने कहा कि वो अवश्य मदद करेगा।

इसलिए ड्रेन्डा ने ऑनलाइन जाकर लगभग 25 घरों की एक सूची बनाई जिसे वह देखना चाहती थी। वहाँ पहुँचने के बाद, ड्रेंडा ने 25 घरों की अपनी सूची को 5 घरों तक सीमित कर दिया, जिनकी ख़रीदे जाने की संभावना अधिक थी और एक वो जो उसे अन्य मकानों से अधिक पसंद आया था। जब बात यहाँ तक आ गई तब मै भी उसके पास फ्लोरिडा चला गया और उसने मुझे वो 5 घर दिखाए और वह भी जो उसे सबसे अधिक पसंद आया था। फिर

हमने 5 को 2 तक सीमित कर दिया—एक तो वह जो उसे अधिक पसंद था और दूसरा घर जो बहुत अच्छा था लेकिन उतना अच्छा नहीं था जो वह बिलकुल ही खरीदना चाहेगी। मैं आपको यह बात बताना चाहता हूँ कि जब मैंने उस घर को देखा जो उसे बहुत पसंद था, मुझे पता था कि यह ड्रेंडा का है, और हमने उसे खरीदने का प्रस्ताव रखा। मालिक ने हमारे प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और हम अपने नए घर का एग्रीमेंट बनाकर इस प्रस्ताव को पूरा करने के लिए दे दिया।

कुछ सप्ताह बाद, जब हम ओहायो में घर पर आराम कर रहे थे, तब ड्रेंडा ने अचानक से कहा, "वह घर मेरा है!" "मुझे पता है," मैंने कहा, "यह तुम्हारा घर है। परमेश्वर ने मुझसे कहा था कि जिस सप्ताह मैंने तुम्हें फ्लोरिडा भेजा था, उसी सप्ताह तुम्हारे लिए समुद्र तट का घर खरीदना है।

"नहीं," उसने कहा, "तुम नहीं समझे; वह घर मेरा है।" उसने मुझे समझाते हुए कहा कि वह उस क्षेत्र में कई वर्षों से घरों की तलाश कर रही थी, और एक दिन उसने उस घर की एक तस्वीर देखी जिसे हम एक रियल एस्टेट विज्ञापन में देख रहे थे। जब उसने इस घर की तस्वीर को देखा, तो उसे वह पसंद आया। उस घर की हर एक चीज उसे पसंद थी, स्पैनिश भूमध्यसागरीय वास्तुकला, फर्श की बनावट, मकान जहाँ बना था वह स्थान, सब कुछ। उसे याद आया कि उसने उस चित्र पर अपनी उँगली रखी थी और कहा था, "हे प्रभु, मुझे यह घर चाहिए!" लेकिन वह जानती थी कि घर बहुत महंगा है और हमने पहले ही अपना पैसा सेवकाई के अन्य कामों के लिए अलग कर दिया था, इसलिए वह उन घरों को देखती रही जो उस समय हमारी क्षमता के दायरे में थे। लेकिन कोई और मकान उसे पसंद नहीं आया, और हम किसी भी घर का एग्रीमेंट करने की स्थिति तक नहीं पहुँच पाएं थे। हमें किसी भी घर के लिए मन में शांति नहीं थी।

मैं आपको यह भी बताना चाहता हूँ कि हमने दो साल पहले इसी क्षेत्र में समुद्र तट के घर के लिए विश्वास का अपना बीज बोया था। विश्वास का अपना बीज बोते समय हमने दावा किया था कि इस शहर में समुद्र तट पर हमारा एक घर होगा, और जिस दिन हमने विश्वास का अपना बीज बोया उसी दिन उसे प्राप्त किया था। मुझे वह स्थान और क्षण भी याद है जब हम दोनों ने एकदूसरे का हाथ पकड़ा था और ड्रेंडा के समुद्र तट के घर के लिए आपस में सहमत हुए थे।

लेकिन अब जब हम इस घर का कॉन्ट्रैक्ट पूरा करने की तैयारी में थे तब ड्रेन्डा को अचानक दो साल पहले देखी हुई तस्वीर याद आ गई और समझ में आया कि यह वही घर है जिसके लिए हम अभी कॉन्ट्रैक्ट करने जा रहे है, उसका अपना घर!

घर के इतिहास की जांच करने के बाद, हमें पता चला कि मालिक ने कुछ साल पहले घर को बेचने की कोशिश की थी, लेकिन वह नहीं बिका और उसने उसे बिक्री की सूची से हटा लिया। तभी ड्रेन्डा ने इसकी रियल एस्टेट लिस्टिंग में घर की तस्वीर देखी थी। लेकिन मकान मालिक ने अब इसे फिर से बिक्री के लिए सूचीबद्ध करने का फैसला लिया, और अब मुझे समझ आता है कि उस दिन प्रार्थना के दौरान परमेश्वर ने मुझे ड्रेन्डा को तुरंत यह कहने के लिए क्यों कहा कि, "आपको इस सप्ताह एक घर खरीदना है।" वह आपको बताएगी कि मैं आमतौर पर इस प्रकार पैसे खर्च नहीं करता हूँ। हर बात का एक निश्चित समय होता है। इस बार, मेरा पैसा अन्य कामों के लिए अलग किया हुआ नहीं था और घर खरीदने के लिए उपलब्ध था। मुझे यकीन है कि बहुत से लोग उस घर को देख रहे थे और खरीदना चाह रहे थे, और यही कारण था कि मुझे तुरंत उसपर कार्य करने के लिए कहा गया था। आश्चर्य की बात यह है कि, इस घर की कीमत जो दो साल पहले थी उससे ऊपर नहीं गई थी। मुझे विश्वास है कि परमेश्वर ने यह मकान उसके लिए ही बचाकर रखा था!

लेकिन यहाँ कहानी में दोहरा भाग भी शामिल है। जब हमारे घर के एग्रीमेंट का काम पूरा होने पर ही था, हमें ड्रेन्डा की माँ का फोन आया। उनके पास पिछले 32 वर्षों से कैनडा में एक घर था। हम अनेक वर्षों से वहाँ जाते रहे और हमें वह घर और जहाँ वो बना था वह स्थान भी बहुत पसंद था। यह घर पानी के मध्य एक द्वीप पर है। समुद्र बैक डेक से करीब 30 फीट की दूरी पर है। ड्रेन्डा के माता-पिता बूढ़े हो रहे थे और उन्होंने सोचा कि वे इतनी दूर घर का रखरखाव और खर्च नहीं करना चाहते थे। वे हमारे पास आए और हमसे पूछा कि क्या हम उस घर को खरीदना चाहते है, और मैंने कहा नहीं। यह ओहायो से 31 घंटे की ड्राइव पर था, और हालांकि मुझे वह जगह बहुत पसंद थी, लेकिन यात्रा में लगने वाले समय को देखते हुए मुझे लगा कि हमारे लिए आसानी से वहाँ पहुँचना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए उन्होंने एक रियल एस्टेट एजेंट को वह घर बेचने के लिए कहा, लेकिन दो साल तक उस मकान के लिए कोई भी खरीदार सामने नहीं आया।

तो अब जब हम अपने समुद्र तट के घर की खरीददारी का एग्रीमेंट पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे थे, उनका फोन आया और उन्होंने हमें बताया कि वे उस घर को बेच नहीं पाएं है, और अगर हम इसे खरीदकर परिवार में ही रखना चाहते हैं तो आधी कीमत पर वो हमें दे सकते है।

ऐसा मत सोचें कि दोहरा हिस्सा किसी चीज़ के दो होने तक ही सीमित है। वास्तव में, दोहरा भाग केवल पर्याप्त से अधिक होना है।

मै इस सुझाव पर सोचने लगा, मेरे बच्चे बचपन से बड़े होने तक वहाँ जाते रहे है, और यह एक खूबसूरत जगह है। तो ड्रेंडा और मैंने इसके बारे में प्रार्थना की और कहा कि हम इसे ले लेंगे। खरीदारी करने के लिए हमारे पास पर्याप्त पैसा भी था। इसके अलावा, हमने पिछले साल अपनी कंपनी के लिए एक विमान खरीदा था, इसलिए हम वहाँ कार से 31 घंटों के बजाय केवल 5 घंटे में पहुँच सकते थे। इस प्रकार हम वहाँ जब चाहें जा सकते थे।

जब दोनों घरों की खरीददारी की प्रक्रिया पूरी हो गई, तब एक दिन मैं अपने कार्यालय में बैठा हुआ था कि अचानक मेरे मन में विचार आया, "एक मिनट रुको, यह दोहरा भाग है!" मेरी पत्नी अनेक वर्षों से समुद्र तट पर घर खरीदने का सपना देख रही थी। लेकिन अब, दो महीने के भीतर, उसे एक घर मिला है जो अमेरिका के दक्षिणी भाग में है, जहाँ सर्दियों में तापमान गर्म होता है और गर्मियों के मौसम में ज्यादा गर्म होता है। और कैनडा में जो घर मिला वहाँ गर्मियों में एकदम सही तापमान होता है और सर्दियों में बहुत ठंडा होता है। हमने महसूस किया कि अब उसके पास दोनों मौसम के लिए ओशन हाउस है। अविश्वसनीय! जब दोनों घरों की खरीददारी की प्रक्रिया पूरी हुई तब हमने फिर से कहा, "क्या आपने देखा?" मुझे लगता है कि आप भी हमारे साथ सहमत होंगे कि यह दोहरा हिस्सा है। अद्भुत!

मैंने कई उदाहरणों का उपयोग किया है कि कैसे परमेश्वर ने ड्रेंडा और मेरे लिए दो चीजों का इंतज़ाम किया, मुझे विश्वास है कि परमेश्वर हमें इस पूरी प्रक्रिया में दोहरे हिस्से को स्पष्ट रूप से दिखाना चाहता था। लेकिन मैं यह निश्चित करना चाहता हूं कि आप यह ना समझे कि दोहरा हिस्सा किसी चीज के केवल दो होने तक सीमित नहीं है। वास्तव में, दोहरा भाग केवल पर्याप्त से अधिक होना है। परमेश्वर दोहरे भाग के बारे में मुझे अधिक स्पष्टता से बताने के लिए मेरा ध्यान किसी चीज़ के दो होने के इन विशिष्ट उदाहरणों का उपयोग करने द्वारा आकर्षित

कर रहा था। तो यह कैसे या क्या है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, आपूर्ति बहुतायत से होना दोहरा भाग है। मुझे आशा है कि आप दोहरे भाग और सब्त के विश्राम की वास्तविकता को समझ रहे हैं। राज्य में जीवन कितना अद्भुत है! अभी जब मै इस अध्याय को लिख रहा हूं, तब मैं कैनडा में अपने घर में बैठा हूं, खिड़की से समुद्र को देख रहा हूं। घर से केवल 25 गज की दूरी पर समुद्र के किनारे सीगल और बत्तखें खेल रही हैं। शांति है, कोई संघर्ष नहीं है, इस घर के लिए पूरा भुगतान हो चुका है, और आशीष की भरपूरी है। मै परमेश्वर के घर में उसका पुत्र और उसके राज्य का नागरिक होने के नाते मुझे सौंपे गए काम को पूरा कर रहा हूँ, अर्थात अपने पिता के राज्य का सुसमाचार लोगों तक पहुँचा रहा हूँ, और दुगुने हिस्से का आनंद ले रहा हूँ!

ड्रेंडा और मैं इस बारे में बहुत सी कहानियाँ लिख सकते हैं कि कैसे परमेश्वर के राज्य और इसे संचालित करने वाले कानूनों ने हमारे जीवन को प्रभावित किया है, साथ ही उन हजारों लोगों के बारे में जो हमें उनके जीवन में घटित कहानियाँ ईमेल के द्वारा लिखते हैं। जैसा कि मैंने बताया, आप इन सभी बातों को बाइबल में पढ़ सकते हैं, लेकिन बाइबल की यह बातें आपकी आँखों के सामने होते हुए देखना कितना रोमांचक है।

अब मै एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात आपसे कहना चाहता हूँ। लोगों को यह सब बताना कि कैसे परमेश्वर ने मुझे और ड्रेंडा को आशीर्वाद दिया है और हमने रास्ता किस प्रकार तय किया हैं मेरे लिए वास्तव में एक जुआ है। कई बार लोग मेरी इन बातों को गलत समझ लेते हैं। लोग कभी-कभी यह भी सोच सकते हैं कि हम घमंडी है या शेखी बघार रहे हैं। या वे सोचते हैं कि हमने उनका दशमांश, दान या उनकी भेंट लेकर अपने ऊपर खर्च करते है। कृपया इस बात की ओर ध्यान दें कि ड्रेंडा और मैं अपने टीवी प्रसारण से कोई पैसा नहीं लेते हैं, और हम अपने संसाधनों की बिक्री से कोई पैसा अपने लिए नहीं लेते हैं। हाँ, हमें तनख्वाह ज़रूर मिलती है, ज़ाहिर है, उस कलीसिया से जिसके हम पास्टर हैं। लेकिन हमारे अपने व्यवसाय हैं और हमेशासे रहें हैं, और परमेश्वर हमारे व्यवसाय को आशीषित करता हैं। मैं केवल इतना ही चाहता हूँ कि आप हमारी व्यक्तिगत कहानियों को पढ़कर या सुनकर हमारे दिल को जानें। मुझे लगा कि मुझे आपको यह बताने की आवश्यकता है कि हमने वास्तव में क्या होते देखा है, और परमेश्वर ने हमें उन घटनाओं के द्वारा क्या सिखाया है। जो परिणाम मैं आपके साथ साझा कर रहा हूँ वे गैरी और ड्रेंडा कीसी के नहीं हैं; हम इतने अच्छे नहीं हैं! नहीं, जो हमने देखा है

और जो हम आनंद ले रहे हैं वह हमारे जीवन में हमारे पिता और उसके राज्य का परिणाम है। हम इन कहानियों को साझा करते हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि आप भी हमारी तरह आशीषों को प्राप्त करें! हम सच में शून्य से यहाँ तक पहुँचे है, और मैं यह पुस्तक केवल और केवल आपके लिए लिख रहा हूँ! मैं चाहता हूं कि आप राज्य के बारे में जानें कि यह कैसे काम करता है ताकि आप वह सब प्राप्त कर सकें जो परमेश्वर ने आपके लिए भी रखा है।

आप इस बात को समझ लें कि मुझे गरीबी से दिल की गहराई से नफ़रत है। मेरे जीवन के वे तनावपूर्ण और भय की छाया में बिताए हुए नौ वर्ष सचमुच पृथ्वी पर एक जीवित नरक थे! मुझे आशा है कि आप समझेंगे और याद रखेंगे कि सब्त का विश्राम आपका भी है और मेरा भी! अगले अध्याय में, मैं आपकी यह समझने में मदद करने जा रहा हूँ कि सब्त के विश्राम का लाभ कैसे उठाया जाए।

इस अध्याय के लिए मै एक और बात आपको बताना चाहता हूँ। जैसे ही मैंने उपरोक्त वाक्य लिखना समाप्त किया, मेरी सचिव मेरे कार्यालय में आई और उसने कहा कि आपके लिए एक बॉक्स आ गया है। मैं उस बॉक्स को खोला उसमे दो बहुत अच्छी बन्दूकें थी, देखकर मै हैरान था। वाह, यह उत्साहजनक था! यह ऐसा था मानो परमेश्वर ने जो कुछ मैंने अभी कहा था उस पर "आमीन" की मोहर लगा रहा हो।

इस किताब के छपने के बाद और जब मुझे किताबों का पहला ट्रक मिल गया, तब मैं हमारे अटलांटा संजीवन सम्मेलन में पहली बार इन सिद्धांतों को सिखाने के लिए उत्साहित था। मैं अपनी नई किताब को लोगों तक पहुँचाने के लिए भी उत्साहित था। मैं बोलने के लिए सभास्थान में जाने के लिए तैयार हो ही रहा था, मेरे सचिव ने मुझे फोन किया और कहा कि मेरे लिए उस सज्जन का फोन आया था जिसने मुझे बंदूकों का पहला सेट दिया था, और उन्होंने कहा कि उन्हें मुझसे तुरंत बात करनी है। इसलिए मैंने उन्हें तुरंत फोन किया। वह बहुत उत्साहित थे, उन्होंने मुझे बताया कि वह अभी-अभी यूपीएस कार्यालय गए थे और उन्होंने मेरे लिए दो और बंदूकों का पार्सल भेजा है! इसके अलावा, वे जानते थे कि ड्रेन्डा बन्दुक नहीं इस्तेमाल करती है, वह शिकार नहीं करती, इसलिए उन्होंने उसके लिए 1,500 डॉलर भेजे है। मैं भौचक्का रह गया। मैंने महसूस किया कि मै जो कर रहा था उसकी परमेश्वर फिर से पुष्टि कर रहा था और एक तरह से मुझे आगे चलते रहने के लिए कह रहा था। लोगों को यह पता होना

चाहिए कि—परमेश्वर चाहता है कि आप यह सब जानें! जब मैं घर गया, तो मैं बॉक्स खोलने के लिए उत्साहित था। ड्रेंडा और मुझे अब तक की सबसे खूबसूरत मैचिंग ब्राउनिंग ओवर-एंड-अंडर शॉटगन मिलीं। दोनों बंदूकें एकदम नई थी। मेरे पास एक ब्राउनिंग गोल्ड सेमीऑटोमैटिक 20 गेज भी थी और ड्रेंडा को भी उसके $1,500 मिल गएँ थे। दोहरा भाग!

आप सोच रहे होंगे कि इतनी बंदूकें क्यों। ठीक है, मै मानता हूँ कि अब मेरे पास बहुत सारी और अच्छी शॉटगन्स हैं, और वो सस्ती भी नहीं हैं, तब मैने परमेश्वर से यही सवाल पूछा। परमेश्वर ने मुझे बताया कि उसने मुझे यह देखने के लिए इतनी महंगी और सुंदर बंदूकें भेजीं कि उसके संसाधन कितने विशाल है, उसका प्रावधान मेरी अपेक्षा से परे है और केवल जीवन जीने के लिए जीवित रहने की प्रणाली से बहुत अधिक है। मैं समझ गया! मैँ इसे देखता जा रहा हूँ!

अध्याय 10

दोहरे हिस्से का रहस्य

मैंने अब तक इस पर चर्चा कर ली है कि, सब्त का विश्राम क्या है और यह दोहरे हिस्से के माध्यम से कैसे संभव है। आपके दिमाग में यह सवाल होना चाहिए, "मैं दोहरे हिस्से को कैसे प्राप्त कर सकता हूँ?" मुझे खुशी है कि अपने यह सवाल पूछा! इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए, आइए उस कहानी पर वापस जाएं जहाँ यीशु ने पांच रोटियाँ और दो मछलियों से 5,000 लोगों को खाना खिलाया।

जब दिन बहुत ढल गया, तो उसके चेले उसके पास आकर कहने लगे, "यह सुनसान जगह है, और दिन बहुत ढल गया है। उन्हें विदा कर कि चारों ओर के गाँवों और बस्तियों में जाकर, अपने लिये कुछ खाने को मोल लें।"

उस ने उत्तर दिया, "तुम ही उन्हें खाने को दो।" उन्होंने उससे कहा, "क्या हम सौ दीनार की रोटियाँ मोल लें, और उन्हें खिलाएँ?" उसने उनसे कहा, "जाकर देखो तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं?" उन्होंने मालूम करके कहा, "पाँच और दो मछली भी।"

तब उसने उन्हें आज्ञा दी कि सब को हरी घास पर पाँति–पाँति से बैठा दो। वे सौ सौ और पचास पचास करके पाँति–पाँति बैठ गए। उसने उन पाँच रोटियों को और दो मछलियों को लिया, और स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद किया, और रोटियाँ तोड़–तोड़ कर चेलों को देता गया कि वे लोगों को परोसें, और वे दो मछलियाँ भी उन सब में बाँट दीं। सब खाकर तृप्त हो गए, और उन्होंने टुकड़ों से बारह टोकरियाँ भर कर उठाईं, और कुछ मछलियों से भी। जिन्होंने रोटियाँ खाईं, वे पाँच हज़ार पुरुष थे।

— मरकुस 6:35-44

हमने इस कहानी के बारे में पहले बात की थी, लेकिन यहाँ हम इस कहानी से जुड़े दोहरे हिस्से के बारे में बात करने जा रहें हैं। कहानी में, यीशु ने अलौकिक रूप से रोटी और मछली को कई गुना बढ़ा दिया, और सभी लोगों ने तब तक खाया जब तक कि वे तृप्त नहीं हो गए। मेरा मानना है कि वहाँ महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 20,000 लोग थे; और यह भी कि इन सभी लोगों ने पाँच रोटियाँ और दो मछलियों से तब तक खाया जब तक कि सभी तृप्त न हो जाएँ, यह निश्चित रूप से केवल परमेश्वर की ओर से था। और इसी लिए, हम राज्य और वह जिस तरीके से कार्य करता है उसके लिए परमेश्वर का धन्यवाद दे सकते हैं। लेकिन केवल लोगों को खाना खिलाना ही उस घटना की पूरी तस्वीर नहीं है, और अगर आप वहीं रुक जाते हैं, तो आप दुगने हिस्से से चूक जाएंगे। आइए थोड़ा और गहराई में जाकर देखें।

केवल संतुष्ट होने का लक्ष्य रखने से भी अधिक जीने का एक बेहतर तरीका है। आप संतुष्ट मानसिकता के साथ अधिक प्राप्त नहीं कर सकते। दृष्टि अभी भी केवल आज पर ध्यान केंद्रित करने के संतुष्ट स्तर तक ही सीमित है।

सब खाकर तृप्त हो गए, और उन्होंने टुकड़ों से बारह टोकरियाँ भर कर उठाईं; और कुछ मछलियों से भी। जिन्होंने रोटियाँ खाईं, वे पाँच हज़ार पुरुष थे।

यह शस्त्रभाग हमें क्या बता रहा है? कि सभी के संतुष्ट होने के बाद, रोटी और मछली के टुकड़ों से भरी 12 टोकरियाँ उठाई गईं। दोहरे हिस्से की परिभाषा पर्याप्त से अधिक होना है। तृप्त होना तो बहुत हो गया, परन्तु लोग जब तृप्त हो गए, तब बारह टोकरियां भरके खाना बच गया, वह दुगना भाग है, वह पर्याप्त से अधिक है। कृपया इस अंतर को थोड़ी देर के लिए अपनी दिमाग में बसने दें। मैं चाहता हूं कि आप अपने मन में संतुष्ट के विपरीत दोहरे भाग की एक स्पष्ट तस्वीर अंकित होने दें। मेरे पास अभी इस बात की गहराई में जाने का समय नहीं है कि कैसे यीशु ने इस कहानी के पहले भाग को पूरा करने के लिए राज्य की सामर्थ को उस स्थिति में लाया - 5,000 लोगों को तृप्त किया जा रहा है। लेकिन आप इस श्रृंखला की पहली पुस्तक 'आपकी वित्तीय क्रांति: आधीनता की सामर्थ' में इसका पूरा विवरण पा सकते हैं।

इसके बजाय, मैं इस कहानी में दोहरे हिस्से, बहुतायत से अधिक और यह सब कैसे हुआ, इस पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। हाँ, यह एक अद्भुत कहानी है- 20,000 लोग और सब तृप्त हो गए, वाह! लेकिन राज्य में केवल संतुष्ट या तृप्त होने के अलावा और भी बहुत कुछ है, हालाँकि इससे पहले कि आप बहुतायत से अधिक की ओर जाने से पहले, आपको निश्चित रूप से संतुष्ट या तृप्त होने की आवश्यकता है। संतुष्ट और तृप्त होना बहुत अच्छी बात है, लेकिन फिर कल का क्या? मैं जो कहने की कोशिश कर रहा हूं वह यह है कि यदि आपका लक्ष्य केवल संतुष्ट होना है, तो फिर से भूख लगने पर क्या करोगे? बहुत से मसीही लोग संतुष्ट होकर आनंदित रहने की स्थिति में हैं लेकिन फिर वे दुगने हिस्से से चूक जाते हैं। यह दोहरा भाग है जो सब्त के दिन परमेश्वर के विश्राम को लाता है। संतुष्ट होना केवल अस्थायी प्रावधान है। यह प्रावधान की समस्या का समाधान नहीं करता है। आप वर्तमान में तो भूखे नहीं हैं, लेकिन आपको यह डर है कि आप फिर से भूखे हो जाएंगे, और इसी कारण आप जीवित रहने की मानसिकता के साथ दौड़ते और श्रम करते हैं। केवल संतुष्ट होने का लक्ष्य रखने से भी अधिक जीने का एक बेहतर तरीका है।आप संतुष्ट मानसिकता के साथ अधिक प्राप्त नहीं कर सकते। दृष्टि अभी भी केवल आज पर ध्यान केंद्रित करने के संतुष्ट स्तर तक ही सीमित है। केवल संतुष्ट होने का लक्ष्य होने का अर्थ है अभी भी पृथ्वी अभिशाप के दर्दनाक परिश्रम और पसीना बहाने की व्यवस्था में केवल जीने के लिए जीवित रहने का लक्ष्य रखना है।

संतुष्ट व्यक्ति आज के लिए तृप्त होता है; दोहरा भाग कल का प्रबंध करता है!

मैं आपको एक उदाहरण देता हूं कि हमारी संस्कृती और अधिकांश चर्च किस प्रकार सोचते हैं। किसी से भी पूछें कि उनकी आर्थिक स्थिति कैसी हैं तो आपको बहुत सारे उत्तर मिलेंगे, और उनमे से अधिक तो यही कहेंगे की कुछ अच्छा नहीं है। लेकिन अगर आपको कोई मिलता है, जो कहता है, “हमारा सब कुछ अच्छा चल रहा है, आर्थिक स्थिति भी अच्छी है” तो आप उनसे यह पूछें, “तो आपके घर की सारी किश्तें पूरी हो चुकी है?” वे शायद आपकी ओर घूरके कहेंगे, “ठीक है, मेरे घर का भुगतान पूरा नहीं हुआ है। लेकिन मेरा मतलब सिर्फ इतना था कि हम अपने सभी बिलों का भुगतान कर रहे हैं और बैंक में कुछ पैसे भी हैं। “बहुत अच्छा!”

आप कहते हैं, "आप का सबकुछ बिलकुल अच्छा चल रहा हैं। मुझे बताओ, क्या आपके बैंक में 8-10 लाख से अधिक पैसे हैं?" ज़ाहिर है आप ऐसा सवाल कभी किसी से नहीं पूछेंगे, लेकिन अगर आपने ऐसा सवाल पूछ ही लिया तो आपको जवाब मिलेगा, "नहीं, लेकिन हमारे पास 800 डॉलर हैं।" यह गंभीर बात है, ये लोग सोचते हैं कि उनकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी हैं क्योंकि उनके पास एक अच्छी कार, एक अच्छा घर और बैंक में कुछ रुपये हैं। वे संतुष्ट और तृप्त जीवन शैली जी रहे हैं। लेकिन जीवन इससे भी अधिक है! बैंक में 80 लाख से भी ज़्यादा रकम होने के साथ साथ अपने घर का भुगतान पूरा हो चुका हो तो कैसा रहेगा? अधिकांश लोगों के लिए यह जीवन की बहुतायत से अधिक होने की तस्वीर होगी। संतुष्ट होना बहुत अच्छा है और यह आवश्यक भी है, लेकिन घर के खाने के भंडार में रोटी और मछली से भरी 12 टोकरियाँ होना पर्याप्त से अधिक है, और वहाँ शांति है! मैं एक दिन एक ग्राहक के साथ बैठा था और उसके साथ उसकी आर्थिक स्थिति के बारे में चर्चा कर रहा था। जब मै उसपर कितना क़र्ज़ है यह देख रहा था, तो मैंने देखा कि उसके क्रेडिट कार्ड का क़र्ज़ करीब 40,000 डॉलर था। और जब मैं उसके पास कितना नकदी है यह देख रहा था, तो मैंने देखा कि उसके खाते में करीब 40,000 डॉलर नकद थे। "जो," मैंने कहा, "यह कोई समझदारी नहीं है। तुम्हारे पास तीन क्रेडिट कार्ड का पूरा भुगतान करने के लिए नकदी है। क्रेडिट कार्ड ऋण पर तुम्हारी ब्याज़ दर 18% है, और तुम्हारे बैंक खाते की ब्याज़ दर 1% है। तुम्हे इस नकद राशी से अपने क्रेडिट कार्ड का भुगतान करना चाहिए! लेकिन क्या आप जानते है, जो ने कहा कि वह ऐसा नहीं करना चाहता। मैं हैरान होकर उसे देखता रहा, और उससे पूछा कि ऐसा क्यों? उसने कहा कि उसके बैंक खाते में नकदी होने से उसे सुरक्षित और आर्थिक रूप से समृद्ध महसूस होता है। मैंने बस उसकी तरफ देखा और कहा "आपका क्या मतलब है कि यह तुम्हे अमीर महसूस कराता है? यह एक भ्रम है। यद्यपि तुम्हारे पास बैंक खाते में $40,000 हैं, लेकिन तुम्हारे पास वास्तव में $40,000 नहीं हैं क्योंकि तुम्हारे ऊपर अपनी क्रेडिट कार्ड कंपनियों का $40,000 बकाया है। तुम्हारी धारणा झूठी है, और तुम एक धोखे पर विश्वास करने के लिए बहुत पैसा दे रहे हो।"

हमने लगभग एक घंटे तक बात की, लेकिन वो इस बात को नहीं समझ पाया कि अपने बैंक में रखी राशी का अधिकांश भाग क्रेडिट कार्ड का भुगतान करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए, उसका कहना यह था कि वो पैसे कमाने के लिए उसने बहुत मेहनत की थी। मैंने एक

और घंटे तक उसे समझाने के बाद हार मान ली और घर चला गया। वह धोखे में था; उस पैसे को अपने बैंक के खाते में रखने से उसे कोई सुरक्षा मिलने वाली नहीं थी। मुझे पता है कि जब उसे ईमेल में बैंक स्टेटमेंट मिला जिसमे यह दिखाई दे रहा था कि उसके खाते में 40,000 डॉलर हैं तब उसे बहुत अच्छा महसूस हो रहा था। लेकिन वो पैसे वास्तविक रूप से उसके पास है या नहीं यह जानने के लिए उसे क्रेडिट कार्ड के बिल को भी खोलकर देखना चाहिए था, यह आवश्यक था।

संतुष्ट होना, तृप्त होना बहुत अच्छा है, लेकिन यह आपको सुरक्षा की झूठी भावना में फंसा सकता है। आपको आगे के जीवन के बारे में सोचने की जरूरत है और यह समझना भी आवश्यक है कि आपने अभी जो कुछ खाया है, उसी पर आप कुछ घंटों बाद निर्भर नहीं रह सकते। आपको फिर से भूख लगेगी। यदि आप केवल आज ही के लिए संतुष्टि, आज ही के लिए प्रावधान की पूर्ति में संतुष्टि की तलाश कर रहे हैं, तो आप केवल उस एक चीज को अपने जीवन में खो रहे हैं जो वास्तव में आपके जीवन को बदल सकती है - दोहरा भाग।

जब हम सब धरती की दर्दनाक परिश्रम और पसीना बहाने की आर्थिक व्यवस्था की श्राप प्रणाली में पले-बढ़े है, तब हम लगातार एक सपना देखते है, हम कब रुकेंगे! मैंने पिछले एक अध्याय में इसका उल्लेख किया है। हमने इस बात का सपना नहीं देखा कि हमें अधिक काम कैसे मिलेगा या और अधिक अवसर कैसे प्राप्त हो सकता है, हम पहले से ही जीवन से अभिभूत है और बस अगली छुट्टी कब मिलेगी इसके इंतज़ार में रहते है। आप जानते है कि, गुलाम इस बात का सपना नहीं देखते कि उनको और अधिक काम मिल जाएँ। गुलाम एक ही बात का सपना देखते हैं—शुक्रवार की रात कब होगी, सोमवार की सुबह का सपना नहीं देखते। क्यों? क्योंकि गुलाम केवल एक ही चीज का सपना देखते हैं - रुक जाने का। सुनो, अभिभूत होना और "रुकने के लिए इंतजार नहीं कर सकता" यह मानसिकता आपको कभी भी कहीं नहीं ले जाने वाली है। यहां तक कि अगर कोई फरिश्ता आपके पास आकर आपको परमेश्वर की आपके लिए योजना के बारे में बताता है, तो भी आपकी मानसिकता आपको आगे बढ़ने से रोकेगी। इस बात को आप लिखकर रख सकते है।

दोहरे हिस्से को प्राप्त करने के लिए आपको निश्चित करना होगा कि पहले आप संतुष्ट है!

यह कथन दोहरे भाग की कुंजी है। मुझे पता है कि यह अभी बहुत मायने नहीं रखता है, लेकिन आगे आप इसकी महत्वपूर्णता को समझेंगे। यह कहने से मै क्या स्पष्ट करना चाहता हूँ यह दिखाने के लिए, मैं मरकुस रचित सुसमाचार के बजाय यूहन्ना रचित सुसमाचार से 5,000 लोगों को खिलाने की कहानी पर एक और नज़र डालना चाहता हूँ। यूहन्ना जो लिखा है उसमे हम वही कहानी पाते हैं लेकिन यहाँ कुछ विवरण अलग है जो हम मरकुस के संस्करण में नहीं पाते हैं।

> *तब यीशु ने रोटियाँ लीं, और धन्यवाद करके बैठनेवालों को बाँट दीं; और वैसे ही मछलियों में से जितनी वे चाहते थे बाँट दिया। जब वे खाकर तृप्त हो गए तो उसने अपने चेलों से कहा, "बचे हुए टुकड़े बटोर लो कि कुछ फेंका न जाए।"*
>
> — यूहन्ना 6:11-12

कहानी के इस संस्करण में, हम देखते हैं कि यह यीशु ने स्वयं उनसे कहा कि जाओ और रोटियों के बचे हुए टुकड़े इकट्ठा करो, और कुछ भी बर्बाद न होने दो। मैं चाहता हूं कि आप इसे ठीक तरीके से समझे। उसे उन्हें ऐसा करने के लिए कहना पड़ा क्योंकि उन्होंने अपने सामने जो अवसर था उसे नहीं देखा। अपने आपको उनके स्थान पर रख कर देखें। जब आप तृप्त और संतुष्ट हैं, तब आप बस चाहते हैं कि लेट जाएं और झपकी लें। पृथ्वी शाप प्रणाली, जिसमे आप जीवन यापन करते आए है और आपकी गुलामी की मानसिकता के कारण, जब आप संतुष्ट हो जाते हैं, तो आपको लगता है कि बस यह रुकने का समय है। आप देखते हैं, गुलाम मानसिकता तभी काम करती है जब उसे काम करना ज़रूरी होता है, और जब उसे काम करने की आवश्यकता नहीं होती है, जब वह संतुष्ट हो जाती है, तो वह शांत होकर आराम करती है। यीशु को उनसे कहना पड़ा कि जो कुछ उनकी आँखों के सामने है उसे वे इकट्ठा करें। उनके चारों ओर टुकड़े जमीन पर पड़े थे, फिर भी उन्होंने उन्हें उठाने का कोई प्रयास नहीं किया। क्योंकि, उनके दिमाग में, इन टुकड़ों का महत्व केवल पक्षियों के लिए छोड़े जाने के अलावा और क्या था?

यहाँ यीशु उन्हें कुछ सिखाने की कोशिश कर रहा था, कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण। यीशु ने उन्हें टुकड़ों को इकट्ठा करने, और कुछ भी बर्बाद न होने देने के लिए कहने के बाद एक टिप्पणी की! लेकिन इसका क्या मतलब है? हर कोई तृप्त है, हर कोई संतुष्ट है, और किसी को भी अब और रोटी और मछली नहीं चाहिए थी, कम से कम उसी समय तो नहीं चाहिए थी। लेकिन यहाँ

समस्या है - आवश्यकता से अधिक एकत्र किए बिना सब्त का विश्राम नहीं है। जब इस्राएलियों ने छठवें दिन मन्ना बटोर लिया, तब उन्हें यह आज्ञा दी गई, कि आवश्यकता से अधिक बटोर लो। वे उस दिन अर्थात छठवे दिन आवश्यकता से अधिक बटोरते थे, और सातवें दिन विश्राम के दिन वह उनका आहार हो जाता था। यीशु अपने शिष्यों को सिखा रहा था कि संतुष्ट होने से आगे देखना और राज्य के सम्पूर्ण प्रावधान को देखना आवश्यक है। फिरसे कहना चाहता हूँ, आप संतुष्ट होकर निर्माण नहीं कर सकते, लेकिन आप दोहरे हिस्से को प्राप्त करने के द्वारा निर्माण कर सकते हैं। आज की रोटी खाकर हम तृप्त हो जाते है लेकिन बची हुई 12 टोकरियाँ आपको कल के लिए विकल्प देती हैं।

यहाँ एक मुख्य सिद्धांत है जो मैं चाहता हूँ कि आप देखें।

यद्यपि चेलों ने टुकड़ों को तब तक नहीं देखा जब तक कि यीशु ने उन्हें वे नहीं दिखाए, परमेश्वर **ने पहले से ही उन्हें सब्त का विश्राम**, दोहरा भाग दे दिया था। लेकिन उन्होंने उसे नहीं देखा। राज्य ने पहले से ही भोजन प्रदान किया था, रोटी और मछली को कई गुना बढ़ा दिया था, और उन सभी लोगों को खिलाया था—लेकिन राज्य हमेशा दुगने हिस्से की आपूर्ति करता है। परमेश्वर कभी भी केवल संतुष्ट होनेतक ही आपूर्ति नहीं करेगा; **वह हमेशा जरूरत से ज्यादा प्रदान करता है**। मुद्दा यह है कि आप इसे नहीं देख पा रहे होते है!

> *दिया करो, तो तुम्हें भी दिया जाएगा। लोग पूरा नाप दबा दबाकर और हिला हिलाकर और उभरता हुआ तुम्हारी गोद में डालेंगे, क्योंकि जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा।"*
>
> — लूका 6:38

दिया करो, तो तुम्हें भी दिया जाएगा। लोग पूरा नाप दबा दबाकर और हिला हिलाकर। लेकिन यह वचन यहीं पर समाप्त नहीं होता है। उस दिन के लिए तेरा प्रावधान दबा-दबाकर और हिला-हिलाकर दिया गया है।

परन्तु यह पद आगे कहता है, "और उभरता हुआ!" उभरता हुआ यह दोहरा भाग है। परमेश्वर हमेशा दुगुने हिस्से की आपूर्ति करता है, केवल पर्याप्त कभी नहीं!!!! लेकिन जब आपको इसके बारे में पता नहीं होता है, और अनाज उभरता हुआ मिलने लगता है, तो आप

उसे जमीन पर गिरने देते हैं क्योंकि आपका ध्यान अपने सामने संतुष्ट कर देने वाले हिस्से पर पूरी तरह से केंद्रित था और आप उस उभरते हुए दिए जाने वाले हिस्से को देखने के लिए तैयार नहीं थे। ऐसा करने में, आप दोहरे हिस्से को प्राप्त करने और उसका आनंद लेने में विफल रहेंगे। लेकिन अगर आप समझ जाते है कि राज्य कैसे काम करता है, तो पूरे प्रावधान के बारे में जानने और उसकी अपेक्षा करने के बाद, आप कार्य करने और परमेश्वर द्वारा प्रदान की जाने वाली हर चीज़ पर प्रॉपर करने ग्रहण करने के लिए तैयार होंगे।

मै आपको एक और उदाहरण देना चाहता हूँ।

शमौन ने उसको उत्तर दिया, "हे स्वामी, हम ने सारी रात मेहनत की और कुछ न पकड़ा; तौभी तेरे कहने से जाल डालूँगा।" जब उन्होंने ऐसा किया, तो बहुत मछलियाँ घेर लाए,

> *और उनके जाल फटने लगे। इस पर उन्होंने अपने साथियों को जो दूसरी नाव पर थे, संकेत किया कि आकर हमारी सहायता करो, और उन्होंने आकर दोनों नावें यहाँ तक भर लीं कि वे डूबने लगीं। यह देखकर शमौन पतरस यीशु के पाँवों पर गिरा और कहा, "हे प्रभु, मेरे पास से जा, क्योंकि मैं पापी मनुष्य हूँ!" क्योंकि इतनी मछलियों के पकड़े जाने से उसे और उसके साथियों को बहुत अचम्भा हुआ, और वैसे ही जब्दी के पुत्र याकूब और यूहन्ना को भी, जो शमौन के सहभागी थे, अचम्भा हुआ। तब यीशु ने शमौन से कहा, "मत डर; अब से तू मनुष्यों को जीवता पकड़ा करेगा।"*
>
> — लूका 5:5-10

यह उस कहानी का एक भाग है जिसे हमने पहले पढ़ा था। पतरस के पास दो नावें थीं जो राज्य के कारण मछलियों से भरी लगभग डूब रही थीं। यह मछली पकड़ने की उनकी समझ के विपरीत था और इसने उन्हें चकित कर दिया। लेकिन अगली बार जब यीशु कहेगा, "हे पतरस, वहाँ गहरे पानी में जाओ, और तुम जितनी चाहो उतनी मछलियाँ पकड़ सकोगे"? तब क्या होगा? क्या आपको लगता है कि वह केवल दो ही नावें ले कर जाएगा? मुझे ऐसा नहीं लगता। वह अपने दोस्तों से जितनी हो सकें उतनी नावं उधार लेगा, और वहाँ इकट्ठी कर लेगा। क्यों? क्योंकि अब वह पिछली बार से और अधिक की अपेक्षा करेगा, क्योंकि अब उसे ज्ञात हो गया है कि राज्य कैसे संचालित होता है।

इस पूरी चर्चा का उद्देश्य यह है कि आप यह समझें कि आप उन सभी प्रावधानों को नहीं देख रहे हैं जो परमेश्वर आपके लिए भेज रहा है। जज हाँ, ज़्यादातर समय यह प्रावधान एकदम रुपयों के रूप में नहीं होंगे। लेकिन यह नई कल्पनाएं, ईश्वरीय नियुक्तियॉं और पवित्र आत्मा के निर्देशन के रूप में होंगे। यदि हमें दोहरे हिस्से की उचित समझ नहीं हैं, तो हम अपने जीवन जीने के लिए जीवित रहना है इस पृथ्वी अभिशाप प्रणाली के कारण उनको नज़रअंदाज़ करके आगे निकल जाएँगे।

रोटी के बढ़ने की कहानी में, यीशु अपने शिष्यों को यह सिखाने की कोशिश कर रहा है कि राज्य कैसे संचालित होता है, क्या उम्मीद करनी चाहिए और किस बात की अपेक्षा करनी चाहिए। क्योंकि उन्होंने अपनी गुलामी की मानसिकता के कारण आस-पास पड़ी सारी रोटी की क्षमता को नहीं देखा, उसे देखने के लिए यीशु को उन्हें प्रशिक्षित करना पड़ा: "आप क्या देख रहें है? ध्यान दें! आप वह सब कुछ नहीं देख रहे जो परमेश्वर ने आपके लिए तैयार किया है।"

मैं एक पल के लिए आपको निर्गमन 16 की याद दिलाना चाहता हूं क्योंकि एक और बात है जिसे मैं यहाँ दिखाना चाहता हूं।

> *वे भोर को प्रतिदिन अपनी आवश्यकता के अनुसार खाने के लिये बटोर लेते थे, और जब धूप कड़ी होती थी, तब वह गल जाता था।फिर ऐसा हुआ कि छठवें दिन उन्होंने दूना, अर्थात् प्रति मनुष्य के पीछे दो दो ओमेर बटोर लिया, और मण्डली के सब प्रधानों ने आकर मूसा को बता दिया। उसने उनसे कहा, "यह वही बात है जो यहोवा ने कही, क्योंकि कल परमविश्राम, अर्थात् यहोवा के लिये पवित्र विश्राम होगा, इसलिये तुम्हें जो तन्दूर में पकाना हो उसे पकाओ, और जो सिझाना हो उसे सिझाओ, और इसमें से जितना बचे उसे सबेरे के लिये रख छोड़ो।*
>
> *जब उन्होंने उसको मूसा की इस आज्ञा के अनुसार सबेरे तक रख छोड़ा, तब न तो वह बसाया, और न उसमें कीड़े पड़े। तब मूसा ने कहा, "आज उसी को खाओ, क्योंकि आज यहोवा का विश्रामदिन है; इसलिये आज तुम को वह मैदान में न मिलेगा। छ: दिन तो तुम उसे बटोरा करोगे; परन्तु सातवाँ दिन विश्राम का दिन है, उसमें वह न मिलेगा।"*

तौभी लोगों में से कोई कोई सातवें दिन भी बटोरने के लिये बाहर गए, परन्तु उनको कुछ न मिला। तब यहोवा ने मूसा से कहा, "तुम लोग मेरी आज्ञाओं और व्यवस्था को कब तक नहीं मानोगे? देखो, यहोवा ने जो तुम को विश्राम का दिन दिया है, इसी कारण वह छठवें दिन को दो दिन का भोजन तुम्हें देता है; इसलिये तुम अपने अपने यहाँ बैठे रहना, सातवें दिन कोई अपने स्थान से बाहर न जाना।" अत: लोगों ने सातवें दिन विश्राम किया।

— निर्गमन 16:21-30

जैसा कि हम कहते आ रहे हैं, दोहरा हिस्सा ही सब्त के विश्राम को संभव बनाता है। परन्तु आश्चर्य की बात यह है कि, परमेश्वर ने छठवें दिन दोगुना भाग पहले ही दे दिया था, लेकिन फिर भी बहुत से लोग अगले दिन अर्थात सब्त के दिन उसे ढूंढ़ने निकले और उन्हें कुछ न मिला। ऐसा नहीं है कि परमेश्वर आपूर्ति करने में विश्वासयोग्य नहीं था। लेकिन उन्हें छठे दिन पहले से दिए गए दोगुने हिस्से की सही समझ नहीं थी इसलिए वे उसे देख नहीं पाएं। उन्होंने हमेशा की तरह केवल एक दिन के लिए जितना आवश्यक था उतना ही इकट्ठा किया था। अब सातवें दिन जब वे भूखे हो गए तब उन्हें कुछ भी नहीं मिला। शायद उन्होंने सोचा होगा कि परमेश्वर ने हमे असफलता दी है। परन्तु परमेश्वर असफल नहीं होने देता है; वास्तविकता यह थी कि उन्हें दोहरे भाग के सिद्धांत की जानकारी ही नहीं थी। अगर उन्हें पता होता तो वे उसी तरीके से कार्य करते।

आज कितने लोग अपनी जरूरत की चीजों को पाने की कोशिश में इधर-उधर भटक रहे हैं, उन्हें यह पता ही नहीं हैं कि परमेश्वर ने उनकी उन ज़रूरत की चीज़ों को पहले ही भेज दिया है? मुझे लगता है कि इस शस्त्रभाग में हमें दिखाई देता है कि उन्होंने पहले ही से दूसरे दिन के लिए आवश्यक भोजन इकट्ठा नहीं किया इसलिए परमेश्वर उनसे नाराज़ है!!!! मुझे सोचता हूँ कि हम इसे अपनी कलीसियाओं में किस प्रकार लागू करेंगे।

अत: जो बोनेवाले को बीज और भोजन के लिये रोटी देता है, वह तुम्हें बीज देगा, और उसे फलवन्त करेगा; और तुम्हारे धर्म के फलों को बढ़ाएगा। तुम हर बात में सब

प्रकार की उदारता के लिये जो हमारे द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद करवाती है, धनवान किए जाओ।

— 2 कुरिन्थियों 9:10-11

पौलुस यहाँ बहुत स्पष्टता से बात कर रहा है क्योंकि वह हर तरह से समृद्ध होने के रूप में परमेश्वर के राज्य के प्रभाव की व्याख्या करता है ताकि आप हर अवसर पर उदार हो सकें। मेरे मित्र, इसके लिए दुगने भाग की आवश्यकता है। आप पर्याप्त से अधिक के बिना प्रत्येक अवसर पर उदार नहीं हो सकते।

पहले के एक अध्याय में, मैंने आपको बताया कि कैसे मेरा व्यवसाय हमारे एक विक्रेता के साथ प्रति वर्ष 3 से 4 मिलियन डॉलर के उत्पादन के स्तर से प्रति वर्ष 11 मिलियन से अधिक उत्पादन के स्तर पर पहुँच गया। यह सारी बढ़ोतरी महज एक साल के भीतर हुई है। मैंने आपको यह भी बताया कि यह कैसे हुआ,

परमेश्वर ने रात में सपने में बात कि और बताया कि यह कैसे करना है। लेकिन मुझे लगता है कि अब मुझे आपको यह बताना ज़रूरी है कि उसने मुझे क्या कहा क्योंकि अब आपको उसका मतलब समझ में आएगा। मेरे सपने में, उसने मुझे बस तीन शब्द दिए। जी हाँ बिलकुल, सिर्फ तीन शब्द। उन तीन शब्दों ने उस वर्ष मेरी आय को सैकड़ों-हजारों डॉलर से बदल दिया और पहले मै जितनी मार्केटिंग करता था, या विज्ञापन दिया करता था, उसके बगैर यह हुआ। मैंने अपने खुद के अलावा अपनी कंपनी के संचालन में कोई बदलाव नहीं किया। उन तीन शब्दों ने व्यक्तिगत रूप से मैं जिस प्रकार कार्य कर रहा था उसे बदलने के लिए कहा, और उस परिवर्तन ने हमारे व्यवसाय और मेरी आय को चौगुना कर दिया। वे "तीन शब्द क्या हैं?" आप शायद जानना चाहते है। केवल यह—अवसर का लाभ उठाओ!

हाँ, अवसर का लाभ उठाओ। "इतना ही? केवल उन तीन शब्दों ने वह सब किया?" हाँ, उन तीन शब्दों ने यह किया। एक बार जब आप समझ जाते हैं कि परमेश्वर **हमेशा** अपने प्रावधान के साथ दुगना हिस्सा भेजता है, तो आप समझ जाएंगे कि वह मुझे क्या कह रहा था।

मेरी कंपनी, सभी बिक्री कंपनियों की तरह, लोगों की मदद करके अपना लाभ कमाती है। कंपनी लोगों की मदद करने में जितनी बेहतर होगी, वह उतना ही अधिक पैसे कमाएगी। यह

तो सच्चाई है ही, लेकिन यह भी सच है कि बहुत सी बिक्री कंपनियां अपने ग्राहकों की ज़रूरतों को पूरा करने में विफल रहती हैं, या तो ठीक से फॉलो-अप ना करने और ग्राहक सेवा ना देने के कारण या फिर कंपनी के लिए नए ग्राहक हासिल करने और जो ग्राहक है उन्हें बनाएं रखने की कमी के कारण।

हमारे मामले में, हम बेहद व्यस्त थे, और हालांकि यह कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन कभी-कभी हम अपने ग्राहकों को जिस प्रकार मै चाहता था उस प्रकार तुरंत और शीघ्रता से सेवा नहीं दे पा रहे थे। मैं खुद व्यक्तिगत रूप से, निवेश ग्राहकों के साथ काम करता हूं और मुझे यह पसंद है। लेकिन मेरी व्यस्तता के कारण, जब एक संभावित निवेश ग्राहक कॉल करता थाऔर उसकी समस्या हल करने और उसके ऊपर कार्य करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उसे मुझे सौंप दिया जाता था, तो उस समय से अगले 24 घंटे तक मैं उसे कॉल भी नहीं कर पाता था। मैं उसकी अच्छाई के लिए सोचता हूँ, लेकिन मैं इसे पूरा नहीं कर पाता था।

प्रभु मुझे बता रहा था कि भरपूर से भी अधिक प्रावधान, सब्त का विश्राम, पहले से ही दिया गया था, उसने पहले ही इसे प्रदान कर दिया था। मैं बस इसे नहीं देख पा रहा था!

जैसा कि आप जानते हैं, जब लोग प्रश्न पूछते हैं, तो कंपनी को ही उनके उत्तर देने होते है ताकि उन्हें अपना व्यवसाय प्राप्त हो सके। कभी-कभी किसी संभावित ग्राहक को उसकी व्यक्तिगत निवेश आवश्यकताओं पर चर्चा करने के लिए उसे फोन करने में देर हो जाती है। और तब वह ग्राहक किसी अन्य कम्पनी से संपर्क कर लेता है जो उसके प्रश्नों का तुरंत उत्तर देती हैं और समस्या हल करने में देर नहीं लगाती। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो गलत हो जाती हैं, लेकिन इसका हल यही है कि जब लोग कुछ जानना चाहते हैं तो उनका समाधान करने के लिए तत्पर रहना।

इसलिए जब प्रभु ने मुझे वे तीन शब्द दिए, तो मैं समझ गया कि इसका अर्थ क्या है। मुझे परिस्थिति को अलग तरह से देखना था। अगर मैं वास्तव में उन प्रथम श्रेणी के दस लोगों के स्तर पर पहुँचना चाहता हूँ और उस मंच पर उनमे से एक होकर बैठकर वो $100,000 का चेक हासिल करना चाहता हूँ, तो मुझे अवसर का लाभ उठाना अत्यंत ज़रूरी था! इसलिए मैंने कार्य को करने के तरीके में बदलाव किया। मैंने एक नियम बनाया कि अगर कोई निवेश सलाह

के लिए फोन करता है, तो मैं उन्हें दो मिनट के भीतर वापस फोन करूँगा, और मैं तुरंत उनके पास उनकी सहायता के लिए जाऊंगा। मेरे ग्राहक पूरे देश में हैं और इस प्रकार की प्रतिबद्धता को निभाना कठिन होने वाला था। लेकिन मैंने निश्चय किया कि मैं इसके लिए प्रतिबद्ध रहूँगा। मैंने अपनी कंपनी के प्रबंधक को बुलाया और उसे बताया कि परमेश्वर ने क्या कहा है, और उससे कहा कि मेरे सभी प्रतिनिधियों से कहें कि जब वे भी हर अवसर को ना छोड़ने का एक जैसा रवैया रखें। साल खत्म होने तक, हमने उस विक्रेता के लिए शीर्ष 10 में रहने के लिए आवश्यक 11 मिलियन से भी अधिक का मुनाफ़ा कमाया था। लेकिन उससे भी बढ़कर, हमने अपने अन्य विक्रेताओं के साथ काम करके लाखों डॉलर्स का अतिरिक्त व्यवसाय भी किया था।

यहाँ आपको महत्वपूर्ण बात बताने का समय है। हमने कुछ अलग नहीं किया, लेकिन जब एक ग्राहक हमसे संपर्क करके हमसे बात करना चाहता था, तो हम तुरंत उसकी सहायता के लिए जो आवश्यक होता था वह करते थे। आप समझ रहें है, प्रभु मुझे कह रहा था कि बहुतायत या आवश्यकता से अधिक, सब्त का विश्राम पहले से ही दिया गया था, उसने पहले से ही इसे प्रदान कर दिया था। मैं बस इसे नहीं देख पा रहा था!

इसलिए दोहरा हिस्सा कैसे प्राप्त किया जाए इसके लिए दोहरे हिस्से का राज्य का कोई कानून नहीं है। दोहरा हिस्सा हमेशा से ही उपलब्ध होता है। परमेश्वर हमेशा दोगुने हिस्से के साथ ही प्रावधान प्रदान करता है।

परमेश्वर कभी भी केवल आज के लिए प्रावधान नहीं भेजता हैं। वह उसके साथ हमेशा दोहरा भाग भेजता है!

लेकिन फिर, हमारी समस्या यह है कि हम दोहरा भाग देख ही नहीं पाते हैं।

लेकिन उससे भी बड़ी समस्या यह है कि हमें उसे खोजना भी नहीं आता है!!!!

इस कहानी में यीशु ने जो कहा वो मुझे पसंद है, “कुछ भी व्यर्थ न जाने दो!” यह सब परमेश्वर ने भेजा है, और वह चाहता हैं कि आप इसका इस्तेमाल अपने लिए करें। उसने सातवे दिन के लिए मन्ना पहले ही भेज दिया था, तब भी लोग उसकी तलाश में बाहर निकले तब

परमेश्वर परेशान हो गया, उसे गुस्सा आया। उसने मूसा को याद दिलाया कि उसने छठे दिन ही सब्त के दिन के लिए भी मन्ना भेजा था ताकि वे इसे ले सकें और सब्त के विश्राम का आनंद उठा सकें। असल में, वह उनसे कह रहा था, "सब्त मेरे लिए नहीं है, यह तुम्हारे लिए है। इसलिए मैंने तुम्हें दूना भाग भेजा है।" आप यीशु को भी लगभग यही बात कहते हुए सुन सकते हैं। "अरे दोस्तों, उन टुकड़ों को उठाओ, और यह सब अपने लिए इस्तेमाल करो। परमेश्वर ने इसे आपके लिए ही भेजा है ताकि आप दुगुने हिस्से का आनंद उठा सकें और आराम पा सकें।

यीशु द्वारा पाँच रोटियाँ और दो मछलियों से 5,000 लोगों को खिलाने की कहानी में, शिष्यों ने टुकड़ों को नहीं देखा। वे उनकी तलाश भी नहीं कर रहे थे। लेकिन यीशु ने उन्हें बताया कि क्या चुनना है ताकि फ़सल छूट ना जाएँ। आज पवित्र आत्मा हमारी मदद करता है ताकि हम देखें कि हम संतुष्ट हो चुके है और दोहरे और अब दोहरे हिस्से को लेकर उसका इस्तेमाल करें। यदि हम उससे पूछेंगे तो वह हमें ऐसी बातें बताएगा जो हम नहीं देख पा रहे हैं। मुझे आशा है कि आपने इस कुंजी को समझ लिया है और सीख लिया है कि आपको दोहरा भाग पहले ही दिया जा चुका है; आपको बस इसे लेने की, ग्रहण करने की ज़रूरत है।

क्योंकि दुगना भाग ही दर्दनाक परिश्रम और पसीना बहाने की पृथ्वी की श्राप प्रणाली से बचने का एकमात्र उपाय है, शैतान इससे घृणा करता है। और हाँ, वह विश्वासियों को समझाने की कोशिश कर सकता है कि अगर वे अपने बिलों का भुगतान कर पा रहे हैं, दो नौकरियां करके अपना और परिवार का निर्वाह कर रहे हैं, तो वे ठीक कर रहे हैं, उतना ही काफ़ी है। लेकिन एक विश्वासी जिसके पास परमेश्वर के राज्य की बढ़ौतरी के लिए देने के लिए पैसा है और वह स्वयं आर्थिक तनाव के भय और चिंता से मुक्त रहता है - तो शैतान इस प्रकार के लोगों को रोकना चाहता है। शैतान की इच्छा और योजना है कि आपकी आर्थिक स्थिति हमेशा तनावपूर्ण रहे, और आप जीवन जीना है इसलिए जीवित रहने की जीवनशैली के दास बने रहे, और आपका जीवन किसी भी प्रकार से प्रभावशाली ना हो। पैसा प्रभाव है! शैतान निश्चित रूप से आपको परमेश्वर की आशीष से रोकना चाहेगा। इसलिए मैं आपको जो बताने जा रहा हूं वह आपके लिए समझना बहुत जरूरी है।

दोहरा भाग छिपा हुआ है!

तो अब, शिष्यों को विश्राम देने का समय आ गया है। उन्होंने आवश्यकता से अधिक या बहुतायत को नहीं देखा था, इसका एक कारण है। ठीक है, हम यह कह रहे हैं, कि वे नहीं देख पा रहे थे, लेकिन वास्तव में इसका एक और कारण है। आप आमतौर पर गिरा हुआ खाना या चीज़ों को नहीं उठाते हैं! मेरा मतलब है, उनके दिमाग में, चारों ओर पड़ी रोटी और मछली के टुकड़े सिर्फ कूड़ा या फेंकने लायक़ खाना था।

पतरस को अपना कर अदा करने के लिए जिस सिक्के की आवश्यकता थी, वह मछली के मुँह में क्यों छिपाया गया था? क्या कोई भी कभी सोच सकता था कि उस सिक्के को वहाँ ढूँढना चाहिए? क्या किसीने कभी सोचा होगा कि जिन पेशेवर मछुआरों ने पूरी रात मछली पकड़ने की कोशिश की थी लेकिन कुछ भी पकड़ नहीं पाएं थे, उन्हें एक रब्बी के कहने पर उनके जीवन का सबसे बड़ा शिकार मिल सकता है? किसने सोचा होगा कि 2 राजाओं अध्याय 4 में जिस महिला के पास कुछ भी पैसा नहीं था, उसके घर में और कुछ भी नहीं था, केवल एक छोटेसे बर्तन में थोड़ासा तेल था, जो दिवालिया होने की घोषणा करने वाली थी, तब उसका तेल इतना बढ़ जाएगा कि अपने ऊपर के पुरे क़र्ज़ को चुका पाएगी और उसका जीवन कर्ज़मुक्त हो जाएगा? ऐसा किसी ने नहीं सोचा होता। किसने सोचा होगा कि गैरी कीसी, जिसने अपनी कक्षा में सबसे कम अंकों से स्नातक किया, आज एक करोड़पति होगा और हर रोज़ दुनिया भर के हज़ारों लोगों के सामने भाषण करेगा? किसी ने नहीं सोचा होता! इन सभी कहानियों में, परमेश्वर ने जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है ऐसी चीज़ों का उपयोग आसपास की स्थिति को बदलने के लिए किया।

शैतान की इच्छा और योजना है कि आपकी आर्थिक स्थिति हमेशा तनावपूर्ण रहे, और आप जीवन जीना है इसलिए जीवित रहने की जीवनशैली के दास बने रहे, और आपका जीवन किसी भी प्रकार से प्रभावशाली ना हो।

यदि आवश्यकता से अधिक, दोहरा भाग दृश्य स्वरूप में होता, आसानी से दिखाई देने वाला होता, तो शैतान ने इसे देख लिया होता और हस्तक्षेप करके इसे चुराने की कोशिश की होती। यही कारण है कि परमेश्वर अपने ख़ज़ाने को खुले तौर पर प्रकट नहीं करता हैं। उसका खज़ाना छुपा हुआ होता हैं। जब आप संतुष्ट होते है और परमेश्वर द्वारा दिए गए प्रावधान का आनंद

लेते है तब शैतान इस से नफरत करता है, लेकिन जब आप उसके द्वारा दिए गए बहुतायत और सब्त के विश्राम में कदम रखते हैं तो वह वास्तव में और भी अधिक नफरत करता है।

मै आपको दिखाना चाहता हूँ कि, परमेश्वर पृथ्वी के क्षेत्र में कैसे कार्य करता है, और आपको इसे समझने की आवश्यकता है।

> *परन्तु हम परमेश्वर का वह गुप्त ज्ञान, भेद की रीति पर बताते हैं, जिसे परमेश्वर ने सनातन से हमारी महिमा के लिये ठहराया। जिसे इस संसार के हाकिमों में से किसी ने नहीं जाना, क्योंकि यदि वे जानते तो तेजोमय प्रभु को क्रूस पर न चढ़ाते।*
>
> — 1 कुरिन्थियों 2:7-8

यह शस्त्रभाग हमें स्पष्ट रूप से दिखाता है कि यदि शैतान को परमेश्वर की योजना का पता होता, तो उसने अपनी रणनीति बदल दी होती! यही कारण है कि परमेश्वर को गुप्त रूप से कार्य करना पड़ता है। शैतान किसी भी स्पष्टरूप से दिखाई देने वाली बात पर प्रतिक्रिया करेगा। आपके बहुतायत के प्रावधान को तब तक स्पष्ट नहीं किया जा सकता जब तक कि आप उसे ग्रहण करने के लिए बिलकुल तैयार नहीं है या जिस कारण से वह आपको दिया जा रहा है उसी कारण से उसे प्राप्त नहीं कर रहे है। मेरी एक कहावत है जिसे मै अनेक वर्षों से इस्तेमाल करता आ रहा हूं। परमेश्वर के खज़ाने आपसे नहीं बल्कि आपके लिए छिपे हुए हैं।

आपसे नहीं बल्कि आपके लिए छिपे हुए हैं!

बहुत से लोग मुझसे कहते हैं कि वे चाहते हैं कि परमेश्वर अपने उत्तर देने के लिए आधी रात के समय तक प्रतीक्षा न करे। लेकिन मेरे मित्र, परमेश्वर घबराता नहीं है। वह जानता है कि आपको बिल का भुगतान कब करना है, और यह आपके लाभ के लिए है कि परमेश्वर बहुत जल्दी अपना कार्य नहीं दिखाता है, कहीं ऐसा न हो कि शैतान बाधा उत्पन्न करें।

> *मैं तुझ को अन्धकार में छिपा हुआ और गुप्त स्थानों में गड़ा हुआ धन दूँगा, जिस से तू जाने कि मैं इस्राएल का परमेश्वर यहोवा हूँ जो तुझे नाम लेकर बुलाता है।*
>
> — यशाया 45:3

धन गुप्त स्थानों में गड़ा हुआ धन? अरे, यह तो हॉलीवुड की किसी भी सबसे बड़ी फिल्म की पटकथा से बेहतर है। मैं आपको एक उदाहरण देता हूं कि कैसे परमेश्वर ने मेरे व्यवसायिक जीवन में दोहरे हिस्से को हासिल करने में मेरी मदद की। अनेक वर्ष पहले, मैं अपनी वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी के उस साल के लाभ और हानि विवरण को देख रहा था। हालांकि मैं संतुष्ट था—मैं कर्ज से बाहर था और बैंक में कुछ पैसे भी थे—लेकिन मैं जानता था कि और भी बहुत कुछ है। मैने परमेश्वर के राज्य की बढ़ौतरी के लिए अनेक योजनाओं को आर्थिक सहायता करने के बारे में सोचा था, बहुत कुछ करना था, और इसके लिए बहुत पैसों की आवश्यकता थी।

जैसे ही मैंने इसके बारे में प्रार्थना की, प्रभु ने मेरे साथ टुकड़े इस शब्द के बारे में बात करना शुरू कर दिया। पहले तो मुझे समझ नहीं आया कि वह क्या कह रहा है, लेकिन जितनी देर मैंने इसके बारे में प्रार्थना की और सुनने का प्रयत्न किया, मुझे समझ में आया। हमने अभी-अभी उस कहानी में पढ़ा की उन्होंने टुकड़ों को नज़रअंदाज़ कर दिया था। उनका मूल्य बेकार समझा गया था - या तो यह सोचकर कि उन्हें बटोरने में जो परिश्रम करना पड़ता वह इस योग्य नहीं था या उनका मूल्य एक पुरानी मूल्य प्रणाली पर आधारित था इस कारण। या फिर उनका किस प्रकार प्रभावशाली रीती से उपयोग हो सकता है इसके विषय में उनके दोषपूर्ण और सिमित दृष्टिकोण ने उनकी समझ को सिमित कर दिया था।

आपने लोगों को यह कहते हुए कई बार सुना होगा, “हम हमेशा से ऐसा ही करते आए हैं।” ठीक है, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूँ कि दोहरा भाग इस तरह से नहीं आएगा।

जब मैंने अपनी कंपनी की पूरी कार्यप्रणाली को देखा, तब परमेश्वर ने मेरी आँखें उन कई टुकड़ों को देखने के लिए खोल दीं जिन्हें मैं टेबल पर यूँ ही छोड़ रहा था, जिन्हें वास्तव में मुझे उठाना चाहिए था। जब हम किसी ग्राहक के साथ काम करना शुरू करते है तो हम सबसे पहले यह देखते है कि उनके पास क्या संपत्ति है, और फिर यह देखते है कि उनका क़र्ज़ कितना है। फिर हम उनकी संपत्ति और पैसों का यह ध्यान में रखते हुए अवलोकन करते है कि किस प्रकार हम उसमे से कुछ भाग को ऋण उन्मूलन की दिशा में स्थानांतरित कर सकते हैं। हम डेटा शीट पर ऋण की स्थिति, ऋण की शर्तें और ब्याज दर को सूचीबद्ध करते हैं। उस समय, हम अपने ग्राहकों को उच्च ब्याज दर वाले ऋण का भुगतान करने के लिए उनकी होम इक्विटी

के बदले एक लाइन ऑफ क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने की सलाह देते थे, इस प्रकार उनके नियमित 21% ब्याज दर को घटाकर 6% की दर पर ले आते थे। इस पैंतरेबाज़ी से परिवार को दर माह औसत $500 से $600 की नकदी की बचत होने लगी। इस स्थिति पर आने के बाद, हम अपने ग्राहकों को उनके अपने बैंक में समेकन ऋण प्राप्त करने के लिए वापस भेज देते थे।

जब मैं अपनी कम्पनी की कार्यप्रणाली का जायजा ले रहा था, तो पवित्र आत्मा ने इस प्रॉपर्टी के बदले में ऋण लेने के मुद्दे की ओर इशारा किया। "आप उस प्रॉपर्टी के बदले में ऋण के कार्य को क्यों नहीं संभालते?" जब मैंने इसके बारे में सोचा, तब मुझे बात समझ में आ गई। हमारे पास पहले से ही ग्राहक का पूरा विवरण था; हमारे कार्य पर उनका विश्वास और भरोसा था; और देखा जाएँ तो, हम ही थे जो उन्हें सुझाव दे रहे थे कि वे अपने ऋण को पुनर्वित्त करें, अर्थात रिफाइनैंस करें।

व्यवसाय के इस भाग को संभालने के लिए मुझे एक नया व्यवसाय सीखने, लाइसेंसिंग और प्रशिक्षण को पास करने और बहुत कुछ करने की आवश्यकता होगी। मेरे पास बस वह सब करने का समय नहीं था। लेकिन जब मैंने इसके बारे में प्रार्थना करना जारी रखा, तो प्रभु ने मुझे प्रॉपर्टी के बदले में ऋण देने वाली इस कंपनी को स्थापित करने और चलाने के लिए किसी और को नियुक्त करने के लिए प्रेरित किया, और मैंने वैसा ही किया। प्रॉपर्टी के बदले में लोन के कार्य को अपने आप अर्थात अपनी इस नई कंपनी के द्वारा संभालने से उस पहले वर्ष में ही अतिरिक्त $160,000 का मुनाफा हुआ। यह पैसा मेरे पास कभी नहीं होता अगर मैं पवित्र आत्मा की उन टुकड़ों के बारे में अगुवाई की ओर ध्यान नहीं देता, जिनको मैं देख रहा था लेकिन कभी ध्यान देने का प्रयत्न नहीं किया था।

पवित्र आत्मा ने मुझे और भी अनेक टुकड़ों के बारे में अगुवाई की और मैने उन्हें भी बटोरना शुरू किया। एक टुकड़ा था जिसे मैं नज़रअंदाज़ कर रहा था- केवल इसलिए कि मैने कही पढ़ा था या लोगों को यह कहते हुए सुना था कि इन क्षेत्र में व्यवसाय करना उतना किफायती नहीं होगा - लेकिन जब मैने उसे करना शुरू किया तब वह हमारे लिए एक बड़ी सफलता बन गया। जब मैंने अंत में इसका आकलन किया, तो मुझे एहसास हुआ कि इस उत्पाद क्षेत्र के बारे में मैंने जो भी जानकारी सुनी थी, वह गलत थी और वास्तव में, यह हमारी कंपनी के लिए एक उत्कृष्ट सफलता थी। उस टुकड़े ने वास्तव में मेरे मुख्य व्यवसाय की तुलना

में अधिक आय का उत्पादन किया है, लाखों डॉलर्स की अधिक आय मुझे दी है। यह सचमुच मिलियन डॉलर का अनमोल टुकड़ा था!

तो चलिए मैं इसे आपके लिए स्पष्ट कर देता हूं। प्रकाशन के द्वारा दोहरे हिस्से को प्राप्त किया जाता है! प्रकाशन वो होता है जो पवित्र आत्मा आपको दिखता है जिसे आप खुद नहीं जान पाएं या देख पाएं है। पवित्र आत्मा आपकी आँखों को किसी ऐसी चीज़ को देखने के लिए खोलता है जिसे आप स्वयं नहीं जानते थे। इसे प्रकाशन का ज्ञान कहा जाता है।

प्रकाशन यह दोहरा हिस्सा पाने की कुंजी है!

फिर लोग मुझसे पूछते हैं, "मैं पवित्र आत्मा को कैसे सुन सकता हूँ? इन छिपे हुए कल्पनाओं और अवसरों को कैसे प्राप्त करना चाहिए यह जानने के लिए मै उसे कैसे सुनु?" महत्वपूर्ण प्रश्न। परमेश्वर की आवाज सुनने के बारे में गहराई में जाने के लिए इस पुस्तक में मेरे पास समय नहीं है। लेकिन मैं आपको मेरी दूसरी पुस्तक पढ़ने का अनुरोध करता हूँ जिसका शीर्षक है, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा। आप इसे ऐमज़ॉन या हमारी वेबसाइट से खरीद सकते हैं। उस पुस्तक में, आपको इस बारे में अधिक जानकारी मिलेगी कि पवित्र आत्मा परमेश्वर की छिपी योजनाओं को हम पर प्रकट करने के लिए कैसे कार्य करता है, ताकि हम ठीक यहीं शैतान की नाक के नीचे पृथ्वी के दायरे में समृद्ध हो सकें; और इसके बारे में वह कुछ नहीं कर सकता। लेकिन आपको सही दिशा में ले जाने के लिए, आइए **1 कुरिन्थियों 14:2** पर एक नज़र डालें।

> *क्योंकि जो अन्य भाषा में बातें करता है वह मनुष्यों से नहीं परन्तु परमेश्वर से बातें करता है;*

इसलिये कि उसकी बातें कोई नहीं समझता, क्योंकि वह भेद की बातें आत्मा में होकर बोलता है।

पद 4 में कहा गया है,

> *जो अन्य भाषा में बातें करता है, वह अपनी ही उन्नति करता है*

उन्नति पाना इस शब्द का अर्थ है निर्देश या समझ प्राप्त करना। मुझे और आपको भी इसकी आवश्यकता है। जब बाइबल यहाँ पर अन्य भाषा में बोलने के बारे में बात कर रही है या, जैसा कि पौलुस इसका वर्णन करता है, आत्मा में प्रार्थना करना, मैं आपको प्रोत्साहित करना चाहता हूँ - चाहे आपने पवित्र आत्मा के इस कार्य के बारे में कुछ भी सुना हो, चाहे किसी ने आपको बताया हो कि यह है प्रेरितों के साथ समाप्त हो गया या यह शैतान का कार्य है—आप अपनी बाइबल पढ़ो! आत्मा में प्रार्थना करने का अर्थ है कि पवित्र आत्मा द्वारा पृथ्वी के क्षेत्र में आपके माध्यम से प्रार्थना करता है ताकि शैतान के जाने बगैर परमेश्वर इच्छा पूरी हो सके। आत्मा में प्रार्थना करना स्वर्ग से प्रकटीकरण सुनने की एक प्रमुख कुंजी है, और मैंने यह जो कहा है उस पर अध्ययन करने के लिए मैं आपको प्रोत्साहित करता हूँ। और यदि आपके मन में कुछ प्रश्न हैं, तो मेरी पुस्तक प्राप्त करें और मुझे पता है कि यह आपको जीवन में पवित्र आत्मा के इस अद्भुत कार्य के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगी।

मैं इस पुस्तक को पवित्र शास्त्र के दो पदों के साथ समाप्त करना चाहता हूँ जो मूल रूप से इस अध्याय का सार है।

> *अब जो ऐसा सामर्थी है कि हमारी विनती और समझ से कहीं अधिक काम कर सकता है, उस सामर्थ्य के अनुसार जो हम में कार्य करता है, कलीसिया में और मसीह यीशु में उसकी महिमा पीढ़ी से पीढ़ी तक युगानुयुग होती रहे। आमीन।*
>
> —इफिसियों 3:20-21

आप कभी भी ऐसा कुछ नहीं मांग सकते जिसके बारे में आपने सोचा न हो। मेरे पास वर्तमान में दो हवाई जहाज हैं, एक छोटा विमान जिसे मैं मज़े के लिए उड़ाता हूँ और मेरा व्यावसायिक विमान जिसे मैं देश में कहीं भी जाने के लिए इस्तेमाल करता हूँ। जब मैं व्यवसाय के लिए एक विमान खरीदने पर विचार कर रहा था, तो मैं कीमत देखकर चौंक गया। हवाई जहाज सस्ते नहीं हैं! मैंने पीछे हट गया और सोचना शुरू किया, "बिजनेस के लिए विमान के बिना मेरा काम चल सकता है। आखिर इसमें बहुत पैसा लगेगा। लेकिन मैं हर हफ्ते विमान सेवा की एयरलाइनों से यात्रा कर रहा था, और एक महीने में मैंने 23 बार विमान यात्रा की। इस

प्रकार की यात्राएं मुझे बहुत थका देती थी। हां, मैं कह सकता हूं कि मेरे पास प्रावधान था। मेरी सभी उड़ानों के लिए भुगतान किया जाता था; इन यात्राओं के खर्चे के लिए पैसे को लेकर कोई समस्या नहीं थी। लेकिन मेरी एयरलाइन यात्रा में सब कुछ ठीक था लेकिन आराम नहीं मिलता था, वे थका देने वाली थी। उड़ानें रद्द हो गई या देरी से चलने वाली होती थी, तब बहुत गड़बड़ हो जाती थी। यह सब्त का विश्राम नहीं था जिसकी मुझे आवश्यकता थी।

अंत में, मैंने स्वीकार किया कि मैं यहाँ परमेश्वर को सीमित कर रहा था। वह दोहरा हिस्सा देने वाला परमेश्वर है। , मुझे यह कहते हुए खेद है कि ड्रेंडा और मैं उस विमान को खरीदने के लिए एक साल से अधिक समय तक सोचते सोचते डगमगाते रहे। अंत में, परमेश्वर ने हमारा ध्यान उस विमान की ओर आकर्षित किया और हमें बताया कि वह दो साल से उस विमान को हम तक पहुँचाने की कोशिश कर रहा था! हमने पश्चाताप किया और अपना निर्णय लिया। हमने अपना बीज उसी

व्यावसायिक विमान के लिए बोया, जिसे हम चाहते थे और जिसकी हमें आवश्यकता थी; और जब हमने यह कदम उठाया, तब वह विमान हमारे पास दो महीने के भीतर आ गया। उस समय के दौरान, परमेश्वर ने मुझे कुछ व्यापारिक सौदे पुरे होने के लिए अंतर्दृष्टि और कृपा प्रदान की, और जब मुझे आवश्यकता थी उसी समय मेरे पास पैसा उपलब्ध था।

हाँ, परमेश्वर दोहरे भाग का परमेश्वर है। क्या इससे फर्क पड़ा? जी हाँ, मेरे जीवन में किसी भी एयरलाइन के विमान से यात्रा करने की तुलना में अपने विमान से यात्रा करना मानो, 50 किलोमीटर दूर किसी से मिलने के लिए जाना हो तो अपनी साईकिल से जाने के बजाय कार चलाकर जाने जैसा था। यही वास्तविकता है! और परमेश्वर दो साल से मुझे वह देने की कोशिश कर रहा था लेकिन मैं केवल उसी में संतुष्ट था जो मेरे पास था और उस दुगने हिस्से के प्रति अंधा बना रहा जो परमेश्वर ने मुझे पहले से ही प्रदान किया हुआ था। मुझे बस इसे देखने की ज़रूरत थी।

आपके पास शायद ऐसी कार है जिसे हर वक्त किसी ना किसी प्रकार की रिपेअर की ज़रूरत होती है, और हर बार आप यही प्रार्थना कर रहे होते है कि जब आप सुबह कही जाने के लिए तैयार हो जाएं तब किसी दिक्कत के बिना वह आराम से शुरू हो जाएं। अपने खाली बैंक खाते को देखकर उसके आधार पर अपने जीवन जीने के निर्णय लेना बंद करें। इसके बजाय,

दोहरे हिस्से के परमेश्वर को आपको वो टुकड़े दिखाने दें, वो छिपी हुई चीजें जिन्हें आपको मुक्त होने और शांति और सब्त के विश्राम का आनंद लेने के लिए जानने की आवश्यकता है। यदि आप केवल परमेश्वर से पूछेंगे तो वह आपको योजना देगा और आपको दिखाएगा कि इसे कैसे करना है, जैसा कि यीशु ने कहा, "कुछ भी व्यर्थ न जाए!" आपके लिए दोहरा भाग पहले ही प्रदान किया जा चुका है!

> *अत: जान लो कि परमेश्वर के लोगों के लिये सब्त का विश्राम बाकी है; क्योंकि जिसने उसके विश्राम में प्रवेश किया है, उसने भी परमेश्वर के समान अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है।*
>
> — इब्रानियों 4:9-10

मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक आपके लिए और प्रभु यीशु मसीह के साथ विश्वास में चलने के लिए एक आशीष रही है। जैसा कि मैंने इस पुस्तक में कहा, यह "आपकी वित्तीय क्रांति" श्रृंखला में दूसरी पुस्तक है। इस श्रृंखला में कुल पांच पुस्तकें है, इसलिए अगली पुस्तक के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ। साथ ही, टीम रेवोल्यूशन, हमारे मेंटरशिप प्रोग्राम का सदस्य बनने पर विचार करें। आप टीम क्रांति से संबंधित अधिक जानकारी हमारी वेबसाइटों पर भी प्राप्त कर सकते हैं।

गैरी और ड्रेंडा कीसी न्यू अल्बानी, ओहियो, 1-(800)-815-0818 में फॉरवर्ड फाइनेंशियल ग्रुप के मालिक हैं और उसका संचालन करते हैं।

गैरी और ड्रेंडा कीसी न्यू अल्बानी, ओहियो में फेथ लाइफ चर्च की पासबानी करते है।

गैरी और ड्रेंडा कीसी द्वारा अधिक संसाधनों के लिए, FaithLifeNow.com, GaryKeesee.com, या Drenda.com. पर जाएं।

गैरी किसी द्वारा अन्य पुस्तके

पावर ऑफ़ एलिजेंस (अधीनता की सामर्थ)

पावर ऑफ़ रेस्ट (विश्राम की सामर्थ)

पावर ऑफ़ जेनरॉसिटी

पावर ऑफ़ स्ट्रेटेजी

पावर ऑफ़ प्रोविजन

आपकी वित्तीय क्रांति
विश्राम की सामर्थ

क्या आप थक चुके है ?

चूहा दौड़ दौड़ने से थक गए?
एक ही जगह फंसे रहने से परेशान हैं?
चिंता करते करते थक गए है?
जीवन में कोई ख़ुशी ना होने से परेशान हो गए है?

आपको अब और अधिक इस प्रकार का जीवन जीने की आवश्यकता नहीं है।

खोज की इस अविश्वसनीय यात्रा पर गैरी कीसी के साथ जुड़ें, और एक नई प्रणाली सीखें—एक ऐसी प्रणाली जो आपके जीवन में पूरी तरह से क्रांति ले आएगी, ठीक वैसे ही जैसे उनके जीवन में नौ वर्षों का परेशानियों से भरा जीवन जीने के बाद और आर्थिक, शारीरिक और मानसिक रीती से ख़त्म होने की कगार पर आने के बाद आई थी।

जानने का प्रयत्न करें:

1. गैरी के लिए सब कुछ कैसे बदल गया—कैसे वह आर्थिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह से हताश होने की स्थिति से स्वस्थ और पूर्ण, कारों के लिए नकद भुगतान कर पाना, कर्ज के बगैरअपना घर बनाना, कई कंपनियों को शुरू करना, राज्य के बारे में ... विश्राम का जीवन जीने के बारे में सैकड़ों हजारों लोगों को शिक्षा देने के लिए जाना यह सफर पूरा कर पाए।
2. आपके लिए भी सब कुछ कैसे बदल सकता है—आप विश्राम का जीवन कैसे जी सकते हैं।

चाहे आपके जानने वाला हर कोई परेशानी का जीवन जी रहा है और केवल जीवित रहने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, तो आपको इस तरह जीने की ज़रूरत नहीं है।

सब्त के विश्राम के प्रमुख सिद्धांत को समझकर आप अपने जीवन में वास्तविक परिणाम देख सकते हैं। आप ऐसे स्थान पर पहुँच सकते हैं जहां आपकी जरूरतें पूरी हों; आप चूहा दौड़ दौड़ने से मुक्त हो जाएँ; अपने उद्देश्य और जुनून को खोजने और समृद्ध होने के लिए स्वतंत्र हो जाएँ, जहां आप केवल जीने के लिए जीवित रहने की प्रणाली से ऊपर उठकर समृद्धि की ओर बढ़ते जा रहे हैं; और जहाँ आप दुनिया को ऐसे परिणाम दिखा रहे हैं जो सामान्य रूप से देखे जाने वाले परिणामों से भिन्न हैं।

एक ही स्थान में फंसे हुए मत रहें। परेशान और थके हुए मत रहें।

जीने का एक नया तरीका खोजें!

गैरी कीसी एक लेखक, वक्ता, उद्यमी, वित्तीय विशेषज्ञ और पादरी हैं, जिन्हे लोगों की अपने जीवन में जीत हासील करने में मदद करने की लगन है, विशेष रूप से विश्वास, परिवार और वित्त के क्षेत्रों में। गैरी और उनकी पत्नी, ड्रेंडा ने कई सफल व्यवसाय बनाए हैं, और फेथ लाइफ नाउ के संस्थापक हैं, जो दो टेलीविजन कार्यक्रम- फिक्सिंग द मनी थिंग और ड्रेंडा का प्रसारण करते है, वे विश्वव्यापी सम्मेलन करते है और व्यावहारिक संसाधन भी तैयार करते है। कीसी दम्पति कोलंबस, ओहियो के पास फेथ लाइफ चर्च .की पासबानी भी करते है।

GKM GARY KEESEE MINISTRIES
garykeesee.com